

कोन की बैल बजते ही देवराज चौहान ने रिसीवर उठाया । "हैलो।"

"देवराज धीहान?" दूसरी तरफ महादेव या—"पहचाना मुद्रे?" "महादेव?"

्छा । सुनी, मुझे तुमसे जरूरी काम है । बोलो कहां मिलते हो ?" महादेव की आधाज कानों में पड़ी ।

"तुम्हारी तबीयत फैसी है। तुम ईलाज करवा-।"

"वो बीमारी ठीक नहीं होने वाली। डॉक्टर खामखाह तसल्ली देते रहते हैं। मैं जानता हूं, कभी भी लुढ़क सकता हूं। वैसे भी बहुत जी लिया। छोड़ो इन बातों को, कहां मिलं रहे हो?"

"तुन बोलो?"

"माहिम, रेलवे स्टेशन के बाहर मिलो। जल 'आना।" महादेव की आवाज में बेवैनी आ गई थी।

देवराज चौहान के चेहरे पर अजीब-से मान उमरे। "सास बात है?"

"हां। यूं समझो कि जा का खतरा सिर पर है।"

्रमें पहुंच रहा हूं।" कहने के साथ ही देवराज चौहान ने रिसीवर स्वा और अनमोहन को पुकारा—"जगमोहन!"

बंगते के एक कमरे से जगमोहन निकलकर पास आ पहुंचा। महत्वेव के फोन के बारे में बताकर देवराज चौहान बोला।

"मैं माहिम जा रहा हूं। द्यापर से तुम अकेले ही मिल आओ। वक्त मिला तो मैं वहीं पहुंच जाऊंगा।"

जहाज नम्बर 302-7

"कहो तो, में भी साथ चर्चू। धापर से बाद में—।"
"धापर कई दिनों से याद आ रहा है। खुद तो वो 'थापर समूह को जनाने ने लगा हुआ है। इसलिये उसे आने का वन्ह नहीं मिल रहा। तुम आज उसके पास हो ही आओ।" देवराज चौहान ने कहा। पाठक जानते हैं कि द्यापर जो मादक पदार्थों का किंग वा कभी। अब देवराज चौहान के कहने पर मादक पदार्थों का किंग वा कभी। अब देवराज चौहान के कहने पर मादक पदार्थों का छोड़कर, उद्योगपति बनता जा रहा द्या। शहर के इज्जतदार लोगों वे उसकी गिनती होने लगी दी।

श्रीह

HI

को

"ठीक है।" जगमोहन ने कहा-"में यापर से मिलकर जाता

100

अगले ही मिनट देवराज चौहान कार पर, माहिम रेलवे स्टेशन की तरप बढ़ा जा रहा था।

माहिम रेलवे स्टेशन के सामने, सड़क पार मीजूद पार्किंग में, देवराज चौहान ने कार पार्क की और सड़क पार करता हुआ रेलवे स्टेशन के बाहरी गेट के पास आ पहुंचा और सिग्रेट सुलमाते हुए महादेव की तलाश में इघर-उघर निगाहें दौड़ाने लगा।

मिनट भर ही बीता होगा कि देवराज चौहान की निगार्हे महादेव पर ठहर गई। जो इसी तरफ बढ़ा आ रहा था। परन्तु अभी दूर था। देखने पर एकबारगी तो वह पहचानने में नहीं आ रहा वा।

सिर के बाल और दाढ़ी के बाल पूरी तरफ सफेद हो चुके वे। कमजोर इस हद तक हो गया था कि बदन पर पड़े कपड़े झूलकर सीचे सटकते महसूस हो रहे थे। गाल पिचक-से गये थे। देखने पर स्पष्ट तौर पर लग रहा था कि पैसे की तरफ से उसका हाथ तंग है जबकि देवराज चौहान ने ईलाज कराने के नाम पर उसे लाखें रुपबा दिया था। वह समझ गया कि महादेव की बीमारी बढ़ती जा कि है। उसी की वजह से उसका शरीर ढल रहा है।

महादेव पास पहुंचा।

देवराज चौहान ने स्पष्ट महसूस किया कि उसके वेडरे पर घषराहट और आंखों में बेचैनी है।

"व बात बाद में। पहले वो बात करूंगा, जिसके लिए तुन्हें पढ़ां बुलाया है।" महादेव ने जल्दी से कहा।

जहाज नम्बर 302-8

"बात करने की लिये तुम बंगत पर की जा सवल थे।" देवगात चौदान ने उसे महरी निगादी से देखा !

नका । जानात एम ह कि मेरा खुने में रहना टीक नहीं । जान का खतरा है कल रात से भागा फिर रहा हूं। जवानक तुम्हारा ध्यान आते ही, लगा जैसे सिर से बोझ उत्तर गया हो। मैंन एकटम तुन्हें फोन गारा।" कहने के साथ ही महादेव की निगार इथा-उपार दीही।

"बास क्या है?"

"MET - |"

उसी पस देवराण चीहान के देखते ही देखते महादेव के चेडरे हैं. माव बदसे। गुंह खुना का खुना रह गया। आंधे पाटका थीड़ी हो गई।

यो गिरने को हुआ कि देवराज चौठान ने उसे फीरन संमाना।

"महादेव-महादेव-!"

महादेव का पूरा बोझ देवराज थोहान पर पड़ चुका या। दूसरे ही क्षण देवराज चीहान को दाये हाब में विपरिचाहर-छी महसूस हुई। उसने देखा। हवेली खून से सन चुकी है। महादेव की कमर में सार्टरेसर लगी रिवोस्वर से गोली मारी गई थी, जो कि पीठ से बाहर निकल गई थी।

देवराज चौहान ने फीरन महादेव को बैक्ट किया।

अभी जान बाकी थीं उसमें।

देवराज चीहान के दांत पिंच गर्व । घेहरा मुख्ये से धंधक उठा । उसने फौरन सिर घुमाकर रेलवे स्टेजन की तरफ देखा। गोली उसी तरफ से चलाई गई थी। वहां सोग मीजूद ये। वाईवी की निगाह, उन पर पड़ चुकी थी और वो हैरानी में हिठक कर नजारा देख रहे थे।

'किसने मारी गोली?' देवराज चौडान गुस्सेमरे स्वर में चिल्लाया।

जदाब कीन देता।

"तुम फिक्र मत करो महादेव! मैं तुम्हें-।"

"देव-राज-मे-री छो-ड़ो। में तो वैसे मी गिनती के दिन जी रहा या। दो दिन पहले क्या और बाद में क्या "।"

"नहीं महादेव, मैं-।"

"वक्त बरबाद मत करो। मेरी सुनो।" महादेव की आवाज मध्यम पड़ती जा रही घी-"मैं-।"

"मुझे इतना बता दो, गोली मारने वाले कीन लोग हैं?" देवराज

चौहान ने पिचे स्वर में कहा।

महादेव की आंखें बंद हो चुकी थीं। "महादेव-महादेव-।" देवराज चौहान ने उसे जोरों से हिलाया।

मुझ-मुझ नाच ।लटा-दो।" महादेव के होंठी से पुसपुसाती आवाज निकली।

भें की हेनसम्ब भी कर ने को जीचे लिटाया।

महादेव की बंद पलकों में कम्पन हुआ। उसने आंखे खोली। देवराज चौहान को देखा।

"कुछ तो बोलो-महादेव-।" देवराज चौहान से सहा नहीं जा रहा था, इस तरह प्रहादेव को मस्ते देखना।

महादेव के होंठ हिले।

देवराज चौहान ने अपने होंठ और भी सख्ती के साथ भीव तिये। "ती-तीन सौ दो।" महादेव के होंठ जरा से खुले। मध्यम-सी आवाज निकली और इसके साथ ही उसकी सांसे ठक गई।

"महादेव, क्या तीन सौ दो? मैं समझा नहीं तुम" ।" देवराज चौहान के भिंचे होंठों से निकला।

लेकिन अगले ही पल समझ गया कि महादेव अब नहीं रहा। वो मर चुका है। देवराज चौहान के चेहरे पर पत्थर की कठोरता जैसे भाव आ गये। उसने आसपास निगाहें दौड़ाई। भीड़ बढ़ती जा रही थी। महादेव के शरीर को इसी तरह छोड़कर जाना उसके लिये मजबूरी बन गई थी। पुलिस अब किसी भी वक्त आ सकती थी और उसके देवराज चौहान होने की पहचान होते ही, सिर पर मुसीबतों हा पहाड़ दूट सकता था।

महादेव की खुली आंखों को देवराज चौहान ने बंद किया और उठ खड़ा हुआ। भीड़ की तरफ निगाह मारी। वह जानता था कि महादेव की जान लेने वाला, इसी भीड़ में भौजूद है, परन्तु उसे पहचाना नहीं जा सकता। चेहरे पर कठोरता समेटे देवराज चौहान तेज कदमों से सड़क की तरफ बढ़ गया। जिसके पार पार्किंग में उसकी कार खड़ी थी। किसी ने भी उसे रोकने की चेप्टा नहीं की।

देवराज चौहान के मस्तिष्क में इस वक्त सिर्फ दो ही वातें थीं। उसकी बांहों में महादेव की मौत और तीन सौ दो?

क्या कहना चाहता था महादेव?

जगमोहन ने जब बंगले में प्रवेश किया तो देवराज चीहान को फे पर बैठा पाया। दोनों टांगें सामने मौजूद सेंटर टेबल पर रखी याँ। उंगलियों में फंसी सिग्नेट से वह कश ले रहा था।

जगमोहन ने एक ही नजर में पहचाना कि देवराज चौहान पुरसे से अस रख है। जनभोरन पन ही यन सतके हुआ और करीय पहुंचा। नामा है चिते हैं देवसन गोहान ने प्रधा

"एवं ।" असमोहन ने गहरी निमातों से उसे देखा-"ज्या वात है। मुस्से भें हो।"

असमोहन को देखते, देवराज चीरवन ने कश लिया। "महादेव को गोली भारकर उसकी जान से ली गई।"

क्या कर रहे हो।"-जगमोहन चिंहक उठा।

"महादेव मेरे से बात कर रहा हा, जब उसे गोली मारी गई। मेरी मोही में उसने दम लोड़ा । वहां भीड़ थी, गोली भारने वालों को, मैं नहीं देख पाया।" देवराज चौहान के दांत भित गये-"वो भर गया। मैं उसके लिये कुछ नहीं कर पाया, क्योंकि वहां पुलिस कभी भी आ सकती थी। उसके शरीर को छोड़कर आना पड़ा।"

जगमोहन की हालत अजीब-सी हो रही थी। महादेव का मरना उसे हजन नहीं हो रहा या।

"यह सब हुआ कैसे?"

"महादेव जब मुझसे मिला तो, वो पहले ही कुछ इरा हुआ वा। मोला कल रात से मैं उन लोगों से बचता फिर रहा हूं। मेरा ध्यान ही उसे सुबह आया कि-।"

"किन लोगों से बचता फिर रहा या?" जगमोहन के चेहरे पर

कठोरता उभरी।

"वो बता नहीं पाया। उसे कुछ भी कहने का मौका नहीं मिला .और मारा गया।"

"ओह-!"

"मरने से ठाक पहले उसने सिर्फ 'तीन सौ दो' कहा। शायद तब वो असल मामला बताने जा रहा द्या परन्तु सांसों ने साथ नहीं दिया। वो कुछ भी बता नहीं पाया।"

देवराज चौहान और जगमोहन एक-दूसरे को देखने लगे। "तीन सी दो का वया मतलब?" जगमोहन के माघे पर बल

पड़े हुए थे।

"कह नहीं सकता। लेकिन यह किसी चीज का नम्बर है। जिसके बारे में महादेव कुछ जान गया या और उसे मारने वाले लोग नहीं चाहते ये कि कोई 'तीन सी दो' के बारे में जाने। यही वजह रही कि वो महादेव के पीछे पड़ गये और अंत में वो उसकी जान लेकर ही रहे। तब मेरे बस में कुछ नहीं या। में उसे नहीं यवा सका।" कहते कहते देवराज चौहान के चेहरे पर खतरनाक पाव

"यानि कि महादेव जिस मामले के बारे में बताना चाहता था, वे उसकी मौत के साथ ही खत्म हो गया।" जगमोहन बोला।

"महादेव की जान अवश्य चली गई।" देवराज चौहान की आवाज में सुलगन थी-"लेकिन मामला खल्म नहीं हुआ। वो तो अब शुस्र हुआ है।"

जगमोहन को निगाह, देवराज चौहान के कटोर चेहरे पर जा टिकी।

"मैं समझा नहीं - 1"

"तीन सो दो, क्या है? किस चीज का नम्बर है? मुझे इस बात से कोई वास्ता नहीं, लेकिन जो लोग तीन सौ दो के बारे में जानते है, इससे वास्ता रखते हैं, वो ही महादेव के हत्यारे हैं और महादेव की हत्या मेरी बाहों में हुई है। ऐसे में भेरा फूर्ज बनता है कि पे महादेव के हत्यारे को सजा दूं। और महादेव के हत्यारे तक तभी पहुंच सकता हूं, जब तीन सौ दो नम्बर की हकीकत के बारे में जानूं, क्योंकि हत्यारे का सम्बन्ध तीन सी दो नम्बर से है।"

जगमोहन ने सहमति से सिर हिलाया। चेहरे पर गम्भीरता थी। "तीन सौ दो नम्बर के बारे में कैसे मालून किया जाये?"

"शुरुआत महादेव से ही होगी।" देवरात चौहान ने दाल भी वकर कहा- "मेरा अभी खुले में जाना ठीक नहीं, क्यों कि बहुत से लोगों ने महादेव को मेरी बाहीं में दम तोइते देखा है और उसके मरने के बाद मैं वहां से चला आया। मुझे देखने वालों ने पुलिस को मेरा हुलिया बताया होगा। वाजा-ताजा हुलिया सुने पुलिस वाले मुझे देखकर पहचान सकते हैं। और मैं बेबजह वाले पुलिस के झंझट से दूर रहना चाहता हूं।"

जगमोहन, देवराज चीहान की देखता रहा।

"महादेव ने कहा या कि वो बीती रात से जान बचाता हिर रहा है?"

"51 1"

"तो मालूम करो महादेव किन-किन लोगों में बैठता य। किन से मिलता या और इन दिनों क्या कर रहा था। खासतीर से यह मालूम करों कि कल रात को कहां या।" देवराज चौहान ने मिंचे स्वर में कहा।

जहाज नम्बर 302-12

जगमोहन ने समझाने वाले दंग से सिर हिलाया।

"कहां से शुरूआत करोगे?"

"महादेव के घर के आस-पास से ही। इस बारे में पहली खबर तो वहीं से पिलेगी।" जगमोहन ने कहा।

"अगर महादेव के घर पुलिस पहुंच चुकी हो तो, अभी पूछताछ मत करना।" देवराज चौहान बोला।

जगमोहन, बंगले से बाहर निकल गया।

देवराज चौहान उठा और बेवैनी से वहां टहलने लगा। महादेव की मीत को वह वर्दास्त नहीं कर पा रहा था। खास वजह यह थी कि उसके सामने महादेव को गोली मारी गई। उसकी बांहों में यो मरा ।

तमी फोन की बैल बजी। देवराज चौहान ने रिसीवर उठाया।

दूसरी तरफ सोहनलाल या।

"महादेव के बारे में सुना।" सोहनलाल की आवाज कानों में पड़ी-"किसी ने माहिम रेलवे स्टेशन के बाहर उसे गोली मार दी। वो मर गया है। ये एक-दो घण्टे पहले की बात है।"

देवराज चौहान के चेहरे पर कठोरता आ गई। "उसके मरने के बारे में तुम्हें किसने बताया?"

"अभी दस मिनट पहले, किसी ने बताया या।" सोहनलाल की आवाज आई-"कल वो मुझे मिला घा।"

"कौन-महादेव।"

"FT 1"

देवराज चौहान मन ही मन सतर्क हुआ।

"कहां ?"

"चैम्बूर में - वहां - ।"

"उसके साथ क्या बात हुई?" देवराज चौहान ने उसकी बात

काटकर पूछा।

"बात हो ही नहीं पाई। सड़क पर ही आमना-सामना हुजा। उसने मुझे कोई भाव नहीं दिया। मेरी तरफ देखकर सिर्फ मुस्कराया था। मैं समझ गया कि वो किसी फेर में है। क्योंकि तब उसके साध कोई खूबसूरत युवती थी। मैंने भी उसे रोकने की कोशिश नहीं की। वो अपने रास्ते लग गया और मैं अपने रास्ते—।"

देवराज चौहान की आंखें सिकुड़ चुकी थी।

यहाज नमार 302-13

"रोपहर का वक होगा। एक-रो-तीन के बीच का। तुम क्यां
"इस वक्त क्या कर रहे हो?" देवराज चीहान ने कहा।
"भी पास आओ। कुछ बात करनी है।" कहने के साथ ही
देवराज चीहान ने रिसीवर एस दिया।

[]

"समझे।" देवराज चीहान की कठोर निगाह, सोहनलाल के चेहरे पर थी—"महादेव ने भेरी ही बाहों में दम तीड़ा था"।"

सोहनलाल सब-दुष्ठ जान चुका था। चेहरे पर गम्भीरता लिए, उसने गोली वाली सिग्रेट निकाली और मुलगाकर कश लिया। निगाहें देवराज चौहान पर जा टिकीं।

"महादेव के मरने का वास्तव में अफसोस हुआ, क्योंकि दो अच्छा बंदा था। कई बार हमारे साथ काम कर चुका था।"

"तुमने बस युवती को अंग्डी तरह देखा था, जिसके साथ कल महादेव था?" देवराज चौहान ने पूछा।

"हां। बहुत अच्छी तरह देखा था। क्योंकि उसका और महादेव कोई मेंल ही नहीं था। वो खूक्सूरत थी। जबकि महादेव उसके बलता, बेहद गरीब इन्सान लग रहा था। यो लड़की पैसे वाली ही थी। मेरे ख्याल से महादेव नोटों के फेर में ही उसके साथ होगा।" सोहनलाल बोला।

"तुम्हारा मतलब कि युवती का कोई काम करके, महादेव उससे नोट वसूलना चाहता होगा।" "हां।"

लेदि

तो

युवत

काम

जाये

महादे

"मैं नहीं मानता।"

"क्याँ?"

"महादेव को मुहत बाद आज ही मैंने देखा है। वो बहुत कमजोर हो मुका है। इस काबिल नजर नहीं आया कि वो कोई काम कर सके या फिर कोई उसे काम करने को कहे। काम कराने वाले को उससे बढ़िया संहत बाले और फुर्तीले लोग मिल सकते हैं तो वह युवती, मेरे ख्याल में महादेव से कोई काम नहीं करायेगी।"

**WETER WANT 302-14.** 

नाती कि किसी साल पण्ड के तहत महातेच उस पुपती के साथ था। विशेश भीशाच में शब्दों पर और देवर कहा।

सोतवताल होत सियोरे, कई यहां तक सोयमरी विवाही से देवराज बोहान को बेसला रहा।

"मेरे स्थाल में उसी धजह के कारण ही महादेख की जान कई।"

"और वो बजत क्या थी?" सोहनलात ने पूछा।

"अभी पूस बारे में बुक नहीं बता कि महादेव बचा कर रहा बार 1" देवराज बीहान के होट शिवे गये—"लेकिन यह तो पक्के तीर घर तम है कि महादेव किसी बड़े भागले में हाथ है बैठा था और उस बाबले का ताल्लुक किसी ऐसी पीज से या जो तीन सी, दो नव्यार से वास्ता रखती है। क्योंकि मस्ते वक्त, उसके मुंह से आखरी शब्द यही निकले बे—सीन सी दो 1"

"यह तीन सी दो क्या हो सकता है?"

न्येने तुष्टें दो भातों के लिये मुलावा है।" देवराज चीहान ने मण्डीर स्वर में कला।

"ONT ?"

"एक तो यह कि कल महादेव के साथ वो युवती कीन थी। अगर उसके बारे में मालूम हो जाये तो काफी हद तक मायला खुलकर सामने आ सकता है।" देवराज धीहान ने सोचमरे स्वर में कहा।

च्यह काम इतना आसान नहीं।" सोहनलाल ने होंठ सिकोड़कर फहा ।

"क्यों ?"

्यह ठीक है कि मैं उस युवती को देखते ही पहचान लूंगा। लेकिन वो गिलेगी कहां? मुम्बई जैसे शहर में अपनी बीवी खो जाये सो उसे नहीं दूंडा जा सकता। वो तो मेरे लिये बिल्फुल अंजान युवती धो। यो नहीं मिलने गाली।"

"उस युवती तक एक ही रास्ते से, पहुंच सक्ते हो।"

' कैसा शस्ता?"<sup>4</sup>

"महादेव के बारे में जानना शुरू करों कि इन दिनों को किस काम में था। ऐसे में हो सकता है कि वो युवती कहीं नजर आ जाये। साथ ही साथ ये भी जानने की कोशिश करों कि लीन सौ दो का क्या मतलब है। यह कौन-सा नम्बर है। तीन सौ दो कहकर, महादेव क्या बलाना चाहता था।"

सोहनलाल ने सोचपरे अन्दाज में सिर हिलाया।

जहाज पस्तर 302-15

"कोशिश करता हूं।"

"मुझे महादेव के हत्यारे के अलावा और किसी चीज में दिलचस्पी नहीं है और तीन सी दो के बारे में जाने बिना, महादेव के हत्यारे तक नहीं पहुंचा जा सकता।" देवराज चौहान ने अपने शब्दों पर जोर देकर कहा और उठकर वहां से सामने नजर आ रहे कमरे की तरफ बढ़ गया। जब वापस आया तो हाथ में अखबार का छोटा-सा पैकिट था।

"ये पचास हजार रुपये हैं, मागदीड़ में खर्चे के लिए। खत्म हो जायें तो और ले लेना।"

"इसकी क्या जरूरत थी।" कहते हुए सोहनलाल ने पैकिट

यामा और विदा लेकर बाहर निकल गया।

देवराज चौहान सोचभर अंदाज में कई पलों तक खड़ा रहा। फिर मन ही मन तय किया कि पहचाने जाने की सोचकर बैठे रहना ठीक नहीं। महादेव के बारे में उसे भी छानबीन करनी चाहिये। इस सोच के साय ही बाहर निकला और पोर्च में खड़ी कार, बाहर निकालता चला गया।

दस भिनट बाद देवराज चौहान की कार भीड़ वाली सड़क से गुजर रही थी कि तभी देवराज चौहान को महसूस हुआ कि उसके कान के पास से अंगारा, गर्म हवा देता निकला है। दूसरे ही क्षण वो अंगारा विण्डशील्ड में छेद बनाता हुआ बाहर कहीं खो गया।

गोली की आवाज नहीं गूंजी थी।

यो साईलैंसर लगी रिवॉल्वर से फायर था।

उसका निशाना लिया गया या। स्टेयरिंग विण्डों से गोली ने भीतर प्रवेश किया। खिड़की का शीशा पहले से ही नीचे था। देवराज चीहान चौंका। सतर्क हुआ। गर्दन फौरन धूमी और तब तक रिवॉल्वर निकलकर हाय में आ चुकी थी। एक हाथ स्टेयरिंग पर था।

दायीं तरफ वो काली कार वी।

उसमें पांच आदमी दूंसे हुए ढंग से बैठे हुए दो। देवराज चौहान को अपनी तरफ देखते पाकर, उनमें से दो ने उसे रिवॉल्वरों की जलक दिलाई।

देवराज धौहान समझ गया कि रिवॉल्वरें उन दो के ही नहीं, अन्यें के पास भी होनी चाहियें। क्योंकि उनके चेहरों से ये जाहिर हो रही था कि मरना-मारना उनका काम है। लेकिन ये लोग हैं कौन? उसकी जान क्यों लेना चाहते हैं? गोली चलाने वाले का निशाना बढ़िया था।

आ

जहाज नम्बर 302-16

मामूली सा ही फक रह गया या उसका सिर उड़ने में। देवरा न गौहान ने उन चेहरों को पहले कभी नहीं देखा था।

देवराज चाहान ने फौरन हिसाब लगाया कि अपनी रियोन्बर हो इस्तेमान इन लोगो पर करना है तो खान फायदा नहीं होन दाला। दो तीन को खत्म भी कर देता तो चौया पावचा तव तक उसका निशाना ने चुका होगा। हाइंबर के अलावा घारों की खुरी निमाह उस पर थीं।

अगले ही पल देवराज चौहान ने महसूस विचा कि अब वो

उसका निशाना नहीं ले रहे।

देवराज चौहान ने अपना ध्यान ड्राइविंग पर लगा दिया। रिपॉल्स गोदी में रख ली। इसके साथ ही घंटरे पर व रोरता निए, उनकी हरकतो पर भी निगाह एवं ग्हा या। वो कार इसकी कार के शगवर आने की कोशिश कर रही थी। जाहिर था कि काई आर बात थीं। दूसरी गानी सम पर चलानी होती ता अब तक चन चुका हो है।

देवराज चौहान ने कार की स्पीड़ कम की।

उस कार को बगन से पास आने दिया।

देवराज चंडान ने नसामी से काली कार में येर एउ पा चेहरों को देखा।

"अपनी जान की समियत चाहते हो तो आग जाकर साजी जगह मिलत ही, कार राको । तुमसे बात करनी है। अगर हमारी बात नहीं मानी तो इस बार गानी तुम्हारे मिर पर नमेगी।" यस कार में से एक ने विल्लाकर कहा।

देवराज चोहान ने शब्दों को सूना और खामोशी स निर्माह

दिया ।

है कि के में बार आगे बड़ती रही। कानी कार अब ही के उसरे पीछे हो गई थी। बेक भिरर में देवराज चौहान काली बार पर निगाह रखे था। नजरे सामने भी रखीं। यह इन लोगा के बारे मे तानना चण्टना था। परन्तु उससे भी न्यादा असरी था इन लेग्ने स पील छहाना। इस वक्त इनका मुकाबला करना तीक वती था।

नमा आगे लाल दली आ गई।

देवगात चोहान ने कार धीमी की । आसपास के अन्य वाहत भी धीमें होन लगे। इसी दौरान उसके और काली कर के दीच एक अन्य कार आ गई थी। इससे बाउंपा मोका फिर नहीं मिलना दा। देवराज चोक्रान की कार सबसे आगे थी। लान बनी पर। सामन अन्य माद्रु का द्रेषिक ग्नर रहा या। किसी बात की परवाह न

के के हों देवराज सीतान न राज सीवर्डर कार आगे बरा ही सामन स गुजरने ट्रीडिंड में मा जिसी प्रकार निकाल से गजा 8 कड़ विकास की उसकी वारत से देक लगाने पहें।

देवरान चीरान कार का भागा थे गड़ा .

किंगी कार इसके पंड नहां भा सकते ही कर्जीक इसके धार देशी कार खुई थीं, लान बना का पार कर ' में ताका देहा र भीति ने शाला बहन जाए नाफ कानी क्या इस ना पा गर्क देशियों दे पूर चुईदे हीं। गांग कर पुर नजर करा हा उसके अस्मित के के हा। श्रीपूर्ण फोर्स्स बहन हो ने सा विकास कर है।

देवर अ धौरात न ताता में पता रिग्नियर गराका दर्श में वित्तारों के का श्रीकृत राजा र ताता को रिग्निय अने गाउन गराक रिग्नियर को वित्रम कन में राजा और वैक विश्व में देखा पीर पत् कोई भी का से कृत नहरू को जा शी हो

देशन विकास हमाध्यम्ब र वहा सहार प्राप्त प्रोहे हो है ले कार पाने कोन था। इस भाग सन नेना प्राप्त थे। रच है हा दिनों दर काई काम नहीं हर रहा था। तह है जिन में प्राह्त ले खास बाह थी। प्रार्थ प्राप्त समाज्य को राजिस माहर प्राप्त करें। हा स्था नीर नद सह साथ की है है गिया है है है।

राध्य रव राज्य का संरक्षण का का प्राच्या है। व्याप्त का स्थापत का स्यापत का स्थापत का

कर्म १

या नाम श्रीहर्ण है कि सम्बद्ध व र द प्रम्म स्था या गया। जिल्ला द्वित्र है कि इस्ति है कि प्रमुख्य के कि इस को उसे भी काम करण स्थार है

मानवर्षि हो लगा भारत भारत हा है है । साक्ष्य से बुके हैं।

उसे माज्यात रहत रागा , वर्गों घा व दुर्ग (स्थान व प्रार्थ को स्था कर सकते हैं। इदापन द्वालात को शिक्ष राया घटा है।

जहाब पंचर 302-18

THE STREET STREET STREET STREET

स्तर प्राप

देवरात भागान राजा भाग पर बन एभर

"क्या मननव<sup>3</sup>"

भट्टन चा १ र जा 15 महारह न समझ गढ़ा । इसे छहा

वर्ष भ्राम्त । "भ्रम में प्राप्त करा की बात का रहा है."

ार्म द १६वर देशान देशान को असन के एक के एक निष्

क्रा भाष ना हा।

त्रमं देश क्राइमी है "

- तुम अप हा "

-1 den ti ti ti ta ta ta

नक प्राम के र सहाज कर है । देश ज है नाव है नाव र नाव र नहीं

·मार्थ ने मान से प्रत्ये नार की बराप : गाउँ गाउँ

स्ट क्रमी संग्री

देशा र चार्य ह देशा १ देशानाई माद्राप्या याद

निश्यनं में देश हो गा- " मं शे की ते देशा ने शिला जे पर गाउ

तब वसकर कहा।

-विश्याप्ति या पर ता पार्य ने, क्या पर प्राणी है है

र उसने पुत्र पहुंचा है। उसर है प्रवास पुत्र पुत्र भाग समार प्रवास प

देश स क्रीतान पुरस्त भागते में सामा ।

न्द्रा । प्राप्त मार चेत्रने पर अने नम्बर गाला मार्ग जायाणा मेरे

राजानी का जगाव दे वा सी शाविद बच जाओं "

द्वान बोरान के तथा पर जनगर के बाद एको परम्नु स्तर पर काबू नि रहा। the fill hand & hands at .

ात्थ्री कुटे म् "प्रेमी र फार का विस्ति है विस्तृत ।

ी भी र जाता भागों से भागों के भागों ने पार में रा 

Targo 2012 1978 " girt mill or 1 2002 " 1972 1 17 1

या गई से ।

R. 31 1 11 11 11 11 11 11 अस्य १ व में रूप १ व water by to to t

भ अभ र र र र र र र र र र र र र र र

न के के कि न में देश के स्थापन के के कि में भी के ले ले

त्योह ते शांक स्थार भागा ६ वे शा शा मा भागा भागा है है।

मान ११ द्वा द्वा ११ व १० १० व ११ व व ११ व

र प्रश्ना सम्भेटी पे स्ते प्रेसिय ने ना के . प

रात रेयू इं यह देश रूजा १७१

वर भए अस्य हैं।

राहरी सो देवता सह स्माम द्राता गया १, १ महत्र 'वर्ग इं<sup>र र</sup>शणने हे त्रत्र रागि। तम्भी भाग त

र्भव भाग देश प्राची पूजा को प्रयोगीय हो। गों ने में

ात हा याचा रेगा सालगा है।"

नाव का सका ना द्वान को पन के का नाव का ग

· । मगद्द अपनी दहनूरी हो वहा संभाग गण प

म्य सम्मार नगाई हो।"

"पाना समझारी का स्नादी के जिल्म्स का हाला "देशान चालान ही याजान में का आप है जा गर्या

्तर रार समान का भूत स्था। सिंह से लिहा एते के रिल पूजा साल, बरना लुम्हारी शान र महादेश विने ही र " र ह 'नार '" देवरात धांतान के होता सं गुरा 'र 13 "

177 (

"तय इत धानकर मुनो, त्व आ भी हो।" देवान वर्ष

न द्रिन्द्रणीभरे स्वर में कहा—"मैने ही करना है है है । पद्में रोह नहीं सकते। बहुत जन्द में त्म तक प्रदुषन है है । अपनी स्रक्षा कर रहिया से बद्धिया इन्त्रजाम कर की, जाई से है । यह तुम्ह ये महाल न रहे कि अपने बचाव म क्ष कर न सह है

'मननव कि नुम्हे मीन का खाँफ नहीं है करना में पटने दा है।

आ गान म नेस रूपाय आ गये ये।

"उसी आफ की तस्वार नुष्टै दिखा रहा है। जिसे दी है से तुम रुसझ नहीं पा रहे। रही बात तीन सी दो की तो यह आने बाता इक सवावेगा कि क्या होता है?"

"मोत का इन्तजा यंगे अग-।" इसके राघ ही दूसरी तरक

से लाईन काट दी गई।

देशमन प्रत्नन ने मितीबर रखा। चेहरा करोर हुआ पड़ा था देशमन चालन राजना था कि ये जो भी है, अब हाथ धोकर उन है पीड़े पट जायेगा। क्यारिक उसके मुह सं तीन भी दो मुनकर, बा बरी तरह बाखना गया है। और वो भही चाहना कि तीन भी दो के बारे में कोई जान। क्या है ये तीन भी दो?

देवरात चोदान को लगने लगा जैसे इप तीन भी दो के बार में जानना बहुत जर्मा तो गया है। बहरहाल अब सावधानी की जन्मत है। "में खुल्म करने की भरसक चेच्छा की जायेगी। और एसे बचना होगा।

जगमोहन जब महादेव के एक कभरे वाले घर पर पहुंचा तो दर राज दर पाया । बहर ताला लगा हुआ था । स्पष्ट था कि अभी प्रित्स महादेव दी लाग्न की शिनायल नहीं कर पाई, बरना पृष्ठवाछ के लिय पुलिस अर नक या पहुंची होती । ताल पर अपना ताला भी होक गई होती ।

जगमोरन ने आमपास देखा। गली में दो दरवाजी को छो। कर नीमरा दरशाजा खुना नजर अथा सो जगभोहन वहा जा पहुंश । स्कृत दरशाने का यथयपाया तो वीस ब्रास का लड़का मामने आया।

"किसम भितना हर" लड़के के दोलन का ८५ ही शायद अक्खड़ था।

ार प्रसार में प्राप्त में भिजने आया था।" जगमोहन ने हाथ से इशाम क्या "मणाज नाम है उसका। यहा नाला लगा हुआ है। नुम बता सर के हो यह यहा भिनेगा या कन गया था?" नहार व भाग पर भगना र में मार रहा है सा "ब्दापे में मजे ले रहा है।"

"क्या म्ललव >"

"बीत नीन धार दिया संस्ता गुल्यमुरन छोड़ित को संस् । रहे हत है। दोनों कमर में पाने ही, दश्वाना भागर में बा शर नाते है, जान तो है नहीं भाजूम न भे काई साथ स्था आजार राजशा हो ए ।

"त्य इत्रे नाधान क्यों हो रहे हो है" जनमाहत ने गर्ने दे कार् से देखा।

"वाल दोपहर दो उस है साद्ये द्वारा हो गए। दा मेग ," जलन उसी दंग से कहा।

**"क्यों ?"** 

"हाइरी के साद धर से निक्त रहा वा नी घंटा सा मताक कर लिया छो र्रिंग सं। यस, वो माना महत्य पुत्रन पदा, त्रेश नेका नेवा ज्यान हुआ हो। लोगो ने बचा जिया चरनो बहुत मर खाता मेर हायो "

अगमाहन ने समझने बाले दग से सिर हिलाया।

"तीन चार दिन में महादव उस नदकी के साथ वा "

"हा।" लड़का व्यय्य से याला-"इद इती हे मल यिनाए ही। वो मृखा सा बूडा और या दम का पछाड़ने वाली घंटी। मर जैसे हे साथ होती ता, देखने में तक बीफ नहीं होती।"

"बात सी नुम्हारी सरी है।" अगुमाहन ने फीरन कहा "उम

युवर्ती का हिलिया बनाना।"

"हॉलया क्या होता है वो ता बला की खूबसूरत थी।" लहात अजीब में स्वर में कह उटा - "दाल टो लार टपकरी थी। न देखा ना सपनां मे आकर, हानी पा ६ न अप-।

"लर्म्दी थी /" जगमहन ने उसे ख्यानी की दुनिया से बाहर

निकाली ।

"ठीक-ठीक थी। खुबसूरत इतनी कि सामन वाने की हाय हाय कग देनी थी। भगे ना कितनी बार हो युकी है।"

क्षत्र एट असी दी "

"क्मीत सल्यार । लम्ब सिल्झी बाल, क्यो तक आकर, लहगते गरन या। मुख्या ददन । जब मुख्याती तो गालों में गई पद जते। कान भ तीप्स डाल रखनी थी। मन में साने वी चेन। उची एरी र मिन्न पहनता थी। लाकन यहुत साद दग सं चलती थी। उसे भारती स्वमुल्ती पर तहा भी चमण्ड नहीं द्या।"

- प्रमान के प्रकार की की की की मार्ग मार्ग मा बार मा मर वन्या। ---- 21 LE 24 Gil. .. नक्र करें प्राप्त हे साथ है तो हों। नभी भेग समान है जो।

उसके बाद मान को नाने जाएं से से न्याके राह से दार है काराने ता राज्य कर राज्य देश हूं से हैन के कीए लाईर । न्यादा भी ताहे बाद नी कन

न्त्रते एं. व से द्वार भी वर्ष क्षेत्र । भाग भी द्वारे वृत्ति

गा कि का दम में देख सह . "काई और बार बना कर रे ही, एन्हें बारे में "

" "नहीं ।" , "मराज्य से और शीय कीय कीय स्वयंत्र का मा द्या "" भी ने निर्देश भवने काम को बाग के माणान राज्य है और अर्थ साम भी के हा मैं नहीं जातता "मान्द्रने " व द्वा - न्य शिन् हो " न्यं भी हमी नारशी को दूर गार हु । बन्धामन ने या र स्थापन

करते हुए कहा।

°क्यो ?° "श मृद्र भी बर्ग वलां दी।" करने के मान्य ही लगाना न

आने बढ़ नया। जामाहन इ व्यादार नद् शासर हो कि मार्गाद है गाय विन नार दिन से एक स्टूब्यू व लटको रह गा दो । और का ता हो एक साध यहा सं १८३ व रोज को महाद्या ती व भीर न ही लड़ हो। तेर आउ मराइर दर परसी ने गानी माण्यन गढ़ का दिया।

म् में के बोन में पान वाने हैं। इसन न नर भाई से इसमाहन क्षा । मनाइव निक्षेत्र पाता था । एते पूरा दिल्लान या कि जो ्य का जमर जमना हो<sup>ला</sup>।

"महादेव आज आया " जगमानन ने खुटने ही पुछर। "नहीं। इन आया था।" पन पाने ने लापरवाडी से कडा — "यर नहीं है क्या?"

"नहीं ,"

"परने तो अस्मर धर ही मिलना था। अब तो हवा में उड़ का है छोक्ये के साथ।" पानक्ता माक्यावा। जण्योहन होड सिझोहकर मुख्या ।

नक्षण को बारी भाषाती है सामिति । तासीता है पर देव भारता है। अब से पारती सामिति के पर देव भारता है। विश्व के पारती सामिति के पर देव भारता है। विश्व के पारता पार्थ के समारत करता है। विश्व के पारता करती है। "

-43 "

न्यतादेश में ऐसा यश है भी समझे साम्य शिराईश किए हां है। महीं की काई कमी है प्रत्यात

नियासे का भाजा निवासी नियामात्र ने स्टास्ट स्टास्ट स्टास्ट ने वा क्षेत्र स्टास्ट स्टास्ट स्टास्ट स्टास्ट स्टास्ट

"त्रम भी नहीं। मैथे महादेश मोजूम रे व्यवक्री स्थार स्व हेगा । त्रा मोहन ने प्रतः।

"शबद्धारम शे। परन स्थार राजे साहते अन्तर स्थान है। परन स्थार राजे साहते अन्तर स्थान है। पर है सोहते ने बाजों को कुछ कर स्थान है। सह राज राजे पर भी में से सियों के दो पेकिन जेना ग्यारा । जांड सी राज राजे से मान पर्या राज। जांड सी राज राजे मान पर्या राजा। पर्यों के स्थान स्थी है स्था। सी जा साथ है। साथ पर है सी कुछ नहीं करा।"

"म" देव से स्थित और कीन हीन आता धा "

"महो गाध्यान नहीं, मन उसे किसी और के साथ देगा ता म"तो भवं नाही जिन्हणे विद्या रहा है। सुना है उसे सुन सा १०० बीमारी है। डोक्टर जशब दे चुके है।"

"या से महादेव करा जांग दा, व्या पता है त्रहरू "मृत्रे व या पता रोगा। लेकिन इनना मानूम है कि जब से ए एक म उसके साथ रहने लगी है, तब से उम्मी अब में नाइ त गाउँ है। उदार सीण्ड से टैस्मी पड़ इसर जा गाहे साथ।"

ार्च अस्तर व

1511

भगाना सोगड करा है।

"एस नगर। तरा गा आये जाहर।"

00

मामान्त्र है इसी श्रीपद पर पर्वा ।

"उप नम हे बाबुधा -

पह की प्राप्त की की ने प्रकृति पर केंद्र हुए कर के तो का का पूर्व कर के बात कर किया, पात कर के कार्य हुए कर का का का ता

प्रणालि स्वहे साथ धर्म या है या है। या ता नता ग रहें नहें हत है ने वे प्रस्त प्राह्म प्राह्म है आहेंग क्षे प्राप्त होता हो हो हो हो या है। इस दोनी ही इस प्राप्त •स २३श रि.चेटल हैं। इन से यो शिव नेता है। मृति वे वार भारत हो हो है।" लक् ने दूषा है देखा। नक्त कार्य कारी संग्री भार की व "ह" हेल्या क्षण एक को वल एकता हु तक्षण ने हर होया का न र " दूसर ने जात रहात भारताह, वो वा सम्मन वाली हुकान पर प्रशादे शाल राया है। "त्य कृतिसम्म की ." बात यूने तरह इस का सदार है चडते हैं खून का नहीं ।" काले के प्राप्तक हो को क्लामिंग के पास ने तो। इसम पान कर करें। " माय में बो हम प्रा र जगमाहन को साथन कभी दुकान पर मानद करायोग है राम पाइ आया और करामार को बत्रु भी दिया कि करा मामला है। "परोड़ खालानं बाजारी" "नहीं में जानना चारना हूं कि तुम उन्हें कथा न राये घे कर रा "रेष्"-।" "रोम्बूग में कर्य छाड़ा?" प्राप्त के पास दा सहक पर उन्होंने हैकती केकरा ली थीं।" "ता मिकिट जो साकारी फीटों के पास एड़नी है।" ाता हा। वही माहित – t ामक बाद वो कहा गर्दे :" भौ क्या कहूं, मैंने तो किरोबा लिया और दहा से चल पटा। मराजी कहा 'रानो है। इससे हमें क्या मनलेब रे रण्यादन के नदी पर साथ के भाव उपर। "व उ मानुस है सफर के दौरान वे आधास में क्या बान कर रह द्राः तासंप्रत् न पूत्रः। "राम ना नहीं बना सकता। इस्टेंडिंग सर्वाची की बातों पर ध्यान इन का कार सम्बन्ध मही है सेशा। इनना माजूस है कि जन ही र परमह में हो जीर अहसी रह रहकर हुने तार की दे रहा हा, अहात नाथा अ०२-25

-----ाक्ष्मक महत्त्वक की सार्थ करी करता करिए ही कार र मानक वंच हुई कोई और युक्त The same of the same of the same of and the same of th ---the same of the sa the state of the same of the same of the same of 5 STREET, SQUARE, SQUARE, the second secon The second secon 1 7 v 1 7 11 भागती है किया अकरता थे छ रण है को है अल्लाहर करना है है। A ... 1 12 12 15 17 14 2 4 1 1 1 1 2 7 2 2 2 1 1 और पूर चंद रागत है। E - 1288 201 201 402 204 214 2 17 7 7 2 2 1 2 2 2 1 1 2 2 1

अहाज मामर अहर - १०

यामा पान पान न प्रान्त गिक भी गावी हुई थीं। जगसारन न ९ एक प्राप्त की बोधन स्वयाई बीम पूर्व भरते लगा।

पिक्ष राम्यानुद्र पक्ष द्राचा ग्रामक श्री रामके पी अगसीरार ने गारा । रक्षा क्रामक के क्रामक स्वाकित स्थान की समेगी

पान प्रयोग पान जान न गर्गा निगारों में इसे देखा। "क्या काम है उससे?"

ाष्ट्रका है । नगमानन समझ गया हि यो नगनकर दो जनगरी

न्धान क्रान्त को फारन प्राप्त संचन नाइपार पानवस्य धीम स्वर में बोला।

कामाणिक के जाति कि कोर्टकर पर देखा। "कामें?"

म् भार भार स्थान स्थान

ारम अस्त्री लाइ: देख्कर आहे हा 🔭

\* मार रहान पर प्यास नरह के लाग आने हे और पान मा म दहाइन महोर सलगाइन आपस में अपनी रपनी राम पेश हरते हैं गांव में मुखे किसी खुबर का पान हे लिये कही जिला नहीं परना इस इस उपलेखहर के रैसाएट में पूरित है। वहां उत्आगे में में भागका भी पहरहर दिया लग

जगमान्य समझ गया कि सामना गारग हातों जा रहा है। हान सहाद्व और उसके माद्य की नामकी भरण जागनकर से भिने थे. प्राम्बान के मुताबिक दा धारों पहले नाम नकर को भाग गया। जबकि महादेव की गानी नग चार एवं घण्टे ही चुके है।

ता क्या ज्ञानकर का इसलिय माग गरा कि महाइव और स लड़की उसमें मिले थे?

"जोतिकर क्या घंचा करता था "

न्याला तो, रैस्टारेट या जसको । रेस्टारेट की आए में कई। गलने कामें करता थी।"

रणसंदनका जनसम्बद्ध कर दि पान राज से अब तो है। द्वाप दी बाज नहीं साजुम होने राजी तो को कब पेसे देकर खाए से पूज पान महाद्वा और पसंद साथ की जनको हिन के से में के हुए है यह सनने के लिये कोई दूसरा राजन ने नो के करते।

जहाज नम्बर 302-27



क्या विकास का का का की भीत के माध्य भाग एवं का एवं राहत है। बहु के पार का ,

राभाव सामार सदम प्रणातमा प्राप्त है। साम को मणको कीन धीर

00

00

र्मा देव इत्या स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन

"रोमा उद्यो "

र प्रदेश के विकास ने श्रियों के हिन कार यह जायों ने र प्रदेश के कार्य के विकास के भग कात आया। र प्रदेश के स्वताह की विकास क्ष्म प्रवास कार्य हुए हैं।

मा भाग संभागा भागा विकास ग्राह स्था व

भी कर सकते – ।"

मान में अने क्या करूर व

न एक प्रमाण कर कर कर महार पर्या

37" A ARMS 102-28

। नम्ब में बना स्था का ना वहीं बहुषी थीं। ३०१३ हिसो अं

ने रिमेचर स्ड दिया।

00

্রার্থ করে জনে সংগ্রাহ করে। সাজে স

क्षण हमें काल प्राप्त का पाना था । व प्राप्त में का पान प्राप्त काले मक प्राप्त का पाना था है कालाई के प्राप्त पाना काल का का की प्राप्त का प्राप्त की कालाई के प्राप्त भागा का पान प्राप्त माला काल प्राप्त पाना की कालाव प्राप्त भागा का पान का नाला काल प्राप्त पर्या के प्राप्त की प्

स्तामोहन ने जेब से मान्टर की निकास आप मार्थ यात सहात रा सार्य के हा हो निका कि निकास सम्माद कर कर है निकास प्राप्त किया निकास निकास सम्माद कर कर है कि हमा प्राप्त के भीता - का मान ना क्षामा निकास ने की कुकर नाईट ऑन सह दी।

द-उक्त प्राचित्र का प्रस्ति स्था। जनसम्बद्धाः सिनात्र हर साक्ष्म विकेश स्थानित

तक साथ गायाइ गरे थे। जिस पर विकार गिए हुती हा रामान जानमा धा कि यह मनाये का विकास था दूसरी नाम दे के से साम पढ़ा पर हो गक विस्तर विद्या था , जनस्किन सम्प्रांत्रण के सेव दे एए दिस्तर एस दूसरी का होगा, को सीम यह देन से काल साथ का नेती थी।

पणमान्य की जानह हर ताफ पून रहा थी। महारा रा सामान वैसे की पड़ा था, हिसे एकने पहाने देखा था। त कर्त्य कर कर कर कर के कार्य का अपने के किया है। तो का पर केसरप्रियों से कार्य होता रही थे।

987 F 67 R 11 11 2 3 11 2 3 11 2 1

र का सा , दे के दे कर विशेष स्था स्था है।

रा भारता राज्य कार संदेश के उस से उस राज्य के का अन्य कार स्वता नहीं का सूचा

जगवादन ने ध्यान में नर्वार देखी।

र तार पुरस्का प्राप्त भी भी भूष गावुर -

सार्थ है जातान कर भागत है के पहर गास । । र र वे के दे द्वार कर ते हैं कि के साम कर तो दे हैं है है र वे कि मा तार्थ कर कर कर कर कर देवार देवा

**##1# 302-30** 

आते बड़ गया। गाँभे दा भूग भाग भागा हो हो हो हात हिला वे भी समझी तरफ स्थान नहीं दिया।

प्रदेश व्यापानने से वी से दानर के किया तो से प्रतिस निष् राज्य देश के कियो चार प्रतिस व ने खार गांध में गहा साह स्वा जो अप से उत्तरता है से प्रतिस वा से से स्टेंग्गा गा।

्याद्वे साहबर्षे बादको बनाता है, महार करा गर प्रशास मा स्पन्न था कि महादेव की शिनात राज्य है ने स्वयं आयी युक्त वा महादेव के बर्ग बेंग्यन के रिया नाम से जाया था।

प्रश्नित नुन्हा नगर संग्नाह ह्या अण याता प्रश्ना गइ। सम्पर्ता प्रश्नी प्रश्नी थी। साता मंत्री शिक्षण हार मा तिस पर पत हे साथ जिला गांच्य मी जिला या जाता श भक्ती प्रती हा या ता स्टाइय के साथ हर ही थी। या हर

पूर्वा का किसी सह थे, या पहलान व श की होगा। और में राष्ट्राव कि स पाल की है, जो सुक्किय से मिली जो के हैं है। से नम्बार है जो पालों को कोई खास ही को होगा पिता भी के सकता है या कि कोई और भी।

व्यापातन को तथा, तसे मायला रजपा जा गए है महा, भारत ता सुका है, है पर प्रत्ये को नजान कर गया है उसका खेला नाक नेपा जानवा। एसे में सन को जो नम्बर के बार में बालना जानान नहीं कि जो किस बीज को नम्बर है। अगर वी पृश्ये में न नाथ वो जा के सारे स्थानों को तकाब विक राये

ज्ञासाहन क्रिय में बेचा और जिला पट गया अब से जोनेचा गोस्टासी के याचे पर जाना है है कि हार पूर्ण के कुर्जन से से सिंहा दा।

सार्वना श्रीमा के हैं है । रचवाप तर के के प्रदेश के प्र

प्राप्त के प्रश्निक कर हो। दाल च व्यक्त प्रश्निक प्रश्निक गोल ताल का नाम से करा और दूर पूर्ण प्रश्निक प्रश्निक प्रश्निक गोल ताल का गृह प्रश्निक शी क्ष्म के और प्रश्निक लगा से भी के प्रश्निक से स्थान प्रश्निक शी  र इ स्ट : इकान की प्रथा दा स्पर्धा गाया भ . . भ र भ र भ र भ ति स्थार का स्थार का स्थार अ स्थातिक के नियास्य भारतिकार का

ं ने पर , , वस सी ता नाव पाव र का धा

. • •ाम म्या १ सी।

स्थार स्था स्थार स्था स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्था स्थ . • च आ॰ ूपेड • ॰ अ ॰ वृह्या थ्रा । त्या १००० व्या ० ४०००

ो । भार भार प्रमालण ही लेला है। भी त . क . मा भारती सह सार्थ राजी है है है स ारकारकारकारतात्वक के भूभवाद्या भून एक राज्य

• स भाग गा । ता । हरा।

न्याप्त को स्थापित स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप न्त्राण्या भाष्या स्वयं स्

्रेगार <sup>कर्</sup>र रण्यक्षाः १ वर्षस्य द्वास्य स 24 7 1

CHIPPLE TO 

ध्नगाइँ।

र्माप्ता वर्षे प्रति देव हा अस्ति हात्र वर्षे देव वर्षे देव 4 12 824 -

1. 9. L. A. d. . . . ्त रा भारताल स्वार का पूज पर १० व सम्बद्धन की प्राक्ता में शाक्ष का है?" व्स काम राज्य राज्य राज्य राज्य प्रमाण में गाउनला न न

या वन्त्र भी नीत

ति। शनकर मर्गे, त्या ह्रणा ५

ल्यां व्याप्त का स्थाप के तुम्ह का साला !"

ं श अल्याः है। स्मारा दिमाग क्यी लाग यहा होता।" F 1- 212 5 1-17 1

· 3-0

· ,र म मा ज़ा है दो भगने बाद, छोकरी एमकी आदनों से नग जारा धारा राजगा। उसके बाद वो किसी और को पकड़ भया , देः मण्य या उगक्र म्या म निकले ।" लाला हीसे से हसा । भाराताच रहीं। साम लगर रह गया।

Teters on a reserve to the second sec

मार्थिक ब्रान्स हु " शा पार स्व के दे पार कार्य क

TIMESTER T

THE WITH UT WITH

"मार्ग 🗝 ."

"क्यो?"

न्दी दिन से नहीं जाता, नावान वा ध्व सा का प्रमूप्त सो छोड़ है उसके सद्य था में से सकत गाद छाता है। देखकर हक्का बक्का वह गया। में का या या भ्या ना प्रमूप्त से कर उन्हें पांच मान गया। पूर्व वा हक्कर उन्हें पांच मान गया। पूर्व वा हक्कर उन्हें पर प्रमूप्त है। अपन कर्न काचा रहना है। देने का राम ना के लें, कि प्रमूप्त की रादन पक्कियी पहेंगा। एक क्य निमाय गया पर है। होता है। लाना ने मुद्द विक्राण।

सोहनजान ने साचा को पूरकर देणा।

'उसके साय छोजरी थी। यो भी शूरमू १- :

"हां।"

"दीमाय ती नदी सुसब हो गया तेग। महत्त्वेद (एक्ट्रो क नायक है। उमकी हालत ..।"

"यो में नर्की जानता कि छोकरों का क्या करना होगा। लेकिन उसके साथ छोकरी थी।" लाला ने उसकी बात काडी।

"हुनिया बता।"

"किसका?"

छोकरी का बनायेगा। महायत्र का तो नहीं पूछ रहा।" संसाम लात की नियाह लाला पर पड़ी।

लाला ने छोक्सी का हुनिया वनाया।

सोहनताल को वास्तव में हिरानी हुई कि ऐसी युवनी मह अ साथ। जबकि वो महादेव की अपदत को अच्छी नक जानक धा औरतों में उसकी दित्तवस्थी न के वस्त्वर थी।

"आजकल महादेव के रंग-डंग टीक नहीं लग रहे।" लाला ने का

"व्या - अर क्या क्या है उसने " "म्या लगा है कि उसकी आदा विगद पूरी है।" लाग प्नः योला –। "आगे तो यात-।" "पाग छ दिन पहले असरम शान का आदमी आया या। सब महादेव यहा येगा दारू पी ।"

यंगने वाला "अस्त्रम सान-यो साना नहीं का म

शोहनवाल ने रोका।

"तानग है !"

का। यह रे उसी से सियंट के थिये गो मी से वा। लेकिन वो हाभी भाव तम लगाना या। मैने उससे मान लना छोड़ दिया। इसका पार ह सर रूपया मैंने देना है। और भिर क्या हुआ?"

"उसका आदमी आजा। महादेव से मिला, दो मिलट तक दोनो ने पुर पूर कर बाने की फिर महादेश दास की बादल बंगन में इक्कर उसके सत्य गला गणा। लगना है महादेव ने नशा करना शुक्त कर दिया है जो-।"

"नहीं। महादेव शराच के प्रतास और कुछ नदी सेना या।"

संप्रकल्ल ने विकासभी (वर में क्या।

"मही मेना या। था से मलनव ।" साना ने सीधे सीध सोहनलाले सर्वे देखाः ।

"नहीं रहा की अब है सोहनशाय ने गहरी सहत सी। "ME THE "

्राचार दि इस्तादा । तो ये मान दी भाग दिन में उसे विश्वी ने हैं क्तानक के रोजों पर अजीव से भाग पर्यो।

देखा स

WILLIAM OF

37 F TE

गार्थ को 'प्रकार नहीं भा रहा है। बहादेश को देवली ने पार दिया । भक्त चना होता या (" माना ने सिर सिमान हम कहा - नरे तो बहते हैं। कम एक वर बार देश की कार में दियाह नहीं है। असलान खान नहीं ली मान ही बचने का पास नहीं कराय और में कई उसने कुन्हें काम कार्या है। यह देव को उससे बाक्य नहीं रखना मार्थकर छ। "

property & street with their as more from a

क्षा कार्य क्या क्या का कार्य !

कार करी एक लगा ये कम कर में शब्द बार्ड के कर प्रमाधी बार्ग में कही शुरुतन निक्र राज्य है। "

M-13, 1907 9193

"यू ही नो कुछ वर्ग होता। येथे यो तेस दाम्न या न " "दास्त मही, जानकार-।"

ाप्त की यान है। मध्ये के बाद, उसकी आया का शानित पहुंचाना धारता है तो कुछ बहू।" लाला ने प्रणा।

"उसका उचार दुरा दे। तय यो पैन स स्वग म रह गर्रगा। योल, खावा खोलु उसकार"

सोतननान ने रीकी निगारी में लाता का देखा।

"ती को शायद पता नहीं कि स्वर्ग में महादेव की पित्री आहे है। यहां उसकी आसा को चेन मिन चुहा है और सुमार म उसने निचा है कि लाना को मेरा सहम कहना।" इकते के साव ही सोहनमान यहा से हिंदा और बहा ही तरफ बढ़ता बना प्रजा। साचो में असतम शान था। महादेव का और उसका कोई मेल नहीं या ।

## 

## 

भारतलाल, असलम खान के उस टिकाने पर पहुंचा, जरा से हर तरह का नज़ा मिलता था। मृहत बाद सागननाल यहा आया या। असलम स्थान से गोली लेनी उसने इब गरी छोड़ राही थी।

काई नया ही बदा उसे वार्य न 💤 आया।

"क्या चाहिये ?" सोहनसाल की भीतर आते देख यो ब"ना। "असलम् सान कहां है?"

"कवा, तर को क्या करम पह गया उसमें र परले कभी नहीं

दुला तर को।" उसके माने पर बस पड़े। चारले तृत इसलिये नहीं देखा कि पहले तू गए। नहीं था। सभाजा क्या ।" स्थानना र ने एम्ब्री "कर वारवण का करा - "प्राथनम खान का नाल माहलनाल आग है।"

## क्रमाध्यमास् ?

"हरं, द्वा चह्नवानमा (क्या (\* अक्षान कर पुरस थी पीत्रे असे टाइ में ये वाना सथा। रुपर ही विजय में रा । त्रका था लेग इलाम कर रहा है। कियार की जान है। र्नात का भाग कर र पारा यह नश्चा कभी है रे ही कहा हा हा । हु

METER THAT 362-35

अपनी इंदूरी पर लगा रह ।" कहने के साथ ही सीरनलाल पीतु वे दरवाज में प्रवेश कर गया ।

तीन-चार कम्मा को पार करने के बाद वो, विवित्त तैन आर म कमर म पहचा। वो जगह किसी ऑफिस की तरह लग रही थी वहा देश पद्मम वर्षीय ब्योग फाइल खोले, हाथ में पेन थाम हिमाव लगाने में ब्यान था। उसके चहरे में स्पष्ट लग को या कि वो महा विसा हुआ इन्सान था।

उसने एक निगाह सोलनलान पर डाली पिर अपने काम भ

व्यस्त होता हुआ बोला।

"आ । देंड सोहनलान- 1"

नकेंसे हो असलम खान भी साहन्तान बैठने हुए बाना ।

ग्रीक हू। तरे से चार हजार रूपया लेना है।" असलय सुन अपने काम में व्यस्त बोलां।

"बिल आयगा। मै भागा नहीं जा रहा।"

"दो साल पहले भी तूने यही कहा या।"

"वो अब भी कह रहा हूं।"

"कहते कहते एक दिन भर जायेगा लेकिन मेरा चार हजार नहीं देगा। जल्दी देना।"

माहनलान ने गांनी वाली सिग्नेट मुलगाई।

\*अब सू मेरे से गोली भी नहीं लेता। श्वाम के यहा से मान सेता है ना?"

"वो त्राव टीक लगाना है।"

"मैं भी ठीक लगा दूगा। यहां से ले जाया कर।" करने हुए वी अभी भी हिसाब लगान में उलझा थी।

साहनपात्र ने कहा निया।

"बोल क्यों आया?"

"नूने श्रम के बार से, अपना आदमी भेजकर, महा" ! को बुनावा था।" साहननान की निगाह उस पर जा िकी।

्र असतम स्वान की निगाह फाइन से उटकर साहनतान पर लग गई।

पांच छ दिन को नये इस कान को । आज तु क्यो पूजने आया "
"मगदब से काम है। वो मिल नहीं करा।" मोहन्त्रान वाना "उमके बारे में शेम के दामखाने में पूछने गया तो लाला ने बनाया.
तुम्बार आदसी उसे में गया था।"

"हा। यो जाया था। लिहिन मैंन उसे बाध नी रिया। हीशा कही। इंद्र ले।

"दूढा। नर्ग मिला।"

्र "मिल जायमा। मने उस कोई काम दिनाया था। वा उसमें व्यक्त होगा। एक-दो दिन में नजर आ जायगा।"

"क्यां काम बताया था?"

असलम खान ने पैन फाइल में एख दिया।

"वो तर जानने का नहीं है। भहादेव बताय तो उसमें पूछ नेता - ।" असलम खान बात समाप्त करने वाले दम से बाजा।

"वो नहीं बतायेगा।" सहजनाज ने गिर दिनाया।

"तेथे खाम पहचान याचा है वो । नहीं बतायमा ता पूप भानी ।" असलम खान ने गर्सी निगाही से सोहननाल को देखा - "महार्य के लिये तू इतना क्यों तहुए रहा है। मुझे पिया तो उसे, सर यार में योल दूंगा।"

'तरे को भी नहीं मिलेगा।" सोहनलाल ने पुन गिर हिलाया। असलम खान की आखें सिक्डीं।

"वात क्या है / खुनकर बोन ।"

"महादेव को आज किसी ने गोली मार दी है। या मर गया है।" सोहनलाल ने गम्भीर स्वर में कहा।

असलम खान के चेहरे पर अजीब-से भाव एभरे।

"महादेव को गोली मार दी। वी मर गया।" असलम खान वी। आप्राज में अविश्वास था।

"वो उसी काम की वजह से मग है, जो नुमने उसे दिलवावा था।" सोहनलाल ने नुक्का मारा।

"लेकिन यो काम मरने मारने वाला नहीं था। उस काम में गोली चलने की कोई गुजाइश ही नहीं थी।"

"क्या या वो काम?"

"तू क्या करेगा जानकर। महादेव मर गया तो वात छत्म।" असलम खान ने गहरी सांस ली।

"तेरे की मालूम है महादेव ने देवराज चौहान की बाहो में दम तोड़ा।" सोहनलाल ने उसे घूस।

"क्या ?"

"जब महादेव को मोली लगी तो देवराज चौहान से यो वात कर रहा था।" असलम् खान सनर्कन्सा दिखने लगा।

"वा, देवयज चौहान को कुछ बताना चाहता था। बात करना चाहना था। लेकिन उससे पहले ही उसे शूट कर दिया गया। अव देवराज बाहान जानना चाहता है कि महादेव क्या काम कर रहा था। मेरी बात पर यकीन नहीं तो फोन लगाऊ देवराज चौहान को।" साहनलाल ने फोन की तरफ हाय बढ़ाया—"मेरे से बात करना तेरे को सस्ता पड़ेगा। देवराज चौहान से तृते सीधी बात की तो शायद तेरे लिए सौदा महगा हो जाये।"

असलम खान ने सोहनलाल को रिसीवर नवीं उठाने दिया। "बात मन बढ़ा। यान कुछ भी नहीं है।"

"यो जो बात कर भी नहीं है। यो मि मैं जानना चाहता हू तूने महादेव को क्या काम दिलवाया?"

असलम खान ने हाठ सिकोटकर दो पल के निये सोचा। उसे देखते सोहनलाल ने सिग्रेट मुलगाई।

"कहा गोली मारी?"

"माहिम रेलवे स्टेशन के सामने।"

"हो सकता है, पुरानी रिजिश का मामला हा। मेरे दिनाये काम की धजह से वो न मस हो।"

"ये वात बाद में तय हो जायेगी। तू वात कर।"

"मेरे पहवान वाले आदमी ने बनाया कि, एक यूजनी को किमी ऐसे आदमी की जलरन है, जो मुम्बई बन्दरगाह के बारे में जानकारी रखना हो और गांताचोर भी हो। इसके लिये वह लाख रूपया दे सकती है। एक-दो दिन का कार कि पाईव का ध्यान आया। कभी वो, जवानी के वक्त मुम्बई बन्दरगाह पर ही कोई काम करना या और गोताखारी भी जानता है। में जानता या कि महादेव को पर्ने की जल्दत है। वो वीमार है। मैंने उसे और यूवनी को मिला दिया। बस यही काम किया या मैंने। उसके बाद मुझे उन दोनो की कोई खयर नहीं।"

"सव कह रहा है ?"

हम माप्ने में देवराज खीहान है तो मैं झूठ नहीं दोन सकता।" अमनम खान ने गम्भीर स्वर में कहा।

"क्या नाम या उस युवनी का ?"

"अनिता गोस्वामी।"

"इसका प्ला>"

"पता 'हो - ।" कहा करते असलम खान कि हा कि रंगल का हा अर खोल है हुए बाना- "कब की पहली बार प्राम कि नी की की उसने अपना कार्ड दिया था। यो शायद यहीं है रहा।" कहने के साथ ही हा पर से कार्ड कि कार्क सामनलाल की तरफ बहाया - के साथ ही हा पर से कार्ड कि कार्क है।"

सामनान ने कार सकर देगा। उस पर आंनवा गाहरायी का

माम और पत्र जिल्हा या।

"य अतिना गारणामी नेरे सं विजनी बार पिती ?"

"दो बार। पहली बार मेरा आदमी इसे लेकर मेरे पाम आया था। दूसरो बार तब, जब महादेव को मैंने इसके साथ किया था। दोनो बार वो यहीं आई थी।" अमलम खान ने बनाया।

"अनिता गोम्वामी ने बताया नहीं कि मुम्बई वन्दरगाह पर

उसे क्या काम है?"

"नहीं।"

<u>"पुराने पूछा या?"</u>

ा, नेकिन उसने इस वात का जवाब नहीं दिया और मैने भी दोबास पूछने की जरूरत नहीं समझी।"

"अजिता गोस्वामी की कोई तस्वीर है तुम्हारे पास<sup>०</sup>"

"मेरे पास उसकी तम्बीर का क्या काम-।"

"इस मामले में कोई और बात बताने वाली?"

"नहीं।" असलम खान ने मिर हिलाया—"जो बात थी। मैने मच-मच बता दी। मुझे तो अभी भी यकीन नहीं आ रहा कि महादेव इस मामले की वजह से मरा होगा। वो कोई पुगना दुश्मन—।"

"मू इस बारे में अपना दियाग मन लगा।" सोहनलाल अनिता गोम्बामी के कार्ड को देखता हुआ बोला—"भूल जा इस सारी बात क्या। देवराज चीहान का नाम तो इस मामले में आना ही नहीं चाहिये।"

"में किसी से जिक्र नहीं करूगा।"

"मुझ मानूम है तू समझदार है।" सोहननान उठ छाडा हुआ। "देवराज चीडान को मेरा सनाम बोलना।"

"फिक नेई कर। मेर की बाल दिया। समझ देवराज चीहान को बोल दिया।" सोहनत्वाल जान लगा।

"वा मेग चार हजार रुपया- ।"

"दे दूगा। भागा तो नहीं जा र पा इसने के साथ ही शोहन जान बाहर निकल गया।

अण्यां का हो गा ता गार हो रहा भीतर प्रयेश कर गया और

बगमः में प्रायका येन यनाई।

द्र शेन बार मैल न कर्न पर भी जन जनाव नहीं मिना हो, समयाहर के लगा जैसे घर में कोई नहीं है उसने आसपास देखा। प्रकार के कर मकान था। सक्क पर से द्रोफ क सूनर पर था। पर नू कोई भी पर्दासी नजर नहीं आया न हो कि पर है।

अगमेदन में जब से मारतर 'दी' निकानी आए साद्यांनी से भ 'ह' होन में फर्मा है राजा खानने की चेध्या करने नेगी पान रतर को भरपूर काणिश के बाद भी यो लोक नहीं खोन पाना। बामारन समझ गया हि दरशाने से फिट पाइया किस्स कर लोक है जो आसानी से नदीं सुनेगा। "उट्टीक्स बंद थी। उन पर दिन नगी हुई थी। याने कि भानर अने का कोई रास्ता नहीं था।

शायद महान के पीछ ही तरफ से, भीतर प्रयेश करने की एस्ता मिले। यह सायकर जनभा न पलटा ही था कि चित्रक गया। मकान के बाहर, उसको कार के पास, साहनजान की कार को उसने कहने पाया नो धटो पर अनीव से भाव आ गये।

साहनताल और यहा १

सोहनवाल ने कार से निकत्रकर, संकान पर नजर मही तो जणमोहन को वहा पाकर उसे भी हैरानी हुई। वो आगे बड़ा और गेट पर करके जगमोहन के पास आ पहुंचा।

चगमारन उसे घूर रहा था।

"तृष यम क्या कर रहे हो?" सीहबंबाल ने मुह वक्तकर पूछा।
"यदी स्थात में तुमसे करने वाला वा !" जगर्गहरू के होठ

"ये नी यहाँ आता रहता हूं।" सहस्रकाल ने ा पाड़ी से कहा। "भयो र"

जहाज नम्बर 302 - 10

"प्रतिकृत्वा गण्डलालो "" सराज्या प्रति के ती ती ति ती ती ति के ती ती ति की ती ति की ती ती ति की ती ती ती ती ती न्यता मेर्न बान्यर सा न है।"

न्द्रों न रहात्रात श्री शाद भग गुर्भी है " व्यस्तात प्री

न्यां क्यां ही गाएं। घटका योग है जाता यो अपन ही को "।" आराज में काय आ लगा।

शास्त्र राज्य दी ज्या से बीजी।

"रतम्बर पर अनिका राज्या वो रसने भरे शाया है। र हथा

है। जन्मात्र परने तैसे स्था ने कर सार । न्त्रमं कोई ए इ मही याना। शाली म्हली में प्राप्त

प्रतिसाल ने दीवता से उद्या ।

नामक नारं को किसी यान संपन्न ना पहुल ले प्राप्त र की करा अगर्त है।" चन्यारन को शहर गाहर है गाही।

THE A PERSON

"शोजिया प्रोधार हो प्रशास्त्र के कारण नाम के दा कर पाउँ। 194710

"स्पूर इके इ है नाद ए पास पत "

गहा। सभी के कह रण मु कि ही है जा भी ही ही गाणी। म्बारायात्र भीत प्रतीम्ब मे सूच शाई पाल वा पाण रा

"वान गारा "

"स्व ना बह बह साव ए र है "

नार से प्राच्या हुन्यान काई दूशमा नहीं ।" जन्मात्राच्या कृत हुन्य

क्रांश हेशा

यान जारी य बार मर पर पाल्य मा मह मारा राज हो। उस की वाल है है और मह बाद महा महार नाम मा न के है।" मात्रनाव ने जात महा म व ना नमना है है सकर में भाग ०० का रहा है "

"हा ।"

'लोन सी दा का पर है।"

- शन् भी शा नेर को दैस पता " जनभारन चीना।

दिवात घौरान ने देखा था। एसने मानूस करने की का कि मार्थेड आजरून क्या कर रहा था। नव्या के बारे व भी व गात याशी बादे दिन, तू यहा दशा क्या कर रहा है। " मानता है न

नार नेत्र चार पांच किन में जिस लाजी के साम हा उत्तत स्यान में वृत्र थिए जिल पर गरा का पता ।"

"सामाम् कार्यं पित्सः ?"

"नामेव के घर घर।" न्यास है। विस्तार यह घर हो। यो गहादेव के साथ आयान

सक्र प्राथकी जैसे कथा में क्या रह रही ही। न्त्र हेते कानूम दह स्थी का पर है। स्था तो उसके मुन्हन

त दर का दिल्हा का है विजा दा।" जायाहत या दा। व्यवस्था है से माजून हुआ।" सोहज्ञान बीजा "अव धीजा

की करा पासालय है।" -देन को अधान नहीं पिल गया और पास्टर 'की' से देखाना

थो नहीं सूत्र पा रहा," जगवाहत ने कहा। साहजनात ने दरशने के 'की' हान पर निगाप मारी !

"दह भी पोरण्ड लोक है। आसानी से नहीं खुलवा।" सहजनाम मान एक - "और मेरा तो ध्या ही ताले खालना है। तृ मुझ आध 'यमर इ क्षित्र प्राइ दे कि सामने से कोई न देख पाये, में क्या कर ार हु " करत हुए माहभलान दरवाजें के पास जा पहुंचा। जगमीहन रूप बार बड़ा हो गया कि सड़क्ष पर उसकी हरकत को न देखा जा

माजनतान ने अपनी पुलती कमीज ऊपर उठाई। कमर मे को दिन में क्से आजारों में से एक पतला सा औजार निकाना **इ**ट की' होने में उनक्र गया।

इत सं मञ्जू में लॉक खुल चुका या।

सारतलात ने औजार वापम बैन्ट में फसाया फिर बीजा।

"य एक काम।" करने के साथ ही सोहनताल ने दरवाजे के भिरुव पा रक्षत्र देशर प्रकेश दिया तो दरवाजा खुलना चाता गया। वार भारत है के कर गये। जनमाहन ने दरवाजा भीतर से बद कर

मायत दे अल् मा मुनम्यत प्रहेनसम् था। वसां गहरी स्वामीजी अर गर द

"अप्यास्त्र अस्थास्त्र अस्था गुमाने के बाद बाला – "प्र 'केन्द्र व मूर्त है। अर्जन मान्यामी यर पर नहीं है। पूरे घर की तर हा है। है यह कर एका चीत्र मिल कि हम तीन सी दी के कार से जान मही

होर गराज ने पाने वाले फ्रेनेट सुनगा है न्दे देशी एक्ट स्थाना गीम्बामी के साथ ही इस्तवा दकता।

एक अन्य त्व में इसी तो आयेगे ये त्रो वन में आये कामा। एहले मामान जी नामानी ला." जनमहत्र ने कार और हार्गक्रम पार क्रम सामने प्रसुद्दे हे रह

হয়ভাৰ হই সাক ৰই সাহা।

सोहबजान की जिलाह हुईगमम में दीह गही ही।

की देहरूम या प्रसाद जरमोहन ने प्रदेश हिया या। इत इटम भीतर प्रदेश करात हो दिशक गए । सामने से शुवन्यत् रवन रिर दा। जिस पा शुरू में दूती लाझ परी दी

"साहजार " जगमोहन ने पुकास।

"J 17"

'झ'—जा।'

"इय" " उस कमा की नाक बदन हा मान्यान ने पूरा। प्रस्त में तो देश का जिल्ला प्राप्त या प्रस्ता सन्दानपूर

क्यरे ये कदम राहर ही साहसा व रिक्टा । यह स्था जा हो नवा है।" हुला रह नया।

हो ऐनिक्स प्राम द्वीय दाक में नाए हा धार मान पा साधार, से कपर ध-देश और जुला व क्रमान सुन से लखप्य दी। देखूने पर भी, मराज भाग भी रहा हा नाम है हम न पाने जिल्ला पा, बेराप्रोबी से, धरापर गाप्र में से एर प्राप्त गाप्त है। सुक्त एक वर मान यान के गान पर भी दा हार सम याकू मिर ह बीच अटका, धार की तरह खुडा हा। तम दार इसने झाना, बार करने करने दक गया हो आर गारू को वर्षी रहने दिया हो।

लाश की हाजत दी घत्य हो गरी थी।

एक ही निगाह देखने पर स्पष्ट हो रहा या कि इसे मा ज्यादा देर नहीं हुई। क्योंकि कमील और येड पर, बहरूर विकास खुन अभी गीला या।

"तूने देखा है इसे पत्त कभी?" 'कामोहन ने पूछा। "नर्टी । पहली बार, दो भी मरी हालत म देख रहा हू - ।" सोहनलान ने गम्मीर म्बर मे कहा।

जहाज नम्बर 302-43

सम्पोदन बैड के पास पर म और ध्यानपूर्व के उसके पहरे की देखा। फिर अब से सम्बोर विकास जो कि इस सूर्व से से व्यास की निकासी थी। अगमादन ने तरकीर की देखा। माने याला कीई और ही था। सीहननाज ने पास पहुंचकर, तस्कीर का देखा। "यह किसकी तरकीर है।"

"अभिना गास्तामी के सून हम में पड़ी मिनी थी। तो हन मरने याना यह नवी है।" तयमहन ने कहा और तस्वीर यापस अने में बाल ली। नजरे लाज पर जा हिस्सी।

"यहत बेरणमी में भाग गया है इसे-।" मारनलान ने बहा।
"नहीं।" जरणमाहन की निगाह लाग पर ना रिकी - "साई,
मारने बाना अनाड़ी था। ज्यान में नाई, के बागे को देखों। घरमहरू
और अनाड़ीपन से बार किये गये है। गाल पर बाह, का बार। गिर्म पर भाने की तमह घरमा पण बाह, इसे बान जी महाही दे रहा है
कि, जिसने भी इसे मारा, वो इस हद तक प्रवराभा हुआ था कि इसे
समझ नहीं आ रही थीं कि कता वा चाह भागे कि यह बर जाये।
सिर पर जब हत्यारे ने चाह, का मार किया, तब तक यह यह यहीनन
मेर चुका होगा।"

मान्तान एकाएक कुछ न कह सका।

"यह घर अनिना गारणभी का है, तो वीन धार दिन से महादेव यह साथ थी?" जगभाहन ने उसे देखा।

"हा ।"

"यशीन के साथ कह सकत नार"

"या। पूरा दावा है। याद में दनाउत्पा कि किस दम पर दाजा कर रहा है। तुम कहना ज्ञा चाहन तार

"मेरे छ्यान में अधारा गांग्याणे ने ही यह कल्य किया है।"
"यह बान त्य केमें का साउन हो।" साहन राल के होड सिक्ट्र।
"इसलिये कि "या काने गांग अनाडी था। वो अनाड़ी आंगड़ सोस्यामी से योगा और कान हो गांकता है।"

ाड तो ई सक नहीं हुआ ,"

"मेरा ख्या ' न ' न मेर रीक है। लेकिन अपने तर्क की मैं कोई सबूत गर्थ दें । ज है। अगर यह हत्या अनिता गंभ्यामी ने नहीं भी तो ' न से उन यह तो पक्का ही है कि कि मिनी अनाड़ी हत्यारे ने की ", जो धबनया हुआ या।"

सोहननाल न जगमीदन को देखा।

"जब क्या करना है?"

"हम दोना यहा की नजरशा लेने हैं।" हमसार हमें यहाँ। भारमें कहा प्यता सहभे ऐसी शहे थीज नजरश करने की की जेगे करता है जिसका बास्ता तीन भी दो नस्वर में हो।"

**"**ठीक है।"

'म मरन वाले की तज्यी लगा है। शाद इसके बारे में करें पता चन। जगमाहन ने कहा और बेट पर यही लाश है उपरी ही जैवें इंटोलने लगा।

साहनलान दूसरे कपर में घंगा गया

जगमाहन को उसकी तेन में से पर्स के अलावा कुछ नहीं मिला। पस खालकर चैक दिया ता उसमें मी दूर एकमात्र काम की चीत्र हार्दिश्य लायसमें मिला। जिस पर मरने वाल का नाम गोपाल कुमार और उसका पता लिखा है आ था।

जगमाहन न हाइचिंग लाइमस अपनी जेव में डाल लिया और पर्स वापस लाश की जेब में। उसके बाद कमरे में निगाई टोलाई। एक तरफ ट्रेसिय टेवल थी। जगमोहन इमिग टेवल को चक्र करने लगा। वहा कोई भी काम की चीज नहीं थी। कमर में पड़ी आलमारी

-के पास पहुंचा। उस खानकर देखा।

आलमारी में लंडीन कपड़ हंगरा पर लखे हुए ये। या दूसे हुए ये। मर्द के कपड़ तो क्या मदाना रूमाल तक भी नकर न आया। जिससे नगमोहन समझ गया कि घर में अनिना गाम्यामी अकेली रहती है। आलमारी में से भी काम की चीज नहीं मिली। आलमारी के लॉकर में कुछ जेवरात अवश्य पड़े थे, जा उसने वहीं रहने दिए। एक तरफ टेबल और कुर्मी पड़ी धीं।

जगमोहन टेचल के पास पहुंचा और झुअर चेक करन

लगा।

द्राजर में कोई खास चीज नहीं मिली। दस मिनट उसे चैक करने में ही बीत गये।

फिर जब पलटा तो बैड के पास ही नीचे फर्झ पर छोड़ा सा पर्स पड़ा नजर अगया। जो कि लेडीज पर्स था। जगमोहन ने आगे बढ़कर फीरन पर्स को उठाया। उस पर जग सा खून भी लगा हुआ था। उसे खोलकर देखा तो भीतर सौ और पांच सी के नाट दूरी हुए था। उसे खोलकर देखा तो भीतर सौ और पांच सी के नाट दूरी हुए थे। साथ में छोटी-सी डायरी थी। जगमोहन ने मावनि निकानकर थे। साथ में छोटी-सी डायरी थी। जगमोहन ने मावनि निकानकर देखा, यो फोन नम्बर बाली डायरी थी। जिसमे नम्बर लिले हुए थे। नधी सहतराज ने धानर प्राप्त कि । चरणा में पोस्टकाई

साई व की श्लाम थी। "यह देखां। इस गायदम में सारी --- "फ हे प्राणी की है।

भा खुराल से व नम्बरी आनेना गास्त्रामी की हा सके हैं है। संहननात ने कहते हुए एलवम जगमोहन की दिखाई।

जगमाहन ने मरमरी नीर पर तस्वीतें की देखा।

"ग्लबम जंब में ग्यु लो।" जगमंद्रन ने कहा और उसे नेडीज पर्म दिखात हुए बाल्य-"मेंने वंला दा कि इसका हत्या अतिना गोम्वामी ने की हो सकती है। मेग कहना मही दा। यह पर्न, मुझे वैंड के पास, फर्ज़ पर से मिना है और इस पर खून लगा हुआ है। इसमें नाट मरे पड़े हैं और छोड़ों भी फोन इच्चरी है। रायरी के पहले पन्ने पर, नाम लिखने वाली जगह पर अनिना गोम्वामी तिखा है। यानि कि उसने अपना नाम लिखा हुआ है। जब जो इस पर साकु के वार कर रही थी, तब उसके हाथ में पर्न भी दा जो हड़बराहट में हादों से गिर गया। बाद में इस हद नक प्रवर्ग चुकी थी कि पर्न को पूर्ण तरह भून गई और भाग निकानी।"

"शायद तुम दीक कह रहे हो।" सोहनताल ने गम्भीयता में सिर हिलाया।

जगमोहन ने पर्स और डायरी जेब में डाली और लाश के सिर में धंमा चरकू निकालकर उस पर से उगलियों के लिक्षान साक करने लगा।

"यह क्या कर रहे हो?" सोहनजान के होडो में निक्रना।

"यह चाकू इसी मरने वाले का है। जिसे किसी तरह अनिना गोस्वामी ने हथियाकर, इसे ही मार हाला। उसने मजबूरी में ही इसकी जान ली होगी! लेकिन पुष्टिम को यह बान नदी समझाई जा सकती। चाकू पर से उसकी उगनियों के निशान नहीं अपनेग तो उसके फसने के चाम कम रहेगे।" जगभाहन ने गम्भीहना से कहा।

"तुम न्यामखाह दूसरों को कव से बचाने ला " मोहनतात ने कारव में कहा।

"मै खामतीर से विभी का बवाने के नियं घर से नहीं निक्या।"
"मौहन ने सोधपरे स्वर में करा—"लेकिन यह यन में पूरे विद्याम
के साथ कह सकता हूं कि आनना गोस्वामी की जान खनरे में है।
वो भागी फिर रही है।"

"जो कुछ नजर आ रहा है, उसमें तो यही लगता है।"

जहां म नगर 302-46

उसके बाद एकाने पूरे यर को शान था। पानी है काथ इन दीन नहीं पिनी। देनने बहा से 'रहने। भार श' भार श' कारे थे इस से खाना हुए और काफी आसे सकर शनके पर है' कारे थे बाल करें।

जन्महन ने अपना बताया कि हो हिस नाम पूर्णा प्रती हुए अनिया शस्त्रामी के घर प्रत्या था।

सारतमाल ने भी उसे अवसी भाग हैर के बार य बार रा

न्द्रस इक्त ह्या सामने काम काने के कह गान है। मने काने दी जेव से सिम हाई का माइतिस है। उसव का में पानवान कानी पड़ेगी कि वा कीन था। किशक किए काम का का था। अधिना गोस्वामी के घा न कीने पहल कहा, जोने ए गोन्धामी के • • में किनी पोन हाकी है। इब देखना यह है कि गानी में ऐसा सा उसका खान नम्बर हा सक ग है कि एस मनीय र के कर्

हो वर्ग पताह ने साड़ । वो अपने सामान के साथ महारोद के घर ति पनाह लिए हुए थी । अब माने हाजा हो पर गीर करने में यही जाहिर होता है :

न्मग्री जेन में पोष्टकाई माइज की एनवम है। हो सकता है कि वो साथि तस्त्रीरे आंत्रण गोष्टामी भी ही हा । संज्ञानान ने कहा—"में असलम सान को तस्त्रीत दिखाका पूत्रण है कि क्या थे हैं, अनिता गोष्टामी है।"

ारा। कम से इस अविता गोश्यामी वे देश को ना हम प्राचीन हो, जिसे हम दूद रहे हैं।" जाएगेटन न सावधी स्वा में उता जाएगेन इतनी भागदीह के बाद भी जिल्ल भी जी के बारे में उता वर्गी पानुम हो सका कि वह किस दीज़ का नम्बर है। मानूस हो जाता नी भागदीह का फायदा नजर आजा।"

सोहनवान ने गोजी वा गी क्रियेट मुजगाई। शाम और एन का अधेटा मिलने जा रहा या।

न्में देवराज चींकान से फोन पर बाद करके आता हू।" जगमाहन ने कहा और सामने दिखाई दे रही मार्किट की नरण बढ़ गया। सेहनलान चेहरे पर सोच के भाव बिए एमे जाना देखना रण।

प्रमोहन ने फोन पर देवराज चौहान से बात थी। उ मानूम किया?" देवराज चौहान की आवाज काना में पड़ी।

जहाज नम्बर 302-47

का। सोतानाल भी मर स'य है।" कहार जगमाहन ने मारी

भागदीइ चता दी।

"एक है।" देवराज चीराज का स्वर कानों में पड़ा "अभी सर्ग काम शेक दो। तुम सा ज काने के साथ उसके घर पहुंची। में भी सहज्जान के घर पर पहुंचना हू मौका मिलते ही।"

"मार्भ मिलते ही।" जगमाहन के होत्री में निकला-"में समझा

नते।"

"हा ," देशगत चीहान का शान स्वर कानों में पड़ा-"महादेव राव माग असे छाड़कर माहिम से जब मैं चला तो, महादेव की जान नेने वाना शाधद मेरे पीछे लग गुदा था। अब दे लोग जानत है कि मैं यहा देगन पर हूं। वे कोई एक नहीं, ज्यादा लाग है। फोन भी आया सूत्रे। यह पूजा गया कि महादेव ने मरने से पहने मुझे क्या बनाया है। वे अब मुझे खल्म करना चाहते हैं और इस वक्त में महसून कर रहा हू कि वे बहुत सारे लाग हैं और बगले को घर गह है। शावद अधेरा होने पर यो बगले के भीतर धुमने की चंग्डा करेगे। में उनसे झगड़ा नहीं करना चाहता। क्योंकि मुझे तीन स्में दो नम्यर के यम में जानना है। महादेव के असली हत्यारे को पकड़ना है। मैं कछ ही देर में बगले से निकलने जा रहा हू। यो यही समझते रहों कि मैं बगले के भीतर हू। यहा से मैं सीचा सोहनलान के घर पहुच रहा हू।" इसके साथ ही देशगज चीहान ने रिसीवर रस्त दिया था। होट भीत जगमोहर ने भी रिसीवर रख दिया।

र्गात में जरणोहन और सोहनकाल, असलम खान से मिले। नुस्थान वालो एनवम दिवलाकर यह बात पश्ची कर ली कि यो नुस्थान जीवना मानशमी की ही है।

60

88

देवराः चौहान जब मोहननान के कपरे में पहुंचा तो रात के इस बन रह थे। देवराज चौहान की बाह मामूली सी घायन थी। जिमे देखने ही जगमोहन बोला।

नमानी लगी है?"

"रपट् लानी शिकन गई।" देवगत चीहान येठने हुए कह

"प्रत्यक्ष कि त्य क्षा दे प्रतिष्ठ व तो एवं भाग की विकास प्र भा रावे ते नामाहत का भाग गणकों

भूत देवापन क्षणात में पिया मुक्ताका प्राणात से पितः विकास कार्य क

"माजून नहीं हो राजा कि व किसक नार्य है "

न्यारे । स्मिक्ष पाक हो बार उस जाहरा का पान आया हा तो सेन सो दो जो पान रान को कर त्या हा जान बार हानजी देकर एसन पान का दिया हो बाद में एगों के आरोमपान नामने का हिएक किया पान रहस काने के लिए देसान सामन के हाउ सिद्य गया - "नुष्य होनी धारणे सना ना"

न्दर्ति विकास का ता है यस यह काम कान मा कार्य गाण है। याचा काम हमने पहले कमी किया नहीं । सामाजन ने गहारे हैं के लेकर कहा— "असिय-अनोब बानों से जामरे पह रहा है

"सच म यह काम ना पृष्ट ग्राम मह दूरते असा काम है " सोहस्तान ने कहा।

"वो केंते?"

भहनने बड़े म्बद्ध प्रकार में एक साहता है कि समाहत करें जो सहादेश के साथ रह गों। धां, इनता ही साहत है सहा के एसका नाम अनिन राष्ट्राची है " साहताल ब्रोग

म्ब्रियो सब बाने देशोशी जिल्ला स्थान मानूम की है। देशाल सोहान बीटा।

चार्याहरून ओर स्थेतनस्था ने आसी साथ भागात राज्य चेहरून का बनाई और नदा में राज गड़ा सामान राज्य पर गड़ दिया। सामान में सुरहार में भिनी पत्थान प्रतिय गाल का नामीर अभिना गोम्बामी के घर पर निर्ण साल जी राज ने राज्य हाएँ वर्ण साईनेम। बैड के नीज छाड़ा मार नहीं ने पत्न, पन की पर ने हाथीं और वो एलवन थीं, जिसमें सारी नामीर आंतना राज्यामी जी थीं

देवराज चोहान ने कड़ा लेकर मार्नजात को देखा।

"अभिना गोन्दामी मुम्बई बन्दरगाह के बारे म क्र मार्ग करना चारती थी। साथ ही इसे गोना डोर की भी जरूरत थी " देवराज चौहान सोचमरे स्वर में बोला! "असलम खान का तो यही कहना है।"
"असलम खान ने यह नहीं बनाया कि बनौर गोनास्तार वा
महादेव से समन्दर में से क्या तलाश करवाना चाहनी थी?"
"यह बान असलम खान को भी नहीं पता।"

"तुमने पूछा या?"

या ।

मार्वों में इवे देवराज चीहान ने टेवल रही तस्वीर हो। उत्तरा जो जगमाहन को सूटकेस में से मिनकि एक ही निगहह में लग रहा या कि वो किसी अमीर आदमी के स्वीर है। उसने राज्यार को पलगकर केला। उसके पीछे कुछ में श्रिखा छपा नहीं

देवराज चौहान ने सम्बीर रखते हुए जगमोहन से कहा। "अनिता गोस्वामी अपने सामान के साथ, महादेव के घर रह रही थी। जबकि उसका अपना घर भी है।"

जगमोहन ने सहपति से सिर हिलाया।

"इसका मनलब कि वो कोई खास काम कर रही थी। शायद किसी के खिलाफ कुछ कर रही थी और उसे डर या कि उसकी जान लेने की कोशिश मी की जा सकती है। महादेव के यहा रहने की एकमात्र यही वजह हो सकती थी।"

"तो फिर महादेव की जान क्यों ली गई?"

"इमलिये कि, अनिता गोस्वामी, महादेव से जो काम करवा गरी थी, कुछ लोग नहीं चाहते थे कि वो ऐसा करे। मेरे ख्याल में जीवना गाम्वामी को खनरे का एहम्सम हो गया होगा। वो नो खुद का बचा गई, परन्तु महादेव उनकी निगाहों में ही रहा और गोली का निगाना बन गया।" देवराज चौहान ने गम्भीर म्वर में जहां - बन्दरगाह पर मीजूद ऐसे किसी आदमी को जानते हो, जो

\*Aff ,\*

"मैं भी नहीं।"

"महादेव, मुख्दे बन्द्रमाह पर जो काम कर रहर था तो जाहिर है कि वहा उसका कार्द मार्स भी होगा। और महादेव ने ऐसी कोर्द्र खबर पा भी नी होगी, जो उसकी पीत की यजह बनी।" देवसाय

र्नित्रम माह महादव को शूर किया गया, हो सकता है कि जहां म नम्बर 302-50 उसी तरह प्रतिता गोस्कामी की भी हत्या कर दी गई हो।" जगमाहन ने कहा - "क्वोंकि यो भी तो जान बचानी भागी फिर रही थी।"

"तुम्हारी वान सच ही मानना अगर अंतिना गास्त्रामी के घा पर, उस आदमी की लाश न पड़ी होती और खून लगा लडीज पने पास में न मिलता। उससे स्पष्ट जिंदा है कि यो खून अनिना गांज्वामी ने ही किया है और अभी तक वा जिया है परन्तु मीत उसके पंगई है। वो सतरे में है। अगर में हम मिच जाय तो हमारे मारे सवाची का जवाब मिल जायेगा। एक एक बात आइने की तरह माफ हो जाये। परन्तु जिसे जान का इर हो, वो आसानी से मिलने वाली नहीं। बो तो अपनी परकाई से भी दूर भागगी।"

"यह बात तो है।" सोहननाल ने सिर हिलाया।

"मुरेश जोगेलकर का मरना, मुझे समझ म नहीं आया।"

जगमोहन कह उठा।

"तुमने पुझे बताया कि उन्हें वैम्बूर ले जाने वाला टैक्सी ड्राईवर कह रहा या कि लड़की घबराई हुई थी और महादेव उसे तसल्ली दे रहा था कि मुरेश जागलकर सर्व ठीक कर देगा। यो उसका दोस्त है। यानि वि. महादेव चैम्बूर में, अतिना गोस्वामी के साब, जोगेनकर से मिला। और जब तीन सौ दो नम्बर वालों को मानूम हुआ कि महादेव जोगलकर से मिला है, तो उन्होंने ओगेलकर को खत्म कर दिया। यानि कि महादेव या अनिना गोम्वामी निसमे भी मिलने, वो लाग उन्हें खत्म कर देते। शायद यह मोचकर कि उन दोनों ने सामने यानं का उनके बारे में आने क्या बनाया होगा। जैसे कि उन्होंने मुझे भी खत्म करने की वेष्टा की। स्पष्ट जाहित है कि वो लोग नहीं चाहने कि तीन सौ दो नम्बर की हजीकत किसी की पता चने।"

"दे राज मो दो है क्या ?" भेजनभाज खीड़ायों स्वर में कह उठा। "पहीं तो मानूम करने जी वेदरा कर रहे हैं," देवराज चौहान ने सम्बीर स्वर में कहा-" "च तक जो यान रायमने आई हैं, मैं उन्हों है। ज्यार पर बार्च बना जा हूं। असन बात तो शायद बाद म मानून हो, जब दीन सा दो सम्बर के बारे म पता चलेगां कि वो किनका, किस चीत्र का नम्बर है।"

दानों खामोश रहे। चेहराँ पर सोबो के भाव ताव रहे थे। देशगत्र चौहान ने टेबल पर पड़ा ड्राईविंग लायसैस उठाया । उसे खालकर देखा। मरने वाले की नर्म्बार और उसका पता लिखा था। देवराज चौहान ने लायमैस साहनलाल को यमाने हुए कहा।

"मरने वाले के बारे में जानकारी इकड़ी करो। नाम पना भी। लिखा है। यो कैसा आदपी या। किस के लिए काम करण था। ए फिर ऐसी ही कोई बात।"

सोहनताल ने सिर हिलाइर लाउमम जन में हान निया। देवराज चाहरन ने टबल पर पड़ी अनिना गोस्सामी की फोन डायरी उठाई और एक एक पत्ना पनटने लगा, उन पर लिया पान नम्बर्ग को चेक करने लगा।

पूरी रायरी चेक करने के बाद उसने जगभाहन को दाना "इस रायरी में एक फोन नम्बर के साथ नाम की जगह में की निखा है। इस मासी को चेक करो। इसके अनाचा भार भी कई नम्बर हमारे काम के हो भक्ते है। सब नम्बर्ग हो चेक करो। शायद कोई काम की बान मालूम हो।"

जगमाहन ने फान की डायरी ल ली।

देवराज चौहान ने अनिता गास्वामी की तस्वीरों वा नी पौरर हाई साईन की एलकम उठाई और एक एक तस्वीर को गार से देखन लगा। कोई तस्वीर भरे बाजार में ली गई थी। तो कोई तर्शीर पार्र में। कुछ तस्वीरे समन्दर के किनारे की थी तो चंद तस्वीरे पार्नी स चान जाने वई-वड़े जहाजों की थीं। जिस पर बहद सुधानमा चंहरे में अनिता गास्वामी ख़री नजर आ रही है।

"मर्ग्यारों और एलवप की हालन बनाता है कि यह तस्वीर हाल ही में ली गई है। आयी से ज्यादा नस्वीरों में एक ही क्षेत्र कपड़ है यानि कि कमरे में पणि फिल्म एक दो दिन में खन्म कर ही गई है। तो सवाल यह आना है कि नर्स्वार खींचने वाला कीन है जा भी है, अनिता का कोई खाम ही होगा।" कहन के साथ ही द्याराज चीहान ने जगमाहन और सहिनलान को दे वा

व्हर तस्वीर में वा खुलकर मुख्या रही है तो तरदार दीवाने
 प्राचा असका खाम ही होगा।" अगमण्डन बीला।

"और उस ख़ास का फान नम्बर इस डायरी में अप्रश्य होगा।" जरात चारान ने विज्ञासभरे स्वर में कहा।

हा । जगमहन ने सहमानि से यिए दिनाया "मैं क्लेशिश ग कि उसके बार में जान सक् "

रवगत चाहान गलनम बन्द करने हो जा रहा था कि ग्रामण करके गया अगले ही पत्र उसकी अग्रव गिक्ट गई। चहुर प्र अजीव-से भाव आ गये।

अपनीत को भविका गावनाको को बाल हुना को यह उसे छो। पोस्ते धार शिवकता पारका न सी। जो जलान के जीने ना ने देश पर म्यूनी गी। सम्बद्ध में व महात पर भार निया हथा या भीर नारीर के क्रिये पार्य जनर पारण धार देशा देशान बीहान अप १६ तहान पर (त दे आहे कर देखाः गह ग्रा।

यणने मी पन उसके गहरे के भाद सामान्य होने नागे। गहरे पर माभ्याती सम्भाता आ रिका

्सन ग्चबस से बर्धांत्र विक या और तम्मानन की पराह

बहाई है

दुस् तानार को देशा ," राजधारन ने नम्पि को हाम में नकर देना । "इस नथा अग्रा" देवा व चीरान थाला।

"सब क्ष नहरं आ स्त है कर्ण मा अक्त वृस स्या दिनाना चारते 'ले' जगसहत न तसीए स विग्रहे हराई।

- प्रभी सम्बूध हो अद्यार , साहन राज प्र उपा । सोहन गान न जगभाइन के राध में तस्वार नाइन रही

"पान प 🛪 अति रा गांध्यार्थः बणत सुबस्यत है " काउ है। बाद मोहनतान तस्यीर में निसाद हराइर यह उन्ने नाराचिता त

भी नगरी है। तस्वीर भी अधी ती गई है और - ।" द्वान चन्द्रन ने उसके हाथ से तत्थार ली लेग देवन पर गर्भी। "रूप तस्वीर में जरान पर्-पानी के नहान पर वा खुर्न है।"

देशाह राज्य ने दानों को देखा।

इता ने सहमित से सिर् हिनाया।

नकता को छुड़ी है। देश पर। यह उहाज का जीव शता

नार केस कहा जा सब गहा हो सब गहा है कि बाहर माना ET 7." या बीव का हैक है।" सोहनवाल कह उठा।

गास सामी काला रेक है। एक क्षा गोलन के मीच द्वार विकास

इ मदमे रेचे - । दाना का किसार स्कार में मनम ने १ गर्। बल बहा दिया मा कार्ट मिल्ली निया आ . ल गा । दोनों चीक।

"तीन सी दो।"

"पृष्ट ना स्थ्या दो नावा है

जहराज नामार १०३ ६३

'हा "देवरान चीरान ने सोप्रभाग द्वा में सिंग किला स हम लहान नम्बर तीन सी दो कह सहने हैं "

जगमोहन और मोहनचान को नियाई देवरात रोशक पर त

"तम्बारा मतम्ब कि महाइइ इसी तदान नम्बर रीन सी ११ ४, बारे में काइ कहना - !" तगमादन ने कहना ग्रांटा

भी भी सकता है बार नहीं भार सहिनात ने फोरन करा। देवरान चौहान ने सिग्रंट सुप्तरूप बार दोना पर निमार प्राकृत बोना।

"सहरदेत, इसी जहात राज्य तीच यो दो के बार में हार हता. चाहता थी।"

"यह बान तुम इनने दाने के साथ क्रेस कह सकते के हा सकता है तस्त्रीर में तीन भी दो नस्त्र जहाज का दिख्ना मान्त इनाधाक हो। इस नस्त्र का हम महादेश के माण दुर्मागए जार हरे हैं कि महने वक्त महादेश के सृह से तीन हो दो निक्रण था। जगभहन ने अपने शब्दों पर जार देकर कहा।

देवरात चीहान के होता पर असीव-मंद प्रकान उपरी।

"तृष्वारी वाज मही है कि इस वक्त हम यह राजने जा गूणा कर रहे है कि जीन सी दो नम्बर क्या है। "में में जो भी ताज सी दो नम्बर हमारे मामने आयमा उस हम महादेव वाजा नाज सी दो समझने लगेगे। इस वक्त अपर हम जहाज पर जिन्द नीज सी दो नम्बर के माध-साथ अजिना गोरवामी जा भी साथ ले, जो कि जान सी दो नम्बर के माध-साथ अजिना गोरवामी जा भी साथ ले, जो कि जान सी दो नम्बर जहाज पर क्षा है जो आणेपुरी नीज-बण दिना से महादेव के साथ रही थी, जो हम प्राण करना पहणा कि महादेव इसी जहाज करवा रही थी, तो हम प्राण करना पहणा कि महादेव इसी जहाज नम्बर नीज सी दो के बार में काज करना चहना था। करणे नाम सी दो नम्बर के जहाज और अजिना गोरवामी को एक हो नाम होना महाद इनकाक नहीं हो सक्तर

जगमाहम और महिन्यान द्वापन चौहान को उप्तन रहे। समें पहले ही इहा था के यह नम्भार हान ही से था गुर् नगरी है। यदि कि न्यारा से न्यारा उस नगह दिन पहले उसहा सनस्य जहान नम्बर गंधा मा दो मुख्द बन्दरगाह पर हा इस दन्त नगर इसने खुड़ा है। इस नम्बर से स्थार चिहर है कि नम्बर स्थार हड़ाज पर नो गुरू है। नम्बर देने पाना समन्दर से बार पर हो

भ र र श भाग पा लगार सीगा । नगरंग में दूर तो एस से भी असी असे क्षेत्र क्षेत्र हैं तो है अर है ने तह अने लगा दाने रहेगा है -देगा । जीवार ने सुरुवोग स्थार स्थार से करने हे साथ दोनों हो है है। नार' के के वारे का का नाम नाम से मादा से बार साह । साह भूरि ने ने स्वाप करण के कार है के कार हरते हैं कि के पान है की है कि है भद्रों हे हजारे कर पर मा सा महता है। हम्मा वह स्थानन बरन भागताब हो सह ते हैं। जगार जीन हो गारनासी ही नहवार नेन इ.स. इ.चे वित्त त्रा वे वे वित्त रहा के हे एका प्रकार होता है। शर्त से बता सक्षी के कोनेता मान्यमी किस फर में ही "

न्ये स बार्यों के बार ये न्यूनवेन के ता र ता सीक्या ताराण के था यस पदा था। यात्र न नव न कहा - व्यक्त हा है देख

जादसम पर काल नाम प्रा जिल्ला है है

' बार स ब'नवा मान्यासी की पान सार्ग स रिप्त, सामा है सम्बद्ध योग अन्य सम्बद्धा है हम पर एमें तजाश करने की क्षांशिका कुण्या हु तो आचेता मांस्यामी का नजरी ही है। जिसने ये तस्तीरी ৰ্জীখী।"

टेरापत पीलन ने वो सर्खार उता ली। जिसमे जहात पर भाने रा गोभ्यामी खाँ। मुस्काग रही थी। जिस जहाज क सबसे नीचे

M2 किया नजर आ रहा था।

"में इस अहात के बार में छानवीन अरता है।" टारगत चीहान ने मन्भीर स्वर में कहा।

\* अभिता गण्यामी खुद ही मिन जाये तो सारी करिनाह्या दूर हो जायै।" संहतनान दाना।

"वो नहीं मिनगी।" जगमोहन ने उस देखा।

"क्यो ?"

"बनाया तो। दो इसी बेटी है। कही थिया हुई है। सही जान को खुनरा है। महादेव को साथ लेकर वो बन्दरगाह पर कोई खास काम कर रही थी। लेकिन महादेव की मीत के बाद तो उसे अपनी जान की फिक पड गर् हागी। एमें में वा मामने बाने वानी कहा " जगमाहन ने प्रकार स्वरं में कहा।

देवराज चौरान ने तस्वीर प्रे से निगार रणकर सार्जनाल स

"जिन्हाने महादेव की जान ना है, वो मेरा चंडरा राजारे हैं और कहा। मृम्बई बन्दरगाह से वारता रखरे हैं। ग्रेथे में लोगे सामी बन्दरगाह पर

जहाज भम्बर 302-55

जाता खुनर काला काम हो सकार है, न्से मेह पा हे सामान है। इन्तराम हरों। चेहार बहरकार हा बन्हाराहि एर राजा रेफ हिए। प पुरु कीन पूर्णी में हरिया बृहण्ये का सार्ष्ट्र स्थाप करें हार प

सोहननात् नै कहा।

अपमाहन में हबन पर से वो सर्वार पराई को प्राप्त द्वारा क्रिया अमीर भारमा की थी जो प्राप्तिन गामकामी के मुल्लेस में स मिनी थी।

"यह तस्वीर किसकों हो सकती है " तम्मानन ने हाँ है सिकार "यह तस्वीर एस कि सी खास खिति को है जो अने का मान्याण है विये खास पहापेचत रखता है।" देवगून बाहान ने कहा। "हर्णि है सुरक्षेम से अपने कपाई वर्ग है किए सहादेश के यूनी हा गामा ही। एस से दिसा की तस्वीर भी साथ ने खान कर पर है है कि नस्वीर खी साथ ने खान कर पर है है कि नस्वीर खी है। करने के साथ ही हरण र यो गाने ने नियाहन के हाथ से नस्वीर नी बीर बंदन है से में ' र "

सुबह के आठ बज रह थे।

देशन वाद्यन म्बद्ध बन्दरनाह पर परना जर मह अप भेषा बदन पर उर्धन पर पान्त् महारा पूर्ण नाह अद रा है भी धा। गाना पर कान स्पाद बारों की जिल्लामा हाड़ी धाँ मिर के बान भी कान स्पाद नहर भा रहे थे। माहा पर भी देश है। बान नगा रखें थे। भाषी पर नहरे की पान्या था। क्वाई अदे शीड़ों प्लेन थे।

देखन में इस इक वो प्रापन वर्षीय था के नजर भा का दा। बन्दरगृह को विशान की इयारन के सामने रक्ष्मी पर जा और किरावा देकर, भीनर प्रश्नी कर गवा। भीड़ और गुरुषा करीं वहा मनर आ रहीं थी। हर करेंद्रे अपने काम ये व्यस्त नजर भा रहा था। वहीं पहने बन्दरगृह के कमचानि कोई अकना और कान सुप ये आ ता रहें थे।

क्छ आगे नाकर अनग-अनग काउन्टर बन कृए थे। जिन पर कर्पचारा मीज़्द ये और नाग भी लाईन में खुई ये। दकराज चाकान समझ गया कि, कोई याओं जहाज के यह याओं हैं जिनकी रवानगी की तैयारी हो रही है। उन काउन्टरों के बीच, रूपम समारी राहदारी दूर तक जा रही थी। जहान तक जाने के लिये परिवास को वहां में

जहाज नम्बर 302-56

े पुत्रर । हो तो है होर रहर हो वह र न पर तमह रूपह ब्रह्म प्राप्त त ।। नगर व री जनर पा रहें को हिंदा रूप रूप रूप रूप रूप रूप वाक्ष होता थी। भी राज्यम् में ध्य क्या रह यू त्रस्य दा र होता द रोग लालाम पुर्व नाना, मनोकन वल था।

दर्भाव गोर व गक्त है। इसर म्हण एक ग्यूर विकास राजाना

रहा चित्र स्था से हो अस्त प्रत्य स्थान हो से द्वा से महा गृश्यिकाचे में युवती माजूद थी।

"प्रश्यसम् ।" याती उसे इ हिंदी वाती।

न्तरम्। में तात सा टो नम्बर तहान के बरे में तानका धुन्त करता याहत हुई। "

न्योग भर यह प्रातात का काउन्टर नहीं है। अगर उस नापः तार्थः व्यक्ति उसकी बान कान्त्र कह उत्ता

"धा भी तथान की रशनगी क वक्त, किसी जहान के आन का सन्य नहीं पुरता चार रा।" दवराज चाहान ने फोरन मुख्याकर 4 हा "प अहाज नम्बर तीन सी दा व बारे प-।"

'सर' अहात को उसके नम्बर नहीं, नाम म जरना-पहचरना शासा है।" युवनी बोली - 'बन्दरसह पर इतने जहां तो का आना जाना नगा गतना है कि नाम से जानन में भी कई बार करिनाई हो जाती । अगर आप जहां ज का नाम बनायं, तो शायद में बना सह ना आप पूछना चाहते हैं।"

"तहाज का नाम तो मुझै मानुम नहीं।"

"मांशि सर। फिर मैं आपकी कोई महायता नहीं कर सकती ." देवराज चौहान काउन्टर में हट गया।

युवनी टीक कह रही थी कि जहान के बारे में पूछनाए के नियं जहार का नाम मानूम होना जरूरी है। जर्बाक उनके पास मिफ जहाज का नम्बर या।

द्वसज चौहान समझ गया कि इस तरह वी 302 तस्वर जहा त के बार में नहीं आन पायगा। इस आनकारी को पाने के विये उसे बन्दरगाहं की गांदी पर जाना होगा। जहां सामान उत्तरन और नादने का काम होता है। वहा काम करने वाले मजदूर या कमचारी ऐसी जानकारो अवश्य रखने होगे।

परन्तु गांदी पर जाना भी आसान काम नहीं था। इस है लिए चौर रास्ते का इस्तेमाल करना होगा। देवरात्र चंदान बन्दरगाह की मारत से बाहर निकला और जेंबों में हाथ डाले, इमारत के माय साथ

र ———— ( — — ( ) — — ( ) — (

नेत् का सामांका असर का शर्म का व

नक्षाता " इंडाम्ब सीमार दोना ।

रोडोरा ने एवं मा म पार मह राह

'कहां जन्त है सहब <sup>38</sup>

°पोतर−।"

र्थाता हाने का गाना दहा से नहीं एका से है। दो इथात इस नगर से " ग्रीकारण ने कथा

नी जानगरू " देशान धीरान सुम्झापा - "नेकिन मै यूर्ण इं धारा कम सुरस्य हूं "

ाइना में हिली बादों त्यांकि का भी क जाना मना है।" एस व जानकों से कदा।

गणने हो द्वार- ।"

धौडीरार ने प्यानपूरक देशरान चौहान के मेक्सप वाने प्रवरन वर्षीय चेतर को देशा।

"इतम् उदा है \"

"मैं उपन्यान निम्त्रता हूं।" देवराज चौहान के होटी पर मुख्यान ची।

"उपन्यासा"

न्वर पढ़े हैं , यस सक्त पड़ेकी भी या। यो भी बहुत पड़ता

वा । उसने तहरी साम लेकर पहा ।

ल्प्डता था, तो अस क्या हो गया उम् > न्त्रेल मे है। सम् केंद्र की समा भूगत रहा है, उपल्याम चढ़ने

की बर्गनन ।"

न्त केस हो सम्बा है। मै समझा नहीं।"

न्याप्ती तो भी पूर गई थी। कही और नो भी पिली नहीं। पत्ले श्या नाश भी भा गया। अव नो गंकी अवस्त यो। दो ही काम थे। भी व मारो या छारी कर । नी करी मिलने की आम तो पूरी तरह छत्य हो गई थी। और जो रोसे लेख है के उपन्यास पढ़ता था, जिसकी कतियों में रहेती की योजनाएं होती थीं।" वहकर दा पल के लिये चीकीदार विकान "साहब जी। आच लाग जो उपन्यास लिखने हो, यो कल्पना की उपज होनी है। मोचो की पर्री होती है। हवीकत की हवा भी उपन्यास की मू हर नहीं गई हाती। लोकन कुछ पढ़ने वाने समझ बेटने है कि उपन्याम में सच निक्षा है। मैन प्रांसी को बात सगन्नाया कि ये सब झूठ होता है, परन्त् वा नहीं माना । उसने प्रत उपन्यास लेख क के उपन्यास में से, रोसः उपन्यास चुना, जिसमें उप्दा इकेती थी और इसी चकेती को माणने राव्यकर जैसे छाटे बच्चे वेपर देते हैं, वैसे ही उसने डवेनी करने की काशिश भी और जेल मे पहुंच गया। इतने पर भी उसे अकल नहीं आई। परसी ही जेल म उसकी बीवी उससे मिलने गई तो बीवी को बोला मुझे उसी लेखक के छाटकर वो उपन्यास लाकर दो, जिन उपन्यामों में उपन्यास का हीते जल से भागता है योजना बनाकर। मतलब कि अब दो जेन में भागने की सांच रहा है, उपन्याम के हीरों की तरह - ।"

देवराज चौहान मुस्कराया।

"ता ये उपन्याम लिम्बन वाले की गलती हुई या पढ़ने वाल की " देवराज चौहान बोला।

विखने वाले ने तो कल्पना से लोगों का मनार तन किया है। शागद उपन्यासों में ऐसा कुछ लिखा छपा भी होता है कि ये नकती क्यानी है। इसे मजे लेने के लिए ही पढ़ें। इस पर भी वो नहीं समझा ता गलती पढ़ने वाले की ही हुई कि नकली बात्त को असली समझ कर चल दिया मूह उठाका - ।" चीकीदार ने भूह ब ग्राथा। मुक्तराता हुआ देवगत चौहान उसे देखता रहा।

जहाज नम्बर 302-59



"आप वो ही गुपन्यास अग्रह ता असे क "नर्ति। मै तो प्रेम विकास एउ अधिकांत्र उपन्यान जिल्हात "पिर सी आह बहुत चना कर है " "किसका ?" "जवान सङ्क्ष्यार्वक विशः प्राप्तः स्य क्षा पद्वा १ १४ 17-75 करने के कई रास्ते दूद विकास हा । "मूर्य तो एसी भाई खुबर नहीं पान " 图 季车 क्रमारी सन्नी में एक सरका अरकी एर वे पाल एएके जरहर प्रम के उपन्यास ही पढ़ ग वा।" "हो सकता है।" " शायने अपने किमी एपन्यास में जिल्हा कि कार जनवर फिल्ह लड़की को भगा ने जाता है।" **"अभी तक तो नहीं निखा।"** "तो फिर इस सर्व ने कियों और संख्या कर इस गाम पदा होगा।" उसने समझने वाल भाव में ध्या हिल्प्या। "तुम एप-यामा क बहुत हो हो न नया हा " "हा। बहन एपन्यास् पद्रमा हो। खान्य ने हे, १२४ वेगाई, कारन हमीद, कासिय, इंग्लान के । इस्ते राप्ते व -"पुराने पापी हो।" यो हसा फिर बो रा। "बर्न खूजी रुई प्राप्त विलवन कि आप पान्यान किन्दुर उसर्छ. हैं। लेकिन काम क्या करते हैं ?" "उपन्यास लिखना हूं।" हेडरा र डीकान संकरायाँ। "माना । स्ना । भक्ति ताल क्या करते हैं ," वा भार किया हा दुगा ' वस्ति । ह्य ह "यं काम नहीं है।" दे प्रमा "उपन्यास लिखा हा 🕫 AFT. क्सान्द है। इपन्यस निखना काम दैस हा गया। इसमें नार कमां आने हैं " को है साल गर मान है।° यम् प्रेशनी है। प्रत्ये कर गुन रहा हु कि इंपन्यास सिस्तुना कहम है। बाद बात देस मा सिन् अति है। होर छोड़ी राजा काम। मैं ती आप WRT # TUNY 302-60

इते काम करना नहीं मानता।" उसन कुछ ज्यादा हा लम्बा सास

देशाज शीहान के होंडों पर बरावर मुख्कान छाई हुई थी। ही। बोड़ा-सा मुह बनाया। बात आगे बहाने के लिये यो पुनः बोला।

•आप कुछ कह रहे थे−?" "मै बता रहा या कि मैं उपन्यास लिखता हू। और अब जो उपन्यास लिया रहा हूं उसमे मुम्बई बन्दरगाह दिखाना है। गोदी, शामान रखने की जगह और एक जहाज को अन्दर से देखना है कि वो केमा होता है।"

"रेखने के बाद ये सब चीजें आप उपन्यास में लिखेंगे?"

फिर तो आपको ये भी जानना होगा कि जहाज पर कौन कर्मधारी, क्या-क्या काम करता है।"

"एक बात के अलावा बाकी बातें तो में पृगे कर सकता हूं।" "कहां दिक्कत है?"

"जहाज भीतर से दिखाना मेरे बस से बाहर है।"

°क्यों?°

'किसी बाहरी आदमी को बन्दरगाह पर लंगर डाले जहाजों के मीतर नहीं ले जाया जा सकता। जमाना बड़ा खराव है। क्या मालूम कोई बम रखकर, जहाज को नुकसान पहुंचा दे।"

देवराज चौहान ने जेब से पांच सौ का नोट निकाला और

उमकी हयेली में दबा दिया।

"यह क्या?"

"रख लो। मैं यह मोट खर्चे में डालकर फर्रा प्रकाशक को दे दृगा कि ये पैसे उपन्यास लिखने की भागदौड़ में खर्च हए तो वो हमें दे देता है। अब बताओं, जहाज को भीतर से देख सफता हं " देवसात्र धीहान मुख्यसया ।

"प्रकाशक आपको इस तरह के खर्चे देता है तो थि। शायद

जगाज को देखा जा सकता है।" वो मुस्कराया।

"दिखाओ । नोट और मिल जायेगे ।"

"आगे का कत्म मुशी करेगा। वो जो कुर्सी पर बैठा है। आप यहीं कियो। मैं उसको एक ही लाईन में सारी बात समझा देश हूं। आपकी बात समझने में दो दिन लगा देगा।" देशसन चोहान को

स्था भूत प्राप्त है है तथा है है असर जा है । उस है स्था है पूत्र प्राप्त है है है है है से स्था स

THE RESIDENCE OF THE PART OF T

निकारी क्यों का स्थानक नहीं समझा ' ताने ने क्या तह विकास

"अवस्त्र प्रताबद है कि क्या क्ष्म हो साम से साम हा दिलाह कर रही है। स्थानि हक से हुसर देन हैं रह हा सह है। "साम के कि कि साम क्षिता है कि क्ष्म क्ष्म है साम पर नाम सह " "क्ष्म है साम क्षिता है कि क्ष्म क्ष्मित सम्म " "क्ष्म है

"के शिक्षण के से विकास के स्वाहत के से का कि साम के से का कि से का स के साम का साम का का का का का का का का से का

OD .

नित्य से उपहा हो का साई और सक्का है । का रहे स्थान इना नार क्षा सक्का दिख्या "प्राप्त क्षा सक्का से सकता है । "से सुम्हें पता होना र"

बहास ५ वर ३०२-६२

•और कोई सककर नहीं है। तुम भवनी बात करो।" देवसान

न राम प्रेस किया सकता है। योगम दिखा सकता है। धेरान ने शात स्वरं में कहा।

जगान पर क्षेत्र क्ष्यवाणी क्या काला है, क्षित्र हे विषये क्या काम होता है। वो बना सह ग है। इस्हों ने समन्दर का हो ग-सा चड़कर की साजा देना है, बोर में। नेपकेन किसी जहान के भीतर नहीं ते

ता सक्ता। नैकरा खारे मे पर जायेगी।"

"तुम्हारी बीची की मादो है? तने की आधी है " देवगज चौहान

ने वृशाः।

नीन हजार नो लग "हो। नुम देगी छोट की बात कर रहे दे ते साई तीन लगा लो।"

दुसके अलावा सानि ६ साद साथ और तो जो भी कपड़े

- जाते हैं, उनकी कीमन लगाओं।"

"तेकिन-।"

क्रीमा तो लगाओं।"

"किर तो पाच हनार का मार्का येव जायगा।" उसने देवणन

चीहान के चेहरे पर नियाह मारी।

देवराज धीनान ने जेब से दस हजार की गड़ी (नक्ष्मरी)। नशकी आखों के सामने फुंकी दी और उसे प्राप्त जैन में राजकर रन भी वर्षवस्था ।

"रूमे वायम क्यो गना "

"यह दस हजार मैं किसी और को दूरण। तो मुद्दा हिला रल र के भीतर भी घुमा देगा।"

"ये सम्ब कह रहे हो । किंव को भूरी 4" रा हा साल अर्थ अपदाल

"मेरा द्वाम करोग ना साथ के साथ मारो गाना र धी जा आयेगा ।" देवगात चीतान ने इटा: "इस हानार दूर्णा । ३,७३ ए० एका लिखने के लिए नगान को भीतर से टेपाना महान कर रहे। ते ए मै देखकर ही रहाग । तुम दिकाओं नहीं तो कोई हूं वर रहाहा ।

"दूसरे की बात मन करो। जाजा गड़ी मूर्य हो,"

देवराज चौतान ने गड़ी निकालका उस दी, तो सारी देख थे

पहुचकर गुम हो गई।

"सुनी, तुम्हारा काम मै करा देता हू। लेकिन याद राहणा, रूप मेरे विक्तदार हो और तुमने कभी भी मीतर से जहान नहीं है है। नुम्हारी जिद्द और रिश्ने की मसबूरी में तुम्हे जगान दिया सा है। कहीं बात हो तो ये ही कड़ना। कहीं दम हतार के चक्कर में चेत्री नौकरी मन लड़कर देना।"

"फिक मन करो। लेकिन मैं वहीं जहाज भीतर से देखूगा, जो मुझे बाहर से पसन्द आयंगा।"

जब तक जहाज बन्दरगाह पर तरर डाने खड़े हैं, तब तक बो अपना ही माल है, कोई भी देख तना। तुम सको। में आपनी जनह पर किसी और को फिट करके आता है।

- 80

यो मुजी, निमका नाम रच्यीर सिह द्या। उसने देवराज चौहान को मोदाम दिखाया उसके बाद हैक। देवराज चौहान दहा के मादील को बार्गकी से देख रहा द्या।

"मुनो ।" रघुडीर सिंह बोला—"तुम्हारे उपन्यास की कहानी ध लड़का बन्दरगाह पर आता है या कहानी की हीगेईन ?"

"अभी यह तय करना बाकी है।" देवरान चौहान ने कहा। "तो अभी तय नहीं किया। कहानी तैयार नहीं की उपर्धा?"

"सब-कुछ तैयार है। जहाज के धीतर नजर मारने के बाद, बाकी बानें भी त्य हो जायंगी।" देवराज चीटान ने कहने के पश्चान् सिग्नेट सुनगाई।

"तुम्हारा नाम क्या है >\*

"राज्ञन कुमार - 1"

"रोजन कपार->" रपुर्वीर सिंह सावधी स्वर में उन्ह उज-"शायद भने तुम्हारा नाम सुन रखा है।"

"मेरा पुषत्याम भी देखा होगा।"

"रा-रा, वो भी देखा है। याद आ नया।" रणुकीर सिंह जैसे याद आ राने वाने सहते में कह उद्या।

देशगत भीतान के होड़ों पर शाल मुल्कान उपगी।

है। वहा से बाट ने लेंगे। वहीं में नुमई नगर डाने खंडे कई जहाज नगर जा जायो। जो कहोंगे, दिखा दूगा।"

दोनो चन पड़े।

कई राम्नों से गुजरते हुए सन-ज्ञाठ मिनट बाद वे दोनों बन्दरगाज के किनारे पर पहुंचे। समन्दर की सकह से टकराकर अपनी ननी स

बहाब काबर 302-64

भागे हरो द्वाप क्या जा नहीं ही प्राप्त की पर दे हैं । पी रक्षणकी विभाग विकास की स्थार प्राप्त की

विकास के स्थापन का का निवास का का का भारत के एक बार में नाम जातका का स्थापन में भारत का का का भारत की बक्त का जान का का में बहुत हो के देन की

ाहुआ को वी विकास स्थापन स्थापन को नक्त सक नाम नहीं नाम साथ को बार के जान जाता करी का जान बहन का करी जान साथ को बार के जान जाता करी का जान बहन का करी जाता है जाता की साथ की मान बहन

काय की नैवारी से रही है रघुकीर "

निश्व करें कि शासा का स्थान के स्थान क

ेहा सुन में हे लागा है " बार खालक बासा।

"सुन माई ग्लान कमा" नर को नहाब गियु र है "

भागन ही पाना में को नाई बीर पर में कीर मेरे पर में

"मिन मां नहान है क्या है " ग्लाहीर मिल मान मन

भग्ने हैं अन्ये राष्ट्राल के प्रत्ये हैं अपने का का नहीं के बाद सालक ने प्रत्ये का है कि नामा कि सार सहार कि का ना का का नामा का है कि नामा कि सार स्थान के प्रत्ये का नामा कि सार स्थान के प्रत्ये के प्

"समझ गया गणान-"

रिवन्तन समझ गता है बार समन्दर ही जाने पर हो । स्थी।
देशगात चीहान दूर दूर नगर दाने तुर प्रशास को हो । इस देशगात चीहान दूर दूर नगर दाने तुर प्रशास को हो । इस देख गहा था कि नन्दीर में दिखाई देने बात्स नहाज नम्य थे क्यांन सा हो सकता है।

परन्त् इतनी दूर से काई अवाजा नहीं लग पा रहा था। बोट खालक एक जहात के पास पहला। दूर से जवान वाई खास बड़ा नहीं लग रहा था परन्तु पास यहाने पर, जहात है। साइड इतनी उत्ती थी कि गर्दन ६५ १० । है। ता त्याना ह्या १८ १० ३३ १ १३० १ १० १३ १४ १४ १४ १ १ १ ता भागासा क्षा भागा ।

भाग भारता भारता या व नाइया राजा राजा राजा स वचा ?"

"नार से तहा दुरा न्दरेश र वे वर्गत हर विभावत जहाज के पास पहुंचकर ऐसा ही फरना बता दूंगा।"

"ठीक है। चन भाई मोपाल।"

बोट में नवार शा श्रक्तर किए।

विभिन्देशन वीयान करें क्री भी प्राप्त कर नाम बाबा . इसरे जहात पर पटन हर भी गया है। हिंगा।

दोट तब रीमरे राज पर परची तो दे तार ग्लान ही जाया पं सरभेता के भाव जा गये। इस नहाज है से इ सावन नाचे व है इंक के नीचे ९०२ विसार्वा या। यो वाफी विशान नतान था। मरीय छ भागि में और दिन बढ़े बढ़े देक नजर आ रहे थे। त" ज में बाएरी विस्से सिन्बर तेमी हाई मजबून परन थी। नवान के दोंनी तरफ साइ हो में मार मोट असरों में 'भी निगरी' लिएका था।

मोटरबोट ने ५०१ का चरकर नगाया।

"यह जहाज मुझे भी पर से दिखा दो।" देवरान ची पन ने कहा। रघ्तीर सिह ने गोपाल हो दखा।

"इस जहान के भीतर कौन होगा?"

"सफाई वालं होगे। सप्ताह पहले सिगाप्र से आया या और तीन दिन बाद फिर सिगाप्र अधिया ।" गोपाल बाला ।

"यह सरकारी जहाज है?" देवराज चौहान ने जानवृज्ञान

पुष्प ।

"नहीं। ये नीर्लागरी शिपिंग कॉरपोरेशन का जहाज है। इस कम्पनी के चार बड़े बड़े जहाज हैं। बूग साहब माजिक है इस रुम्पनी के। बहुत बद्धिया आदमी है।" ग्युनीर मिह ने जवाब दिया -"गोपाल, बोट को सीढ़ी के साथ लगा जो नीचे लटक रही है। वहा से हम ऊपर चले जायेगे।"

"लेकिन जहाज देखने में तो बात वन लगेगा।" गोपाल बोट

का रुख उधर मोदना हुआ बोना। "ये बात तो है।" कहते हुए रघुपिर सिंह ने प्रश्चनि निगालों

में देवराज चीतान को देखा।

14.5.1 Name and Add to the Owner, where the Park THE PERSON NAMED IN CO. C A [ ] 2 /2 The second secon 4 1 2 2 2 1 7 7 7 36 27 22 7 17 1

AND THE PROPERTY OF THE PROPER के मान पान कर पर क्षा कर्य । इंग देंग के प्राप्त कर मान का रहा मा भूप मी ता नव र मा भी व र तर नवा मी में . र र र र र र मान द्रीत्रा क्षेत्र स्था क्रिकेत क्षेत्र क्षेत्र स्था स्था स्था स्था र

तरात की देशका के साथ माथ है। या का माने माने िराई दे रहा भी जा सकाई कान गान न उस्ताम ज्यान ये देशम ग्राम की निमाल है इ. दी गंबर ई. नश्य गर् नग अध्या माध्यामी ने नराप डिल्काई सी। और र कर इ वर्ता नाफ स्थान जनाज पर ४.२ विस्ता या।

नकी सामने से एक गांची उनहीं नगर बहुन न तर आगा। थी या गिस वरम का, गरी वे जिस्स का ट्रेंड ट्रंड मा दिस्त दें र जादमी या।

"राजपान तृ यहा त" रगुपीर किर एम अबने ही बारर। "हा।" राजराज पास पतुंचा जर्मा किंग क्रिकेट हे सारे हमाती थी सपाई का रेका भेग ही है।" करने के साम है। जुसने देवराज धौरान है, का नी साहेद दानि वाने देहर पर निगार मारी हिर स्प्रीर सिंह में बाला-"तृ यहां वे से में तेर की नी इस यक टेवन क्सी पर बैटकर, अपने जाने वाले मान को नाट करते होना चाहिय।"

The state of the s

कत जय से जिल्ली है --

the state of the s

विकेश तक वहीं सुना।" भारत का एंड के कर ते कर साथ में समा ११ व्याप सा भारत का स्थाप के कर स्थाप का स्थाप में समा ११ व्याप सा

्रा को या । ती इस है। विश्व मेग खाला । ११ सम्बद्धि है। यो दे तक्को एकोर हो से है। या काल बोला।

्रमुद्धे ह्यू तो हुई कि एक पेरे जिल्हे त्या गुप्ता लावे लगा है।"

न्ते वास अमे में इ। तान न समायत भी ह। समायत ह

भारे एक-काम की ही किया है। उनका लेखक मैं ही हु।" "उसके पीछे तर हैर "" राजधान ने का गा नागा।

न्दों भेरे पाई राभ पर की है। राभासह मेरा पाई है। रप-याम के न्यर नाम उसका हो हा है और पी है तस्वीर उस ही हो है। पमन नेप ह मैं हूं। हो हो को पाना के सुपर बाजार में नी। री वर हा है।

"में समझा नहीं कि -।"

दरनसन्त एसे तथ्यीर स्वामने कर बहुत श्री है था और मैं मशहूर होने से मनणा था कि लोग फिर आराम से नहीं बैठने देंगे। ऐसे में मैंने अपने माई के नम्म से और उसकी तस्त्रीर के नाम से उपन्यास निष्ठने क्ष्र किए। अब हालन यह है कि को नावा सुपर बहजार में सम्मन्त लेने क्ष्म और उसके आ मेगाफ लेने वाले ज्यादा आ है है। में पद्धान हुआ पड़ा है। किसी को कह भी नहीं सकता कि उपन्यास मैं नहीं, मेग भाई जिला स है। और मैं निक्कित होकर यही The same of the sa The same of the sa -------------A THE RESERVE TO THE RESERVE TO THE THE THE REF REST OF THE PARTY STATE AND THE रंक्दे स्र हमा। THE THE PART WHEN THE PART WHEN स मार साहाय में नाम नामा मान्य प्राप्त है है है है है है भाग के कार है कि का जान कार दे हैं है है है कि जा जा क्षार करण विकास के स्थापन कर स THE REST OF SHIP THE REST OF SHIP SHIPS गाउँ की तार में जान की बात है प्राप्त में ब्राप्त नेवर रेस्ट्रेस की - - इन्हा व स्टाइन स्टा क्षेत्र कर द्वार दे प्रकार देश प्रकार के देश दिल्ला में पूर्व प्रकार ता नाहा साम इस पार्ट्स दा इसमें सामार साहक म दाने कार्य शाद का नाद ने कृति तीन का मानान हा गए।

्रव दलको या लाइक सदा भी ने जा हो लहेगा हो ने नुसा निर्दे दला 'दार के इन्ह गतनान दोला 'ने इस इस प्रस्ता ने दाला गहने कहानी निष्दु ना हूं।

स्थाउ सम्बर्भा ५०० – ६०

7 15 47 27 22 23 17 4 7 12 3 14 2 . . List and all the stand in a

व्यास्य भेगा से भी नाम है ।।। । । । । ।।। 

कत्ते व रहेर्ड भारत । नाम महत्त्र संस्थान स्थाप भीर नाम कुछ । या वाचा मा वा रे साथ ही राजा ना भाग सहा हुआ।

केंद्र व धी र और स्ट्रांश सिक्त भी साड़े की गये।

्रवर्षे वर्षः स्ट्राप्त तेल पाने जानाम का जारी-तरी करें के देश के के कर कर हैं, इस में व रेक्स मान में में में कर में लेकर समारे उपनी है। का उत्तरे देशन के पा का विकास । इत्सर्भार्य से ता प्रचेत्र र स्वत्स्य गार्गा

देशार चौतार को अधी का जहार में एन एक नजर नहीं आगा कि में स्वाने पा मन्त्र तथा मन कि का का का मा द्या तत्त्व हे दूसरी मात्रा पर एसा १६ व दिश र था।

दूसरी भीतेत हैं एको हिला है गान गत मह देश है है

करीय ताकर (१९५)।

न्दूस्ती भाषत पर, इप दरशा । पास ला ी इता ध किसी को नगे है। ते भी रहदर " " " " " " र यो ता।

देशान देशन को निगाह दशा र पर है।

"मर्द्र प्राप्ते व एर क्या है "

"लाम क्ष नरी।" त्रत्राच्य मन्त्राचा दे, विशे शिर्णिय विकाल के माल है सार महा सार वहार ए एक भारता सम्बद्धा के है। यर जात उने जाने कर्यों बहुत ० ८३ र १ र १ । शायद इसी एवं कि एक्त ग्राहित अस्यो का पहला असर र भी ता। इस हे बाद सी वर्गने बाक्षी तर व स्वीरे। इस नगा का सुगर गाहब सकेशी भारते है। इसके मंत्रित का अच्छा हिस्सा ए दाने उत्पार्श को दिनाई रावा भाग है। इस परहकोड वा री, काई का गरिन में गार आ। रोक उनके जाम आदगी हा जात है। यह है सहनई भी, उन है भादाने अवने देग नेम देगायते है। अब भी नाना में भागता है। यह जात यात्रा पर राज्या हाला है तो शून साहत अकसर इसी जहात पर या के करते हैं। के भी नहीं भी करते। परन्तु इस तरफ कोई आम भादमी, नहीं जा गहरा ब्रूग साहत पीलर हैं या न हो। जहां न दी गवानभी के यक सहा या समन परग लग जाता है।"

देशात चीराने को महसूस हआ कि उस महलव की बात मालूप हो रहे है। इतने यह तहा व एह फरोर के आपे हिस्से को इन तरफ हमेद्दा ही रिनर्ड रखना एसरी समझ से बाहर था। य रिनन कोई बान होती चाहरे। रिपिंग कम्यती का माणिक यूरा, पागल तो होगा नहीं।

"नुम कभी भीतर गाउँ हो? इस दरवाजे के पर 🖙 देवराज

ने मुस्कराकर पूछा। "र" । दो तीन बार ब्ट्रा साहब के आर्याभयां के साथ ही गया

या ," राजपाल ने बनाया ।

" ह्या है इस दावाज के पार। मनलब कि भीतर के गस्ने केसे

हें और--?" "सॉरी।" राजपाल ने सिर दिलाकर मुस्कराकर कहा-"श्रूप साहय की तरफ से सख्त हिदायत है कि जहाज के प्राइपट हिस्से व बारे में किमी से कोई बात नहीं की जाये। और आप ना उपन्यासकार हैं। कहीं अपने उपन्यास में भीतर के रास्तों का जिक्र कर दिया तो मेरी खैर नहीं।"

"यकीन रिखये। यह बात मैं उपन्यास के लिये नहीं, अपनी

जिङ्गमा के लिये पूछ रहा हू।"

"तो भी मैं माफी चाहूगा। बूटा साहब ट तरफ से, इस वारे में बात करने की इजाजन नहीं है।

"कोई बात नहीं। मैं इस बात के लिये आप पर जोर नहीं

टालूगा। अब जहाज कव खाना हो रहा है?"

"तीन दिन बाद। सिर पुर के लिये। इस बार तो बूटा साहब भी जहाज पर यात्रा करेंगे। आओ मैं तुम्हें जहाज की बाकी चीजें दिखाना हू। उसके बाद नुम्हें जहाज के स्टाफ के बारे में बनाऊंगा। उपन्यास लिखने समय शायद इन बानों की जरूरत पड़े।"

देवराज धौहान ने उस बन्द दरवाजे को देखा। फिर राजपाल और रध्वीर के साथ चल पड़ा। उस बन्द दरवाजे के पार, दूसरी मीजल के, उस प्राईवेट हिस्से पर कुछ है। खास कुछ है। इसी वजह से उस तरफ किसी को जाने की इजाजत नहीं थी।

THE RESERVE OF THE PARTY OF THE 

with the first term of the second terms of the second A THE REST OF THE PARTY OF THE

> "राजन कुसार मीर" 7-5

. The said that I have been a for the said of the प्रती भी क्षण करणाति है सार में में क्षण में प्रता है मा राज्य में प्राप्ता हम दान की स्थादको राजी गांवर है। भीत्र सा अस्तानों प्राप्त पर प्राप्त करता है और पार्टी प्रस्ट की कर कर जन है • महाल ने कर

रहा ने भूगान बान जार जार इसी व स्टा टा ११६ हम दे कुर में है है जा करता है जिसा है कि का कि का का का का का का का का द्या , प्रमान क्राम मा पाला द्या प्रमान को एक प्रमाणा और प्र क्या है में विकास देश कृत्य हुए हैं होते बात ही ही ही ही ही हैं। हुए के बाहरता के रहता हा जिस लाव क्रम किया के जात सम द्वा हर रहा वे सदा का रहा है या नहीं वह दे हैं उन्हार है के देन देश प्राप्त आगम्म ही जाना दा कि कोई जी नाह ने जी गह , देवणात दीराम का माध्यक नहीं में हुआ नगह जान तथा दा

देवापन होतान ने प्रक्रमका प्रत्यान को देखा न्द्रा ये तो मानून होना बहुत बुक्ते है हि जहां व प्रा कीत

मचर्ग करा करता है।"

नत सनो । मै बलाना हूं। यात्र सी नवड़ी हो हती है।" दहका र महाल ने पूर धार विश् कार गुन्न - "जाराज पर प्राथ में। पर म्ला र्शन विकास होते हैं, देश विकास । इतन विकास और संबंध दिवास । गालगान शिक्ता ता देवगान घीतान ने सिर हि लगून।

· प्राप्त का कि विकास का अपने का तान का काला, प्रकान भाग स्थाप कर्ण कर्ण कर्ण क्षा तल्ला है साज कार के करा देश में स्मानित राहण रहा हुए, सारे अप मक्ति से पोल्यान है। इस, फिल नार सका अपना है। प्राद् बीमाय में या प्यारंशी में क्या करना है। या बाजान है र के र पार पर हाने का बान वा विकास आए पार्ड रूपे रक्ष प्राप्त है अवह ज़लार देखी के बन्द्ररहाट जार इन्ट्रम प्राप्त में धनो सम्बन्ध बनाइर स्वूने पटन हैं, नाहि दुसरे रेर केयम उपने मान के थिये वे लाग उसका ही ज़हान हम्समाल के इससे ज़राज की अभारती बहती है। जहान के माण्यक और अस्ता यो क बीच यह एक कड़ी का काम करता है।"

राजराज के खामंद्रा होते ही देवराज चीहान ने सिर जिलाया .
गाजराज के खामंद्रा होते ही उप कप्तान जहाज का दूसरा, मुख्य भागकारी होता है। कब्बान की सहायना करने के साथ साथ दूसरा माथ करा है। कब्बान की सहायना करने के साथ साथ दूसरा माथ करा है। कान स्वान स्वान होता है। कान से कर्मचारी ने क्या वर्ष महिद्याओं का ध्यान स्वाना होता है। कान से कर्मचारी ने क्या वर्ष महिद्याओं का ध्यान स्वाना होता है। कान से कर्मचारी ने क्या वर्ष करना है, फल्ट सेट ही यह तय करना है। सामान कहा राहना है कर एन रना है, पह सब काम इसके जिम्मे ही होते हैं "

न्द्रमङ्गे तिस्से तो कास्ते काम रहता है।" देवराज चौहात ने कहा।
नहा। उद कप्यान की बहुत कुछ समालना होता है। लेकिन
सबक्ष काम ही किन्त होता है।" राजपाल ने सोचमरे स्वर में
क्या - "उप कप्तान के बाद महायक कातान जहाज के मुख्य
क्षामकात्र कप्ता है। मुख्य कप से रात का काम इसे समालना
पहला है। क्षामाणीहर, गाईसेकम्पास जैसे उपकरणों की देखामाल
इसी के सिर हानी है। कर्मचारियों की शिष्ट इयूडी के मामले यही
समानना है। बन्दरगाह के बाहर, खड़े होने के लिए जब जहाज को
माग डालना होता है तो जगह का चुनाव और सारा काम इसी की
देखाना में हाना है। बीमार कर्मचारियों के इलाज करने तक देंदे

A political also have a second by

The Real Property lies

the state of the s

The second secon

THE RESERVE OF THE PARTY OF THE

The state of the s

प्राचन स्थित है कहा किया है क्या में होते हैं को कार्य का स्थाप के क्या का किया है कि

ा बाद पोस्ट करों है सेरण वी श्रमा प्रम्मा हो पर तो बाद देखता है। वर पर नजर रावण है और स्पाल प्रदेश कर र है अने साल क्या की कर देख देख से पाने।" राजपान बोद रहा प्रात्त वर प्रमुख प्रमुख विभाग होता है। इस विभाग पर नक द में देखर और इसके एक कराओं की पूरी विभयवारि कारी है। सामी देखा होते ही नुष्टत करें कि कर देखें है। यह लोग मा हुती में को कि य हाकर भारतकारी कार्य के साथ हमें स्था हुन में बावजारें है सुख्य आदिकारी होते के साथ हमें स्था हुन में बावजारें है सुख्य आदिकारी होते के साथ हमें स्था हुन में बावजारें ह के कार्य में के साथ भी समझ स्थालन की विभयवारि पीर की में है। यह हमन कम का प्रभागि हाला है। तथा होने मानी गणवह गी

अवायनेकी दूस में। देशों प्रकार है।" देशाल की देश गरा था।

अहात वस्ता १०३ - ७४

राहो है अबर राज्यों भागा वात है जा भारत से है कि प मंत्रमा रहे देस है अपने ही अपने हैं। यह दे छा है । हैंहर में ने स है। बटन की सुरसाई इन्दे से लेकर यह पूर कृता करें हैं कमन् गर्भ अभिकृषियो, य रयो को नये शानन, सने तर एक हर सामान को मुहैया कराना इस दिभाग का काम है। इसने प् स्तितह पूर्व काम की देखभान करता है और मुख्य स्मान्य भागा थारिका ध्यान रखा। है। इस विभाग में कम अरिया की मन्या बहुन ज्यादा होती है। जगाज पर देस हाइ र होता है। इस हिन्न इन्द्रिश भी कहते हैं। यह समन्दर में उनस्कर जनाज के पर, पना, पण्डंप व्योगह की जान करता है।"

"हर नग्ह की फौज होती है, जहाज पर।" रघुकीर सिंह ने

द राज्य चीहान की देखकर कहा।

"हा।" गनणन ने सिर हिलाया-"जहाज में लाइट कीपर होता रि। जहाज' के मार्ग-निर्देशन, सिगनल लेने देने का महत्वपूर्ण साम ुभक्त लाइट हाउस करना है। यह मौसम, तापमान, ह्या का बहाव और ममन्दरी हरकतों के आक्ट्रों का भी हिमाब रखना है, ताकि राज में, समन्दरी तूफान में या फिर विस मार्गैल में जहाज को वैसे चलाया वाय। मुसीबन के वक्त महद मागने का काम भी यही करता है।"

"सब किसी को अपना काम जिम्मेवारी से करना होता है।" ग्युवीर सिंह ने कहा- "एक वी भी लापरवाही सबकी मेहनत पर पानी पेर मकती है। विसी का भी काम हलका नहीं होता।"

देवरात चौतान ने उसे देखा। कहा सुछ नहीं।

राज्यान कहे जा रहा या।

नाक जगह नाटिक न सर्वेयर की होती है। इसका काम सागर क ख़ाम मान हिम्मों के नक्को तैयार करना होता है, ताकि धीव

विद्यान भीत्राच आधारको द्वन से पूर्व सन्त ।

ती हात्या कहा है है है है है है है की है है पार्ट के के प्रत्य कर है है है है है है है है की है के कि का का कि की है की कि का कर है है की कि का कि की की कि का कि की है की कि का कि की की कि का कि का कि की कि का कि का कि की कि का कि का कि का कि की कि का कि का

भीर ये जाराचा साच है।" "सर्व वर्ष वर्ष दर्ग रूप स्थारिया "जाव पर इस्तार भाषा वर्षो रूप स्थापित सिलूमा आपसे।"

ात्रात्रा त्रवाप्यो स्वाधितात्रकः वेरणार्था । । तार्था स्वाद्धी वाप्या प्राथितात्रकः वर्षाः विवर्णतः प्राथितः क्षेत्रोष्ट्री स्वीधाः स्वयुक्त स्वाद्धाः स्वर्णतः ।

"व कापी, भित्रवा दुवा।"

"यह तो बार भी खूनो दी बार है। पर अभ दीन यहां ते आयोगे कैसे ?"

ाति गोपान को इकाने ने सामा स्वार के उन्तर है है। सिह कोना अब से शहर मण्डे से उन्हरी (रहे, की उन्हें के कि

ाणाला सम्बाहाला तो कादरणाहता का का का उद्योग र र ताकारणी करा दूषा (र संत्राक्ष के ने वहां )

शाक्षत्र माधात बार के साथ, वृदी भोड़ी के पान परेड्ड सा । राजपाल से पिया लकर दोनी बीर में बेर तो नार बच्च गन बी नाम दोड़ पड़ी। इस वक दोपहर के तीन बन रहे से सून रिक पर महा था। थारी तम्फ शांत समन्दर था।

"रथ्वीर " देवराज गीतान बोला।

7711"

"बाबी सब तो समझ में आ गया। एक बात समझ में नहीं आई।" देवरात चीटान ने उसे देखा।

"कोन-सी मात<sup>्र</sup>" "जहात की दूसरी कर के किया है कि क स्थान की दूसरी इ मा १ र र प्राप्त कर्म के किल के उपार के किल के उपार के किल , इन रो लो हो । जन्म हार्थ हा भूग मन इत्या के पर स्टब्स भी नार के वर्ग ना कृत इस्तान त्र प्रतास विकास \*\*\*\*\*\* E1 - 12 + 2 - 24 4 40 11 1 177 C1 1 22 1 1 1 फाड़ ही देगी।"

30

देवण न चीलान् ताव मारम गान के क्या में पा के नी प्राप्त के क बतर ये हमी पर बग, गता बारी प्राप्त के कार स्वा भिना ।

"मानूम हिया अनिना एमहामी के दर पर मनने प्राप कान

धा " देवराज चाहान ने येर न हेए पुछा।

"पना करने जा रहा था कि रास्त में असारम खास से रागा हात हा मद्री"

"अमलम खान?"

"यो ही, जिसने महादेव हो असिना स्वयानी के साथ विकास दा," सप्तन्त्राल ने दहा।

देशक चौरान ने किए दिनाया ।

" अन्तर गाम्यामी आत स्यह ही असलम सान व पास गर् दी। उसने मिता दी।" महनवाल ने एम्पीर स्वर में करा - "वाहती र्था कि असरम सान किर किसी ऐसे जादमी से मू एक न बजाये, तो बन्दरगार र यारे में जानकारी राजुल हो 📑

देशन शास की आहे सिक्ती।

• जमाम सान ने मना नर दिया कि मनाद के उसस किनशहर या परते ही मुसीबत मान ने ब्हा है। सर्वेद की मीत र बार, उसर क्षान तमहरू वारे वो दूद गर है। अस यन गान से भौनेत्व भोरवाशी से काल कि, महर्गत । सस्य आस्तायह है र

a fig. f a fig. f a fig.

राह्य नोजन ने हा 14र 2म ने 14र हे हुनमा प्रि राजा है से के नान पर प्राची की प्राची

स्ते वता व कि स्मामान तो गाँ तो स्मामानी का गई।
"ता विदेश व चारा र वृत्यों नी " कि ता मुख्यामें हम ना ते में कि विवाद पानि कि 502 नम्बर के ते में स्वित की सब को विभिन्न कि दिन अर ने निर्माप्य के निर्माणना विन्ति की जी गा।"

न सम्बद्धान को प्राणिशा हो बाचा," साहन एन बोना। इस्तिन कोल्न कहा ने ए सोच में इस छा।

"य रागाह से जराज के बार में तुम्ह राज माजूम हजार" साज्यन न ने एकाएक पूजा।

"नामिंग राजन को में पूरी तकर भीतर से देखकर आया हूं।" " जोड़ " सहन कर ने सिर हिजाया " कोई खास खाद ?"

"सिफ यह कि ततान की इसरी मंत्रिन का जाया किस्सा पूरी निस्त से पाई के हैं। बाग पर जहाज के मानिक बूग की इनाजन के

देख रहा था। "तुम जहान पर गये थे। तब भी जहाज है प्राहित किसी हा मी देख पाय " सर्पनल्ल बाला।

"नही। नहात दिक्त वाले ने स्पष्ट तीर पर सना उर दिए दिए भी उधर का रास्ता बद या। मजबूत दरशाता लोक दिए। आर उस इत्सान की बालों से साफ लग रहा या कि या दूगा से खोक राजा है। प्रक्रियान करने के द्वा से में समझ गांश था कि जाने देशा भी नालच दे दी। जे मानने याला नहीं, दस भी एस दश्याने इंगा भी जालच दे दी। जे मानने याला नहीं, दस भी एस दश्याने

सारत्यात ने गाति वाति सिमारेट का उदा िया।

"जा तर न युष्य की विश्वित कर्य में उन्हें , नाहिन वा १९ देखें के बद्यमान पर जाना होगा। ऐसे में बद्यमान के आदिकारी जहार के हर जिसे हैं तनाजी नेते का हर राउन है जार नेत् भी गरा।"

देश्यतं चीरानं सम्भवता। त्वा कृष हो हते इन्हारं होगा। यह विना हिस्सा एनएन् इ इं र कार्यक the state of the last last last last The state of the s पु इतेगाः। क्षिण धीलान ने मानीर स्था में कता... THE RESERVE THE PARTY OF THE PA क्षानर से देखना चाटता हू। आ। है भगार ऐसी क्या क्षेत्र है कि बूग उसे सबकी निगारों । या वा गारेला है >= माहनका ने वंगेनी से पह THE PERSON NAMED IN COLUMN 2 IS NOT THE OWNER, THE PERSON NAMED IN COLUM - dell . " का का का का विकास के जाता है जा ताल The second secon . . . . मा है जो को की का सम्बद्ध सी केंगा ,र ५ , या भिष्य व्या क्ष्म प्राप्त किल्ल बन्ता को बजह बही जगह है। न विकास में भी मान्य । का का का किसी तर प्रभी देखा जा सक्ता मा का का की भीत पूर्व नकान पर हो। े र " या न भग । या माल से सरल प्राप्त होगा ना है। कि का वाल होगा ता सध्यान्य पहरा होगा। तो सकता है कार हो जाता। ह बाद हम अस तुरुक्त फरक भी न सह " इक्स न नाम न पार भारतकर करा "जेले भी हो आज रात ही रूप व व प्राप्त प्राप्त प्राप्त का प्राप्त । तुम साध चनाम । क्यों के क्रा का भाग में या र पाया समने में बद नाली को नुमने सुवना है स्थान माणन गेहर कर या क्षाई भी सजार गुण्या नहीं मुल्य प्रदेश के संकित्य में अपने एस एवं " न्तुरी पार असर गणा । यस तहा र ४३ पा ३३ व विरोध किसी दहाउ नम्बर १०३—४०

Thomas is

- F - T

fg ...

1-1-1-1

N' T Ter

शहप ।

होगा ।

1 --

ज्ञार की है

7 72 1

1 11 1

त्त री हरा

गात्र वर्

27 TT 7

पर पर सा

"ला गाम

शेष गा

वाह्य देश

भावाज

केई लो

यर जा

133

मां के प्राचन के प्राचन के स्वास्त के कोट को इस्तमान प्राचन के प्राचन के मां माना ने हा सके कि बोट को इस्तमान भारत के प्राचन के प्राचन के प्राचन के प्राचन के प्राचन भारत के स्वास्त के कहा उठा।

"त्यों ?"

श्री शार प्राण में के प्राणम कर द्राण कि शाद द्राय
स्थान पर प्राप में के प्राणम कर द्राण कि शाद द्राय
स्थान पर प्राप में के प्राणम के प्राणम के प्राणम क्षाप में
स्थान के प्राणम में स्थान में सालमध्यान की देखा - "द्राय कार में
स्थान के प्राणम के भारत में सालमध्यान की देखा - "द्राय कार में
स्थान के प्राणम के भारत में सालमध्यान की देखा - "द्राय कार में

'नाव' । जाने , जानी सा पानं स चापु चनका विमा किंगी । जाने म चापु चनका विमा किंगी । कहन हा रेपान श्रीतन हो। कहन हा रेपान श्रीतन हो। कहन हा रेपान श्रीतन हो। के हो 'नाव र गाने - "दन से ना नाव के वन प्रतिन्त्र से गाने हो। वा मार्थ साम कर्म स्था हो। वा मार्थ साम कर्म साम, पे हमार्थ जाने होगा हमें साम क्रिये साम क्रिये हाना प्रतिन होगा विसे श्रीय प्रतिन को साम । प्रमा क्रिये ही हमार प्रांति है होणा विसे श्रीय प्रतिन को साम । प्रमा क्रिये हो हमार को स्था है हमार के सहारे हेपर प्रकार बहान हो। हम स्था है हम साम के सहारे हेपर प्रकार बहान हो। हम सहारे हमार का एसा हम रस्सी के सहार हैपर प्रतिन हो। हम सहारे हमार विसे विमा का एसा हम रस्सी के सहार हैपर प्रतिन हो। हम सहारे हमार विमा का एसा हम रस्सी करना होगा आमे हो प्रकार हमार विमा विमा हमार विमा तो साम हम साम हम से प्रकार आगरेंगा "

श्रीहरू मान प्रति स्वार हो गया।
"में तक घण्ट में यह मानान नेकर भाग है "
"रिवाचा पर लगान के निग माहरूमार भी नेर भाग स्थानमान में प्रतिमारी निगाहों से देवराज चीवान हो देगा।
देवरान चैतान के चेहरे पर कहार समार भाग है.

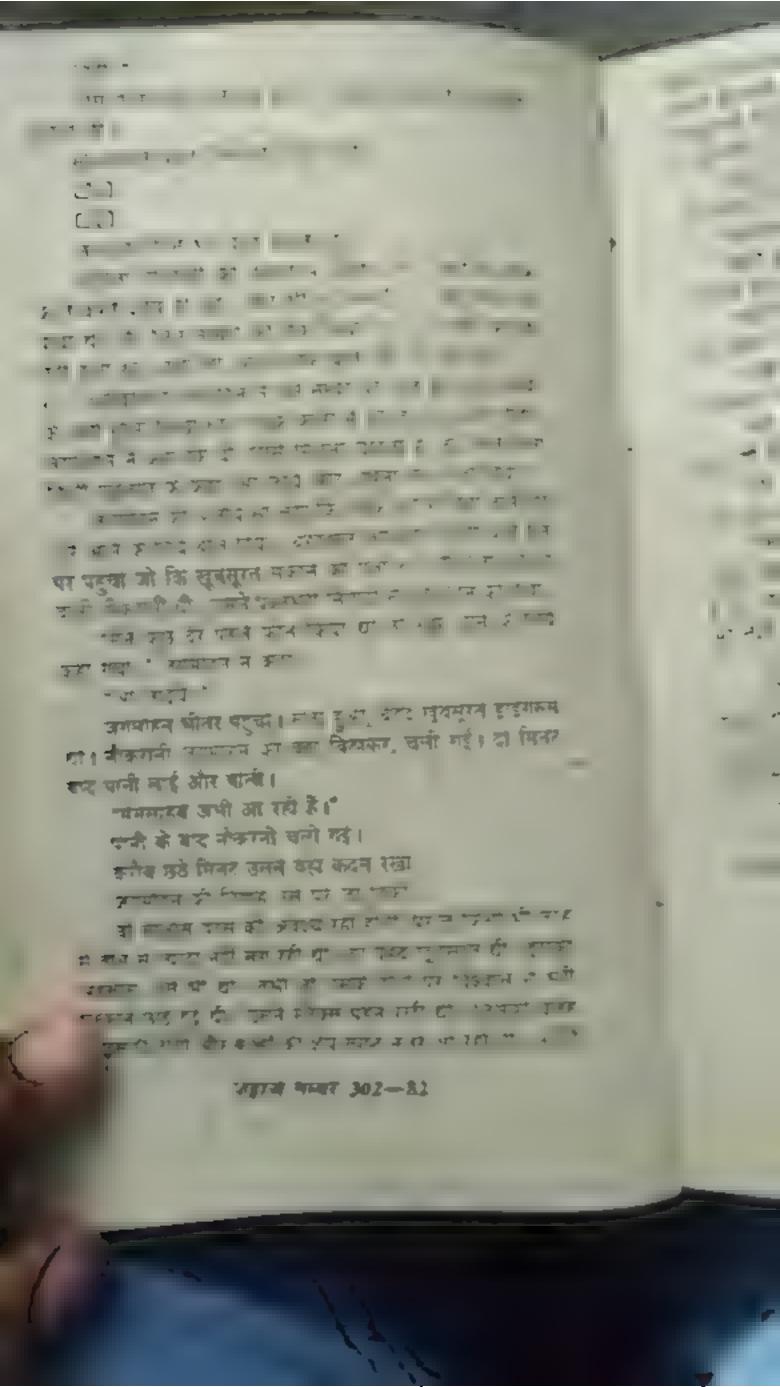
नवात पर अगर कार्यांग की जरूरत पड़ी से पिडाल्डर पर माउनेसर लगा होता तकती है। नहीं तो उस उगह से रागी की आवात के धमाने, बन्दरगाह के तह तक जो सकते हैं और ऐसे कड़ लाग हों, जिन्हें गोनी की आवाजों की पहचान होंगी। बन्दरगाह पर जाहर है कि रात को पुलिस वालों की भी हुपूरी होंगी।"

"मानुर्वसर का इन्तराम भी हो आयेगा।" "तुगमोहन आया?"

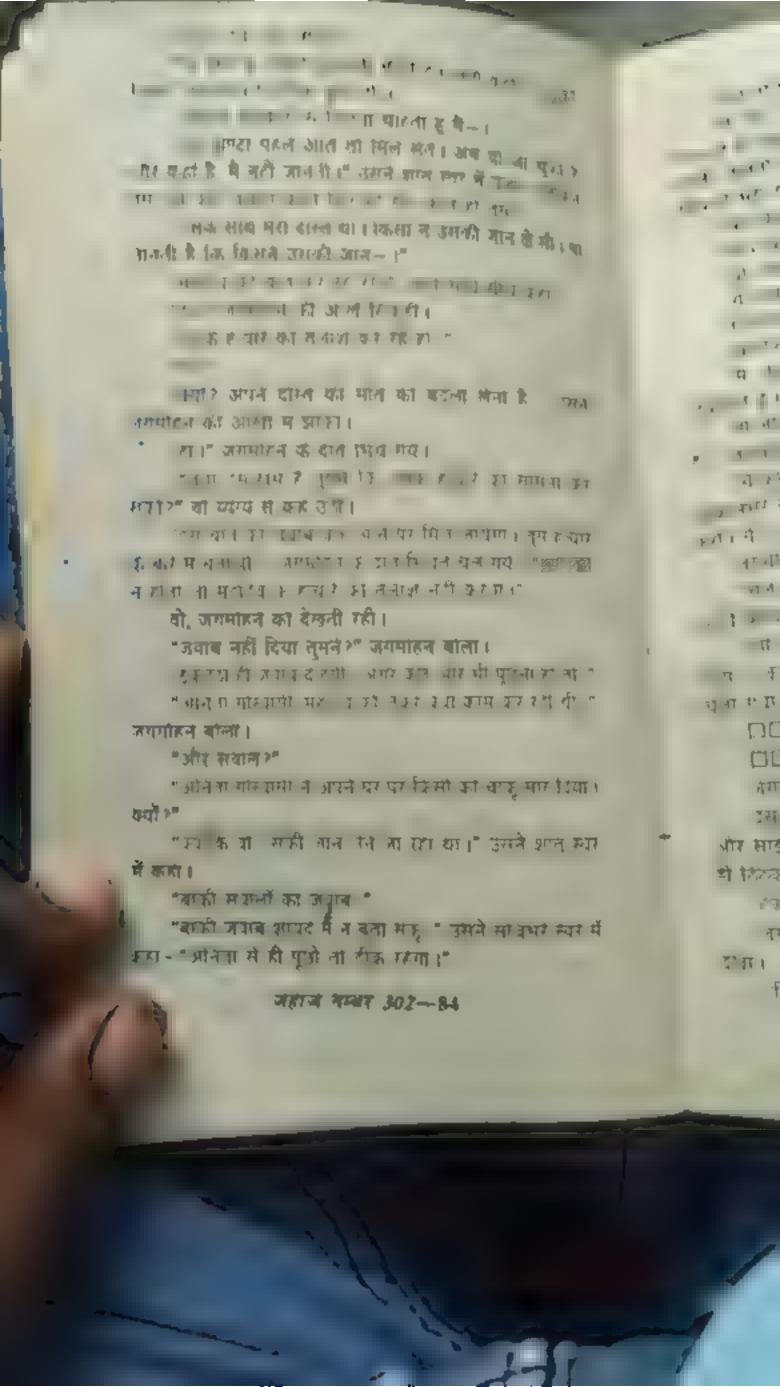
য়া

a

F



1 -64 --\* - - -चनरे बस्बोहन से इस अह त्यानम् ही भेदे अन्यको बहारे कभी वहीं देखा है। हिंग र गार्किं Chillian ... इन्द्रे होत सहसा। न्तो मेर प्रोप करन पर थापन । शार व द र द কটা কল বিকা। সহাস্⊸া 23,00 ्या भू राजात र । सामाना साहार है। कर में लाई किस नाम प्राप्त के पार के देखा है। संस्कृति - - बर् का स्ट्रिं का अर्थ सा व का सह के सह के • . स : बार्स ए । इस एक स्थान । से इसी ह चरा वार्षे ना स्वाह यह स्थार वेता, THE THE PARTY OF T ा कि का चार्च मा त्याचा चार्च के विकास के प्राप्त के कि का प्राप्त के कि का प्राप्त के कि का प्राप्त के कि का \* \* \* \* \* \* \* \* **ाँ इ.** विकास समामा स् - F . रका प्रत्र " भाग पत्र ने स्वार भाग में साका। बहाब नाबर 302-83



'वहां ती कुरे र हो कि शांता में से 1 कि की भी नहीं जानती। सीमा प्रति प्रति प्रति व गाउँ में रूसा नार्थे हैं है । इस्ति प्रस्ति किंगार मान्य हैं म्राप्तार प्रताहें। इत्ते स्वत्यहर्ग्ते स्वत्र । सान संभाग गं। \* 30 87 7 547 5 -के रात्ता त्र हत्त्र त्राह न प्रया अस्तु। दूट व सा । अन्य १४०, १९ व्य इता । । न, उसे देखना रहा। न जनसे हु कि सब राध्य साच रह हो हि से हिस्सी

"मै अपना गरना है। है प्रनेत गर्मिश ही व्याप्ति है। ने रहेर रहे। असर है

"म क्ष नग जानती। जब उपन मिनो तो पृत्र नना।" इसने 🤊 प्रममोहन कह उठा। म्पारंगभी हार में हा - 'सब दाई बात करनी है तो मा बारे में इस । में - 1

व्याबोहन एठ खड़ा हुआ। "चल दिए, पुलाकात अधूरी छोडकर-।" रसने जानवृद्धकर

आर्खे फैलाई : " जा कमी रह गई है यो अनिता गास्वामी से भिजकर पूरी कर स्था ," इसने के साय ही जगमाहन पानना और बाहर निफलना धला गया। 😘

अगमादन जब महननान के वहां पहुंचा तो आठ बज रहे थे। दम भिनट पहले ही मोहनलान मोटी, भनवून रम्पी, काटा और मार्यसर नहर आया था। जगमाहन उस सामार को देखने 打下玩力

"हाइ तानहारी पिली /" देवयज चाहान ने पूछा। नगमान ने भागान पर से निगाह हा फर देवराज चौहान की

भागा । है।" अगमातन खानी कुर्मी पर देउ गया-"लेकिन जहाज नम्बर 302-85

----

क कारण मार्ग का कि सकी असनी मा मार्ग के पूर्व प्रकार प्रकार की मान्य की स्वासी कि र र किस एक अध्यात है है किसा सवाल का जना है है है। ना विका पुरने का पार दिनावा कि अवसे का वा अवस्था क हर पहलान जर र जिल्हा स्टार स्टार

र पर गार्थ के किया माहा का विकास के का

- पान ने आ रिया । पर देवसान चौरेसन को अ

ात नाम का नाम के का नहीं जानती, आनता गोस्तकी हर है राज - स न र हिन तीन दिन बाद नीनिर्धि न म के किस्ता द्वाराक्षण के क्ष्मण्यात का काल है। रेस व मार्थ के प उस जहात्र में मिला त्रांगाता । गार्ग कारा वा के मान्यू का हत्याम भी ज्ञा राज्य स्था ह राज्य है । इस राम सारा ह राज्य दिविष्ट कर नहीं सकता १३ चार १ ३ पाला हे प्राप्ता ।

मांहनतात मुक्कगवा। इंग्लंब स्थान के दे र स्थाप नभो जनमहत्र कर उस्।

र राज देक महर्गुमा मारा भाग भाग और राजा राजा है। पर मार्थे इत में बहुरभार है। या उपार है उस মালুফ ফুল্ফার্।"

"我可以明明不是一次一次,不是一次 'भी' विभावत ने धीर कर उसे उसा

भारता वस्त सम् असे नाजा गार की गार जान है।" सोहननाल ने पुनः कहा।

भव- है जाया न की रज्यानमंत्री निगाई रस्स और काट प्र गर्ड—"समझा नहीं।" . .

"में बराता हूं " इस्त के साद हा देवरात यो अने ने, जसस्वन के बन्दरगात की साम कात बना दी।

उन याना को समन ही जासाउन सब काउ समझता चला गया।

जहाज नम्बर 302-86

The state of the s म भाग हो वा ११ व मा म स्वयं है कि हात ता भारतात् । व्याप्त व्याप्त । स्टाप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्य न द्रा विकास व ) - प्रमाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत 

न वामान का वाक

7 R 4 2 1 2 7 7 7 7 7 7 7 7 1 हा' नानी से पाँचे न्त्यान नाति । नो, म अहा माहा

र र तत्रा का ने का न का का स्टार ं क्या ("द्यात विस्त की मार्थण हो।

रवश्यास्य र ने उत्रहात सम्मतिन् स र ।।

नाह भाग भी त्या स्मा है। भूम हा दे हैं ए । पर गार रण रे कोड़ किसी स्मा श पर देशर आर पा से नाति तक या . गामके नव तक में याना नकर आप हु। वो रम्मा युव गण । जा सामा कर पूर्ण।" करने के साथ विन्यान नाल इक्ट निकलना चला गया।

स्थानित न द्वार र द्वारान को दस्ता।

्य सामा जा हर करम पर उत्तराता ता रेग है," तरामारन

😁 भीर तहा नह भेग रखपर है, मामना भारत पर ही . र र राज घन्यस्या स निसम्प्र ह विवे राज्या होगा। ा रग गर्भा मं वात् हारा "द्शान विवान न करा।

नगर इसी ही हर १ ई जे । भू रहार र में है ।" ज्यास्टन ज हार । हर हमा "मर देश के ह साध्य मा, से में तो मार् र गर्भा का का विकास के माथ हो माथा वागान कर से भिनी तो जोगन कर क्रिकार से मार्ग प्राचा । विश्व अभिया मार्ग मार्थ भी सा क्र स्वाप्य महिमारस्य र १ वर्ग आन सामास्य सान् पर र र राग वर भी जो कर न । व्यान है किए स्ट्राहर करेगी ।"

"क्ष्मारी नारे भवती क्षण हरते हे 'दोणन एक से के हता भिक्ष , इस स्व १३ ते संबंध समापने इते, वर्ग स्थान भाग गृह पर । व सकता कि अनिया योग तथा वे वाह है का स को तान्व पर क्षा हो जापान पर स्वयंत क्षेत्री स का के हराई। कोई खास ही वानद होगी। हम अभी तक इस मामले की अपन सन्द पर हैं, जबकि आनता गोस्तामी भाग ने भी गाम पान में बादिक है इसके अलावा और कोई नहीं ते सर हार तमे रूप सर्व हम ताना ते की जानने को वाशिश भारतमा के कर से है। हो हो होते "लोकन तमे यह तो माजूम नो कि तमन क्या देखान करा

है।" नगभी न बाजा "हमारा महसद ह्या हुआ "

देशक बोधन भूरक्यण।

"उसी मकसद मी तताजन के जिस से राज पर मूल है। पाई देश जगह पर जाता है। क्या के महादेव ने महत्ते बना त्या क्या व मा नम्बर '९०२' विभाषा भार उस ९०२ में यू ग की प्राइवेट अगद है अनावा और होई ख़ाम बोज तो मुझे नवर नहीं आह और दश दरबना है कि उस खास चीन के भीतर खास क्या है। तिस सन्त पहरे के पीछ दियाचा अना है।" देवरान बादन ने निर्माणना बहा।

जगमाहन ने रस्सा यामा और गाउँ त्रयानी शक्त कर दी। "तुम्हे यहीन है। है जान के एस प्रद्रार विश्व में ३% खास हम अवश्य मिलेगा।"

"वहा भाई खाल बान है। इसमें भाद शक नहीं। नाहर ग हमें सिला है, दिखात है, या उस बारे में उस बात है है नहां दूस बारे में अप कड पाना करिन है।"

एक घण्ये से पटले ही सोहजनाज साना पे रू करा हर ले आया।

80 800

आसमान में बादन अपना अपना झगड बनाहर, ह्या के सग यह रहे थे। कभी यो अण्ड चन्द्रमा के सामने आ जाना ता, चमकता ममन्दर, गुम सा हो गया लगने लगता। जब वो ट्वा बन्द्रमा के आये में हट जाना तो समन्दर फिर दूर दूर तक न्यम हा। नजर आगे लगता ।

च द्रमा की रोशवी में क्रान का नियम भी गण हो रहा था। दिन में सूर्य की रोशनी में समन्दर हमेशा शान, जैसे नाइ न रहा ही,

प्राचीत राज्या प्राचीत प्राचीत प्राचीत पर हो। समी में हर हैंड़े प्राचीत प्राचीत प्राचीत प्राचीत ही कि उमें प्रकारत, उमें पर पांची की प्राचीत में कुपर खड़ा जाई, तीतों के कपड़ी में माई नेपर लगें कि प्राचीत में कुपर खड़ा जाई, तीतों के कपड़ी में माई नेपर लगें कि प्राचीत में कुपर खड़ा जाई, तीतों के कपड़ी में माई नेपर की कमर कि कार प्रस्ती है। माहनामान ने अपने औतारों की बेल्ट की कमर कि कार प्रस्ती है। माहनामान ने अपने औतारों की बेल्ट की कमर कि बाउ रखा हो। साथ ही जातुनमा बेग हा, जिसमें प्रान्ट होंगी से बाउ रखा हो। साथ ही जातुनमा बेग हा, जिसमें प्रान्ट होंगी

कार देशास्त्र भिन्द काली आगे बढ़ाने के बाद उन्हें बन्दरगाह करण के साथ चन्द्रमा की रोशनी में नजर अब को।

ारपने इस नगर जाना है , संजीतभी बता है ," देवगान चीहान बारा,

पद की तीन भी दो नम्बर ती जगमाहन ने पूछा।

ना देशका चीत्र के चहर पर दिन दाना ही मेक अप दा देश दिश है ते देश अप वृति सफद काने चान । भीह भी गरंद काने वार्ज में दूर्वी दीं । इस वक्त आखीं पर प्लेन शीधी खाला सादा बामा नहीं दा ।

ासियर पंड दे।" जणमातन बाना।

सारतार व प्राप्त विश्वप्त को समन्दर में प्रक दिया। धीरे धीरे कर्म हरा हो या कर बढ़ में जा की थी। सिग्नेट की चम ह. करा हरा है या कर्ड या तो उन्हें सावधान कर सह भी थी। क्योंकि

प्राची नराज के हे के क्षण प्राची है।

नराज कार नीत्री ही क्षण है है स्वित्यान ने पूछा

"प्राची रहा मोदिया प्राची है उसी दिशा में करीन

गाँ क्षण है के से दिशा में करीन

'तण न कला हर" जिसमहिन ने प्राप्त

र शा कर्ष बहाज है। भीतर से बहुत ही शानदार।" देवराज चा ज न करा नान है के हैं। एक ग्राऊड फ्लार पर, दूसरा तीरण भा का पर और न गरा सबसे जार छंड़ी मांचल पर। जहां से समन्दर द्या दूर रहे के का नाजारा स्थाद नेचर आता है। तीन दिन बाद हम भा का प्राचन पर प्रथमण्या के लिये ग्याना हुए।। तब द्राजना ये प्रतहरूत भीतर से कैंसा है।"

र ता दीकी र ते से ता खर ने रही

तम् नाना र पास्त न र विषय में रहे कई पासपार है एसे में नहात पर या रा करते में रम १९६ भी परशानी नहीं आयेगी। सिप्ह पासपार पर स्तीत देश के से स्वरूप करना होगा विस्ततनाने बाजा।

प्यन भा । मण्डेमें स्नरी क्रिके नहीं नहीं निवास

पहले क्की थीं।

जिस्सा करण का पीति शार जिस्सा है। दनस्त दीसन वृक्षि असर जान पर अण्डामा भी तो कम से कम इस नस्फ नो हमा। दुर्सा नरह से सहात पर काणा प्रकार पिक रहेगा "

"ज्ञान के जन का भागभा हो सहता है।" स्वाननात बाना।
"हरने बह तराज में, कारा फेंडने के शीर की मृत पाना
इतना आमान नरी। अगर कोई जहाज के पीए वाले हिस्से पर
हुआ तो जुड़ा बाने है।"

च दमा दूमरी तरफ या। ऐसे में पनकी क्षशी जहाज की खारा में पूरी तरह भूधर का हिस्सा बनी हुई थी। अधेर में व एक-दूसर का चारा भी ठीक तरह से नहीं देख पा रहे थे।

जराज की बाहरी दी गर, समन्दर के पानी से सत्तर फाट उनी

जहाज नम्बर 302-90

THE RESERVE OF THE PARTY OF THE - THE R. LEWIS CO., LANSING, L र वा व व व व व व विशे में नुवादा और • र अर्थ र मा क्षेत्र के किये यह क्ष्मा विकास प्रमुख्या के सम्बद्धाः करण्यं क्षीर सूच्यु प्रसार EL MI MI F. . . . E. . . . . . . The same of the same of the same of AND DESCRIPTION OF THE PARTY OF THE THE PARTY OF T The state of the s Name and Administration of the Personal "हुन के बाईबर किस्स के करता ते कार र का वा क The Charles I was F \* T , T T - 1 A T T T T T T करीय पाव विनट ६ - १९३७ र राज्य को १३ १८ ए र रहेगा 1 .. अग्रमेक्टर समझ नया कि ये देशक नोकान के जाए है कि लाई 事の声音 四年 子四十 中 子でき न्दं अण्यका सामाह सम्मानाव पर प्रति । व्याप विकास विका बाद त्रव भी कृता सहजा हात कर हुता " व क्रिक्ष सम्बन्ध सं इन् उन उन्न मुख्य प्रत् । तहात सन्तर ३८२-91

रहते को कि सहा करता एक हो और पहली के साथ उत्पर सहने लेगा।

सहिन्तान ने रामे का हिर्म का तर है। बाधन स्थार

1010

र पान ही राजा है। इस के दिन के दिन के दिन के

ेशात को पन भार पाता को रास्ता प्राहर हो र द्या के कि गांत प्रका कि गांत का कि गांत के जांत के कि गांत कि गांत के कि गांत

देशन धीतान सन्द्रनाध्ये विसाद हर नम्य द्रारण स्वा भारत प्रमा कर भी नजर नहीं आया कि स्वतर का प्रासास होता। हर नगर स्वामाजी और खालीयन था।

अगमाहन उपर आ पह्चा।

"सब रीज है।" जगमाहन न पूजा।

"गा। अभी तक तो कोई खुत्रग नहीं आया।" देवगत चायन ने सपाट स्वर में कहा।

"त्थ्या क्या स्थान है जगज पर प्रश्न हाना र" "होना तो हर हान में चाहिये।" देवयज चीटान सत्य स्वर में

"गिक्त करहे हो। इतने बड़े जहाद को गत में अक्राना नहीं "गोगा जा सक्षा।" जगभोदन कह दुरा।

माहननात पी आया।

ारा ने इन्द्रे भी न नर नहीं भारता।" वो बाजा - "जग पृक्ष गण्डार न्द्रा पीवर मन्त्र हो रहे हास।"

भी आते जात है। त्म लोग पामना राजकर पीते से मूर्य कार कार्ग । तरा र में गन पार राज से, ज्यर रून की नव राजका है। इसी राजत पर का आगे पाकर पीड़ी है। इस से जम पालों नीर केंकर दूसरी नीतन पर पालागे। राजने में कोई 'सार और की रूस पर रूस से करता प्रति की तो, इसे फीरन शुर कर देना नहां साजन से कर, राजा, 'इसी कर सामने याना हुने पुर कर रूना,'

THE TEN THE THE PARTY NAME OF ्रेट दिन में आकर यो कार्य के निरंग का वि ' ' ' रुमिन्धे अधेरे में भी उस का वार गोलिंग पार लें नहीं में रही थीं। देवगत चौहान ने कुछ कदभ 🐃 💶 🗀 📨 इंग्लिस व इंग्लिस है सब रीक रहा। to and the farmer of the क्रमा प्रस्ति कार्य वार्य वार्य क्ष्मा अपना स्थाप स्थाप पिन गरा या उन्हें। 3 mm 3122 to 52 di 42 1 2 2 1 १३ में म भारता - वाहर to the range bears part and state of कुमार में प्राप्त का नाम द्वार पर राज्य पर पर व स्थान दूर र देवार

न्त्रता को प्रार्थ के भी हर ता वा प्रारं ने प्रारं का मू है है है में पीमा स्वर निकला।

पहाड भी जनर नहीं भारता ये से समय नहीं। महर ही कार है, " देशान चौकार हात पांच हर राष्ट्र विवाह पूर्वा रहा दा- "अपुन्य जाग ना सामा में आ मार्ग ना मा सामा पान । या । या न इस वक उता व हा हालान हमें स्पष्ट दिखाई नेही दे रहे हो। जिन्हें कि अभ सह दिखाई दे आना घाराचे हा ,"

का मकता है, जहात पर दिशी नरह का काई पारा ही न हो।" जगमात्रन् बाना।

"पहल है।" देशतात धीरान की आयात में यक्तीती भाद थे। इसने रिजीन्यर की नाल चेंगरे पर लगा राष्ट्री नक नी दाड़ी पर लगाई। उसकी आओं में फैसने के भाव आ गर्द थे।

देवराज चौहान अग्ये बद्धा।

जनमोहन, सोहननान पीछे दोनों के हादों में साईनेगर लगी रिदान्तरे दीं।

रानदारी में सम्ब बन्ब पार किया तो आगे मोड़ से मुड गये। वो थैनग दी। जिसके दोनों तरफ यात्रियों के निये केबिन बने हुए थे।

1 7, गिमारन आर सारनजान भी रिटक्स ।

खरान धोरान ने मारन भार का उच्च ।

रम दातान के पार से पा भिर प्राप्त राज्य है। जा का बाइका विकास साम है। दिन में भी मुझ बस ये द्वारणक ि इक्त गरा आर इसके पार दे अभे का इक्त कर का जा " क्यान प्रमुख्याप्या गाम । 'पाना दूस द्रापान को "

र रेन कार ने ताथ को इसे किसे बार के अधार यू रूप भीर प्रकार गार्थण का 'शिवान' में देश सता। न प्रका रा सनक विगर रर ररर तुम की दो।

र जन्ध हो । इ. १ वर्ष परहात र प्राप्त पर पदा विकास जा रबन भू रोपार के कि समान प्रतिक की कि बन की ना है हम एक हा वोद्या ना नाए तो का ला ही नाए ए

"तु अपना याचा साच सरता है कि रा विस्थान न -शत्ये स्वर में कहा।

"रतन पूर्वा ।" लोकान्नान ने रणनी या के विप्रतानक नाकर स्तमार और के के अं वाकर, इसर पर बाधी के र में पास के के नी तारी की निवासी सार पिन गले में निरुक्त गई पर से इस की उतार कर नी हे राज्य और भूद भी भूत है है बल नाचे प्राप्त कर बेस ही किया लावा भार दहा से भी पूत्र रै नार विका चा, दावा है या चीक स्वाना में याखा है गया .

पाई तर लगा विक्रमारे वामे द्यागत भीरत और नामात्र ही जिताहै पहले गरी के अब में हर नाफ युध रही थी। यह जातने य प तातर कमा यी भागी भी तथ म असी भी नरक न उनके समने आ सक्ता है। अभा तक वाई कु धर सामने नाई आका मा और उनकी सोचों के म्लाबिक यह मात भी खरा वा मी दी , नाविस कुछ वो नजर आग ना ने दे वा।

'करा स्थान है।" परभारत माता-"हो सकता है। बाज पर

जहां प्रस्ता 202-94

ात भी नीत में हुना हो।"

प्राप्ता भी हो सनना है।" त्रागण चीलान ने सपाट स्वर में

प्राप्ता भी हो सनना है।" त्रागण चीलान ने सपाट स्वर में

प्राप्ता भी हो सनना है। "त्राण चीलान ने सपाट स्वर में

प्राप्ता भी है। सनना है। "त्राण चीलान ने सपाट स्वर में

प्राप्ता भी है। सनना है। "त्राण चीलान ने सपाट स्वर में

1 1 1 2 14 1 4

त्रमभारत ने कृष नतः । हा ।

पोत्रवंशाल अपने काम ५ तथा राप ।

ान गिनट बीत यय।

तार्वत । १ दर वर्ग वर्ग वर्ग वर्ग १

र्शरहाया प्रायम्भ हरेर र स्टब्स भेग्नास्य बोला।

4114 .

्राह्मात्राहराहराच्या समार्थन । इक्षात्राहराहराहराहरू

क्षाकात्राका कार्याक्षाक्षाक्षाका । सार्वाच व नार्यन केटल कार्यका

'र । मा । वेदर सन है 'त से देव सर दे । 'ते ते 'र । मा । वेदर सन भारत दे । सर साम है दे । हैं ' धे । आंखों में सतर्कता थी ।

ति भी भी भी भी भी है है । नगर र नह सर ए पहुंच है । दे र सी। इस पहर ने से र सी साम है । साम पा का साम के स्वाह के स्वाह के स्वाह के से साम के साम के से साम के साम काम के साम का काम का काम के साम के साम का काम काम का काम काम काम काम का का किया के

रेगात सोशान कड़ यात नह असे रहर रहा ।

"भी । कामान्य पाप भागहर हा ।

ें पात सीम निवास की यात्रण, भार पात के बार या गान है। ज

· The same many or my y may a first of アマス ヌ ・ド マ ・・・ファ ・アポス 田文 アマス ア निया में प्राद्ध वार प्राप्त प्राप्त में के फर्रू ० ० पत्र असे बारिय दा दार्ग र दोगाने स्थान स्थापना, हि र भारत है है है कि लेख है "क्यों र ल " में सहत प्राप्त र प्राप्त ने पूर्

रेक्ट र जान करने प्या भी पत रहता के उत्तर रहा रिकार का मार्का के भारत गाउँ से एन द्रान के स्था राज्य में पर दिया यस भाग का रहा हा

पता राज्या प्रकार फिट हैं।" देवराज चोहान ने संपाट स्वर में कहा।

का बादा एक माधन केम नजर आ रहा है। दुसरा इस रहाता है पार है यानि कि यह से बान बान यान है हैन इक्स के जीए देश रात है महत्व कि बूग के प्राप्त देखा पर करी क्रूपेल सके हैं। जहां से इन सार विमान को कर्राय कान का मान्यर 'स्टाद है। जा है और स्क्रीन भी होता जिससे हर माफ की हाकनों को दोना जा सफता है। इन देगरा के आध्यस म प्रसक्तान दीवार के बीच में से सत्तरी तास से हैं,"

" राह- " हमका सतनव भीतर कोई है और या लगा हमें शिक्षीक स्त्रीमा पर देख रहे होए। कहते हुए सोहनलाल के ही धिन ग्य-"नो ये है यहा पा नना रखने का इन्तजम।"

दरवान पर खुड़ा जगमारन बाहर की लगफ नजर रानु खामाही सं वार्त सुन रहा था।

जहाज नम्बर 302--96

e'' se'l into it s' for et fait e - 4 रे हेटर अंग र स्टार राज्य र ते लेला स्ट्रिस : 1 to the test of 17 to 17 to

याहनलाल कप न कह सकता।

समार्था १८३१ ५ । इस मूल व्य मुद्रमञ्जातत ते हो यह त्या त्राम्य घटन हे । त्राम्य विक्रा कार र महाला हो। विक्रा प्रति विक्रित वि शा । र मा मा रेगा है शा र र गा । भाग र त भ प्रा

का भूता ने देशन अस्तर पाचा रसरहर जयन या पर रेटकरों ह रम रोग श्री मार्थ । । स्वर्ष्य स्व म् गावा, इत्या प्रति। प्रति । प्रति । प्रति । प्रति । प्रति । प्रति । ि वार स्थान स्थान वाराचे हे के वा हा इत्या का नाम प्रा क्षित्र के स्वयंत्री किस्स के विस्तान के विस्तान के विस्तान कि स्वयंत्र के स्व ना पार्थेक प्रभार्भ क्षा भागमा स्थाप स्थापिक तार भी रहे ह भ नामान (य पा था। वो १८ र हा वन । या।

"पुरा पर प्रदासाह वृक्ष रहा है वृत्त न साहन कर दहरें " ' गानाह सान ने मान नरता हो। य नपनी ना पह तनते वना जरुति हि ।"

ा गरी होता, नन् तसर एक मा मार्ग नहीं साम् स्वताहर प्राप्त तथा प्राप्त न प्राप्त के भी भी भी भी निवास दे जा सार दे हर बना सरवाहर एक बाइम्स स्वाह हर होता ही बाल होता है " स प्राप्त दश्यत कामा श्रास्था।

" त्याचा" वर्षा असर लया है एक ए वा देखी। है र की त्य र यह । इस । से से से प्राचना जी सकता कि वहां कथा का रार्ग्राम् । राम्या वर्षा राम्या वर्षा है। प्राचन वर्षा वा नाम मा वन दलन को व्यावभित्त कर पहले वर देर वार्टर वार्टर हाता विकास का बीच्या विकास के बार महत्त्वा । त का प्राप्त का का का अप्राप्त प्राप्त प्राप्त का इत राह रहा है है है ते वाता, यह में स्था है साह , प्राय है धाया जैस उस गाः भा ना उ म / भागाः व भागाः व भागाः व प्रम १४२४, सर ज़्यारा वर्ष वर्षा त्राता हा वाच्या वाच्या है। विद्या हिर्देशन पर समार है देशा है देशा है देशा है ने मुख्यार स्थार स्थार से इंडर ,

7 -

....

...

CHALL &

TERRITOR AND GRADEN

The state of the s

PERSON IN THE

्राय क्रांट्रिक क्रिक्ट क्रांट्रिक क्रिक्ट क्रांट्रिक क्रिक्ट क्रांट्रिक क्रिक्ट क्रांट्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रांट्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्र

en a mora a la sull dell' de la sulla de la sulla de la sulla della dell

्र्राप्त केलाव व स्थित स्थापत

्राच्या विकास सम्बद्धा विकास के क्षेत्र के उपन के किया है। जोर भी सम्बद्धि नेने बच्चा मैस नहीं है।

हरा भाष्ट्रकात्र के सामान्य एक सामान्य विकास

बहार्य सम्बर्ग ३५३ - १६

त्रभाव स्वत्य , स्वत् क्रांच स्वता क्रांच क्रिया ते स्वता क्रांच क्रांच

रे कि सम्बद्धा है नहीं स्था द्वा स्था है। हिंद को देखा समान्य का है, नहीं नुरसान्ती स्था है। होते सार्थी समान्य स्थापन है।

देशम् प्रतासक्त प्रशासकत् । यस प्रतास विकास वित

र राग प्रायाचाच । जा जाता । जा कर्ण स्थाप स्थाप

1 'न इस पाइड ' जा क्या के हा तथा क्या क्या के पाइड के वार्त के पाइड क

" सहर" भिना प्रान्ध के प्रति । प्रान्ध क्ष्म नहीं होता। इति विश्व न कर्जा किया और सुक्ष्मोर स्वर में इह होता। " राज्यात है। दे शह शहर नहीं कि यूटा यहाँ कोई गुलन पान काल हैं "

THE MAR S A.

"जा नी नार देशार ग्रीत को पार श्रीत पर का "जि मी- "न केन दूस बात का प्रकार विक्रम है कि स्टाइन हान "जा था कि वो रासन का क्या है। यही क्षांक प्रमान देश करद बना।"

त्या व हमने में इह जगह पूर्ण तात पूर्ण पात है।" साहत स्व में रहण न स्वास में देश - "हमें के तीना द्वार पी न स्व नहीं आहा कि जो त्रासण बात के पहलपन दी तस्य रहणा। कारत हो।"

न्यस्य प्रांता सकृत ना या के विशासनी का स्थित है। जाते शोतर आये तो भीतन इतका हो। या इसका इतका प्रांता इतकाय नथा किया जाता है। जनकि भीतर कोई सुग्रेस कान हो रही हो।

शाहरताच इपान गीतन का उसका रहा .

शतकाइ के भाग प्रति जो प्रदेश धार्थित ज्यार से गरत है "प्रतिसम्बंद, दिल्पेस करता है, आप को बढ़ाने से निये। बता भी भूग द्वाजिया के लिये कदिन हो तो आप में बढ़ातरी होते। राज्य द्वाजिया के त्रि कता भी प्रजाह नागे। कि या विवेद स हान की दलह स काकी बदा मुक्तान हो - "

"दा पैसा वाचा आदमी है। सरव-सस्ती के विकार ।"

"मात मन्नी के तिया, नियानी के इतन पाना सिमाम का इत्यास नहीं किया जाना जार इस सिमाम को स्थानन के निर्ध यहा कम से कम दा आदमी . जब बेटते होंगा। दिन में स्था पत्ता पत्ता पढ़ जहार की रवामगी के जन होश्यारक्ट पर दार पो मानूद होते हैं। यानि कि यहां कोई बान होती है, जो सिर्ग में ही गतन है।"

साहतनात ने समहाने दाने भाव भ तिर हिनाया। "दू में राष्ट्री आहत्वस दीसेट हुटा ली।" "क्यों ?"

"वृ ही यह देखन के लिए कि यहा क्षीनन्दान आशि है। उनके चेहरे कैसेटों में होने।"

साहत्वान में दू में राष्ट्री की गर एगड़ और गन में पटक रहें देश में डान ती।

"इसका समयद हमन प्रांग हिए ता उनार में हमार्ग चरते भी जा गये होते," मोहनताल घाला।

बहाज सम्बर 302-100

.1/

- [

71

1 11-[

7 1

11 5 /01

4 7)

भ। विस

¥] } |

770

क्षाम

LIS.

वम्

FP

थना वी रचर प्रकारी विकास भारते हैं है हम पाल केल देखें की बहा के पा उन्हें देह भग प्रस्त हिल्लार चाल्य न स्ताहर हिल्ला में केला । तस प्रा दी गर्न वाली गरहर हो उत्तर प्रत्न इन्य हो। हे र र र र र र बरी हा सके। दुसदी प्राप्त प्रदेश राज्य महरी है है या जा भी हाता है, यो तब हॉना हो, हहा दे जानों या हो है - १ रह ए हा ता रं पर खूरा भी सम्बन्ध होता हरे।"

भाग्य गाम, दशगत शामान शा गाम ना

भिन्न दिन दाद याच्यदा तो नद्भ यात तथा व व्याचा है है । इ राजा होगा। अति दिन में सानुन पटा हि तब तकत में श्रीप भा हाता ," हाट भाव देशान र लन व" "- "हम भी ह"। तह दे हैं। कि तयान के इस जिस्से भे बूग क्या क्रिना है।"

न पंडन दम केम राज भवत है।" नुमन देखा ही है के ब्राह्म कु राज्य तगदा इत्यासाय है कि क्षय दुस् तराह हो भी तो कहीं, त्र तरात चत्रमा । सो ति ते ने निया।

"हम द्वार अपना ही परेण , इस हो स्व इप्टार्प राजना होगा। यावने के नियं राज्य पास तीन दिन का वल है हु रहे यही म राज्य रिक्त की अपन है जा ये। बाद यहा स धून "

मधानी ।

नरेश मनानी। बुद्ध रा सदसे ग्राम शदर्भ । हरीम गान शी 🚾 । पिछले पन्द्रह साना से ब्रा के साथ द्या । संस्था ३३ । प्र प्रें ना जिस्स । सिर के बार सामान्य इन ते प है हुए । हाला पर छाई। जाही मृत । बदन पर अक्सर सूर पहले रहता था । लम्बा नाह । द्वी त्रृी शाल । चेहर में निहायन ही श्रीक पान्तु भी हा से बाद का कना ह सगरे वाला, नाश मतानी।

बुरा जैसे अरबापित व्यक्ति के जाने कितने काम ये। किस काम में वय क्या करना है, मनानी को मृह जवानी याद साना। कोई भी काम भूलता नहीं था। बूहा उस ही समझ्दर्भ वा हमें। रायल रहा या। पिछने पन्द्रह साजा में एक बार भी दृहर की उसके काम पर नाराज होने का मौका नहीं मिना या और मनानी रा हुइस, लगभग सूटा का ही हुइस माना जाना था।

चल ने मार रेडी गांच हिंदी

प्रशास नाव देश र राजा के माद राज के दूरण सीका प्रशास प्रशास के प्रशास की ए में रे प्रशासना की भूग के प्रशास के पात प्रशास राजा की की देश प्र सर्व के प्रशास की प्रशास की के द्राव में प्रशासिक, प्रशास की देश की प्रशासिक, प्रशास

राज हात क्ष्मार है के पास के पास

द्रा से से गई प्रांग से स्वा स्वा प्रकारिक को पारिसाल क्षेत्र हैं व्याग क्षेत्र - "हार्स

र्ष - " महाराष्ट्र गाँ में भा करा में नार सामान हूं "सामानी ने केंगा भाषान भी कर साम को सामा नहीं की

क एक बादमा, दाल क्रमेक्टिक को ने आके।

, जहाज पावर 302-102

THE REST OF THE REST OF THE REST. · man in inc inc. and fact to \* TOT TO THE TOTAL THE TOTAL TO THE TOTAL TOTAL TO THE TO 22 Mil Manual Andrew & St. 1 American 1 घटानी है की ए हाई। घट चट 'कोई और आया<sup>"</sup> ----ण्याओं।" न्दे शंतों चने म्यं। गासराहाली सहित्याली है पास अर काओं। में भीतर हा इन्द्रणहाल ये पहची। 194 Uni Fun 1911 5 F T T T T T T T T 7 C T 7 C T T ही मान यह गाए देव विकास राज्य में दिया है है है है है इत्तर पान द्वार गाया पर पर भारत है। कुर्विष्यं के जिल्ला प्रति विकास संस्था । जा । जा ्षाच हा एक संदर्भ वा चार विकास संदर्भ । इयम अपन याम कर गा दा " ए इत्य हुन यहा है। इन्हें वीटमीठ भारत से " " भी भीतर असे होता । जा मुख्य कृतर से से से से से से से से से भाग काला । सामाना क्ष्मां कि तो पूर दें भी कृत हो ला

मर्ना का साथ कारन पात काम से ता तावा है के हैं भी प्रमाहतात्र एक हो । वह ताह कार एक केल्सा , हार हा गार वाहर 

व्हार क्षेत्र विकास के वितास के विकास क हर है जा।

TENERS OF THE TOTAL TOTA

00

स्थित द्वार हें के का इंडलन इंडल का पूरा नहां का का री दिंड से स्थानक इंडल के ती विकास से पूर्ण के न के का री सेका संद्री सहस्य के ने विकास से पूर्ण के न के का र स्थान सम्बद्ध के ने पूर्ण से का का किए के का का र स्थान

गोर किए ये अहार अगाउ है। जागारी साथ - गाउ हा रोजा है विक्रम-- २९

ं भवा भी हुल एक्ट इस्स मास्ट्रा 'सराह का हाता विक्रम करा उटा।

दानां की निवाहे स्क्रीन पर थी।

क्षित्र सोहासराच और प्राचीत्र के रह दे ह

"देन दोनों को तो देव को को नाई देश है जिस्से केंद्र भरे स्वर में कह एटा।

ाण साधानमा द्वार है। सामान के कहा — गान न हाउ र को भौती लेक सोक्ष्मानन का कमान शिल्य है। दुस्य गान किन्नी जिल्लाह शहर न कमान है।

्राज्य व स्थार श्रीत र यहा करने कर आहे हैं। भौतित र पे दाने सूनने रहा "स्थान" की बाद रिएट पूर्व र्श

व राजा देवरात्र योगाय हार साहजारात्र हो हाउँ राहर रहे। उनकी बार्ने सुनते रहे।

्य राजी सारव च जणा, असात पर कार खाम ात कार करने की फिराक में है।°

भागे तमेल प्रणास से दार्ग प्रशाह है कि द्वार पर उसा हाई भागे काम अपने हैं।" स्थानी की जिल्हा स्थान दा अस्य द्वार

जहाज नम्बर ३०२-- १५४

इ.स.न चार्य स्थान स्थान मान मान प्रतिकार की नाम स्थान की

क्त्य त्यं मान इत्रहेता

-व प्रमास के आरमी ते सर्व है, - ना प्रस्म हे शाहपे ना । , " भे पति विश्वासभरे स्वर

दोनों को निया विषया करीन व भा से दायन चीरान में पता और साजवर पा भिन्निया। जना या मुनि गरे। मनानी भागावरमं की अपनी में सनका न प्रवासी थी।

त्य द्वारत योगान भीर भारत। न इस र ग्रान रूप में भाग

ध वा नक्षी उस दक भी मी पूर्ण देगेट में दर्ज नहीं थी। य लोग जहाज म सप्दर प्राप्ते की बात प्रता है जब जाना तिण्णुर पर ना हागा। यो दादीयणा यह रहा है कि चान नहान में वा उस दिस्से में आने की फॉरिश करणा - 1\*

"यर ता बहुत अच्छी बात है।" माता री के चेहर पर आतीव स्था मुस्कान उपरी।

"क्या मनलब?"

"अब हमं इनकी तनाश नरी करनी पदेशी।" भाजानी की गणान में तथा मुस्कान भर आई धी- "वे लोग जणाज पर सफ़र करेंगे भीर हम आमानी से इन्हें तनाश कर लेगे कान है और यार की ष्ठानयान करने का असनी महसद क्या है। उसके बाद इन लोगों का इन्तराम भी हो जायगा।

तभी मला है के दूसरे साथी ने भीतर प्रवेश किया। "राजपाल आया है," व आते ही बोला। 'चना भा उसे।" मलानी की निमाई स्कीन पर धी। बा बारा निक्ता और भाजपाल को लेक्स भीतर आ गया राजपान का बेगा धवगहर से भग हुआ था। यो भी तर आने

"मारव में नमस्त्रार। मैं चुद हैमन हूं कि कौन भीतर आ गया। जर्बा ताना ना मजनून है और पक्ती तरह बद या। बाल शाम को जान म पहल मेने मूद दरगाजा चेक दिया था। और यह-।"

"र्सन देखों," मनानी की निगात अभी भी स्टीन पर यां - "र'ता, इसम स किसी का पत्यान व हो ?"

गनपान की नजर टीटबीट म्यीन तरफ उटी। अगन ही पन यह चिटुक उठा।

जहाज मध्यम् ३०२ – १०५

रते । हा विशासन के भान संस्था १६ ते ते र हम्मा अधि राजपत्म का स्माने भन्न प्रतर्भ

र र र विकास को स्थान कारार है। पर पर र र राज्य ने में स्थानी को स्थान कार्य कर

"बहत वरा तथ-। हार है (" पता स के लोग ....

t die t die il si i en a di en a le en le e la

"रुप्त उसक उपन्यास पढ़ है >"

ाहिया र भार ईसी राजा है हो। "स्वामा वाग्या वा साहता शाहा

भागत ही। प्राने बाता हा यह जान वा नाम पर काह हा है। भागता वा पर सनावद कि इस जहान पर "

"हा। स्थू पिर सिंह लागा था। गामि का गारी अस्त करता था कि श्रान कुमार सिक्का दूर का रिक्कार है और करन के भारत से देखना चारता है। और संज्ञान रुमार की करना था कि ए प्रत्यमकार है और जहाज पर कहाती रिप्त रहे हैं है के भेरत से देखना चारता है कि जहाज देशा होता है "

"बार त्मन जहात रियाधार" मजनी ते शत मध्य विराम "हा हा - ।" राजधान ते विस्थितिकाकर, सुर्ध होती पर अभि

पेरकर मिर हिलाया।

"सार्थ ।" विक्रम न दान भावकर पारन रियोक्स निकार । परस्तु सनाभा के दुश्मरे पर यह राज राया "तहरून का यह हिस्सा भी दिखाया "

राजपान की गर्दन हिली।

न्त आहार के व्यान्यकार, यहा भारत हो। उर हरा है। इस है हा सार से हे भूका कर मेर मेरा के सार में

जहांक मध्यर 302→106

गत्रा हे नार निकार रह स्थी। FIT IS ETT - THE A ST IN THE TOTAL 

ब्ता प्रदा प्रवास विश्व के विश इसर वर्षण्य केले इस उस अस्ति हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं क्षित्र प्राप्ति - "

विक्रम आर्ग माला संप्ता दालम् यालग्राहर गाउँ।

मर्ज न क्यार मनगई और राजपाल के दे ।। "गुप्त माफ कर राज्य साहद " राजयान सुले स्वर में कर

प्टा-"स्ट्रामे गृजनी हो गई।"

न्यो दिन में आया जार स्थाप के सार गर है ऐसर गया और शत को स्वयाप द्वा गावय के भूगिक पालों से जी पालों। साथ भूमन एस दिन में नहीं आप पड़ार का नी ही इस नरद काने ही आदिवारी व साथ गान के दुश्ती भागानी स गाना गार सिति प्राप्त सक्तावा " मना" न लक्ष्म श्राह वर वर वर देश कर है।

"मैं म् अपनी गरा व व महा-

भन्न प्रात ही मानाई की रक्षा रक्षा राज्य राजा है के रही देशक म सरत मनको है कि जहां र पर रोड़ ह चाड़ी नहीं चाना चार खे आर रूम इस सराव पर प्राप्त रहे । दिनको राजन दात ही है स्थान ह पुरस्यासकार दूस तरह ता वे जी जातते । यो वाई वा ते ती ना गर शदनी या नार दिना रहम या र दो पुणार नापा हो।

मनपान बाह नहीं बीजा।

"मक्रीन देखी । पारको महत्व औ भादको है कुन आवस्त का नी मनानी योजा ।

राजपाल न भई दि पर न रर झा रहे सोरन राज को देखा। "नहीं। मैन रूस पहल क्ष्मी सही देखां।"

मरानी ने केमर विवादेंड की आग ज़रायकन का के वा देशा।

"तर्ग । इस भी नति द्वार ।"

मक्की न वी और आरं और का दिया।

न्तुमने कल इस अदर्श को एवं जनाज में ग्राच्या बहुत बड़ी गनती हैं। है। हें में बार्न में कारी पसन्द नहीं करता।" सन्तनी की अएडा में करता के भाव गार्ग "दू" साहब जब तक लाहे सता दे भूके सोते हैं

"में माफी - ।"

"ता जो ," मला ही न भिन्ने हर ने हैं हा - " जेप हम बान का जिस् दिनी से मत करना 'ड हपन पर इस नाह काई चारी हिए अप्या । खासनीर से बूग साहब है हम प्राइवर हिस्से में "

'त जी- ।" राजपाल ने घनसमें दम सं सिर हिलाया और तान यर्च' वान दम में निक्तना चना गया।"

मनानी को भावभरी निगाह ऑफ हा क्की टाउनेए स्वीन पर जा टिकी।

ोप्रस्म अपन साधी के साध इंड घण्ट बाद लीटा और प्रनाती से बात की।

"म्पूजी मिह मूजी में बात गई। उपरा चढ़ाया ना बाला कि रोशन कुमार "सका रिश्तदार नहीं बा। वो खुद को उपन्यामकार कह रहा था और जहाज को भीतर से देखने के जिये कह रहा था। इसके लिये रोशन कुमार ने उसे दस हजार दिए तो वह उसे जहाज दिखाने के लिये यहां ले आया।"

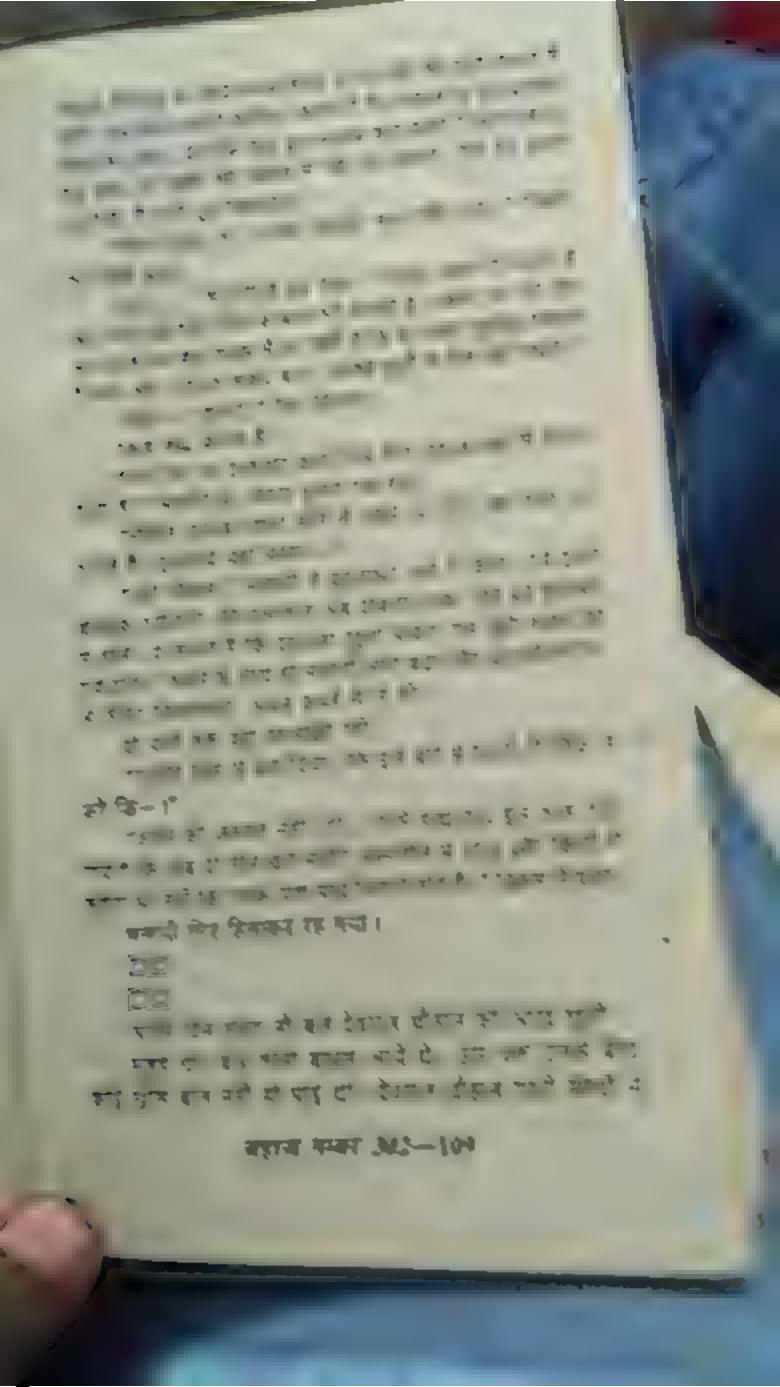
"मुखे भी पूरा विश्वास द्या कि या उसका रिक्नेटर नहीं होता।" मलानी के होंठ सिंच गये।

"धोड़ा और इण्या चटने पा स्मृतीर सिह बोला कि संभान कुमार ने ही, इसी जहाज का रिकान के लिय कहा था। यान कि स्मृति सिह सीध, उसे इस नवाज पर नहीं लाया था।"

"उम हजार रूपार खाँ करके, सिर्फ जहाज को भीतर में देखा ही उसका मण्यद नजें रहा हागा।" मलानी ने कठार निगारों से पित्रम का पर्ण-"दिन में को जहाज के भीतरी रास्ते को देख ए ह और रान में त " हिस्से प्रद्वार हिस्से में आ पहुंचा। उनकी के रूप महिने ( पर्ण न स्वाहर है कि उन्हें बहीन है कि भूग महिन, यहा होई। इन काम करते हैं और उसी गमन काम नो मानूग प्राप्त है किवों वी यहां आवे थे। क्यों, वो कीन थे, इन गार्ग का ज्याब गमा अंसरी है।"

"इन्हें दूडने की कारिक करे " "कोई जम्मन नहीं।" मारी शब्दों को वदाकर बोना - "नम

जहाज मन्दर 302-108



The same of the sa ्तं कर करता स्ता ।" असलेहन वे कारक करू रंग बेल एक हो तहेत ं भणी शो हेता । विशेष ti the st to hear the set well will be a "देशास ह त - | जनभोडन हड्चरावर केली - 'फ.ब 10क रि को म "तभी जब मैं इन काम पर लगा वा और-। "तमा दिवा " इंसाम १ से १ में अरेगामन ने देश न देश के रेगा के रेगा के रेगा के स्थान 3 71 1 "वापस दे।" "बन्धें >" "रो राजार कार्य हो गया भागा भागा भागा है है है है है है दे। निकाल--।" त्राचा पर एक, भागानिय स्राती प्र १ हरा व बारों है। हा केरो तम काम के 11 न्या गा विकास राजा । या १ प्रशी हो गी है। सन व ्करणा "मतलब कि नहीं देगा।" सोहनत्त्वत ने माजरा हर एको १ में कि १ वर्गर लक्षात्रम् भूती तो लगमास्य उठाई स्टर पंचा त - ०० व ८ क्षाय यसूल करूगा।" क्षाहनलाल ने तगण क्या 'नया। "गरे से खेन माच पहने भी जग है।" "ये एक्स भी अना हर है।" नीहनतान क् इसया। "समझ से, डायरा में सिना निया।" जगमंदन ने जल प्रकर कहा। अहान पन्नर अध्य-110

- 4

.

1

-61

100

11-17

1.5

- 5

1

· 317

प्रार्थ क

41.13.2

पान पान

सन में ह

न्यर म कत्र

ামশ জানা

बार् में जा

/ t

\* 44

"पृर्ध

योगा कि व

भी पार्व

आ नमा भ

11/27 7 1.

0 1 1

. ( 1

CT T 2 AT 12 CT 25" -2 1 1 त र . र का स्थाप से हर र पर प्रकार योहान

15 111 प्रात १ प्राप्त पर भी विभागत है है। सोहन्ताल बाला। · म भ भ भ म भ म म मिल्लिस आ। उन्हें देखना

OF FRITTI

ार्था अपा " ३८२ प्रभाद स्टब्स्स ने न्यास्त्र की भा पुष्यम्गार्थं ग्रापे, सबस्य न्या १५,०० ज्ञार । प्रमाण मार्गित्र प्रका प्रमास दानना प्रताह राष्ट्रण।"

ाँ । विश्वास्त्र ते दे स्वार में स्वार नासा गुण होता है TEE, अभी लाखा नामनामा हुआ।" करने ही साय ही . इ.र. राभ बारा विकास स्था ग्या।

दबराज चौजान ने सियार स्त्या नी । पाय साम्याला नगमाहत कर उथा।

"दर शिरण कैसर में शुंड स्थान होगा /"

"इयन के जिया कम साम यह ना आना जा स्थान है है शून वे ताल में प्राद्वार विकास में बून के अलागा और कीने शीन भास है। शायद यह भी मानुम हो सके कि वहा स्था होता है।"

" राष्ट्रन रात हमारा जहाज पर जाना बकार ही रही। वर्ष्ट्र म् न वात राय नहां नगा।"

' क्यो इस बारे में पूछ बर्ग कहा जा सकता है। जात पर सन में रूप पारश र राजि नहीं।" स्थान ये उन व महन्तुएर रार में करा - "कर्षा कुषी सार रहा न मिलाने पर भी, हाती साथ राग विष् यूक्त है जिसे हम पर अने नहीं पान और जिस्सा राज्यान मार ने राज्य होता है।"

राधानत क्षा नाते यांच्या । यद्या के पूर नाता प्राप्त

"अब तक ला दरमाजा मून देगाइडर, इन्द्र समाध्य श्री गारा रोशा कि इ ई नहात व प्राइवट क्रिस्स चे मन्त्र है। एवे भी निहान भी पत्रभा करने राजी पर नी पूर्णावन आ गई होगा।"

गुमां ल आनी तो नहीं मांकर, कार्षि दरश ने पर लगे डबन ह नवार ह जीया को रशास्त्रक हम लोग भी रा गये थे। ऐका भें \*\*\* हे \* इ. राज पर से कूड, कोई भी देस अस में हमारी स्टापना

भीत में ए एडाने हमारी तालक शुरू कर हो होणे कि हम सीच जाल है •

"तो तो भी जार तमे हम्में काक मार्गे पहुतः।" देवराज केंद्राम का मदर मान्य में पार पा।

"तराज पर ताने और एमें दिस्से की तानकीन के बाद भी हमें कृत नहीं 'पता कि मालून होता सूरा घटा क्या करता है " जरमहत ने देवतात चीतान को देखा।

"लांकन तम दगर को और वहा वे हन्नहामां का रेखन क बाद इस बात का नां चकान हो गया कि समाज के उस प्राहेदर जिस्से पर वक्षीनम काई गारत गैरकानूनों काम होता है।" हेवरान चौडान की आयाज में दृढ़ता बी—"और उस काम को बूग बध्द सावधानी से करता है।"

गाइनरान रिटरिट, र्यटमील आरा ने आया।

या आठ वीरिया केसेट दी, जिन्हें जहाज के प्राईवट हिस्से पे स्थित, सुरक्षा कड़ोन सम से वे उड़ाकर लाये थे। वीटसी०आर० पर स्थाप्टर उन्होंने एक-एक कैसेट को देखा ।

परन् मन भी सब केंग्रट खाली हीं।

"यह अया। इन कैसेटों में नो किसी का भी वहन नहीं है।"

सामनान के होंडों ने निकला—"हर कैसट में जहार के उस प्राईवेट

हिस्स व दृश्न. हैं। कहीं तो वो गैलगे है, जहां से हम मीनर प्रदेश

हुए ये। कर्ष पूर्वसूरत बैहरूम है। तो हान ड्राईवरूम। या फिर

हाट हाट सबिन। खेलने के लिए बड़ा सा हाल। ऐसी और भी कई

साह। नेकिन एक भी इन्सान का घेहत कैसेटों में दर्ज नहीं है।

कितनी अजीव बान है—।"

जहाज नमार 302--112

7'5 7'7 7 7 7

स नगाः जन से : इसफा क रहम में जो चेथी.

जब भर ट्रे में ध दो

गहरी स

सोच के आ रहा

> सफर क जाओं में आ च् वाले चेह

असल है हम तीन में, कोई

में पुत्रे र यात्री अ

जनमंह

दे

process from the latest transmitted from the latest transm 9" T SET # 315 - 1 " हुलका के से दर को है की किया कर्ग है। के ला है है। term of the family of the same and the last trans-रू में शक्त रहा है और यह केटन क्या आहे। अन न में हैं। है पन के नियं कार कार नाम जाने कार

न्मराव कि रामी साथ घर पर भाग वेशा गई।" १ १ । १ था।

गरी मान बेहर कह उटी . र्महरूत कभी बेड़ार नहीं जाने । देशा व तौशान के बहारे घर मात के मात च- तिम इन केमोरों को मामानका रही। मैं बन्दरगाह जारहा है।"

"दर्ग-क्यों " जनमंदन ने उसे देखा।

"दे दिन नक जबाज ने जिलाए के निये खाना होना है। उसमें मका करन के लिये फिक्ट बुक कराजी है। तुम दोना मेक अप है सम्भा का कि तुम दानों के देशे जहान पर मौजूद वाहियों कैमं मं आ मुक्त हैं और उन नामों ने देख भी निए होंगे। मैं रोशन कुमार तम वरंग में नहीं जा महूना। और नहीं असन देहरे में क्योंकि मेरा प्राप्त बन्ना मादव की मीत के वक वो लोग देख चुके हैं। इसलिये रम दीरों मैकलय में, चेहरे झीनचे बदनकर, सक्त करेंगे। पासपीटों में, काई भी ने नना। मैं रिकट बुक्त करकर आता हूं।"

र्णरकट ना में ने आता हू बन्दरगाह में।" सोहनत्वाल बीला ! "नदी।" देवराज बीदान ने सोखभर दम से सिर हिन्माया-"जहाज में मुझे दूसरी जीवल के इस क्रिके के केबिनों में जगह लेनी है, जहां याजी जा जा मकते हैं।"

"ताकि बूटा के प्राईश्ट हिस्से तक पहुंचने में आसानी हो।" प्रत्योदन कह उस्त ।

देवसम्ब चीहान ने गर्पीर निगलों से दोनों को देखा।

जहान नम्बर 302-113

. A P. A B P. 7 18 " 10 P. 11 .

to prove y with per second or raph for a rappe ender transfer Reques . \*1 } "

" TI C' U C' A S TO TO APP TO THE TATEST, TO ्रा काम में जाया जा ने !"

- भी तथा हा स्थान है ददान केटान ने गिर रिनाय । स र तर रो से इ नहीं लगाई हा सद रि। से इ लगाई र मीलर चर एव ता विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व

भागा है जा पार हम रहात व. प्राईवर दिस्स में नहीं ज

भारते हे । भारति हिल्ली स्थानित स्थान है ।

नत्र क्ष करा है कि परन महत्र है। देवमात्र खेरान क मार प्रमाण का नाम प्राप्त निया है, व वहां प्राप्त के विकास साम अक्षात्र में प्रत्या । जीव राज्या है स्कृत कर रहार । वहने के साथ विश्वसम्बद्धाः स्टब्स्स्य स्टब्स्स्य स्थान

नगरित की मार्टिंग हैं विशाह विशेष

" रहार व रूप प्रश्नेत देश पर नहार प्रदेश के जिल्ला है। त र, देरेन इ. इ. व. व. व. व. इ. इ. इ. अग्राहान ग्रामीह स्वा म वह प्रणाल से विसा विसा निया को प्राप्त की किया है। 11: 11 1/1 1/2 1/ का का किए 1/1 11 दुगा ही विकास के साम क्षेत्र वा रह राइ तम देश प्राप्त प्राप्त प्राप्त में रागा

न्यूर्व व व यह अता मू वार में द्वान की व मा ना १९ वर्ष १ वर्ष १ १९ वर्ष को दे हैं की जुली हैं। स्टब्स मान की ज्यार

数 1275 1 1 7 7 7 5 1 1 1 1

कर मक्ति महा त्रिएको स एइ, दूमा का देख वह है। द्रम रेग्यून बाद देवागत केलान नहां धावन बाल निवस "यत्र, ११४ बीक्स दन्त ।" दवरात्र चीहान न वता।

THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE OWNER. THE REST COMM NAME OF STREET OF STREET म स्टब्स कर को माध्या है जा प्रसार है का प्रसार है क नार मन्द्र नाम्य होर दबहरूर देखा। न साम रीव रहान राज्य र ना राज भा पाना रा THE RES OF SEC. 1889 AND ADDRESS OF THE PARTY AND न्त व नाम स प्राप्त का नाम का 'प्राप्त नव कुमार ' महीम द्वाम में एवं एक्सपी में पर्यो न्त्र : राज्य केल्प प्रकार : अवसे साम मा आम धा।" 2 2 ता कर बाद संस्थाने तहाई निवास के पान गाना रोगा ." ातार करते ६ १ जी तान झा विदे । "मिन स्थाप कार सह प्रमाणित है है है में मिलिक प्र में र प्राप्त के कार रे. मुंग्रे देवने प्राप्ति के विकास में मान देश विकास स्थापन स्थापन माने हैं। ना का । । । । । । नाम जाम ने पार हो 2 55 त्र हम पश्च प्राप्त हम मामचे म् आप् मणे माहद कर 77 2 2 1 अगर दिन के हैं जा हो जाते की जिस से पाई पह हैं जी। ा अस्य स्थान स्थान काल किए में स्थानी सरह उसी TETE TEET 302-115

"इयुष्ट शाप कृष्टिय कर्ल हैं है और प्रशार प्राप सके स्टब्स करें तो में इस महद की क्षित दूरण ," देशक र सीकान ने करा - हैंगा के इसी दा इसार देश की जो इसार में प्रयोग देश र सकता करा - हैंगा क यह सून है कि नार्टिम खान क्षित्र सकता । "मेरा एसार दे देवे आचार"

"II 15"

"वो ज्यादा इजा ता?"

"विजना प्रयोगन रखा है आपन ना हिस , इतिय ना सह -देवरान चीतान मुस्कराया।

"पर्धाम हतार ।" नदीय मान पीरन बाजा

"मैं चुकता कर दूगा।"

ाउम पर पाच र तर तो स्थान सद स्वारणा " नरीस सुव हैसे एसे र नान करने पर उत्तर हो गया .

"मतलब कि कुल तीत हजार हुआ ।"

"E | 1"

"र्राक्ष है। मैं तीस हजार आपको दे दुशा। आप प्रधार दृश्या कर देना'''।"

"क्**ब टेंगे आप?"** 

"जब आप मीनांगरी में दूसरी सीजिय पर मा प्रानीता मीन कविन, बुक करवा देंग ।"

"वीन कीन में नम्बर बाना कविन चाँहेंग्?" नहीं में मुज सिर हिन्यकर बोल्प ।

"प्राचन का ना पड़ा ध्यान नहीं है। अगर नम पड़ जहार के दूसरी मंजिन के नड़शे का बीजग चार्ट दिखा दो तो में त्यार बना मकता हूं कि मुझ कीन कीन में कावन धारिये।" टडाएन डाएन ने सकता है

"सामृति बात है। जा भी मेर माय।"

"कड्य-- ?<sup>\*</sup>

"भीतर। में तुम्हें ब्हिय याटे दिखाता हूं "

भूति भी का क्या करांग हि महा चार्र क्या दिखा है ।

र्णवन्ता मन करा। काई कुउ नहीं पूछारा। त्म केकीन में बैटना। मैं चार्ट नकर वहीं प्रान्त हूं।"

दोनी वापन बन्दरगाह की द्वारत की नगफ बढ गर्छ। भीतर पहुंचकर देवगात्र चीनान केण्यान में जी बैटा और नहींच खान दूसरी नाह राज गया और पंचा किया बाद ही दिल्ला में प्रमाहण में दर क्या क्या व था। जाके सामने कृषि पर केरो हुए रमने से कार्य स्थान जो येद बाई दो प्रकार की हो। "यह दूमश मोजन के याच ने का न स्टारे । इने मामने हाइकर देवराज गीत्मन में देखा पाउँ को रे साम में समार भागी हैं। ही विवित्त तुह करते हैं। थे। सम्बर्ग, याति १३ उच्च रो श बोच देने गी रामने से जैन महात पर थे। नक्को का आत्या प्रत्या स्वाह का है बाद कर गाहा था। "इस जगह पर का नी स्थाल का सामा क्यों है " नामने हुए

भी देवराज चौरान ने पृता। "यह जनान के भागक का प्राइत किया है। यह तगह

यातियों के जिए नहीं है।" नहीं म खान बी हो। देवरात चौरान ने भग जिलामा किर ध्यानपूरेक पहले हो

देखने के बाद बोला। "मुझे चीदह पन्द्रह और मोल्ह नम्बर क्वन चाहिए।" नदीम खान ने नक्या भपनी तक्क घुमाया । सा न रह मारी।

फिर बोला। "चोदह सालह नम्बर इदिन यह हो गुह है। यन्द्रह नम्बर

भिन सङ्गा है।" "चोदह-सोलह जिसे दिए हैं, उसे हाई और दे दो।" देवगान

चौहान बोला ।

"ये नहीं हो सकता।" नदीम खान ने इन्कार में सिर जिलाया -"हो चुकी बृद्धिय को वैधिन करने की खास बजह हानी नाहिये। यह बजह पर्याप्त नहीं है कि त्म मेरा तील हजार का उद्यार चूकता कर रहे हो। आखिर मुझे भी अपने औरिमर्ग को जवाब देना पड़ेगा। वहा भारी परेशानी खड़ी हो नावेगी।"

देवराज चौहान नक्शे की देखता रहा। "कोई और केबिन पमन्द कर नो।"

देवराज चैहान ने जहाज की दूसरी मंजित का नक्शा चैक करने के बाद दो अन्य वंदिनों का चुनाव किया। जिनके तीन और

पाच नम्बर ये।

"पन्द्रह, तीन और पाच नम्बर केविन किस नाम से बुक्त को " नदीम खान ने पूजा। देवराज चौहान ने बनाया।

नप्रस्पार्तते शहरी । प्रति प्रस्ति प्रस्ति हो से प्रक प्रस्पार्त चैक हता देशोषे।"

"सब क्छ है।"

मिह है। दिन के पन मूझे दो। पेग तील हत्तर हैं के देन पा में सामि बूकिया करकार दिन या तील हता है। वासि सामि व नकार वासे कार्यन की तह करते हैं।

इंद्रणत सीटान के पिकार के समाजा, विस्तर पर सरावार कर्षम स्थात स्था एया।

देशान चौतान ने नियार स्त्याई चीर स्वीपर दर्ग म

तेने लगा।

न्ध्यस्य पन्दोस भिना बाद राप्य गैय। १३ वर्ष र र र्यन दिका द्यापे। देशमा बादन ने देश र में राजिस हिया हो १ " द्यापन के पन्द्रा नीन और पान नम्बर स्थिन सी मूजिया हो .

"जरून प्रमा दोप्तर हो तह हीन बजे यह से स्वाह है। है प्रमान प्रमान करने के जिये, कम से कम दाई गण्ड प्रमान प्रमान प्रमान की को हम से यक हो। नजता है। है

देवस्य वीहान न मुख्य स्वर सिर हिनापा और ए सप 😘

नरीम मान भी उस।

"काई लास वाल हे इन नप्यते यात्र शास्त्र को तह क्षान क्षान है " नहीं प्रसान ने पृष्ठी क

"नि में त्र भी कर्ष गात हुना भागनध्या हा हात। नम्बर आपनी पसन्द किना हु"

भक्तांच ब्राह्म है। शत्रवीचा । १ १०

ना महता है। गहन भन अपना दम अपर पर पर हथे मूज मार नी किया। रूप अपना व्यय पुरुष इस असे में स्पार के तैयारी शुरू करता हूं।"

00

ा□ परी किशान सुद्धाः।

मा पूर्व के के कि का का कि का का कि का का कि का

भारत व्याप्त व्याप्त रेशकर रेशकर नहीं है थार पार्थ में किए है। भारता

न्तर श्रममे पार्शी बाल तो प्रशेष के वा वा वा वा वा वा में ना न प्राप्त है। या हाप के घर नहर भागाया नहां के दूर भागा है विशेष महिला महिला महिला है है। कि वा मार्ग है ते के रहा के दूर का नहां के कि वा कि का कि का वा के दूर भागा है ते का वा रहा का नहां के का कि का कि

The flat has properly to the first to the second se

THE RESERVE AND A SECOND STREET

COLOR DE LA COLOR

00

क्षा सह हे थे अन्देश दिया

11 0

- 1

31

-----

्र व्याप्त विश्व हो तकति ।

अगमोह न गहरी साम ने कर रह गया। "ओ भी हो, अधाज पर हम अध शे मनमा शे नर्न प्रत्मा ।" न्द्रयाँ ?"

"बूबा का को अवान है। सफ्त के दीयन बूल भी यहां होगा। अपने प्राइवेट हिस्से में हागा और अब तक उसे मानूम हो स्वाज होगा कि कोई ताला खोलकर, उमकी प्राई र तगह में आया है। हमार ग्रेटर भी वीडियो फिल्म में उसने देख जिए रागे। एस में इस नार वी वा सख्त पहरा रखेगा, जब कि हम भीतर जाने की साल रहे हैं।"

सोहनलात ने देवराज चौहान का देगा।

"यह तो अब देवरान चीत्रान ही बतायगा कि इमने क्या साच रखा है कि बूरा के प्राईशेट हिस्से में, उसकी निगाल में बबार है से प्रवेश किया जा सकता है।" सोहनलाल का स्वर गम्भीर दा।

देवगत चौहान बगबर उन दोनों को देख रहा था।

"इम बात का जवाब में जड़ाज पर पहुचकर ही दूगा।" देवराज चौहान ने कहा।

"अब क्यों नहीं?"

"कुछ बातें मौके पर बनाई जानी हैं। वैसे मी मैं अभी पक्के नतीते पर नहीं पहुच पाया हू कि किस तरह बूटा के उस प्राईवेट हिस्से पर पहुचना है। और कुछ भी करने से पहले, जहाज पर अनिता गोस्वामी से मुलाकान करूगा। हो सकता है कि उमकी बातों से भी हमें अपने काम में सहायता मिले।" देवराज चौहान ने गम्भीर स्वर में कहा।

सोहनलाल ने गोली वाली सिग्रेट सुलगाई।

कुर्मी पर बैटे बैठे पुश्त से सिर टिकाकर आखें बद कर लीं जगमोहन ने।

"जो-जो सामान माथ में ले जाना है, उसके बारे में मुन लो।"

देवराज चौहान ने सोहनलाल से कहा।

"ये आटों वीडियो कैसेट तुमने जहाज पर ले जानी हैं।" "वापस-।" सोहनलाल अजीव से स्वर में वह उटा।

• "हा।"

"लेकिन इनका इस्तेमाल क्या है? ये तो खानी हैं। ब्रूटा के प्राईवेट हिस्से की रिकॉर्डिंग है। जिनमें कोई इन्सान नजर नहीं –।"

"ये बाद की बात है कि इनका इस्तेमाल क्या है।" देवराज चीहान ने वान काटकर कहा-"तुमने इन कैसेटों को जहाज पर ले

त्ता हित्य वर्ष प्रमाण काला मान्य है। व्यास्त के क perfected metals, fines were in fine a tot and a da da to the ".

भारते जीत्रात साम्यु लो त्रासा ।" " (1 (1) (5"

the the street of the boat street of every . देवस व जीतान में कता।

" 17 . 18 st e , 17 ft., ,=

" के के न लोग में बाहर से मामा । ला है में यहां से मामा । १३७ वाहर हे देश में बार । वराम व ने शहर करत कि अरत कोई बात है।" सोहातान ने कहा।

" कोई शांक नहीं करता। तुम्हारी प्राटन है कि ना रेपन के पाम व्यन की एइ तक त्या पर कि. ये देखने का भूत सवार रहता है इसा नयं बीवसीव आरव और टीब्बीव तुम साथ स्वतं हो। कि ध को क्या एलगात हो सकता है। साथ में कुछ वैभाग पिल्ली हो भा ले लेना।"

"रीव्यीव तो जहाज के कविन में भी क्षेगा?"

'शने दो। तुम अपना ले जा गरे हो। किया को क्या ए एक हो सफ्ता है।"

"रीक है। मैं शिवसीव आरव, टीव्सीव, हैगर अहात पर र

जाना है। लेकिन इन घा इस्ते**वाल क्या** होगा?"

"अगर में ठीक सोच रहा हू तो इसका इंग्डेमान बहुत बोई ग राणा।" देवराज चौरान मुस्सगया।

"त्म क्या सोच रहे हा 🐣

"इस बारे में जहाज पर पराधने के बाद ही बात करता." माहन नाज समाज गया कि देवसाज गौरान के महिराज में काई

या वना आ चुरी है। "क्रीन बीस फीट लम्बी गैलील एकी गर मण ने एक

सारनजान ने खस्माची से मिर हि गया।

" और ट्या नियस वारों से विषया वा सहे।"

"विज री के काम में इस्लेमान होने वार्ति हैया " मारा । र

न शह सिमोई। . "हा। साथ में करर, जिसे कि विकास वाके ही इन्हेम करन है। कोई ऐसा नृतीला की गार, होताते कि द्विने वाल, नेल गान नाना को उद्योग जा सहे।" देवरा व वीहरा व ने सोलाघरे स्वर ग व रा।

"अभी तो इन सब धी रा का इ लगाम करो। कृत भीर र गा।

में आया तो बता दूमा।"

व्हमका मत्त्व कि तुपर रे दियाग में होई यो गा। धा ्ती मोहनताल मिर हिनाकर रह गया।

है।" जगभोहत ने रूपा।

TAT 1

"इस बारे में त्यान पर हो बान करेंगे। भागी प्रशास ने क्ष

क्मी है। उनके बारे में सोच रहा हू।"

"जहाज कब बन्दरगहर में ग्राना होगा " "वल।" देशात चैयान ने कहा - "वन दिन म नागह की आमएम अनग अलग हमें बन्दरसाह पर प्राचा है।"

अहात का लगर उद्योग जा भूता घा। सब यानी जहात मे पहच दुके थे। कुछ अपने केचिन में ये तो कुछ धूप में ही डेक पर

खडे ये। जयात का मांपू (मायगन) कई बार बन नुका या। केबिनो में लग छोट-छोटे स्वीकरों से मध्यम-सो आवाज निकलकर, इस वात की मूचना दे गडी थी कि जहात रचाना होने वाला है। डेक पर लगे मर्कर, वहा खड़े यात्रियों को भी इस बात की सूचना दे रहे थे।

और फिर घीरे-घीरे तहात समन्दर की छानी पर रेंगन लगा। बन्दरणाह धीर धीरे दूर होने सना। भीषू बार-वार बज रहा या। धीर भीरे मापू बजना बद हो गापा। जहाज पनद्रह मिनट में ही लुने मपन्दर की छानों पर राजार के साथ दौड़ना शक हो चुका था ओर रमधी सीड बद्धती जा गती थी।

शाम के चार बत रहे थे।

जशाज में अधिकत्य यात्री अपने अपने कविनों में थ। मार्ज्यान के जाम स पन्द्रश नम्बर कविन ब्रुट यो। पासपाई to . O . A - alliance & Lot 2000 dest 21 ad Mil 62 150 के के मान के दान के ती हैं के ती है के ती हैं के ती है के ती हैं के ती है के ती हैं के ती है के ती हैं के ती है के ती हैं हैं के ती हैं N. A M D II HE MINIS & N. P. T. ST. STATE AND FRANK 2117655

अन्यास्य केंद्र ज्यादा क्रांक्य के स्

"राजारी है की नक्षीर के बार कह है जाने के पर कर रहा या। एडर पर कानो राजी मूर्व दी बरन पर री हर और बहर प्रान गहा या महर को उसने समनतीन एउँगर बना छहा या जिसका काम ही इच्चा उच्चा सूनते गहता हो। बारों का बाहा का स्टाईन बदाव रहा दा। नाकि बूग के आदमी उस पर किसी थी तरफ से शक न कर सकें।

टेवराज चौहान पाच नम्बर के बेन में दा।

चेहरे पर वो ही मेक्सप छा, जब वह बुक्त करके नहीं खान से मिला था। फ्रेंचकट दाड़ी और मूडे इसके अनारा मिर पर थीं कैप लगा रखी थी। उसने ऐसे रग उग अपना रखे वे कि देखने वाला उसे फौजी ही समझे। हो में के बीच हराम मुनण दा

बुझा सिग्गर फमा हुआ वा। . केविन में सिगल बैद, फर्श पा कार्नान और टेबन के अनवा दो कुर्सिया दीं। अटैच बच्चरूम या। दरवाना छोजने पर साई तीन फीट की गैलरी थी, निमके सामने की लाइन में और राष्ट्रे बादे हर तरफ केविन बने ये। जिनमें यारी दे।

इस वक गैलरी खाली नजर भारती यी। देवराज चौहान ने इन्टर हाम पर रूम सर्विम को क्षेत्री हे किये गार्डर दिया। उसके बाद कुर्मी पर वैग और सिग्रेंग स्वगा ली। दस मिनट में ही वेटर कॉमी ले आया। "क्या नाम है तुम्हारा ?" देशाज चीतान ने पूरा।

जहाज नामर 302-124

देशात्र वैदान ने पनाम का नीट निकालकर उसे धमाया। देशात्र घोडान ने मुक्तराकर एक और सी का नोट निकाना

'और क्या सेवा कर सर र वेटर राजन नोट वामने हुए बोला। और उसकी ताक बडावा। न्सेवा भी बना दूगा। देवगज चीतान ने सिग्रेट ऐशा दे में रही - "साने मान को फीरन जेब में डान लेना चाहिये।"

देश ने कुल्त नोटों को जेब में इहना।

"ता औ।"

देवराज चैहान ने कॉफी उठाई और सोचमरे दन में एक एक हुन बेने, कॉफी समाप्त की फिर उटकार केबिन का दरवाना बंद का के भिन्कनो चढाई और बैड पर रखा सूटकेस खोलकर उसमें पड़ा सारा सम्मन निकाला। उसके बाद सुटकेस के तने की परत उठाई तो नीचे म र्नेमर लगे दो रिवॉल्वर और फालतू राऊण्ड नजर आये। देवराज चौहात ने दोनों रिवॉस्वर उठाकर बाहर रखे फिर तले को वैसे ही फिट किया और सारा सामान वापस रखकर सूटकेस बद किया फिर एक रिकेंक्य तिरुपे के नीवे रखा। दूसरा उठाकर क्पडों में छिपाया और बहर निकलकर, दरवाजा बद करने के पश्चात् वो आगे बढ़ा और प्राप नम्बर केबिन पार करके तीन नम्बर के सामने ठिठका।

दग्दाजा भीतर से बद या।

देवगुज वैक्षान के यपयपाने पर जगमोहन ने दरवाजा शोला। देवराज चौहान ने भीतर प्रवेश किया। दरवाला पुनः बन्द हो गया। देवराज बौहान ने रिवॉन्वर निकालकर उसे दी।

"इने गतु लो।"

जणमोहन ने रिवॉन्बर सेकर, अपने कपड़ों में रस्त ली। दवरात चीहान क्सी पर बैठ खुका या। "अब तक तो सब ठीक रहा -।" जगमोहन ने वहा।

\*\*\*

"आने का क्या प्राचाम है। तुम्कारी क्या योजना है। बूग के उस प्राईबेट हिस्से में कैसे प्रवेश करना है?"

"आज रात दम बजे अनिता गोस्वामी से गिनना है।" देवरा उ योगन ने शान स्वर में करा - "उस है बाद ही इस बारे में बात व रंगे।"

"बूए रबार में नार का रहा है " जानांदन ने दूस "चेत्र प्रात्मान नहीं की, इस बारे में। भवने की खबते के "क्रमंदिक हार जवान में हा बाने चार्गर "

न्दे प्राप्त कर किहा ज्यान में रे कि मणा

रहुम रहर ही सामान ने किसी की शक हा सकता है आप भी तकता है से के हा-दान सामें ने मानून हो जाएगा खामाओं से प्राम्मान के मानित का जाएकों माने होता ।

बत्तमोद्रन ने सिर हिनायां।

भी सारबनात से विकार जाते हैं "

र्वार चौरान साधनसार के विकित में प्रत्ये।

माहत्वाच ने ही की भा भा हिन्दी फिल्म बाग गर्दी ही ,

देशाह सामान के बात पर माहनवार महकाकर दोता

न्द्रिय तो कार्ने किस्स द्वादी सब्दे मोहा भिमा है से

राजि जिल्ली की ही हैं का लाज हूं जो मन राज नू

'ता आत हैना का है से हम ता न से स गई दे।'

देवराज चीहान ने पूछा।

"उधर वेग वे। निकान्"

"नहीं।"

नुस्य करण क्या बार्ड हो। प्रशासनाय इर्ड प्रशास दृशास व पर जा स्किते।

नाम क्षा जायमा मान्याची से पानर है का इस चार से बान करेंगे, "इसाम रामान ने हमा "बर काफ से मान एन पाना में महत्व है तूमा के जामाया को इसाची हो जामाया है। कि द्रावान का नाम व्यानका प्रदेश शामा से क्षाम कान बान नाम के से माहर हर गर है जाए पानक जाएना प्रांत्र के साथ से से माने महास कान की आगान का एक शाम प्रांत्र के साथ से से माने महास कान की आगान का एस सम हम नाम ही जान हते मूर्त नाम के देश हमा देश हमा गाइने हैं

मीरमान मिर भारतकर पर राजा ।

नम्मून प्राने हमन दूरी के भारत हो प्राप्त करता है भूग को भी होत्या है अभी नक दूरी के चार संभी हम का गत मार्ग है और भा कई चीने क्षणी, जिनके दूर में कम गन से हारित करनी होगी " हारान मीतान ने साचिम्स स्टार में कस - "भी हम साम सामने में पूर्ति नाट अजगा है।"

ज्यात नेत गहरा के साद समन्दर की गारी पर राष्ट्र न रहा या।

मुख्यात प्राम्थिक प्रति हो च न्यू में भूगत गर् है है हुए प्राप्त है। UD है हाल मी बात मूर का जारा है हर हाल या सब से उन्हें शाप के मात्र का गरे दे। ने पृथ्यहं क द्रानात प्रांता का तक म द्रां मान्यांक व धार प्राण्यां व मे भारते के भूगता है देन में बाहर नंगी भारती है। भारते में का प्रवासी वाजना पर तीर का रहा हो। अपन के अनि में प्रवास हा मुक्तार भ री, मीजूट द्या पान्यु देवान्य दोगाम में समे प्रा १ न को स्थानों को सी। यह इंजना दा दस व रहे । यह भारता पास्त्रामी से पता इन करते किं तथा कावन में लग है. र म 'या जन र मं महत्त्व भी सराह पत्र कानों में पड़ी। त्राय व पर पाना कर तरे मार्ड हैं हैं हैं जान है। सूच जनगरित है , भगान मारि युक्ती की थी "आगा है भगा कर का धार्म्य < व र व गरे होते। साथ सवासी यह वातका प्रहार कालो कालो कि ज्ञहात हे मा नह थी हमा देशन की भी भी भी हमा जात म राया पर रहे हैं और आज विकार बूगों का अव्याप्त की है। इस म् भे इ में ह पर विकार बूग जात्व इ सब या वर्ण की के के के यानी हं रह है। दिस्तर बुना को युना देशकार है कि जाद जिल् र भारत या गं म र्गामाल हो इस स तह है हैसे सी है पर पार्टी मानी व ही एना परत्य कृता पत्र प्राप्त करा क ग्रास्त एकार इ राती स्थान में है, आहा है कि आहर सबस पार्थ ही र म परान हा वश्ये शर कर दी होती। य प्रतार विकास में जाती 41 हो गई. इस्र विभाग हे ही विकित पूर्व वि इस का जन्मदिन द्या लाग भीर का र के कर साम्बर्ग की मोक्रान पार्त है रहा ध्रा तभी वेत्र राजन ने भीतर प्रकृत कर । 'इंग्नेन सर' इसने हे साथ ही , सने सूर के 'सर रा है से उपानर विन्त पर राजा। "अरम शाक्षण समान पार्ति है रहे हे " दरशान वीतान गाहलगढ़. मुक्तिका योजा 'ती हा मर " वेष्ट ने साथ हान हुए कहा बहार क्यार 302-127

न व न है। वहार में निवस्त की हात मुख्या हहा था , र पान के ल रूपार विश्व सामित का मुन्यतिक सी साज 0 44.

देश नहें राग अपनि हु नाह अस अस वर्णकर्त की असना AT A THE R OF P A PER PARTY OF MEETING

THE REPORT OF THE PERSON AND ADDRESS OF THE ADDRESS OF THE PERSON AND PERSON

4 1 11 14 31 1112 A 44 2 44 9 1 1 .

"र वा पर तथा वारतार काल कार्याच्या प्रकार के है। जर काल तो व १ भी अभव नार्ग है।" इज्ये के मान्त्र ही वा मार्थ है बाब वाहर निकलना भना गया।

देवसान गाणान के कार पर मान के भार नाव हुई। मधी नगमाहन न मीतर प्राप्ता जिया।

"त्यने धावला स्ती?"

"अन्मदिन की एउन में शोशतन पार्टी वाली है देवर व दोरान ने उसे देखा 🗠

"EI - I"

"वरर बता रहा था कि तीन पहीने पहले भी इसी नरह उसने आपने जन्मदिन की पार्टी दी थी "

जगमाहन के चहा पर अनीव से माव उपर ।

"तीन महीन पहले- "

"हा । तीन महीने पहले भी उसने अपना जन्मादन मनाया वा आह आह भी मना रहा है।" देवराज चोहान ने मर्थार स्वर मे कहा - "मग खुवाल है कि आज की पार्टी अपनुसका गर्नी है उसने "

"क्या मनस्वः"

"शायद बूटा जानता है कि उस दिन जो साम दरवान वा ताला मालकर, उसक प्राइटर हिस्से में गये थे, वा इसी जगर दे है

"य बात बूरा को कैसे मानूम हा सफती है " जनमान न

"तव हमने भीतर प्रवेश किया तो किसरानी करने व'न वीरहण् बाल कारी। कैसर मल रहे थे। यहाँन हि गक्त केसर उसके पास है जिसमें रमण सेशरे हैं। अब स्रान्त है कि निगरानी वाने हैमरों के साध बादनीन

WETH WHAT 302-128

कोशिय तो वे जारी रामें ।"

मान्य का प्राप्त प्राप्त प्राप्त का विकास के स्वाप्त क

भाग सम्भा भाग " इंडार गी गा स्वाहण गा भाग ता ने ने स्वाहण प्राहण भाग स्वाहण है जो बाने नहें सा स्वाहण गाण भी हात ने स्वाहण स्वाहण साई गाण जान साई गाण

त्रामोहान ने किर जिल्हा ।

- श्वत पार्श स बूग के लास खास आर्थिया की पान्यत करती है बूग के कई आर्थी पात्रक की लाल की बात लोगों स क्षत होगे कि बाद स मुख्कर हमार बारे से कार मा गुम कर सके। सावधान रहना।

"में इस नात का क्यान स्यूगा ।" "कारनजान का भी समझा देना ।"

"ठीक है।"

न्यूगक दुल कर पार्चे इकर उनमें से हैं है ''जो कर है की अभारत करने का मरणक के कि प्रश्नेत का कर की कर की कर के इ.स. करने के जोर का नाम्या का का रोगा कि सम के के की वो है है जार का के कि प्राह्म के कर में की का का के की की स्टूर्व महिला के दुल है की की नाम में की कि की की की की की जावा का महिला है दूल है की जाने ने पार्क कका में की की की

्राप्त हें हें तथा विकास समास्य का स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्थाप

----तान है सामग्रे महा था। ---THE R. P. LEWIS CO., Lawrence &c., Lawrence ------------OF RESIDENCE PROPERTY. 1 1 1 1 1 2 1 1 1 1 1 T - 7 \*\* ,\*\*\* \* भारमी पर गोर करें। जिल्ला विकास की जाए जा जा , , , ं स्तारों के व्यवस्था हर राज्य से देन हैं है । व्यवस्था 1 7 2 11.001 तराज राजा । । १ । । ।

स्प्तर याति कि तदान ह बारे में बताइर मुख धर। धर-१ हसका शरत चा राज विकास और हरतर अवद्याय हो को घासह दकर, बर ब से भाग विक्रमा । तो सहया है यह नाग क्या हो और ।"

"ऐसा नहीं हो सब सु । ये नाग को नहीं ये सह रे " मुनापूर कह उहा।

"daif - ?"

"वा शिमें, आप हें इस पार्वा रिश्य में या। कि में में इस्ती साथ हर को सामने हैं। अगर वे मण्डा हे सही ही तो, यदा है बार में सह तात्रे र ते। एक एक वीज की उपने रेन ना । भो। पिचा में नवर अने वाजी उनकी एउट में से गाँउ ? कि वे स्टानली जानी येण क्या नजार कर रहे है। धनतन हि न्नम स गाउँ भी मनाइक सी नरी जानता।"

"तो सहता है। इस्तास कहना शह हो। नाकन यह सब भाकत्वा भी है। सब क्या है, हहीकत क्या है। हम नहीं नानते। का नानने की बाशिश करों।" बूग के स्वर में आदेश या " ओने र गारवामी अभी तक आताद है। जबकि उसका आवाद स्टना हमार लिए ठीक नहीं।"

"सर। मुख्यई में हमारे आदफी हर अगह उसे नलाश कर रहे है। एक बार वो हमारे जाइमी के हाय लग गई थी लेकिन नाने वस उसकी जान लेकर भाग निकली। उसके नजर आने ही हमार आवमी उसे फॉरन ख स कर देगे। वो बचने वाली नहीं।" मलानी न तन्द्री में क्ला।

"नुकार य शब्द में कब में सुन रहा हू।"

"सर । चिन्ना की कोई सान नहीं। वो प्राप्त के पास भी नहीं ता सकती। गई तो पूरित्य दान उसकी बात नहीं सुनेगे। और तुरन्त उस रमार हवाने रूर रूप । मैंने साम इन्तजाम कर रखा है।"

"में तुप्तार इन्तराम के बारे में नहीं जानना चाहता।" बूग के बहुत पर नाशनमी के भाव उभरे "मैं बाहुता हूं जीनेना गार-गमी को खन कर दिया नाये। वो हमारे लिय मुसीवन खनी का महत्ता है।"

मनानी इत्र न कह सका।

"वाजो । वर्गभाव वर्ग विपार्थ में उन लोगा शे पहचाना जा गर।"

"ती, मात स्व शिशी इवरना है " पतानी ने पूछा।

ल्या में तो साउँ ती बने भागने रंग पर होगी। उस वक कुछ रेंग के रेकार जहां ने शका जातेगा। तहां जे कार हता है इस बाल भी पानार भी नहीं कामा। देश हम नहां तक दिनने बने पर्वेषे ? ्राप्ति युनी और म की वन प्राणा (

न्ताक है। वहा पहुंचते हो जहा न गंक हो- और माल रिसीव कर लेगा।" कहने के साथ ही बूग उर लड़ा हूं। नेहरे पा शात भाव है "वैज्ञानी कहा है "

"जो यही, अपने की नित्र में ।"

"भाजा उसे ।"

पान मिनन बाद ही सजी सबरी नैशाना न भीतर कदम रखा। वैशाली कोई आर नहीं, ये ही थीं, लिसमें जगमाहन मिला था। तो भोनता गोस्वामी की मोमी बनी वेरी थी। इस वक उसका खुवगुरश को चार चांद लग रहे थे।

"हाय ड्रांतिग - " वैशानी ने जान लेने वान अलाज में कता। उस देखत ही झूग के वहां पर मीरी मुस्कान केंच गई।

जलान के ग्राफड फ्लोर पर स्थित पार्ति हाल इतना बटा था कि वहा छ भौ व्यक्तियों के बेटने का इन्तराम या। वर्गत वह भी टेवल थी। हर टेवल के गिर चार क्मिया थी। एक नरफ वन सा म्देज बना हुआ था। जो इस वन गेशान में स वसक ग्रा था।

छ सान सी लागों के खड़े हाने का दल्लजाम था। बहा अहरी की सख्या भी काफी थी।

उस हॉल में आने जाने के बहुत दग्रा वे थे।

एक तरफ करीन सी फीट में न्यादा नम्ना नार काउन्दर था। वार का जन्दर के पीछे वरीय पन्दर बार टैण्डा सर्विम के लिय माजूद थे। टेवल पूरी नहीं भरी थी। फिर भी वहा तीन माहे तीन सो के लगभग लोग मौजूद थे। लोगों की बाने करने - हसने और रहाको की आवार्ज वहा गून रही थी।

म्टेज पर डाम शुरू हा गया था। एक खूबमूरत लटकी, चए अन्य लडिक्यों के साथ डाम का गती थी। उसके शरीर पर नामेमार के ही कपड़े थे। कोइ उसकी तरफ ध्यान दे रहा या न्यू कोई अपनी वानो में व्यस्त था। कॉक्टरेन पार्टी अभी शुरू नहीं हुई थी।

जहाज नम्बर 302-132

सब्धे पूर्व हा अध्यक्त है "

मार्ड दाने "स्वत त्राच को प्रति को प्रति को जिल्ला स्थान को प्रति को जिल्ला दाने "स्वत त्राद हो द्वा का यह असको क्ष्मीर को जिल्ला दाने दाने प्रति को प्रति

देवराज कार्य न घरी देशा।

नार वर्षे धे।

अपास गण्डाचा सामना म अमा वो पण्डे बाह्य था।

्जाप सन्द नामा का बान नाम पन्याप जो जाप नोयों ने मा जन्मादन की पार्ग में जाकर, भार रहती नड़ाई। जन्मदेन को महारे म औकत पार्ग मा इन्त ग्राम किया गया है। भूग विकास है कि जाप सन इस पार्ग का पूर्ण मना उपकर्ण।" इसके साम ही जा ने माहक पास खा आदमी को यमा ग्रा । पर को नासे उत्तरकर दार काजन्दर शा नस्फ नड़ गया। दोना गननेन सन्छे से नरानर उसके साम से।

राज्य म नवर आने वाने लोगों से हेनों है में करता आमें बड़ा रहा। द्राम के चेहरे पर ख़ान्य मुस्कान पंजी रह थीं। द्राम बार जारन्स के पास पहना तो बार टेण्टर ने पन तेवार करते हैं में

रहार उसकी तरफ बढ़ा दिया।

ब्राप्त ने पेन उपाम और बाम सड़े लोगों की तरफ मूमने हु

ह पर उसे ह्यर में बेला।

"उपन की शाम, मेरी सम्बी उग्न के नाम।" इसके साथ ह

प्राचन कर्ण के के प्राचन कर के किया किया के किया के किया के किया के क

इप्राप्त स्थान स्

स्तित्व विकास वितास विकास वितास विकास वित

निता रेश विक्रम ने सोहनतान को पहचानने और एक रा इसने में नगाई, तब नह साहनतान विक्रम ही नियार हो देखहर सपछ चुका या कि कोई गटनड है। ना ननान ने गा कि रेबन पर रहने दिया और उस देखाने की नगर बढ़ एवा कि हर बायम्म या। दरशक रहेन्त साहन गन ने पेंड देखा तो विक्रम का आहे 1 6 - 3 - 4 - 7 - 7 - 7 - 7 - 7 - 7 - 7 युक्ता है। 

देव में खड़ा हो गया। 

to the transfer of the transfe 

प्माकर उस दला। 1 cc 17 4 2 2 2 2 2 3 3 4 2 5

" इस प्रवासा?"

\*12 2 1, 2 0 7 12 5 5 7 7

'र र ता वा चार प्रथम द क्षा प्रथम वा ला

white and week a constitute the white त रस बात भी भागत स्थान

"बुग मारव ३ एम, ज पूर्ण 'च म " चेन्स्म ह करते की उत्पार धर प्रता ततान प्रत्यास न्यत अपूर्ण है। ्ष तब अपने 'इतर धा चुनाई' में कुलाई ने हा है सक्ता है.

11162 13 1 " "सम्भारी र प्रत्य " र प्रत्य प्रत्य प्रत्य स प्रत्य प्रश्नाय न दश स्थानमा वर्ण भाग हा हा सामाप्त का दिल्ला गाना हमाहे गुरुष म् न्यूण । हिंद प्रत्या का अपने स्टब्स जाता । यह क्षेत्र, के द्वारा से भा का स्थार किया निवास में भारत गाउँ । विकास म पार विकास स्थापन मान्या है।

à

The second secon THE R. LEWIS CO., LANSING MICH. 400, NAME AND POST OFFICE ADDRESS OF THE PARTY OF T 1 1 1 3 4 4 4 - विकास के किया है जो किया कि क्षेत्र करहा। विकास करहा 🔭 🚾 🖒 🖰 📑 हे पास । अपनी सुबग्रन म्स्कान M 2 4 1 4 4 4 1 1 1 1 1 2 3 1 45 4 17 1 THE PERSON NAMED IN THE PERSON NAMED IN COLUMN ----देशान्त स्थाप्त विकास । । । । । । । । । । । । । । काई गरी। न राग मा गारा राग मा मा इस्तान के साम इस्तान पर भारत हा और — !" करियों की असे दिला कि कि कि कि कि एक प्रशासन स्वाहत है। ा । । स्वादान्य स्थाप । स्वास्तानम् स्वादाः स्वादाः स्वादाः स्वादाः स्वादाः स्वादाः स्वादाः स्वादाः स्वादाः स् र र विकास का स्थाप का स्थाप मा स्थाप का र ११ के जा के के पाल में गाला मार १ गाँउ मारी राचान ने भी लहाइ संस्थातक कार कार कार्या नेस् क जहाज नम्बर अ०३-136

तात्र प्रस्मित । । प्रसार पड़ गया।

कारका ने का समाधान है गा

स्था । स्था १९ १ व व व व व स्था भारत । स्था । स स्था । स्था

राज देवर भाग जातावर चर भाग पर साथ कार्य है कि साथ कार्य पाइस्के हुए पर साथ महा " माराज साथ इति देवा अवस्थार

ारम्य साम्भाग ना क्ष्मा हो ब्राह्म वर्ष () हा । वे पूछा ।

"नहीं।" "उक्ष ३ ' '३ गा ३ इस ल्ला १ ' इ ' "नहीं।"

नहर सार्वातर सर्गा ग्री-इर से गाँग माता गातु है। मान प्राप्त साल गाँग दी काम का काला कर ते के का ता का स्था का ता है। मान प्राप्त सार्वा का स्था का स

राज भारानी को कांच्र रहे हो।

्राते साइ गांच गांचा है इसे नाम पूर्ण है। इसे ध्र सान पर है। सामाध्र सवह सुन्दर्ग पर नाम प्राटण इसे ए देशों की नाम सब से पर आहे प्राटच सकी जा स्नारताह जात है की किसी खुल सकसद के नहम ज़ान पर है। इसे न गांचा जोगे मुक्ता करा र पर साराहर र का जिल्ला कर एक व कराह

र रामना । म र इस्सर स्टार

י דין דין ין נאל יו ויווינגואי ל דידי

न-भिन्नभाषा असम्बन्धः मन्त्रम् । स्टब्स् चार आंसस्टेंट दो।

मलानी ने उसे देखा।

सार्थर सरक्षा एक हे साथ साथ स्थानापूर्व हरती है त

विस्वारण प्राप्त्यर व रम्भीर भाव म क्षित्र हि सजा

ालि में बाज कम लाग बच है। पूरा तरह पूडालाक जब वन हा राक्ष्मा " सिक्योरिनी आहफसर बाला .

'इस बार में जिल्ला ज्यादा से ज्यादा कर सकता है कर प्र किस के हत्यार की अपने सामने देखना चलता है।

गुल्से में काला देशा में शतों बातर निक्रतता देशा गया

देशराज चारान के केविन में जगमानन् आर सोरनलाने मीत्र धार

"पर अदर्भ की तान लन के अलावा मेर पास और स्ट्रिंग नी था।" सहन्यान ने गर्भार स्ट्रिंग में हा" " से इन् मेर पास रिवा वर ने ताता, इस पर साहतस्य न नाम देन वर्ग की हैं के बन में ब्रोग की केंद्र में होता।"

"ती है सा, यो मृत्र गया।" इयान च्यान यो गा 'ार स्पारान राष्ट्रा सहसाह दिसान त्या वाल्यम माना या व ते देशा हो स्थाम तथात बात द्वस हथा मृद्या के का सहाह '

रण्यननान ग्रहा साम् १३४ स् म्या

"नुम न्यन हारन में ना से। इस्टर प्रान्थरम " न्र<sup>ार</sup> पास् अपन्यान

• • • स्टब्स्टर ना भारत कर का क्षा

1 1 2 11 11 11 21 11 11 11 11

ता के पूर्व तास्त्री अस्तित का वास्ति । भारता के के के का का ना ना

राष्ट्रां भाष्ट्र वेस्त्र गाः इतात शासन हे हायत हा इतात वात्र वेस्त्र वेस्त्र हायेन में आपता। द्राह्म स्टात्त ही दिल्ला।

अपने हती पर दिए से मान्द थी।

"स भावें से आप '" "नगराहत व होगे से निक्ता।

पत के एते के हर है," इसने स्थार स्वर से कहा।

रिश्वादन ने से गरी निग्हा से हथा। को, वो ही का ति

रिश्वादन ने से गरी परस्थि की स्थार पूर्व के कि से एको

रा का कि नण कि कि नामा स्थान

भ देर अ हर देर शां अहर हर तो।" रखन इपन स्वर् में इस 'याद यह देश गाना, हम होना हो तरे ही चेह नहीं है। इस्तान हो उक्त में पहले मान हा सामान इस शान की हरना चेहिंदी," जन्माहन ने भोतर से दर शता बढ़ हर दिशा और बसी पर बिल्ड हो बाता।

"बार इस मानूष र ता के पर मेग का व्यक्त है " "जरात पर मेरे बिग् है में भी मालस हजता हु का नहीं,"

night of the name ----मनदायन की आपने कित ही। क्षा न त्यारा क्या सकता " "जबार महरा करता है।" THE RESIDENCE OF इत्र इत्रह शाह सी। ---"क्या सब क्षेत्र" "१ एक कहा होते के 1" जनसंहर बोला। ----"কনা মৰ্ভৰ ?" 

रक्षा र व प्रति । व स र्वा १ व १ १ १ । न झ्या समझते हो, बच राजा " "," म ।" " । ।

- Apr -

- # # # # # # ETT ( T

"झा मा गारो त्यम !" ·

प्राचा द्वार नहीं माग्राधार राष्ट्र राष्ट्र - दार " देशाची व सरावते इत् ३% । " " " ।

सारा भी साथ है। जिससे हैं "

सहस्रापन क्षित्रीकृति ।

"इन के गकर किन हो न्म केग्। तो अस् १ कि. कि. वि द विकास हो निगड अगस्तर पर थी।

र्वारण पर स्पर्वत ही मैन तुम्हें परवान नियार। अरों रे िस्य में भी तस्तार बेहरा विना महत्त्व के या और (५ मरे पेंट) गाय दा, त्रव मा असमी चेहरे में दा। हाल में मेने तुम्हारी भाग क्रा अपर म राज्य प्रदासा राज्य महा समझ नहीं आता कि तुम नोग उहार में राव ही ह्या "

'सहार्ष हे रेगार हो हुत्ये नमन हरा रा पा वे नहा रे । " पणाना प्रारं कान मन हा ' वैशानी तीखे स्वर मं कह भी "रुम सहाइ के हरार का पूर्ण नार सकर जा भी कर्स बहा पंच ना अपनी मीत हा राहत होते तथम हरता हम पास भरी कि तमका वाल भी जिल्ला सकी। मेण करना माना तो नहा भी तरात रह ख्याप्री से अपने साथिया के साथ निहन नाना "

जगमालन, वेशाला का देखें का जा हा ,

"क्या देख रहे हो।"

"सांच रहा है "ह नुष्ट धी पा की सांच्या के तराज घर होने भी बता से वक्ताफ का हा रहा है।

"पागनपन की हर तर रणकर रक रीफ ही हो से हर है। पर र में भविता गण्याणों को बण्ड कर को हो हो। हो में जार समाही नहीं कि अने एस भा रोपे नातार होता सान्यों को गाउँ। वी कींग तुम्ब ततादा कर गरे रे सम प्रकर्णा के महापाल सकता है। कि मन क्षत्र करा था। विभागाचा का रेगागा रहा के पर है। "

"मभज्ञा। तो तम प्रापत को बचाने की रक्षा गर, मूर्प पटा त से वाहर धारेनाना घाटरी हो।

वैद्यानी साल विस्तान से उसे दुर्ग होते.

"अगर यही वजह है ते देश भार करा । तहा किया वृहें कर पर, मेर मृह से तुप्तरण जाय भाग वह रहा "

वैनानी न वचना स पार्व वहता।

"अन्कल तो किया का भग करता, खुद को सुणातन म राजना है " वो उरवा स्वर से बाजर।

"अब एक बात तो बता दो।" "क्या ?"

"यहादेव की जान किसने नी?"

"मरा मुह क्या खुनवार हा। असिता गाम्याची मे सिरागे ता जान लागे " वा पुन उच्चरे स्वर में बंगी।

"उसम तो मेग माद्यां भित्रते गया है।"

"कुछ देर पहले। उसने छट्ट स्टिंग के इक पर मिनिया है। यही मैसन सिला है हमें।"

'तहर गई।

of the latest designation of the latest desi

The second residence of

- --- The Party Top - ----

the Real Property like the last of the las

Name and Address of the Owner, where the Party of the Owner, where the Owner, which is the Owner, where the Owner, where the Owner, where the Owner, where the Owner, which is the Own

-----

----

00

greet and and the state of the कर १ र र र र र रे की पूर्ण वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष है है है सार सम्पर्य भारत राह्य । विस्ता सहाह वर्ष ा हेवास्य कहा।

" " I THE THE WAY AND A PERSON AND A STATE OF THE PARTY O TT 2" 4 3 14 4 2 77."

ाना याबात ही राष

ा सर त्या त्यर् सर राज्ये हो सारने से स्वार्थ हो गरे आर त्म अस उन्हें रहा थी न सह। ये से यह हो सारन वान है। तथ्ह हुस हो गरा है से असी

मनानी चुप!

त्य सं जानता गार्थामा रा गामता रह र ते हैं तम नम् भग्ना सम नभ कर पा हर हो। इत्हा द र ग्राह्म में नभ आ हो। मधीर हो भी कर स्मान के गार्था कर समा मामा पर सामन तथा है। सेव न्रन्त मधीर के रहस हरते हो। तम ता नम् भी तथा पर होय रहे दें है।

"मैं उसे जिन्दा पकड़ना-।"

'अया नररत था। मरदा हमान पान यह । गहना चा। गर्भ म त्सहा साम हा जाना हो पेहिथा पन ह चाई जीनना रण्याकी का तुम हुई नोग सहे। प्राम करने करने जगर यह गर्भ पान गाना महीना दो मांगेड असम हर नी। नाहन इस नरह को प्रायम ग नहीं होनी चाहिये।"

'इस बात का में ध्यान रखूगा सर<sup>े ।</sup>"

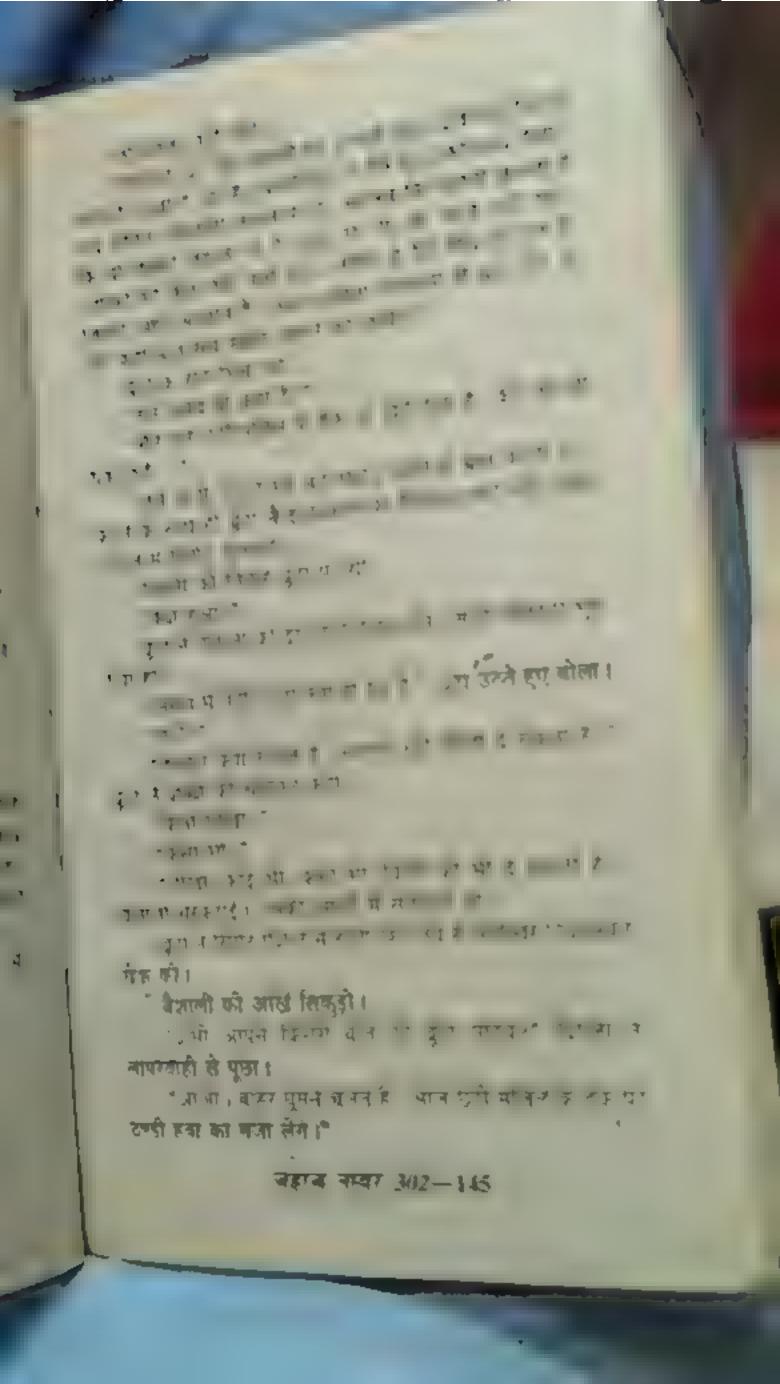
तिस बान का ध्यन, नम्ह विना का रणना चणाण, ने ध्यान तुम मेर कान पर रणने अस्त हो नो गाँ भी का प्रधान के मेर लिए।" ब्राग ने सिर शिवाकर धीमें स्वर में क्या - "माप्य के की दोख्न महने से पहले माणाय ने जिसे जराज के बार में बना दिया था। जिसे खन्म करने के जिए नुमने आदमी भेजें थे। वो भी पुरार हाथ नहीं आया। नहीं मुलानी। ये सब नहीं कुनने भाना,"

"म भाग गर्ना का स्थार युगा।"

'तम जानते ही जरात पर रह भी गलत होना, हमारे हक भे गिर नहीं है। विक्रम की मौत हा क्या जजाब देगे कि एमें किया पारा। सका हत्यारा कीन है दस बात की छानकीन हमने किया की निगाह हमारी हस्के गैं पर पर गई तो ही कियान ब्रूग भी गया, हो गया मेरा काम।" ब्रूग की भावाज में तीरहापत जा गया या "मूझे शिकापत का मौहा मत दो। जाओ, माल रिमाब करने की यत हो रहा है। जहाज की स्योदा देर मूल रोहना। काम जर्मा निपराना "

मजानी फीरन बाहर निकल गया। नभी वैशाली ने वहां कदम रखा।

THE R. P. LEWIS CO., LANSING 100 THE PERSON NAMED IN THE RESERVE THE RESIDENCE OF RESIDENCE NAME AND POST OFFICE ADDRESS OF TAXABLE PARTY. 60.00 7 75 इत्ते।" भूग के माने पर बन पर "जबने स्ट्रास्ट सहे हो?" THE RESERVE OF SECTION AS A SEC · IT IT IT IT IT IT IT IT IT "वे सच है।" "मासिन हमें करेंने " े पह कर केल जाता दे हार इस का नग दगा कि ... पार प्राप्त काले का कात्र नहीं हा आद दा नहीं है है है। भाक्त काका मेर खुर को गरापुर में राज दिए हैं में राजने हैं - केर पार कार कार्र में दे बार मार्थित हैं सहसे हैं हैं इ.स्टा में प्रभाव हैं। - राज्यात प्रत्यात कि में साहित कर दिया है की ए दानद ने पात् पूर्ण । राहर में बराय हूं साबित आप कर होते <sup>\*</sup> "बोलो ।" \* असिना शौरवामी तथात पर है।" क्या कह रहे हो। ह्या चैका "संबे अपना आर्जुन सारम देखा है " जहाज नम्बर 302-144



a the the standard of the part of the N 24 - 2 5 1 THE RESERVE OF THE PARTY OF THE of 1, ' 1 2 ' 1 T T T T T T T T T T T T 1 []

[]] ל און בין דיני דיני און די און אין אין אין די דיניאן יוערייייי דובי ल्डू, इक शाहा या पा क्या द ता व शाहे दार और र ता

भ प्राथ मा दशा हुआ। मना भा भा न बीजा होगा कि आहट हुई।

इसार केलने येलने वालान या का के की , प्राप्त ता कारण क्रमण । के क्रमण प्राप्त की अवार TABLE LABERT AND STATE OF STATE OF STATE OF STATE OF कार हारा हो श्लूकर म का नेहरा इस हद सक स्थार्ट नजर र राग प्राप्त के भी प्राप्त का गार्थ की गाला पर र म्हार 2 - " L. STE, 2, 31 C.

र के प्राप्त कर कर ने का मान को नगर के देखी हो। ्ण ने यहन गणकर गणक हतात्व प्रथा प्रथा विश्व सन्दर्भा ा होता है से भूति है सब दूर एवं निराह ने हैं। या दूर दूर 💨 प्राच्या प्राच्या राज्या या गामा गाम आकार में सो नाम है गार 내 1 세계 가 됩니

'जार रमने का किया था " इस्तर व गन न रामने रा सम्बन्धा कर योग च्या क्या हो ही ("

"रिनेती ध्या" शास्त्री र"रहासी जा कार इंग दे चार "सम्बन्धाः । सम्बन्धाः"

"क्या जारते हो?"

302-146

एक एक सवात में नार , ने ना । ः में पूछ लेना।" ्या कर न्या हा पर है भी देशा न ग्रीमान ने एके हैंगा। र कार्य स्थाप स्थाप विद्या व प्राप्ती त गर्गे हैं है जिल्ला, नर्ग के बुल हा उसके न्ता भव ग्रास्त हा एक व 'ब्य<sup>ः</sup> र्वस्य र्वास्त्र कार कारत व्यवस्था हार धर एक हा सूच्ये राम म गाउँ पर इस वस मध्य पर्न पर गाउँ। स उस \* # TT . \* \$\* 2 - 7, ान प्राथम महिल्ला स्थाप की प्राथम स्थाप 17-1 ्या र सद्या न पर पेर प्राप्त न १ । प्राप्त में उन्हें दिन प्रांश ने मा रान भी माराय किया है। रान्य , मनाइन की मील का दाला व अप्रयास है म्हा " जान रीम गार म कारी। े रेजान चापन स्पोध रेगा द्या। बार गर्वा बाद उसने स्पर्ध नाही। "मग नाम अनिय गोम्बाबी है, दिला ने तबारन में ही बाद बरेंद दे। त्रव में बीम बरम शी टड़ मा मा भी मार्ग गर्रा । मारान और कार रैमा मेरे नियं मुद्र गाउँ थे। दो देशा भी भगवा दर नीत् चूलने या प जहाज नच्यर 302-147

"बोक्स मनाजी करेंच?" "बुंग का कदा रच"को सबसे स्थाप धारणी है," प्राप्त

मेञ्चाची वे वताया ।

"अम 'देन पुत्र इसी जापन पर भी भाष :" देवरा न चीकान ने

"रा पार्ट ईस प्रशान

ार-वार्त काली पालबच देखकर । उन तककीरों में नहा दे वारी नामा भारते की देश में।"

ना परत्न पर नार्थ। यहां दी भीन कमनार्थ हो। दहातान पर्ना पर्य प्रवा है से प्राह्मण पर्म में ने राया। भी कृता का र दार नार्थ में ने राया। भी कृता का र दार नार्थ में ने राया। भी कृता का र का र प्रवा है। यह से मान जाने की कना मन्द्री है। मन्द्री परायू नार्थ का मान का र का र प्रवा का र वाक मान का र मान

SEC. STALL FOR - 148

स्ते। मैं जाननी की कि तो पीता है। भीर इस कार का कि करी ऐनराज भी नहीं दलगा। अभी दो देग ही किए जोगे कि अपने देव में पड़े मोबाइन फोन हो देन व ति। धना ती ने फोन पा बान शी, दूसरी तरफ बूटो का।"

आंत्रवा गास्कामी हो एन के किए क्षामात है।

देवराज चीराज ही नि एह स्म पर ही।

प्रात्मानी ने बृग को बराया कि इस गर में या न पा ती है।

पा देर बान परने के बाद पान से ने पोत बर कर है जेब पे तथा
और गिलाम हा में कर हे पूर्ण कर कि उसे जात पर ही आधे

पार का काम है। पूर्ण प्राप्त प्रात्मान में जात कर में इस ने बेटक प्राप्त का गया में वो बहरूप दाय प्रांग की और प्राप्त पे नाम पे पान में प्राप्त प्राप्त लगे। इस विकार पे नाम में आधा प्राप्त लगे। इस विकार पे नाम पे अध्या प्राप्त लगे। इस विकार पर में अपनी जाह से उड़ी और बेटकम के दरवा ने क पास पर नाम प्राप्त हों।

हा की गालाई गर्म सुबस्त सा ने है से प्राप्त में कार पान प्राप्त की गालाई गर्म सुबस्त सा ने है से प्राप्त में कार प्राप्त की गालाई गर्म सुबस्त सा ने है से प्राप्त में कार प्राप्त की गालाई गर्म सुबस्त सा ने है से प्राप्त में

"बूग के उस प्राइत किस्स के औं औं से शांक्ष हैं है। पुष

आगे बात करो।" -

"तृपने वो अगह देश देखी वहां ते शेर् म ती सर ता

अभिना गोस्वामी के शीले से निकला।

"तीन दिन पहले, चौरी भिषे जहाज पर शाहर धा नगर हो

देखा दा।"
"और - 1" अनिता गोस्तामी ने समझने जाने दन में किर
हिलाया "खेर, तो मेने बेहरूम में झान कर देखा तो जा सा ही था।
मनानी दहा भी नहीं दा। मैंने साग बेररूम कान मगा। जा आजाने
दीं। यहां से बाहर जाने का अन्य कोई शरूम न नका किया। समता
भी कोई नजर नहीं आया। हमन परभान भी में गामस हान में भा
गई। मरे पास पतानी की बापसी के इन्तनार के आजा। और काई
रास्ता नहीं दा। साथ ही सांचे जा रही दी कि आधार हो बह मार्ग
में से कहा चला गया।"

दब्राज चौहान की आयां सियह चुरी थी।

"उसके बाद मनानी कहा से वापस आया " देशगत चौ पन

ने पूछा।

"उसी बैडलम से। एक घण्टे बाद उसकी बारे और जूने भीगे हुए ये। सिर के बाल भी विख्ते हुए थे। स्पष्ट नजर आ गम था कि रे प्रश्न के के म के हे प्राथम है कुझे देखकर मुस्कराया और हा कि वे बन्द्रम में शका भवा हूं। कहकर हरेल से हा कि वे बन्द्रम में शका उठी और बैन्द्रम कर बा कि वे बन्द्रम में हा हवा के गार कान में मसबून इसर म्हान प्राथम गई से हवा के गार कान में मसबून इसर मान में हो हो हो हो है ने मान में बर या कि जिन्दे हा बन्द्रम की भागा है से बन मान में बर या कि जिन्दे हा बन्द्रम मने भा जा से निकार या प्राथम में बर या कि जिन्दे हो बन्द्रम मने भा जा से निकार या प्राथम में की बुरे ही मान सकर हो से बन मान है जह मिल्यों में भी बी मसन्द्र में नाम सकर हो से बनों महि हा मिल्यों में भी बी मसन्द्र में नाम

भव देशान दोत्र को समय जा रही है। कुण के दिस यू है पर भाम का परावद क्या है। यहां अही साल परावाण है।

न्द्रण के बार पर को जा गाना नाम करने की शीएक को बार को कार कारत जा गाना हमसे प्रश्ते कि मैं देश से इस किन पार मनारी देश भी पहला

- तार जहां नहां भाना चारिये द्या , " मतानी ने सम्भीर स्टार में अहा ।

'स्या " शंतन्य रास्तामा की तीन्द्रा निगाह मनानी पर जा रिशे पित्र पदा इसानियं नहीं आना वाण्यं हा कि त्रस्ता अमना वेरग न देख पास । तुम शरीक मनानी बन घाड़ से भरे प्यार का नारक प्रास करने रहा जम नुम "

"मरा प्यार धाला नहीं है," र " का मरा राजीर ही रहा। "तो भिरे यह क्या हैं " कि नि , ह " रिव्यन्तरी वाल बाता की तरफ दुशारा हिया।

मलाती ने भागे को देखा। बाला ३% नहीं।

"कितनी रिवीन्वरे होगी यह र" आनेता गोस्वाभी के चेटर पर गुस्सा नवर आ रहा था :

"एक बार में एक हजार।"

"मनलब कि यह दो हजार हि संख्या है। हे मगदान प्रगर ये रियों कार दो हजार लागों को धमा दो जानने हो कि वो किलना खून खराना कर सकते हैं," अनिना गांस्समी के होंठों से निकला। मनानी खुमांचा रहा।

जहाज नम्बर 302-150

B (

39

39

ন্য

17.

립

R

Ì

ব

71

THE REPORT IN COLUMN 27 . S. S. S. S. S. S. S. THE REPORT OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY. No. of the last of THE REST OF THE PARTY OF THE THE R. ST. SHAW 4 ST. SHE ST. - 2 " भीत इस देवा का दार्श है इस पर पाले की पूर्व हैं, स्वार THE PERSON NAMED IN भी भारत १ एक हम जार में आहे जार समाहित समाहित कर से हैं। THE RESIDENCE OF THE 'स्' र ् र श्रम्ण स्थान हो राजा होता । साम्राह नावन स्रोहे 2 - 2 FT 27 5E Entered to the same of सकते व राज्य में सरमांत से रहन दिए हैं। के का नारं ए दि न्य का कि हुआ हाय कार्ने हो। शा पुर नापूर झार तो - ।" -चे द्वा सारद को लोको कार है <sup>-</sup> समाने से कहना स्ता - चि -"रव नंजा ही जार में द्वार क गायन आम करते हो। देश व राज कारा काराज में विद्यार सारका राजन कारों की समायना प्राप्त के के पेट्रांग से प्रत्या द्वार प्यार किया थार भी भी गासन राजी स प्रसेश राजी हुए सा दिल्ली क्रिसे आ प्रती → ।" - राज बाबल सद सम्हात को ज्ञानक को " ार सम्प्रेय हो बाही हता है क्या है ," आविया शोस्यामी रास्ता राम में धर १४१ विद्या स्थार समनी चेहरा। दन म "रव अन् "स्या स स्था म सम्य स्थार्थ हूं।" न्त्रात राज्या " सामा ने क्रिक्त स्टा। \*हात क्षा है में प्राप्त सा राजा पार्श हूं।" एसका चेहरा सार्ष में साह हराज नम्ब ा :-151

न्ये तृत्वी जाते से नहीं राज्या। लेकिन येरी बाल रानकर ही वृत्ती जाना होगा। डील में चलों, यहा बैच्छन बालें करते हैं।" यह ने के साथ टी मलानी ने तसकी बाह यह ही और दूसरे कमरे में ले गया। उसे सोफ पर विजया और खुद भी साभने बैठ गया।

भाग गोम्बापी भी दात भीच मलाती को देखे जा रही थी। मना में ने वाबाई र फार जिल्लाना और वृत्य से बात की।

"सर! सामान आ गया है।"

"मुद्र। त्य तटात पर टी गरार, अध्या हो कुश है। मैं दो ध्या तक सामान र नाने में जिया आदमी भेत रहा हूं।" बूरा की भागात मनानी है हानी में पर्टी।

पनानां ने फान बद कर है जैब में राजा फिर गर देखा। भारत करों। गुप उथा कह रही थीं ते मना भा रार्ग है दीरान मणीर पिरहा।

"वे एउ नहीं कहता चारती। में यहां से जाता बारती है।"

वात्रा गार्गामी ने दान भीवकर करा।

"दुमानव कि मै गनत काम काता है।"

"हां । तुम—।"

"तर काम में नहीं ब्रूग करना है। वो संध्यारों का बहुन बड़ा सारागर है। कभी ए कि स्वान में हाँथ्यार आने हैं नो कभी चीन और अमार हा से। आर वह नज़न बूग के इसी काम आजा हैं। कोई नहीं तानना कि एशिया में हाँध्यारों का सबसे बंदा सो रागर है बूग। कोई जान भी नामें भी उसके स्विनाफ सन्त नहीं मिन सकना।"

"और तुम होययारी के इस बड़े सोदागर के खास सादी है।

नम - !"

"मैं कृत भी नहीं हूं।" मलानी गर्मार स्वर में कह उन - "पड़े" साना से बूटा के साद्य हूं। बनने बनने उसका खास आदमा बनना चना गया। मुझे मनन मन समझो। में ना"

"सब क्ष सामने हैं और तुम कहते हो कि मैं तृष्ट गतते ने समझ। सीरी मनानी, ये हमारी आख़िरी मुनाकात है। आज के बाद कभी मुझम मिनने को काशिक मन करना।"

"व सम्भद नहीं। मैं न्मसं दिन से प्यार कर र है।"

"तो क्या पर साथ जवर्यस्ती करोग।" जान्ता गोस्वामी के दान पित्र गये - "अगर करने हा तो पूझे हैरानी । ते हागी, क्यांकि मुफाग अगत रूप देख चुर्वा हु मै। तुम कु ३ भी कर सकते ही " भलानी ने पैग बनाया। गूट भरा फिर शांत स्वर में भोता। ाधार में जबदंस्ती नहीं होती अनिता, में नुमसे शादी करना ।" "ये अब नहीं हो सकता। तुम जो काम करते हो, यो छाड़ागे

तो तभी हथारी शादी होगी।"

"इस काम में जो एक बार आ ा वे तो बाहर नहीं निकल सक्या। इंग को इस बात का अहमान भी हो गया कि मैन ऐसा कुछ सोबा है तो यो पुले साम करता हैगा। इस की नाइन से तुप वाकिक नहीं हो।"

"तो मैन तुरहे कब करा है जून को छ"डो।" अतिका गोरनामी कड़ है स्वर में कह तभी "पने तो कहा है कि हम दोना शारी नहीं कर सकते। भविष्य में मुक्रमें भिलने की काकिश पन करना।"

मना री मोनाभरे दग से गुर भाता रहा।

'अगर मै बूग का साथ छाड़ दू यह काम छोड़ दू तो तब नुष्हें मेरे से शारी करने में बाई एनसह है ?"

"तम कोई एतराज नहीं।"

" पंक है। मैं कोशिश रक्तमा कि बूरा से अलग हो सक्। हो सकता है इसमें साल छ महीने का वक्त लग जाये।"

"मै इन्तजार कर सक्ती हूं। लांकन उससे परले तुम मुझमे मिनने की कोशिश नहीं करागे।" यहने के साथ ही यो उठ नहीं एडं "म्झे बन्दरभाह तक पहुंचा दो।"

मनानी ने उसे देखा और शान नाउ में कहा।

व्यास के अदसी आने वाले है। इस वक्त में जनात छोटहर नदीं जा सकता। लेकिन बांट वाता, तृष्टं बन्द्रस्याह सक् छोड़ आता है। मलानी उठ खड़ा हुआ - यदा जा भी नुमने देखा है, इसका जिक्क किसी से मत करना । बात खुनी तो हम दोना क लिए खुनग हो सकता है।"

इतना बनान के बाद अनिया गोस्वामी डिटारी।

देवराज चौहान की निगाह दरावर, अनिता मास्वामी पर थी। "मनानी ने ही बानों के दौरान भुझे बनाया या कि इस बार जब जहाज सिरापुर के लिये रवाना होगा तो रास्ते में पावि स्तान द्वारा भेजी गई हाथयारों की बहुत बड़ी खेप, बीच समन्दर भें ही जहाज पर, बूटा रिसीय कोगा और उस खेप की अपने आर्दायपा द्राग, मुम्बई खाना कर देगा। और मैं नहीं चाहती थी कि हथियार हिन्द्मनान में पहुंचे । क्यांकि - ।

र र र र १ र र ने इ.स. मी इ.स. मा व इ.स. मा ा १८ १. विस्तार का अपन · • • • • • । इ.इ. व. १०० के व्याप्त १९ माध्येत क्षा है के स्वास्त के स्वास्त के स्वास्त के स्वास्त के ं स्थापी वारामा स्थाप प्राप्त न देश इ. - । इक्ष्म क्ष्म के प्रमान का न का का का का का विकास के विकास का निवास का निवास के निवास का निवास ा भारता हर एक प्रावेश में पान हा इ बार्स १ इ कार्य । हा ना विश्व स्थानिकस् ार्गा के वर्ग तक गर्ग एक बाद ब्रे विद्या गरे राज्यस् المناسلين في المنتسب في سعيدس في المناسبة र राज्य अवस्थान । राज्य के दुलान गाउँ के देशान कि मान महिला हात हा रामा प्राप्त श्वास प्राप्त से वात रा र व्याप्त कार्य वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा में कि भा वा नामान में राजा एं इस कर अने बार प भी पाल मा काप की हाए में से भी कि समाई स्पार्श के का प्राप्त के इत्राहण के विकास के विकास के प्राप्त कर अध्या है। न तर व भाग है जिसे पूर्व से होते प्राप्त ने रूप है से प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त है से प्राप्त के प्राप्त क राम्ता तनाश करे।"

या सराहा जात के तेल से प्रसा करणा हान लगा।" इत्यान चाहान बोला।

स्वाति व हे से गा शिता, ने इत युंगी बार में ही
निया हो है से पर एक हो गया। में उन युंगी बार में ही
हे स्वार स्वात्त से बात है पर से हाई सह होएं ग्रास्ता तनाई
हो गया वन स्वात हो इस बाइक भी बहान है पर ही स्वात सी
वात्री हो स्वार्थ एक का गुरुष हो गुया। ना महादेव शी
पर हो गया हो ने ह्या सन्दर्गाह है नर एक ने गुवा। मैं नहा ख़री

हुरहू कर होता प्रांत पार कर कर के के कि के कि के कि कि 17年日 日一十一十一 1 1 1 याम प्राची प्राचनाप्त र व र र र र र र र र रवृत्रव क्षण र पर स्वा क्षण के व that the same of t THE R. P. LEWIS CO., LANS to present and the present and an arrangement of tal mark mark mark to the teacher of संभा भारती र र र र पर पह नाम कर र र र र र र र र र 1 ) 7 4 ] # \$5.5 7 4 2 1 7 5 7 7 2 7 7 1 7 1 7 ₹ प्राप्त स्थान स्था र वा प्राप्त वा वा प्राप्त विकास का विकास का विकास का विकास का विकास का विकास का विकास का

अभिका गाम्बामी टिठकी।

\*\* 7 27 ्राप्त इसार में राजा

भाषा केरके क्रियं क्रियं केरके के के के के के के किया सा सहसाथा वस हुण हार स वस वाव व स एकिहा समाई स थि दिस के का अपन्तर का अपन अपन अपन अपन अपन

'प्रेट्ड इस्ट प्रेट राजा है है है है है है है है है न म राजा हो क्या न व भाग हा व्युद्धते हैं। मनानी समझ गया कि भी साम ग है से रहत है । यह है एक से का का का है। स्रामा न अकृत प्रामा क्षेत्र र । क्षेत्र मा क्षेत्र है। इस्मान भवा भाष्ट्र मान् । इत्रास् गाप्ट १ च्या क्राया गार्थ । सा मात्र स्थापत रेश हैं। हैं स्थापत के स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत ताना भा भू वन पंप र राव नव कर्ग र वन्य प्र ाह ।। वर्गर न्यान नार देव हे वे वसराहार करण्या महारा ने कहा से सह प्राप्त कर ती । वह न से पाए पार प गु अप सरक्ष प सामान भाकर, पहादव के घर पटा गा

देशान चीतान न प्रमार जनाए ह

" तह बार घरण्य क्री है जिल्ला है। जान व र भिया आप मार्ग मार्ग माइन में वचना रा

"अपने गर पर तमने हिला हो जान जा आ है अपने जाता

"हा।" श्रीनार गर्मार्थ किर हिराध्य हैं न पुष्टा

रेक्सज पंजान ने कहा दिया। - राम्याचा समाहा द्वारा प्राप्त है ।

Aller the man desired to the first of the man of the last of the स्य ३ व्हार १३ - वहरा ११ - वहर कुर्त रहे हे के बार महिल्ला कि कि कि कि कि कि कि Frank dafi a during la tale tale t THE REST OF STREET STREET, STR मान्य संबंध प्राप्त विकास प्राप्त क्षेत्र क्षेत्रक प्राप्त विकास the state of the s har had been marked and dear a sec. इंग गाउँ १ : ३ व मिल्ल, जो कि उसके कथा प प्टर हे हो ए। पर १० भी, जिसके कारण दो आस्त स सारास ३१३ समसारहे।

दशा र प्राप्त न के का पात की स्तितंत्र बंद का दी। "तक्ष्मा" के क्रम का महास बन्त कार्य है।" वी क्षार वि तको मैं पुरुत है बताती ता तो ।" नार्ती सो इस प्रत कार्यन तक्ष्म वर्गात । प्रता वाक्ष्म

• तह तम महन कर ना ने हैं।

न्द्र सहर्था का कर्णन कार्य ता वह जून है जार से हुत को जबाद ह जा देशका चार में हूं आप स्था कुत का प्राप्त भी। कर रहे हो। को भा मेरा काम शहस हो। ता दे प

"न्यून देल प्रारंश कार संदेशको नक नामा है। यह प्रश्नान धा सीदागर है।"

ालपूर्विक्षाने संस्थान है," आतारा ता. या दी सालात र्म सरका अ गाउँ "मार्ग भी वालांग हो कि पर प्रता र हो जान के का वार थे। वे भाग मा लव गा ए वा वा स सामा अत्मार्का मा रह छ है। मा में में हा है। में में में में में में हुन्द्रार में जाते भीत है द्वार गड़े हमें में हुन्देन ने हिए हिन्दे हों। क्षी कर्ड देवीर अरह देवी हो त्या वर ता भाव भाव की हरेंद्र तर देवी ही प्राचेता रहे हैं। असे से से से प्राचीता की है आहे हैं रह राज्या व नारणं ह तर हिला का लाहा पर नहीं है। रा शिया कि गां कठिन हो जाता है।"

्राप्त गांचन न कल मही करा।

नार नो नो के क्या में भारत का मा कि मा ना ना हिला स त्या न सर दान ने न न में, .

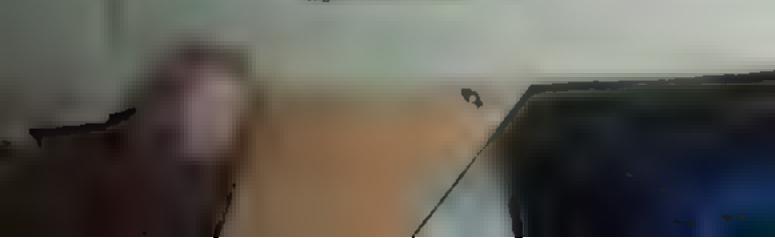
"प्रथम अगर राज्य " एक अग्रेग र इ.स.च्या यह सल पड़ा \$ 15 14 FT2 44" "

द्राप्त स्टान हथा। या ३ र व स्त क्ल

TOPPET BY TERM OF SPECIAL PROPERTY OF THE PER है। दशाद वीत्र मंग्री दयह या या मा मा स्टक्षा रहा थे। न्यार मध्य प्राप्त दा रहस द्वा के वन है। नेपार

-देवरी नारणे, अक्ष्यार कृष्य प्राचित्रते प्राप्त । इती प्र AL MINN,

जहान नमार <u>102-157</u>



नार कार कर के जा है कि है कि है कि है कि the same of the sa "यह नार्य अध्यक्त के - ।" -----THE RESERVE OF THE PARTY OF THE 2 0 2 2 2 2 THE RESERVE THE PARTY OF THE PA AND AND IN VIEW OF THE PARTY OF THE SEC ASSESSMENT OF PERSONS THE REST OF THE REST OF THE REST. र एक विश्व के किया है है है ्राय कि व वास्त्र स्वार से व व ি কোন বুৰ লাগিলেৰ জাৱী সভা লোক । সভা ক मनाह हो। विस्त्राहे विकास स्थापन सर्वे । सर्वे निवास है । हिंदू कि कि हो कि कि का THE RESERVE \* \* \* \* \* \* \* \* \* \* र्गकरणा अपर में देश है। स्वा व प्राप्त र जा THE THE REST OF THE PARTY OF TH 7 5 7 ाहा वा उ वा अवस्य भूत सकते हैं।" त्रात् कारण्य द्वारण वारणा वा वारणा व मनबार्गा मार्गिया • इन्द्र राज्या । इंक्लान क्रांचा उनके कार्य में परान अक्ष में बार में मार मार मार मेर देख पर रहने के 4 एवं होना बन हो। न्यान कृता हो गाओं है। तो साथ ए अपनेता वास्ताची कर THE PART WIT - 158

हुरी - "इसी के कहन पर, इसके आएएस हो न न्यहण रोयन पटादेव को मणा था। त्यन अपने दोस्त की मीन हा बदला क्यों नही पा । देक पर करड़ नहीं धा , मंसी को में समझा लही । इतना बांड्या मौका त्मने हार्यों से गवा दिया।"

देवराज चीवरन ने शात भाव में सियंग सनामाई।

"रास्त की मौत का बदला नन आ गय आह गांनी चनाने की रिम्पत नहीं।" दो तीखें स्वा में वर्जी।

"बूरा जहात पर ही है। जाने शास नहीं " ट्व्याज चीटान ने शान धार पे कहा।

"क्या मनेलव<sup>्य</sup>

-अगर बूटो का अभी रूस कर देना ना वो प्रकाम करोड़ ्रहाय नहीं आयंगे।"

"वे समझी नहीं।" आनना रणकामी ही आवान में ,नवन ग गई।

देवगत चौहान उट खटा है भा। अनिता गास्त्रामी भी उगा।

"तूर बचन क्ला म्री। एह एस ही दिल्ला हो उत्ता पारा है " देवरान चोहान ने सपार कार में करा- प्राप्त करार रोका जहार पर नभी भागत, रह दूस तरहा गरा हुए नो शभी इसका जिल्हा गण्या अक्षण है हुए का लाख करने के साय-साय आग पनास करण काला भी हाला सा साथ का करा रण है है।

निसम्पोरे। १७७न का व्या जूल हे इंग ० ल्या है लाइस न्म् पार हाल्यं राजना जाधान नाम आर्था नाम पार का जारतम् प्रकृतं अपना महत्तरं भूत्र गणा.

टेशार जीवन मधापा ।

दा स्ता शास्त्राम के र कराव र प्राप्त के कार्य प्राप्त के नागा जिले पर व हुई स्थान विकास के के पास माह तो प्राप्त स रू हा। देश्यात नंद्राल भी इस यात्र हा नामाल इस नहां या

न्द्रान् रह साहे, देशान चुणान के मारो पा उन पाण भारे छ

"यह" – या प्रावद द्रा प्राय होता होता होता व स्या इसी गुज राज्ये स " जाज्या गांस्याची हे हारो से प्याची "तभी उहात रकते जा रहा है।"

देखरान चौदान वटा में फीरन भाग नदा भीग राज्य है पास

अहाज नासर ३०२-159

रामका पालाल दिलाई है तात लाए के तुल की राज है है जातात THE R. P. LEWIS 41. 2 2 10. 3 6 11 2 12 रक्ष पान्त हात बाद मी प्रमान करा नहीं आहे ब्राह्म सम्बद्धा से रहत हो ब्राह्म वर्ग में से कि प्रधान हरू कार्ड वा ना \* SEE & BURE & S & A SE } . SEE LINE ---े हरण करा व में माल प्रतालक का रहा है जा से भाग नानामुक्त को हरतार का नह है " करते के मान ही देवनात चीतान की क्रियाद समाद्री में हा नाइ ट्राट्स सक् नेपार मान हुमा श किया है। बहुत हुए सम्मूर की प्रार्थ का प्रार्थ का इच्या नवा प्राण्या क्षेत्रका प्राण्या हो। प्राण्या पूर्ण नार्थ वट हो। इसाथ दीवान मनाई गया कि हो मामान थी होगा पा प्रकृति के प्रकृति एक सामाद्रीर प्राप्त के प्रोप्त हो प्रकृति हार नमाझ नहीं जा रहा है कि जातात यहां रुक्त करों है " प्राथम 11-57 नश्चात में मान परवाण जा त्या है ने ट्रांज सीतान बाया न्दर तम केस कड़ सक्त ए°° नद दली, उपर दूर अवस्था म स्थार जराज खुरा है। पुलाकी क्यों अहरे दर है एक राज्य में दून बहात में माल पर स्था जा क्षा है " देवला सामान में ब्राह्मारे स्वर में कहा- नमाने रीहर कता दा कि तराह के देश में ताल तास्ता है जहारत के भारत मान অস্কুৰ কা " नार व राज्य केने हाला वा राज्या अगर खुना वो नरा ह में याने सम अ अपन : नार स सम्बंद है और गई बान पानी का जहां है में साम ही हा जिल्लों को एकता समूनी बात है।

डा महार दहां करीब पाच मु मिल्ट महा इसके बाद परा

現 をながり

गहराज ने हरिया। और पवास स्थाद दौरा पार्व नहें है " प्राप्तमा मान्यामी क्षेत्री से बाली - "अब बूटा उन शांग्यामी को विन्दारात पर्वाते का काई इन्तजान कर रहा होगी।" देशात्र क्षेत्रात न प्रदेश में अभिन्त गर्यस्थामी की देखा ।

क्यान कथर 302—100

न्य कारी हात्र भाग । 

व्याग का इजसर करने।" लानं की तब चारे की लादे र उन्हें का नाज कर की व मानूम करना - देवार हो पर १३०० वे अन स्पार् र दर वे पुरतं स्थारे इंदिन में प

THE BUTTON

"बार बारे हो लड़े हैं और ब रे 3 - 1° रा व' 3 रह 5 ता जब ने ची है। बेल्यर राज्य रहे नाई गारी है से में है रे में में प्रदे गाइसी इंक एक्कार के हैं कार है साथ है है ने हैं है तीन ताने याने माण्या को नाप कर गरा नाम भार गन श पाने पर नहीं में दें पर वा छ।

00

सहाज के पाइवर हिस्से पर पश्चन कूल में भूतरूल देशहय में प्लास्टक के धेनों ने बद असाब हो गुएर नजा या रहे हैं। स्थान क म स्वास्तक, जानका होद्यार इह क्षेत्र प्राप्त द्वार है। बाजस मं उन हरिया। वे कामन कई कि जो में शो ते वह पान को बार ये, जिनमें में बॉनर झनक रहे ये हर बॉन में में बड़े बड़ बॉन की राज्य में दम करेंद्र टॉन्स की स्वाम थी। याने कि पूर प्रकास हार दोला । एक बार ही द्वार भाग दा कि नाम हामने के विसे द' ने'न आद'मर्या की तमान दी।

बूता की अल्डों में तीज रामक नहरा गी हो। वहा मनानी के अवाहा तीन अन्य भारती मनूर द 'मजनी " बूरा मुस्काकर बोज ।

न्युटला हाम नो यूग हो गया। ५व दूसा हम देने राष्ट्रा "जी !" को फौरन हिन्दुम्तान भनने हा इन्तरम हर पर स्ट वस है। द्रा ह कि किस राज्ये से इस दार व्यापार विश्वास व वात है भी दिल्ह्मान के हीन से ना पर ज्यूर पर उने है त्र हा वं ना।

"याद है कू" भारव" र्गतन्तुम्तन म हरियुक्त विस्ता राने हे किले वहा मौजूद हागे। होदारार्रा हो साएक येगे में बार ा रेश केव करार कर के कि प्रतास के के कर कर र दा के साम रहे देश कर कर के प्रतास कर कर र

- process of the last of the l

ना क्षत्रे अतिर - ।"

DIO

THE PART OF THE PARTY OF THE PARTY.

म्पूर रहता तथा ने राज्य स्वर में सात

भाग नर हा ज्या भी मा ना नर मा हो पर पर है जा न प्रतिहास मान है पेटने प्रभा हूं है जो ना सन् प्रतिहास मान प्रतिहास के से स्था है है जो पी ना स्वाहत है प्रतिहास स्वाहत के से स्था है है जो ना स्वाहत की सी दिया स्वाहत स्वाहत हो स्वाहत में स्वाहत है स्वाहत की सी दिया स्वाहत है सुभा ही स्वाहत में स्वाहत

ना भी भी एक भी जी होता. हस हमें, प्राप्त का कि है है नोजनाता की साम भारत के हैं है है

"यम सर!"

स्वापास्थान जो स्वाप्त शिल्या व. गा. वा शक्तिवन वरे ये भारतक शक्ति श श्रास स्वाप्त भीता प्राथ शिया और स्थास बद शर्मिस ।

and the state of The tent of section of the section o 

F ( F) Total P " 4 3005 1000 17 4 10

A THE R STATE OF THE

" - 17 P FE | 4 T | 7 F | 21 P | 18 P to a same of a

1 1 3 1 15 11 12 5 4 4 4 1

" M' F ET CONTROL OF AN A TO CO.

THE A PERSON OF STREET IS A SET OF THE ASSET क्ष के तो व भी का मा की मी र हे से दे प्रतार कर की की स्टब्स The state of the s स्दर को की से का रण ता नय समझ नहीं पर राय का कि य न र अणारो क्यू या न क्यू । यह न अणान न रेका पि हो ने स्टाइ भी नहीं सकती। देशी वर्षे आपको द्रण्यकोस पर बहा विकार है ...

-मुझे आवर करने के बंद पुष यु । ।

" सो देश शोध्यानी हें हैं, है ते दे ना कि हैं।

नते कर वाने पर हो कहा भागा हो गर्भ दूध का क्या का

"री नहीं जानता। स्वाति सहसा हो। ता सेर पह जी इंग्रान को नाने देखा था। सर होई या शिया रिम में नाथ नावा

र १, घर लोग तर न १ इ रेल्य लग्ग न १ हो र १ है।"

नमेने पुणा है, ॥ १६ से नीनो नी रता र ध्या छन

सम्दरमे मनस्य भागता ।

'में रोग रवेस," संदान दाता स्थित्या होते कृति है है न्ता "स्वत्रायाःष"। एकत्रायाः स्वयं त्रेष्णाद्री इ पास स या मा इस हट गया कि डेक पर आप अंतु ए मृत्य एकी सम्बार का का गा ना ना म स्व गा कि हेक पर वो आपको विनिधा ही नहीं।"

0 + mbored by each about 1 to 1 to 10 or 10

The same die brite fe ter bei !

न्ध्रवादी को इस पा को स्वादा दे दे दे सा र पा हा : "है से दूसने हो गई को है कि मान में है में के के दे 'ते हुए हो पान का कुछ है।" बूग में देव गदी कार का का का 'तह काफ दून ही 'वाक दे मान के हागा, में संग्रं भी देग सा ग का स हुए महे से गणा । गणा बार है। मान से ही पान के हा का मुझे दुवी कर रख देंगी।"

गदर बूग को बाकों से बाक-स्था क्षण गर रहा हा गा गु गणारे भी से स्कूष्ट से प्राची कर रहा है है। जा क्षण कर क्षण का का कर्षा भी भी के कि बाग देश से सकते है। जा क्षण कर के मुद्रा, मैं रे कि बाग है द्वा है द्वा है द्वा है।

"आप ठीक कह रहे हैं।"

रम्बः भाषा गामसभा आगा । पर शि हे ना र

" # 21 11

"रूक्षाम् भे से स्मेननम् इर इण न रूप हारा

ACT A T SECURITY TE TE I TER PO TO GE STORM AND THE है। कर सेना इस काम को १ त्रा विकास प्राप्ति हो प्रश्नेत के को रूप प्राप्ति हैं। TOTAL STATE OF THE PARTY OF THE 00 Proper Talk For Paris THE RELEASE TENENT "जभी न<sup>भ</sup>ा" देशान नीशन ते वे ११% ५८ विषय - प्राम्या गांग्यामी पित्र " प्राप्तम न न महे होते हुए पून्ता F\* ALMIN नहा । करने के साम ही देवर के चीराज ने सिग्रेट सुनाम सी। भारतनान, जगमाहन को बना लाग। \* झानला माञ्चाची में क्या बाल हह \* अग्याहर व ल्या द्वरान चेन्यन ने सारी बात बण्ड् "आहें। तो यह चान्हर है " बाल्यांहर के हार्ग म विकास "न" हेन हम गत ना हमने हुए कर बैटनम मान मारा छ।" मोहन नाल ने कहा - "वहा ना हर्म पूर्म केंद्र ये व नवा ने ले वहाँ कि लगे, प्रदा करें गृज गम्ता भी है।" "रव हमें सुद नरी मालूम गा कि हम का नवास का को है। क्या दूद रहे है।" देवर न चीहाल ने गृष्णीत स्वर में कहा। नगर में रिक्सी ग्लासन का इसे, तनाथ का पाने।" माहन राज ने मा हिलाका नगमानन के हाता। "तृ स्या सन्त्र रहा है ।" साहजनाल ने गृण । "पन्तास करण्ड दोना के बारे में कि इनसा वर्ण रहम तर व पर परच चंही है।" वस्मादन म्लराया। "तो ले भी। ब्रुग मान को अपने नीचे रास्कर सिकाई कर रता संसार संहत्त्राच्य ग्राम्य स्वाग्र जगमाहन न देवराज चौहान का देशा। गा हे प्राइट्ट हिस्से में जाने के बार में होई रफ्ता संचा ने प्राग्न। क्ट गोरान ने कहा विधा। जहाज नम्बर 302-165

PM AT THE Y TO SEE THE STREET तं ५ व में मानकर नो पाता । प्राप्त रे दोनों को कताना एकण क निर्माण्य समा असरम पर सी रहेल 😅 🕟 रसे अपनी जान देकर ही भूकर है है है -----THE R. LEWIS CO., LANS ST. LAND ST. LAN NAME AND ADDRESS OF THE OWNER, THE PERSON NAMED IN हमें भी काटा जा सकता है। वेतर व denti dereste fri frieben रुखा है, सम उससे विषय सकते हैं। NAME OF TAXABLE PARTY OF TAXABLE PARTY. 1. 121, 1 41, 1 ने राज्य र में पूर्व 3 14 7 1 1 1 1 महाव दिसा। ता ११४ यूग के पड़का किया विषय विषय TO A THE . THE PROPERTY OF THE STREET The text of the te है। हर प्रस्ता विद्या । प्रदेश के भी विद्या अहाज नम्बर यो । ७५

----

----

नार का पार के देश के नोजन ने नारों का पार का पार का निवास का निवा

ं न दोना इसर के निर्मा के नाव गाक ही ता है का ता दोहा के भी रहा से गूनर रही है। इसून सम य गानार होता । देगा है जो बड़ा नग सारे निर्मा को कर्या करता वहा होने का दूर जो की अस्त्री न स्ता है।

पाह सिनट (" जगमाहन न राहा "दे भी। जान ए हि प्र ज्या करने ता रहे हो। मैं यह करना क्षार । हो है होई तर ए हो नहीं कि शा भी है पर को नार हम दी होर है की ए में पर प्र मा है कि शा में है है। "

"नाण हो सङ्ग **"** 

" J-47 "

कियों वित्ता सी नक्ष का का द्वाप प्रश्ने हैं जा कर की पात है। लाव की पात हमाना है कि इस्त का कर कर पात कर के पात कर की पात क

न्या भीर-। राट के का ने शहर ने हमें हमें हमें हमें हमें हम हम हम हम हम ----1 1 1 and the first state of the first My 1 1 mm I do see a see a subtraction to \*\* \* 1 White the search of the search The state of the s to the state of th Deta 1 ye 11 H 2 The second second न्यार प्रस्त व सह करा । The second section of the I so that is a to be at a later of the 一年 二月 日 十十 "स्थारा वासन्त्व वि 3 . . . . . . . 3 ( 1 4 91 4 17) the transfer is a tas a to be A 4 4 4 4 200 100 100 14 1 4 . The second secon The same of the sa , , , , , A STATE OF THE STA \* The state of the s . . . . 1 . . . . i --------11 4 THE RESERVE AND PERSONS NAMED IN 6 1 ANT AND BUT PARK 2 7 

Anna di tara altra di la di la

मार्थ्य हाला के कृता के कि जाता के प्राप्त क

प्राथान्य भारता भवा १ स. १८११ रेन्स से १ र ४ ४० र प्राप्त है । नामा १४ से गुल

तम हाजा है है संभा सहह हान पहारे पहारे ता ता इक्त मोजूद रेगा है जाने पह पहली ने हिस्सा तो हाती जा गांगा हाता होगा। में दे बार उच्चर दूर से ही जाबा है तो हाता बाता इत्या जाया आदास देखन हो मिने। एस म माज्य से ही पात्र होई देखा से पाल्य होगा। बूग याग समहाप्तर होगा से दूर ह खार आदास है पाल्य हाई ने होना बाता है हिस्सी हो होता स्वार जा सके। एस म बहागा आदास, पहाहा फाइदा होता मीतर आ सकता है।

हम हम भीतर जारत् "

ार बादमी पर काबू पाना होगा। वल्या करक एत उल् एका दारना होगा कि कम म कम दो दाद घण्ट एके होता न ता सके दाप दायन भारतनान दरवाने का लाक क्षांत देगा गा वायम क्षिन में अकर वादमीठआर० में बनता करण पर न ए राहेगा। उस भीतर प्रदेश करके दरवाजा भीतर से बढ़ कर ना नाकि पीड़ से काई भीतर आकर हमार निये म्सीवन न दन गह देवराज धायन ने गम्भीर स्वर में कहा—"यह है भीतर प्रदेश ह न की योचना जमरत परने पर इसमें बदन-देर भा कर ता

कोई कुछ न बोला।

"सोहनलाल--!"

"हां।"ं

'तुम केविन के पीछे बोनीं दीवार वा माउ मान पांच है

भ्याद्री पर सिंद इत्र से श्रम इत द्रा दिए होते हेते हो। जहाँ में अपना की द्रा के प्रतास कर हो। महीत में भी माद की द्रा के प्रतास की द्रा के प्रतास के बद स्थानी। भीति भीती पर लोड़ की द्रा होते में अपना कर के द्रा हो कि प्रतास की मीनियों की पहल की भीति की स्थान की की प्रतास की मीनिया की की प्रतास की की मीनिया की की प्रतास की प्रतास की की प्रतास की प्रतास की की प्रतास की की प्रतास की

सार हुन न ने सहसात में किर भारतपुर

द्वार में सभाव हर 'हंद इहारा। हम दा पार्ट्स सर्थ, हरण ", "रुसमें रा नार है, में कर्ड़ हम्म में मानुह इसर हरू जा न है। उन्हें अपदा हो गया और दूसरा रूप हर्ड अने र उत्तर शे हमा" सारी योजिया पंच ही जायुगी और ये बाबन मुख्या है। दूसानये राज्य पहले ये गुम्झ पहला "

"इस बात का में ध्यान राषुगा।" भारत कराहरू पटा

CO

गा में बागह बज गां थे। मलाने आन हम में प्राप्त ने ममरा में इस गा. एक बक पर उसने भार इसके आहावदा ने ममरा म म का तब देख जिए ये और लाईफ बाग के माद बाठ छड़ हो एएए के बां बड़े बीरे, उसके आहीभज़ी ने गाफर ममन्द्र में प्रक्र कर था। अब उन हार्याण को सम्मानका किन्मान सक न गा रही विस्मार्गी गी.

रम हाम में निपादन त्य मनाती बूगा के पान जा हात हा त' रेशाल' 'पेने!। के पान पर बी: "हा हा जा दूस में बा ब्राय हो रहा हो खूदनू त लग हा दा

ार्य मृण्या " इता विश्व नित्त सभाग हा राष्ट्री "त्रम् " स्वामे न वे द्राह्म स्थित विश्वास "जून स्वास् सहाँ है?"

भारतम में।" भागा विशेष करत ताल पहर ग्राहर मार राज रहा ". इस उस असे भी तरक नता पर रही दिसर लेकर आ रही हूं।"

स्वानी निर्देशका गाँउ देवे शाला है। टोकरा

"मुन्दर से नुभाग कृत मननुष्य है " "नहीं-क्यों?" " "उसमें भूग को गर्गा दिया है त्यमें आंत्रमा भेक्याची का

द्शास्त्र । संदेश स्था । प्रथे।

मलानी, बूटा से मिला। -

"KT | "

दूरा अपन वेदरम माजी जा राजा के बात को राजा हुआ पंग संपूर भर रहा था।

"आओ मलानी ," बूगा से "ग्रंग के गा।" ताम व गया होगा?"

"शीहा सिगनन भाषा ही, होद्यारों उसे १८० हो। समाज में पक्र दी , मेर ख्यान में अब तक उन लोग न १८० है। उसे उ मधान भी निया होगा ।" मनानी ने झान १३० में उ

"गुड। त्म हर काम बहत अन्छे द्वा स हता।" हर्ना त् तुम्हारं न होने पर, मूझ बहत विकास हागा।"

श्रूण के इन शब्दा पर, मलानी मन हा मन करह है । "पंग चत्रण " बू प ने निगाई उटाकर, म्रक्राकर के दे हा 'राती। अब में खाना खाकर आराम करना चाहता है । ॥ र

भी मुस्कराया ।

"निक है। भागम करो। बहुत काम सिया है त्मेन था । । हारो। विक्रम को किसन शूट किया, मानूम हुआ।"

"अभी नहीं मानूम हुआ। मैं खुद व्यस्त रहा हूं। जहाज ह

जहाज नम्बर 302-172

------. . . . . The second secon ं से भी स्थान है। को व्याना र ना सर्प में बार किस समाने से उसे हैं हैं हैं हैं हैं हैं है भारतस्य ११ वर्गका का का प्राप्त वर्ग 'नागाम नामिनामानाम नगाह सह।' मन्य याना। "पत्र कुछ मालूम हुआ है। बाजा वर ए हैं " रा-इर, मनानी हे साथ चन परा । मरा रा नहर रामां मानन् र "र पर प्रार्थित राग्या र गान्य र गीयो ने र रहिए र साथ सम्बार की लागे पर तात देशा ता स्वाद्य दुर देर नह माम-द्र हैं सम-द्रा नजर हा रहा हो। सम-द्रा हो ने १ वर्ग - भ ना बन्द्रसा को शबानी में है चसक उन्ती । स्नदर ने न समझने वाजी निगाल साम् पत्री हो तत्र । रूम बक्त गात ह बागर बन भर थे। "र पर "गर पर पर कोई भी नहीं था। "आपकारवणने साराज्यसम्ग र "ग ल्नेप्पा

"जाय करा वर्गन मा स्थापना ए वर्ग हैं प्राचना है। "जभी में वृष्य माजव से नित्रहर ॥ रण हैं प्राचना है। , आवाज शांत थी।

4 2 4 1 1 1 14 TEST and the first of t + +1 + - 1, 15 +1 + 2 + 1 + 2 + 1 + 2 + 1 + 1 + 1 रक्षको पर्व नामा को हो ए छन् । ्र ्स इसे इसे अपन वर्ग स्तिहर , या अ sent steel freeze freeze to the first transfer transfer to the first transfer transfer to the first transfer transf 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 "तो यया यात है?" र का पूर्व सर्भ के साथ कार्य मार्थ प्रकार का स्थापन शिक्षात्रार्थ। विश्वस्थात् स्थापान विश्वस्था । भागा हाथ ता ।" क्षा हाथ है। यह उन्न साम्बर्ध या रूपक कर का देश के मार दूसरा तथा महन पर पता र भ इस्ते हो जा गत गण मृशाः सद्र ही गांच एक तरफ लगा गार, वो मर वृक्त गा. श तको ने एते सभा । दोनो राजो में प्रमाहर प्रमाह कृति ।। उपर रणवा और पूरी शांत स समन्दर मिन्स् भएन दिशः, मुन्दर का अपार समन्दर में भारते की आक्रत काना में पत री, दान भावे म तानी ने दोना ताय इतते नोर पनाकर रायस चन मण। चेत्र पर शिम ने रहूदार गार्थ देश हम ता ते तह गा छ . . . . . . सन के दी बी तह सीहननेत न्हीने भाना स ना में ही म्बर्ग स्ता। महराई में और बाह उचाई में। बाहर ध्रार ध्रीर, सार शनी से काम कर रहा था। या पान अनुवान है अनुसार काम कर रण धारि रम से रम वो ती तार नार इच वा न्याया से व्यास वामह इस मं जहाज नम्बर अदे - 174

THA IN ATT THE REPORT OF THE REST.

"कीन है?" "मार्ग्या - ," बाधा से भाग ना गा का चार हारा

में प्राते । अभिया शामगाओं के देशा पर माएक-एक प्रात्त शाह गाह करते

पुण का गुले जा जो सामाजी भीतार शासा । भारत महिला जो मिला सुझे प्रसाद होता । शोहता गाँउ शासा भारत महिला जो मिला सुझे प्रसाद होता । शोहता गाँउ शास

न अने नाइपने स्वयाने से घूर

ではままします。ではままます。ではままままます。

T \*\* \*\* ) T" I" .

1, 11 , 1 , 1 , 1 , 1 , 1

; · : · ·

- 71177 44 77 77 46 77

त्राचात्रात्रां स्वार्थः

दर १ वर्ष समय भी का जान में । स्वर में कहा।

्यं दुवना आभान नहीं।"

"क्यों-इग्ने हो बूटा से?"

का 📌 तथा भगे " शास्त्रं ह प्रकृति इ स्प

नारत गान्य से जी साम मतानी से चला है। भा

भत्रमन दश्या द्या हिंद्र रणात पर रोपपार हो प्रयोग

र रह अपने हैं।" उसने पूर्ण ।

'रा, या क्य के आ चक है "

· मर पान क्याँ आपे हो "

" असिन" त्यस सिने विना, बान किए बिना, गरा भी र' र

ताता।म - "

भणका में करता क्ष्या से स्थान कार्ती है। साथ मूथे पर्व नारते हो है राज को क्याह कर दो। ब्रूग को क्ष्म कर दे पर्व राज में सर्जी, साथ देशन स्थिएपुर पान्त गया तो, पिर में एवं साफ नाथ कराहे, और न ही कथा तुमसे बान कराहे। साथ क्षी तुम पूर्व हैं रह भी न सकता।

"एसा, मन हरो अभागा भ्म - ।"

"स्थारी कोई बान नी उन्हें वाणा प्रत्या गुर्स होगा दि र्म बरा से धने एथा। जाग जाना ज्यार पाने के लिए सब कुछ इर होते हैं और तुम गांधर करी पर गांक करम धो आग बहाने ही

रणार न्तरी।"

वलाती, अविता गाम्भाषी भी देशाचा गणा। प्रक्रित गारणमी के वेहरे पा इंता के भाव मानुद्र थे। नाम कर मधी तो रब मध पास आता उपना मन आता ।" भवारी वहरे पर मध्योग ना जिला प्लेश आर महिन से बाहर

गाहन गया।

00

रक्तात चीहाल ने साहनलाल द्वारा दिए हो इ.स. म. पर्य वे

इंडा फिर पलटकर बोला ।

" जाज का माग दिन पुम्ह" पाम है। इस पाइप का तीन इस नगर आना चारिये। इसके बाद धीरे से, पाइप की जाग सा लोह कर उसकी तार को सिर्फ इस मारा इस बाहर खीचना, पाति उसमे के " मास्कर अपनी नार का कनेक्शन उसमें दिया ना सक।"

"समझ गया।"

"दर्गाता बद करके काम करना।" देवरात चीहान ने जिसे मनर्क किया ।

"में लाप्रवाह नहीं होता। दैसे आज गत प्रका है, ब्रूगः ह पाइरट हिस्स ही या नी जगह में जाने का ."

"FI IS"

देवराज शोहान यहां में निक्तकर जहाज की छुड़ी में राज पर अनिता गाम्बामी के रुवित में पहचा।

"आओं।" असिता गोम्बामी उसे देखते ही म्यान्य आगर्पात हट गई।

देवराज चौहान ने भीतर प्रवंश विया। हसी पर या। दरबाजा बद करके वो पलटन हुए वर्षा ।

"मनानी से बात हुई थी। जहार पर प्रचास करोर ". १० और हवियार आ च्रा है।"

देवराज चाहान ने सिर दिलान हुए सियह स्नगाई।

भूतिता नाम्यासी शास हो है। अर द ३ स नमा अब क्या करागे?" 一次中 对于不是不知识的""不是不是不是不是 म्ब्राइता स्वार्थिता । प्रिक्षी भूष स्थापन विष्य विषय - प्रत्ता साम शाम है। सा विकास साम साम का रत है स्वयं वेड्ल (रिमेचर) र ा । नाम जल लोका के इ.स. स्टू ु प्राप्त से भूग ३ वे स्वरंग वर्ग 7 17 77 77 77 77 7 7 न्य मधान वर्ग । भार युग्र मु १० १म । इ.स. १ । १ अध्यक्तानी वी । SING DOLL . . . . . . . H A & Line D Ja Fra 1 .. 1 .. Arte to the contract of "इस्हरस्य द्रार भाषा विकास है इस्टर पार्ट पर बारानी संबू र पाच हर रहते हैं। वान पा रोतर को व्यवस्थात । या अर्थ माण स्वयं या व्यवस्थात । गार कृत समाने दास्त स्वारण की राज्य की नाहता गाउँ व है । र प्राप्त कृत है । अबा सारक्ष्मा ने उने हाला हो। इर्मन् नी पन शान भार में मृत्रमारी। "में तुब्द शहाहता राष्ट्र है के स्व या का या या व नुग मुस्कार राज्य राज 'मुझ अब यह स्वार है कि मैंने स्व क्या स्था हरता है ्रापाद मुद्र वर बाद सन दिना जो। ता में कर्षी भूतता न है है भोत्रम गोर्टाची ही निगाद १३रान चीपान पर पिड़ी रे "माराज तुर्व वैस्तुर में स्रोज जाग रका नाम के आदमा के गाम लेकर गया था। यहा अया राजा हा 🐣

111.00

ATT 71 7

4 17 3

NAME AND

× 17-11 4

77 .77 .

2003

8371

1 1

\$ 1, 1

यो ।

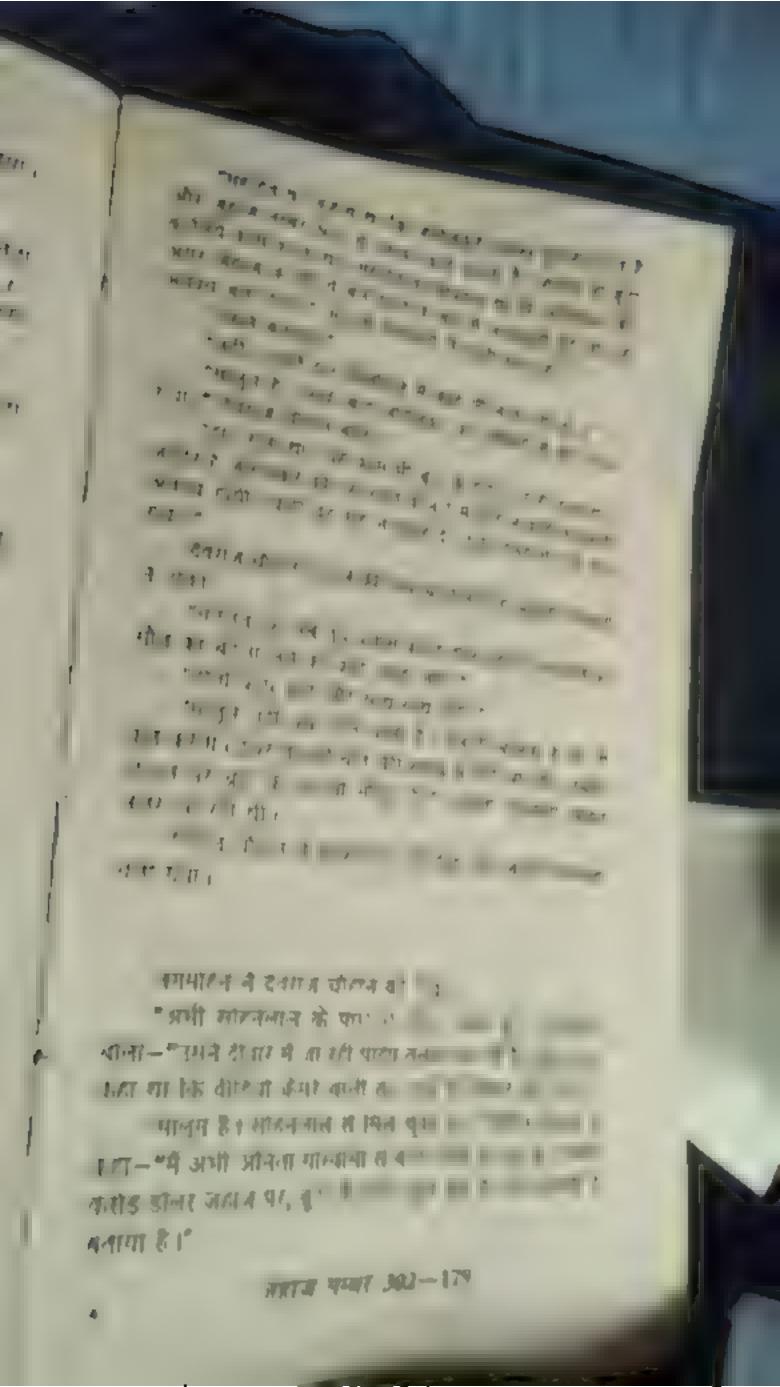
13

अक्ष

-T E

-1-1

जहाज नम्बर 302-178



करा ।

"त्रहात पर कारी <sup>3</sup>"

"और यह भी कि भगर गणवर्ग को समाज में जाई माणवन को वना समस्य में क्याना पद तो उसके नियं माहार वार्ग कर पर्यात इ लगाम है।" देवराज मोहान का स्वर शात था।

"समझा । क्या मानुम करना है " जगमाजन के गार पा सम्भारता के भाव भा गय "न्हें कर ।"

ाडी मानुग करने का कहा है, पहने वो काम करो। बादी बार्ने माद में हा जायेणी।"

जगमाहन ने परैर्न सामनि में सिर हिलाया। देवराज औद्यान बाहर निकल गया।

दिन के ग्यारह बज रहे थे।

वैज्ञाली इस वक्त साल मुखं देस में घी। हाय में ताय हा प्याला पकड़े गैलगी में अगे बढ़ गरी घी। मस्ती के मूह में घी हो चलते चलते चाय का घूट भी भर नेती घी। इस वक्त वा केल्ल मंजिन पर घी। कुछ आगे नीचे जाने के लिये सीढ़िया सबा यानू नो उत्तरते-उत्तरने ठिठकी।

नीचे से बूटा ग्रुप का खाम आदमी ऊपर आ रहा है। जब वो ऊपर आया तो वैशाली ने पूजा। "सुन्दर को देखा है।"

"सृन्दर, नहीं तो, कोई खास बान ?" उस आदर्भ ने पूण "नर्टी, यू ही उससे काम या।" वैद्यानी ने नापरवाणि से इना वो आदमी आगे वड गया।

वैशानी याय का प्याना थामे होने हीने संग्रिया एउटन उसे पिछले दो घण्टों में उसने सात-आउ लोगो से मुख्य के बार म एग या। परन्तु कोई भी ऐसा नहीं मिला था जिसने क्या से स्मा

जहाज नम्बर 302-180

And 40.00 to 10.00 to 10.00 to 10.00

न्त्राचन "देश रे न्द्रोत ए ए व नवर ने ना है । ये कर ने नो से समझी हुं।"

न्त्रीत को की हा जा व मी बाद बार्ग जन हरी है है अलाहत ह

destruit )

1811

हा। सम्मानसम्बद्धाः १६ साम्बद्धाः संस्थाः स्वयः । इत्यक्षाः व व्यक्षे स्थानं श्री।

्रत्यसः है को सूत्र्य सूत्रसूरत करो। यस नहीं ही राजाहरू है हा है। मुरुक्तराई ।

त्वय को बम ही कहा जायेगा मेटस।" ज्ञानना है।" वैकारी ने तोड स्थित्यहै।

"S.EL ?"

"क्रेंबन ने ।"

"क्वों?"

्यप को फाणकर नहीं देखारों कि जैसी आजान आसी है। यो दिलकश अन्दान में मुस्कराई।

"महरमानी । शुक्रिया । धन्यवाद—।"

"कित बात का?"

"कि आपने मुझे इस काबिल समझा। जवाक मेग स्थाल पा तुम्हारी फटी की आवाज बुटा की सुनता - ।"

"धीमे बालो। मरना है क्या?"

अगमोरन ने गहरी निगानों से देशानी को देला।

"ब्रूश के साथ रहती हो और मन से उनक दिनाफ हो क्यों " जगमोदन की आश्रज धीमी थी।

नग गता है। पिर शे मर कर ही अनगहीं है। वार्ष भी अप जिन्हों नहीं जी सकता, बूग के दशार्थ पर, अपनी वि दगी विश् है। बूग की असंवियत जानने के बाद जिस् ने भी उससे अनगह यह वादिश्व की, वी मर गया।" देशानी गम्भीर थी।

'गारत कि तुम बूग से अनग होना चाहती हो।"

न ही क्या, बूग के अधिकतर आदमी यही वस्ते हैं हैं

कुरा के बार से नहीं विकास का अध्यक्त मार्ग पर दे हरा देश के लाल क the per us. is referrer pp fatt

of man & freit dad, at a amora tout att the state of the s न्तरणाह सामा है। त्याईक, मोतान गार्थित है। वस से दल

Averdi aft figner prater of der in entropy \*\* FF 14 44 /\*

"भौति भी बार का स्था प्रकास कर द

तो ।। । एक दूसरे की अन्तर्भ में प्रकृत

"तरात थे ! . ो शार्थ है जिल्ही ना जाता है जा तहते. परने पर पूरी अने गोरिक की , इस्तान का को कि रहा र अस जानकती ग्रहते को विष्णाति यह पर जो वाल प्रता । पा रहते हो।"

न्त्राद भेर का नाम भग है "

"मरे स्थाल से उसका नाम पश्चिम कि के ;"

"वना मिलेगा ?"

"क्र नहीं सहता। दूद लाग"

"एक बार फिर में बानी श्राकेश शन्यशः ।" गान र जाने लगा।

"सनो - "

जगमोहन विस्वा।

"स्म और मुमारे दानों भारत ता ता न न ह - दे ---गम्पीर थी।

"जरूरी है बताना?"

दास्त को नहीं बण अंगे। परा मन न १ द. गना ह न ए गम्भीरता यी।

"बूरा से तम्हारी जान हुगने ही ." भग हा गाहा छू जो वाली है। आज यन के बाद हन में

"जहाज को खम का गरेगा" रूप र प्राप

"वह न में सक्त पा" अगमें जन न में भाग दे अपने लिए अगह का इलाजाम को है यह तर वर वर्ग वर्ग

साय ही जगमोरन सोविया अगण गणा गण

वैशानी उभी भी, देलरे पर जीवा धार

F fr P 10

Proceeds to be the second of t

तराज्य पर्य शाली भा कोई - ।" मेशाली में विज्ञान कर कर के

es es 43 s

are an armor storalde title

प्रशिक्ताची की ली बाल है ती।"

1 17 2"

"भी भोजता है, में बन हूं।"

"44-1"

" , स रु के । सुन्द"

ता स्थाप स्थाप स्थापी मुख्यस भड़ा - "प्राप्त प्राप्त । १९९७ व स्थापी हा

A HERRICH CONTRACTOR

कृता राज्य प्रतित

7081

लाक्ष्य के क्ष्म के से स्वास्थ्य के स्वास्थ्य के स्वास्थ्य के स्वास्थ्य के स्वास्थ्य के स्वास्थ्य के स्वास्थ्य हा सामा क्ष्म के स्वास्थ्य के स्

तेश रिष्ठ

नाम की मुन्दर ही ही ही ही विभाग में भाग महर सार रहत

"केले ?"

्रायात है । ता भाषा को राम को राम का या या । तो ता दोशा आधा और सम्बन्ध महाराम हो राम को स्तृति । वि

को दीयो गया में भीत के भव ते हैं।

"मुद्र हो मध्य न वितो पर में भी यो स मा सा सा यो ।"

देशा से ने शान स्वर में का ।

मानी हे वर पर कड़वे माव उमरे।

"द्स कि में ब्रा के पाक्षी सर्" है, ले जार में व

स्तान न्या कर प्राप्त दृश हो आयमा ।" करने प्रसाय हो सन्दर्भ मर । गान स भागा संगद्धता राज्या च्या ग्राप्त

प्राप्त देले गार्थ भारति हैं कि कि स्मृत साथ हर अगई ए ह

पन्पृथा)

्। 😁 , रहसाहम्भाष्या वेताया। स्तापन हरू प्राम्य प्राप्त विकास समिति के देव क्षा प्राप्त का का का का कि , " रा बाग्नीय हैंगी।

हरामतारे सन् शह नाहे "

भारता वार पर रिविधियाहर कृ भारत साराज

अपर पात्र ना है। इसार ३ वटर मान सम्बद्धा पर पास भाषा है। " मनानी का क्वर गण्योर या।

्रजा सीता हो इर बैठ गया।

· 각기 ("

महाली आग यहां और साफान्यर पर ४९ दे ।

ना यो गांचिया यान है।" बुगा शर्भिगर, मनाध के देवर पर नागिकाथा

र त त्रव आएक पास से गया तो सन्दराम गा तक गाता म्बर्धा "महानां वाला।

जुणा निरुधि अपनी से सन्ति हो उपना गा

स वह हो अपने अप से की या, ट्या है से बार उट गया ।

' मा वात<sup>्</sup>

"सन्दर ने मृत बनाया कि बाग राजन अधी बदा के दें। है। तुम्हें बानता शास्त्रामा की जान तन पर द्वारा ना है ते हैं। हो क्षेत्र सार्थामा हो प्रसाद द गड़ी है

थूग ह न्या पर हरने के भार नार ।

"सन्दर नुष्टे एसा वा रा।"

• सन्यभी स्पाहित्य तंत्रा १ ते वे व भी नहात पर शतु हार है। धरे रह हट है " इ. . । ते . . .

"स्न्दर एसा याता।" ब्राप ह सार प्राप्त ताता । :,यह पर तर दहर वहा। मनानी न याभ्या संवित्र रिन प

जहाज मध्यर 302-184

TARREST TO A STATE OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY. har he all and the same of the 2 -1 2 7 -2 -4 7 -0 3 3 -4 4 4 4 \* 1 -1 1 -1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1

E I PART TO THE REAL PROPERTY OF THE PARTY O 

- 11 11 -111, 2 2 1 1

नित्त प्रश्निक स्थापित स्थापन प्रशास्त्र है है।

"प्रांता में का ताह कि या या प्रांतिषा । या व र । हम इन्तर है मन में में न भरकर ही अपना है दिया है। रा गहे उसे तो ।"

रेक असे इक द्या वंशाली ने द एम ग्या दूर ने ,स देश फिर सिर एला हर इसने व न र ज्या क्षेत्र सम्मास्य स्थापन के रह पर गार

सगनी इस, का गोध "

एक्नो न शार निणात समानी हा देखा ।

"शन् नी न्यने," क्या इंच्या पर समा भागाना गा

• बाने क मान्यूकी की एवने " दिला के ने मामान्य ग्राम का "रता मरकी " वृह न दान भी नश्र शा विश है, " " म

द्वाला नाइसने इता या कि ज़ानगा गांधाओं का प्राप्त

भनानो ह साय उसकी सुब निम र है है

"अस्त्र ने अधियो वता इं यूग्," प्रेमा व र

'सना। सना माना। मुन्दा नुष्टं भारता ता ते हैं। भी। हम दोना को लदाना चार ग है। वसकी रह भिन्द र भार स्वयः निमानी, द्वत्यास्तारं भी, स्वयानं सामन्

ना से रेटेंड को सार इंप्रकों से स्टू हैं के प्राप्त के रोपा गण भी विश्वता ह यानानी फोरम बाहर निकल्ता धना हया। A DI ALE ST. LELL AND LINE . पुष्पा । "यात् तो माल्यं होगे नागा । सगर्गा अगरा⊢रे गमरूर सार्वर - - -१ हेग्हिम्सरावस्वरण<sup>३</sup> भ स्यक्ता स्टब्स भारत्यकण हे द्राचीर सारगा " क्त सामितिया १९३१ म् इस्टर्स साम्यास्य साम स्टान है। सेमा होते हे जूस ३,३ ज्यान हार वा लाल वा लगा । 80 जगमाहत हो पैतर्पत्रम मितर यो उपन ३१८ वर 🕝 सिह को इंडने में। प्राचनकार के पीर्व के दिस्से में रेपिय याचे वेत प्राच के समन्दर हो देख रेण था। उसही एम पचपन चरम हो र दात का पूरीना गाउमी गतना था त्या । अग्यान्य २ ह एम प्रत्यक्त ग्राम के यई मेड है?" ार हुं," इसने गर्न स्माकर तगना न हो। देखा 1 'मनता कि भणामा नाम असार है । "हाहा" उसने परते की कार कार के "में जहाज का यात्री हूं।" "में तो नजर आही राहे "आत स्वह अक्तर रा मृह गरणकर जहान नम्बर ३०२ - १५७

"टाईटेनिक हुना था छ। १ में ११० में १९० में १९

े स्ट्रांग धारतको दि तथ तथ त नार्ष कर । "नार्ष, रेपीक्षी हे हर र दी तथा । इर १४ व रुपोर विकास वाद्यांको से नुष्य ।

'यम' हात हो ये तो रहत द्वा हा ।

"भ प्रमा " जगार रहा " र र र रिज्ञा रोज मा इध्यती का ज र या र -

ाम सनोद्रस्य में तुम भी गद्रार या ' "- या प्रोहत पेगी तार ही तार है ते ते प्र और बताके?"

न्तर के कार भार से पंजा कि का

था?" जगमोहन बोता।

त्यांत हार्टन - ` त्यायन्दरी जहारत के कि कि वाहर

जहात मध्यर (था) - 187

क्षा क्षा स्थापित व्याप्त विश्व के व्याप्त के व्यापत के

THE PARTY OF THE PARTY

TO A SET OF THE PARTY OF T

न्द्र तो जाना दार रे के गाँउ हैं।

याजी हैं?"

न्त्रा को केता हात्र के या विकास प्राप्त के वार्थ के वार्य के वार के वार्य के वार के वार्य के वार के वार्य के वार के वार के वार के वार के वार के व

TO THE STATE OF TH

्र प्राप्त का स्टब्स इस्टिस स्टब्स स

-----

---Pa 1 THE RESERVE AND ADDRESS OF THE PARTY OF THE part of the latest the ----THE RESERVE THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE OWNER. the Residence of the Party of Street, Street, or other Designation of the Party of Street, or other Designation of the Party of the Par ---------THE PARTY NAMED IN COLUMN 2 IN TOTAL DESIGNATION OF THE PARTY Tras (7) THE RESERVE OF THE PARTY OF THE का सकतो है।" \*\* 22, 25 m i -- 2 22 miller --सा गाउँ का ला. हें व व गाउँ हैं है ले ले एर त करता थे है – १५३

----- 14 to \$11 to 11 pol 1 2 TT 2 TT 2 1 4 4 4 • • • • व राष्ट्रं । १३ राज्यं परा • प्राप्ता स्वार्थ ा भू र स्व रहे भागा " र इक हा याचा का तो रोह तासा।" र, । इल्लास मान्या साम्या क्षा विषया का का विषया विषया विषया विषया सोहनलाल ने पूछा। का अस्ति के एक सम्बाह्य सम्बाह्य सम्बाह्य इंडर हालव हा बाहार में हारता का गई थी। प्राह्म का र गूल र के संज्यान न भाग सकता।" "अन्या भागा सक्ता देशि भोतर ब्रान सरका हा रक्ष कर गरा , र गरा कर गता हो आर बाजी उन्हीं पड़ जाये। सायक्ष साता 'नाम्बर्गने हा। ला भे ता सहता है। बहरान जो भी होगा, सम्मने आ नाजेगा। तुम अधाना निवासी पूरी रखी ," म "नो एक घण्ट बाद, बूटा के पास पर्चा। मन्दर रहा है " ब्रूटा उसे देखते ही बोना-"साथ क्यों नहीं तये उस "

Total . --the same of the sa NAME OF TAXABLE PARTY. 73 034 7 7 7 आर्थि । त्या आक्षा । " মানানী ঘন্য সজা। 7 7 7 7 THE PARTY OF THE P f i Tirkiation . "कोन वार मनानी आधा वार" 7- 7, 11 5 7 7 7 7 7 7 TO THE RESERVE OF THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE PERSON NAM s that there is not a first to a first the first terms of terms of the first terms of the first terms of terms of the first terms of terms of term 13.77 ण - न इहिस्त " सारते कर पार्वका कृत सारव विकास कर कर कर स . . . बोला।. ात । हरन ह साथ हा बूग गा बा कर पर प्या है व इत्तरहरू समयानु रोजन सम्बद्धासी हो तर पर्वेदहास उपान इ.स.च इस स्थार सापर है हुक्दान " ाती! नपुर अध्योग जो " ब्रुगा ने एसको नगर अस्तार सह है। जहाज नम्बर 302-191

र स्टार र भागा गाँ । १ र र । १ र १ स्टार पर प्रस्ति है। १ र १ र १ स्टोर सी है।

F - C - 1 F - 1 T - 2 T - 2 T - 2

क्षा १ जार पर शतका १ १ १ १ १ ।

रूपा । ५ , १११ ने रण रण ग्राण ह सदा दूरा इसामन प्रत्य रहा जा राज्या है इर उपलाप हुई प्रार्थ र या एक रूप वा राज्या र दूरा जा रूप रहा। उन्हों जा हा ब बद्दी की नका स्टूर्ग में का रूप रहा हो।

ति स्थान को समन प्रकृत मृत्रा म्हरू । "ग रहवान कृत बाइया हाम हिमा। हार विक्रिया हा "हार्ग में जन हे आपह कृत्य श्रीका में," इस्मार न वा ग "टीक है। तु जा।"

इंस्यान चुना याण

हुन की तीज़ी निराद, जीवना शाम्यादी पर कि कि ही हो। "अस्ती-मारी तू नी नार्यो पूर्णांका में स्थान से काम कर का दा। इयर अवर केट मारकर देकार का ही द्यार मीन न निया। केट-बैट स्वार्यों क्यों है "

रो धवरद मी खरी रही।

व त व व इस भूगा प्राप्त । राजने भूगा प्राप्ते पर भीगा गर्डा ।

• अनुष्य है। • • अनुष्य है। •

ापरश्चित्रतालया ज्या १३३ । १ ११४ सात्र मंडूब गया हो।

प्रति विषयमित्रियामा सगर गर्ग ह न्हर्य प्रति, रेशोशियोग्योग्योशियाचे याचा है, हे गणे है, ग नाहर हे से कि रेन्स में होई, ने में ने सा है, हे गणे है, ग ना राग है गणे से सन्ति वृग्या स्टब्स से से से बाद रेगे में रेने स्पार्श ने से प्रति है। हे साह है है है है

"नर्ग ।" "तानती है उन्हें ?"

राहे हर को ही (कार्तिक हो हो जाती क्रिकेट हैं कार्तिक हैं सुरु हो को को

ाकर दल्या हे हु। व्यापाय कर है । विकास का पा

RATE OF THE PARTY का सामाना व 극구운 작가를 रिन्धारण र । र व व व व न्तर , 'रिन्तामण । प्राप्त , 'रहर । , । । । ता अधार हे नाहर हारा , १८३१ र १ १८ - १९४ शिख् इति है। विकास । । । । । । । । "प्रा' बान स्वेर १ का भाषाना विकास समित हो स्थान स्य तर हो।" सनेवा वर्ता । विवस बूगा हसा। "स्रेत्रपाचग"ोरमगो हराम सा कर बात हाते हो। देगा तरह स्प हाते गो। हे नहीं करती। नकरा करता हा।" अम्बे क्षेत्र महात हा बाज जाति. त , जा का व है। त्य । "मन्त - ।" जून न हथ्योह समा क्ष्म स्थान । र स्थ ग्यनी, तुम्होरी काइ भी बार गारी ने गा गार स्था । र गार साथ ही बूरा न एक तरफ नगा बेल बजाई। सक्रण्डो में उसके दोनो गनमन वहाँ पहुंचे। "इस लाफी का किया हो वन म बद कर हो ।" वा न भीच ग्रह कहा। यत का ना बज मतानी गाउ। बुरा उसे दसकर शान भार में मुस्स्यारा। "आजो मतानी। स्दर नी सिता स्था" "नहां।" सनानी न कहा । समझ में नहीं वाता है, से नाता म कहा गायव हो गपा।" "होंने उसे।" ब्राइड खड़ा हुना "आओ, में एउँ हैं

373731 STOT 102 104

ब्रा, मनाना को लेकर बंदोल रूप म पनुवा। कृति ग प

विखाला हूं।"

1 1 11 111 ATT A THAT I A TERM TATE 3 7 A A A A T T T T A A T T T 11 TT 1 , FT 10 FT 1 ין יויג גף דוי ון אבוליווי र र प्रभावत् इत्हरत्य अस्ति र मा रात्रे व्यानकत्ने हकार हहात सम्मन्तर ता एक्ट ह को देखा अरम्पर्वस्थान सहस्थान सहार प्रकृत्यान वा रहे. हो इस नरफ भाने की क्राज़िल ने करे। पता हो से क्रियन द्रा • का अलार्भ बजा देना।" "यस सर-! " बूग, यनामी हो नहर हात ने पहचा। म गर्भा हा दिमाग ते ती से दो र रहा था। इतना तो इह हथह भूका हा कि गावा हा चुकी है। हात में राचने ही बूग ने का दवाई तो उसके उसी मनभन कीरन वहा गाउँ हो गये मलानी को पर भागी तोर पर ग्रावी मन्सूस होने लगी। बूरा स्टाई पर वेण और सिग्रेट स्तमाकर, मगहराते हुए मजारा भी देखा। दाना गनमन बहद सारक भन्दात में इस रहा में कि या। के निष्, त्व नहीं जरूरत पहें तो वे तुरन्त हरका में भा राव म तानी की नियाह भूग पर थी। "मनानी।" ब्रागन कशानियः "यर्को हेएका तथे हई, उस नड़की को मेरे पान देखकर " विह्न ज्यादा हुई। सुन्दर ने यही कहा ।"

न्युन्दर की बान मन करो। में अनिना गास्त्रामी से बान का रहा हू। बुरा के स्वर में कडमता आ गई। "क्या बात?"

बूरा ने गनमेनां को देखा और व्यायमं स्वा व कर ... "प्रजानी साहव की तलाशा भा।"

मलानी कुछ समझ पाला, एक गत्मैन उर हे प्या परन क था। दूसरे के हाथ में ए गोन्वर न तर आने लगी थी, जिसका रेल्

मलानी की जेब से रिवॉल्बर लेकर गनमेन पंछ हो गए मलानी का चेहरा कठार हो गया।

"बूटा साहव । आपकी इस हरकत का मनजब नहीं मण्या -"यो, अनिता गोस्वामी ने सब कुछ बता दिए है " वूर व क्श निया।

"क्या सब कुछ?"

"तो तुम मुझसे छिपा रहे थे। जिसके बारे में स् दर ने मुझ कार सा । त्मने ग्झे बताया न मिं कि अनिया गाम्वामी के साथ सदान खामा यागना है।" बूग उसे खा जाने वानी निगारी में पूर्य था - "इस वक्त में तुम्ह वो वर्त बता यहा हू तो उपर्यान वन १ तुम छोकरी को जहाज पर, मर प्राइवट हिस्स में ह्या न ३ "

मलानी समझ गया कि, अनिया गाम्बामी न सब हुउ हर

दिया है।

"नुम्हारी गलवी की वजह से यो मंग यथा तन मा द गलती को फौरन सुधारा भी जा सकता या अगर नुग ला 😁 उसे खुत्म कर देत । लेकिन तुमन उसे खुन न निवा न इस बार में बनाया। जब यो मरी पीन खन्न में कर एर नुमने उसे खुन्म नहीं किया। उस अपने पीछे । जा 🖰 दूसरी हो हरते गई, उसे तलाश करों और खुस हर !"

नहरा गुस्स स स्टा हा गया।

भनानी को खंद खम होता नवर आने ना। "मुन्दर भाष गया कि तुम क्या कर रा वा । " म्मत करकी उसने सब कुछ भार साफ मुझे बता दिया उत्तर हम वर्ग है. तान वेस नृष्ट लग गई और नुमन फीरन स दर श ा दिया। हरा है थो?"

हा: भी वे मतावी खामारा रहा।

जहाज नम्बर ४०२-196

4 315 11 利用ななど

FFI TT IN स्र राजा

1 7 7 77 'A 3

\$ 74 1 7 Y नवं अन्तं पा · 전 1 + र गग म

नेहपा-तद्या

, J. 77 F F 147 T

2 m

गद्य स्व न

क है से भाग प्रश्ने सम्बद्ध के प्रश्ने के का श्री के का

"त्म मेरे खास आदमी हो। में मान निवाह कर कुल कर कि का वा कि का मान कर मान कर कि का का का कि का क

"अपने क्षी प्राप्त किसा है असे साम जाता करता । प्राप्त की ना

Triffin to un ann na rome .

" अगरिते बाली पेता जिला है। रखार वर्ण एक ए

" स्थारा गरनव कि सन्ताचन (कार ') र ' ४ र ४ र १

भारत सम्बंधित करते को प्रकार समा का राज्य

भाग विद्या विश्व ता विद्या है। स्थान क्ष्म के विद्या विश्व का विद्या के विद्या विश्व का विद्या का विद्या का विद्या का विद्या वि

मनाशी ने भागी है शारी देवा की, गर्ग

"बूग ।" मनानी दान भी वक्ष बूग पर छाएग

आहेत गत्मीना ने उसे हो अद्यं से से सामिता वहने जिला दूरा हसा , यहभी, दोंग-देशी से धरी हमी

भाग जाजा देश। मरत परि में गाइन्य विषय है बाद है है साथ कार खुक्या। महानी परि क्षेत्र कुनन संस्था नी बार व

गत के गराह बन गरे थे।

ter there are a recommendation of the second THE PERSON NAMED AND ADDRESS OF THE PARTY OF THE 215 ST TE WAR WINDS 

and the state of t 

13 -17 m 19 1 " 11 1 15 15"

ME, JILLS . II . ALL . 63 M. Jul. 7 अस्य स्वया १९३ और साध्य १९११ पुरुष्ट १०६ चने ना हो था दे किया का विकास का नि नगर्भ पी स्थी हो।

स्थान सरका देश के ती राजा परीचार सरका ता जा प्रवास के किया के जो की हैं। विकास का विकास के नहीं में किया विशेषात्रात्र सार्व रहत

17 17 101 01 7 11 11 1 Tere उन दोना ना ।।।।।।। ये पास पहुच गये। "\* \* 1 1 2 17 1 10 . \* " 1

की।

भीमों का देगाई चर्च में लो भारते हे ति पर स्थाप पर स्थाप कर स्थाप

THE PARTY OF THE 

THE WALL THE WALL THE

क्रमकर जोशे सं लड़खड़खा । THE RESERVE AND DESCRIPTION OF THE PERSON NAMED IN COLUMN 2 IN COL THE RESERVE TO SERVE F 4 . 2 " The second secon THE RESERVE TO A STREET THE PARTY OF THE PAR THE RESERVE TO SERVE THE RESERVE TO SERVE AS A SERVE THE RESERVE TO SERVE AS A SERVE THE RESERVE TO SERVE AS A SERVE THE RESERVE TO SERVE THE RESERVE TO SERVE THE RESERVE THE THE RESERVE OF A STATE OF THE S THE R. P. LEWIS CO. LANS. SECT. V. LANS. S. LANS.

मिन्द्र में भारत है है रहा हा ग्रह रहा में भारत है से प्राप्त मार्ग भाग कुर द्वांचा राष्ट्री क्ष प्रकृता थार नार्थ था र १ १ १ १ १ श्राक्रण प्रति अक्षते क्रालं में कर लें।

जब नह भारतर र प्रवास प्रवास गाँ प्रभाव र र क्र स सा दश सा पर सा होग पाला गत्नी र राग सा हरू मुख्य रद राष्ट्र चार में एवं जाको है है। स्था है है क्रिन न्यान में इनका प्रतापात प्राप्त के प्राप्त भी नाम सम्बा .... प्रेस क्रम प्राप्त का कार्याचन का हाद्य प्र कार्य कार्यो या रहा प्रकृताल सहसा निकृति और र संस्थातिको का हबा हि कासान व व पार एक में सधान व प्राप्त हो पर नार प्रया । रुमा राद्य में गत थी।

सारताच ने पहला स में गा ती।

"मैं चलता हं।"

्रायोजन ने में से सापस पनदा और रैन्सी पार करते, याची नाक महत्र, केवने एके रामरे में आ गया। इनकार से दूस युक्त प्रण इन्हें नहीं था। दहा से पी सीपा भारत एन है हिस्स अस्तर पन्त्रद में पहुंचा, तरा देवरात चारान मीलूद था।

"हमें मीच जिल्हार, हाय पाप बाध दो और मंहत्वाल के भाने ही, भेरे पास पहुंच जाना।" यहने के साध ही देवराज चौहान हत्त्र (र ) कर्म और शाना प्रदर्भ शाना तात की पास आ इसके को लोग के र 1 के र शाना स्था

रेड है किए वे की राज्य की साम कर की विशेष के की जात की स्थापन रेडरी की में मान की मान कि की मान प्राचन में किया की मान की

रें के तिल्ली में दिए रहते नरी के देश के रे स

ता । का का का का का वास का अपने अर्थ भी आ शक्ता है।" देवराज बीटान बॉली।

भारता है। देवराज पर को शे अब दो स्मिन से धार का जन्म के का का में नवा को जन ने का "देश तोर को इ इ चोक्सी रेग्याम से विकेत तो स्कृति "

इंग्लंबी के अवस्थित प्रतिकार स्थान रहा ।

सरकार कार कार का शयम के तो में फला गार जा को गा

'स्व प्राति से न्य हो है इस्म दो सर से तो अध्या '

हिन से प्राति ही सबसे प्राति हो होता है सबसे प्राति हो होता है है।

राह, रिक्समें भी रह है इस्म है एक्ट में के एन हम ह ने एसो है सह है इस्म हो है।

है इस्म को दे हो असन में भी भी कर तो क्या होता, हो नहीं इस्म प्राति है इस्म है दे हो है।

होता शिक्षा भी स्था प्रश्निक स्थान स्था है । स्थान स्

ंभागनवन् का ध्यान रक्षा । से शार शराना ने करे। उन्न इंगो । से त्या भारे अवर ते पिर ने प्रेस के कि दी। अगर स त्रंश भाने देश हो नगण क्षा रहण भी विकास ।

में सभाव वृणा उस "सारवण व विध्यासभ्ये स्वरं म भागवण विश्व से यहां से बाग गया।

्रेश्यान व्यापन सम्बद्धाने। से बाग खड़ा निगाहे दाङ्कान रहा । एक भाग से भी कम समय में नगमोहन रूप पहुंचा। उस बार वो सोटनजान ने बदन नहीं की को जॉक क्या

. इस यार तो सोटनजान ने बद्दा जन्दी ही दौर लॉक खाल दिया।" जगमोहन बोला।

"सम्मान लगा रियोन्यर है?" देवराज चौजान ने सम्भीर स्वर में पूछा।

जहाज नम्बर 302-200

q It 1

त्याः की

p F

ZI

eri eri

4

- को औं नि विकास

that turn to it

Part of the late o

ल्ह्य और स्ट इस रहे हैं। वह व इसे हो सह सा है। है इस स क्ष्री कर आरा के भगद्रमार्थ का द्रवन सर प्रता हमझो, वो कर देना।"

नगमाह । ने होंट थो ने प्रार्थ ने नाम और हिल्लार रे का नह

गण्य भ न ली।

四十

"यस-।"

देशान चौरान ने देशाने हे हे रेन पर होता रखा पर दाव भीन सम दलाकर, दरवाना रहाला और भीनर प्रवेश कर गया . र्पात् पीछे साथ ही अगमाहन ने भारत प्रदेश किया। इस्टाज चीटान के दरवाजा बद किया और भीतर से सिर्फनी लगा दी।

भामने दस फीट लस्दी गलगं था अप फिर खारा नग्फ में र। "क्या ख्याल है?" जगमोहन होट मीच कह हुदा- 'पन लागो न कड़ील रूम में भौतूद स्कीता पर हमें उन्दू लिया होगा या हमारी चाल कामयाव गी कि उनकी स्वीता पर हमारी वनाई इसेंट के दृण्य नजर आ रहे होंगे।"

देवरात चौटान न के इन्हें के ता थार आगे बदने लगा। चेहा पर करारता रभरी परा था सनहता हा उपमन धामे जगमोरन न भी कदम आग वहा दिया।

स्ट्रांन रूम में उस बक्त दो व्यक्ति बडे थे। जिनका काम आखे स्तृती आर कान वद रखना था। उनके सामने बोर्ड पर तीन टी०बी० संट माजूद थे। शिवरिव संतों के जीग्ये वा जहाज पर स्थित बूग के प्राइपेट हिम्से पर पूरी तरह नजर रखने थे। अगर वहीं कोई शक या फिर गटबट वाली बात होती ता वे इन्टरकांम पर तुरन्त बगल में स्थित गार्ड रूम में ख़बर दंते, हालात बनाते और फिर आगे का शास ति चारा का गारा १ का का गार १ का में का होती है। अन्तर्भ बाता देती है

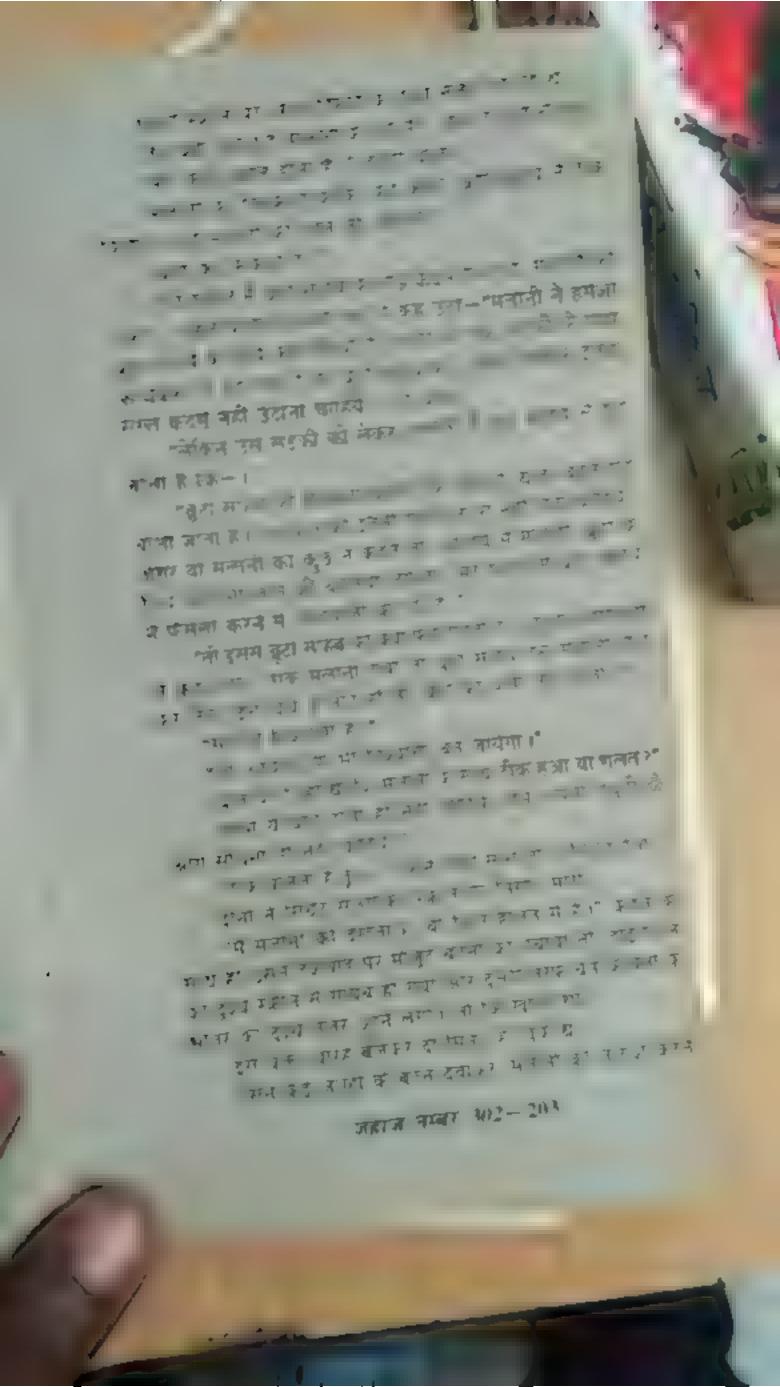
क्षण प्रयोग स्थाप के स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स

त्र प्रमाण कर्षा विश्व कर्षा वर्षा वर्या वर्षा वर वर्षा वर्

प्रश्नित्र स्थाप स्थाप

इस बन्ध उन गाना ने अन्य पान नाग जी एस वर्ध ने अनी आ त्व उत्पर से कोई आ सकता था। अन्य पाग पहने ने अनी आ विन्धा सर्व किया गया। जन ग्याप्त बन को दी अजीन पर के अनी सूर्य और वैज्ञानी को जिसा करने उन्हें की दी पान है। या पान ने ने एक नेक मीजूद क्योनिया चन पर दी। बूग वैज्ञान की पान की रोगन बना रहा था कि मनानी को किस नाना की से अने पहले

एक स्ट्रोन पर वो छाड़ी सी गैनरा नजर या रणे ही जा प्रदेश द्वार था।



जनस्य व चक्रिकर्ग प्रस्य हा को है साथ नहीं। पूर्व प्रस्थान प्राप्त से कह उठा।

ल्दाह से व्यक्ति न्यूपर रहाते और त्राह प्रता र रहाहा बहुता मूल प्रदेश के भी के भी भी भी में दूस का इस रह गया। अध्वों में अविश्वास राजा।

राइ र पर राग्य क्षान और तसस रह भार का रिवॉन्बरें यामे खड़े थे।

'भार के इस त्या । अहा हासा सामा सामा सामा

क्रार्थित केल जान अपने साथी के सुर संघर ४ ट संघर ही फोरन इस

राज मृत्र " देवराज श्रायन न खनरनाद स्था में १९ । ४% भा दरदाव नहीं करणा कोड़ भी बरन दलाते की की जाता है। निष्यो। हपारे हार्यों में सार्वितर लगा रिविन्स है

इप्राप्त यो पन के शब्दा पर दो में बूच बी उरह बन एवं "अपन अपने दोनां हाथ सिरां के उपर रख न्ये।

दोत्ताने फोरन अपने हाथा को सिरो पर रख जिया है है सी नक हैगन थे।

ंदरकालः बद्द करो।" देवरात चीतान ने त्रासीतन् से कृष ारास्थारन ने कड़ोने रूप का दरवाना भीतर से यह कर निया होने हो तून चाँग " एक ने अपनी वेशनी पर करने पात रण कहा—"भीतर कैसे आये?"

" सी देखाजे से जहां से सब भीतर जाते हैं। देवरात द्याणन ने शब्दों को बनाइए क्या ।

"वं नहीं हो सकता " दूसरा पक्क स्वर में कह एए। "वद्याः"

"रप यहां से आने जाने वालों का देख रहे हैं। काफी देर स वाड भाषर नहीं आया, ब्राहर नहीं गया।"

देवरात चौहान ने स्क्रीन पर नियाह मारी और पिए पु हे देखा। "नम् नागं स्कीन पर जो कैसर देख रहे हो, चा तब वी है, जब जराज भुष्वई बन्दरमाह पर लगर डालं खटा या। खाला था इसी अपट स तुम लोगा का कोई भी नजर नहीं आ रहा।"

"असम्भव। यं वैसे हो सकता है " सक् हारों से निक्ना। "इस कैमरे की तार्ग का जो जाने नेसों के माद्य फेना रखा है,

जहा न नम्बर 302-208

र क्ष इ पर पर की 'हदा नुस्य प्रा वस य 17.77 4 3 " नर्दन 787 रात धीका श ता 197

> उनहीं म और से प 4 2 2

न सुरस्य

710

ांस-न

" ,77

र्षा उन्हा 111

किया को की तब "7

- 41 "न गाम्यापी स्वर में फीरन श

বা

निनारी में भी का का कि है । इंडर इटर में में में , जात पर प्रता शह हरू दलका "हिसागा नार में हिन्दून हैंते पूज र हा है है है है है नुगो पर भारति से बात किये हा है "में सहा क्ष्यारी कालों हा नहाल देन नहीं जाया।" देवशान प्रांतान ने काणा स्वर में हार - व्याना नार्य हैं है "न्यों।" एक न तन्ये संबंधी।

"तो भूगे बाला का सरा सहा जार देन " देवान बीमन ने दांन पींचकर कहा।

दार्श खामात गर।

्या ने मनानी और अन्य स सम्बन्ध का कहा केंद्र कर रखा

दानों ने एक दूसर की देखी।

"बनाना को कर - भागक न हमना गर गर वाती।

"अगर भर्त है ता जाना ही बाल कार करता ।" उपलब्द खोलान न द्रां-रागभा मार भ महा "में त्यम ता भा बात पुत्र गा हू रस्की मृत्र पक्क नार घर स्वार है। यह बान पूर्ण गत्ना "

"गाना मारा इन्हें," जगभारत काल भार में बाला - "हमी और से मालूम कर लेगे।"

त्रम् सन् म्हानाः, यूग्ने हैं °

"यूना मो ," तसमाहन ने प्राप्त स्था में कहा।

"र हो।" देवरात चीरात बाता - "नुष दोना घूमा ( हमारी तरफ.

पीठ करो।"

दोनों तुरन्त घूप गये।

देशान गेहान ने एक की कल्पनी पा गिये देश के देखने से आ किया तो वो बेहीरी होकर नावे किर पता देशान चहान ने दूसरे की जब की तलादी लेका, रिकेन्य निकास जी यू पैक दी।

"घुमो ।"

वो घूमा। अब उमही आखा म वर घा।

"तुम हमारे माद्य चलकर बता लोग कि मलाली जीर वर्ष शास्त्रामी कहा है।" देवराज चेप्पन एक एक शब्द चनारा । त स्वर में बोला-"रास्ते में तुमनं कहीं भी गदवड की ता हम गुम्हें फीरन शुट कर देंगे।"

वो सूत्रे होंठों पर जीम फेरका रह गया।

जहाज नम्बर 302-209

1 . . . -----• देवतात्र चौहान ने संस्त स्वर । मार्थियान । । गार्थ के करने वाले क ा है।" यो अल्डी सं भाना। जिस्ता है। ^ , 7 - ' -राग गाल्ये में यू तिस दे हे हे होसेलें " द्राम १ इ लग ( त महस्य तम महरा ने ही नगह बही। : देवारे प्रार्थापन गान्समान हो गई। भ " व म न म है।" रागात भौतान वाता 'हम ' व Property of इस्त्री महता।" "सोच तो सक्ते हा " देवारत यो जन दात भी यक्त कर या " तपन ये " व अस में या कि मतानी के पास ।" 'मनाना के **धाम क्यों**?" "रूप रामनानां संबद करने बन यो सन सी मरी ए । रने १९ वह रण धार रच उन हा रिजा एक तम मान्त से मुनर रहे थे कि सामने से एक एक्टर ए सदा। यह सब इंच्य ही इसने क्य से इस कर क्रक्रायम् रणवासी। र्मा राज्य दोराव की विशोधक से गांती निक्की और उस है राज्य क्रा पार कर गर्। यह पास की दीवार से रक्ताकर ना वे 77 5 77 77 17 17 17 17 1 यर देशकर, तस चीते को चेत्रा प कक्ष पत स्था। ' रगा । पन वर्ड अगान राजा तन भाउग तरह गे पो इन्ने हैं गान नहीं जाएगा। त्रवाच में वी मुन्द्रे हो तो पर नेत्रम प्रशाहर रहा गया ।

्यूपन ता

देशान ने करा

£ 2 ....

दानः

7 7 7

सहाज नम्बर 302 - 210 ·

THE RESERVE OF THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE PERSON NAMED A LOS OF ANY DESCRIPTION OF THE PERSON OF TH et and the same of THE RESERVE AND ADDRESS OF THE PARTY AND ADDRE योगन ने कहा। STATE OF THE PARTY OF नार लिंगों इस्ता प्रण्या नाई है है है है है है "बहुता पूर्णका विकास स्थाप और उस र विकास र विकास र विकास र न्त्र स्वतंत्र शा प्रदास स्वतंत्र न्या व्यवस्थान व्यवस्थान स्वतंत्र स्वतंत् रा । व्याप्त कार देश न नो पन वास न्या स नाम हे होता प्रभाग प्राप्त स्थाप है है है है है ् मार्गम ह शन' न मध्य के न्या के द्रशाद मा का का प्रत्य होता न रो माल ही था जीर न ही जी जी हो हो है। मन्ता र कृत्या नहीं है। यह इस व कर्म हमें दूस बात हे " अस्त्रास्त्र क्षा अ "एर धर योजने हैं" "ह्यू" से नुर्भ था । ज़ियान ग्रामन ने THE RESIDENCE DESCRIPTION OF STREET नाग रहती होता । अह दिस्ताम भ्यूनामा भी ये न साथ सका भेड़ आहे युर्ग त रेग्ड्र को ग्रंग हो है, सब यो तथारे का यू किन को त - ३ १° ४३ १ १ १ मा ११ १ मा १४ १ १ व न्तर : न कुल्या साथी साथ प्राप्त मे हे , स्ट्राणी स्थाप का क्षा म न न न न न न ने जा का ता वा मान का ता प्रति हुई हुई स ART A 4147 402 211

अस्थात्व व स्थापन प्राप्त मा पार व से सहव । इन्ह्रा ह सम्पन्त हो दे प्रापात द्या । मान मन हे हैं। यात्र ही कमा दा । मा स वाह को आगर आहा था र्थ पात्र दशाप र हे पाल प्राची। क्षार से इने भारत के का रेश के के का रेश के या से भाषा मारा है या के भाषी ने वासान नामार्ण म वर्षा स्थान न कर रहे हैं इक्त क्या वा चा व जी गाम हिन की या के वि भ र र र र र र्गण स्वाप्त के द्रशा ने हे हैं पर प्राप्त द्वार पाता तर . . ; स्त्य भीतर प्रात कर गता। "दवादार" ना नेस है। इस शा शहरा র প্রা 'ज्याम य धाना इर ही जाइमी धा ये सब होता पाइत, दो जह हो गाये थे। अम्मानन ने दावाचा बद करके सिर्म्हनी चढा दो य स्वाम इस देवराज चौहान एक ही नियाह में पहलान गया कि ये दक व्यापा का व गनमन ना है। क कोन हो तुम नाम "एक ने भय से भा स्वा म एए "ब्रांची।" देवराज चीतान का स्वर कर्लार या - "तृषु नाग शेन शे " रह हम। हम खाना बनाने वाले है। आग-। "मनानी की क्या वार्त हो रही यीं /" देवराज चौहान ने पत जैसे स्वर में पुछा। दोना च्पा "जवाब दो। मैंने बाहर से मव बार्न मुनी हैं।" "पनानी माहब की जान ती जा रही है।" एक ने घीने खारे कता - "बूरा मारच एमें मार रहे हैं।"

\*\* 1

. . .

-- 1-1

177

13.7

44 8

T 7 4

14 7

双型工厂

THE THAT

कार्यो प

17

म्स्कान व

वेश

জা

वो डरि

10 7 2

भी या

"रुम वन कहा है मलानी " राना ने एक दुसरे को देखा। "मो सहाती का अगव है पारन । वस्ता- । देवा व दैस्य

हे तात भीव गय।

"ता मत गम्म स्य में हैं।" "गम्स सम किंग नग्फ है?"

"इस दर अं के बारर जो गम्ला सीधा जाता है, यो रोग्स स्व के दरक ने पर जाकर ही सत्य हो स है।" दूसरे ने जन्दी से हण हैं। देर पहले ही मलानी और एक लहती की वहा ले जाया गया है

TITE OF THE PERSON OF THE PERS 15 THE REPORT OF THE PROPERTY In richards to the said that have a said of

- भूग विकास कर की साम साम है।

00

The state of the state of the same of the मा पा र पात्र को वेश्वत स्थान हो है। सा हा हा हा "- व नाम या महत्त्रमें कुण में वृष्ण मा गाम र म

न्द को इस न ता त त त मान स म श री इ साल ही प्रश्ना हो। इस्ते व स्टून इत इत है बग्बर हा सन्त्री मानना था।

नो प्रत इस यस मनानी की किर्दन की है

स्मे क्सी प्रविश्वक इसकी बाह पाए कर है है "" संबाग महाथा। मनानी को नेत्रा मक्त है है प्रार्थ है है वदा गुरुश नाच रहा था उद जानना धार्म प्रव गामहा गा त्राप्रेमी प्रन्त् आर्यों में खीप की जाह सकत नाव भी म वृग उससे दम कदम दूर हम इस्तर का का का म्महान के साथ उसे देख रहा था।

देशानी अलग हरकर क्री पर देश दी। देश पा प्राण

भीनता गोम्बामी झा भी एक क्रमी पर बाद गहा न रा दश गुद्दं, सत्मी हुई थीं।

वस करीब आठ रियाण्य-३ अराप्ते मान् १

न्य गर्ना व कृष्य ने मृत्रामे। साने सम्प्रे था गर्द है। साथ आपे व एते ५ भग गाँ । हेरा ताय ।

शन्दित् द न दंगमका स्त गया ।

नुगान गदन गुवाका वाक्षा भाग । १ को राज् - इन्द्री देखा लग् गा है यह का उत्ता देश र तो को ... करत नां, क मान्त्र जा करत है। मान् कां, 'कर हो ले — THE REPORT OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF T

न्त्रण ब्रान धान त्या हु गाइ ना । असे प्रते ता उत्त इस र गांड जी धान हो गांड दे जा कि नजर हु में जा के हुन नसदर बान भाग हो जाना से से अ पंचा मान हुन रेगा नार्ष परंद में समय जाते राजना

स अपर्यो अर्थ (पर इ या जन्म तो ११ व व

हुए हे कार पर गोर में भारत करता कर तह की जाता है। जीर पर करण पर गिरा र तह कर है। यह की जाता ने बनैजी से परमू बदला।

भूग इ. इत्यों की ज्ञार गृह गता थीं। यो नेहर विच न विच न

न्त्र सार्था प्रदेश संघाष्ट्र न्या स्था विकास वितास विकास व

र विश्व का स्था कि स्था कि स्था है। जो के स्था है।

भाग जाता सभी गाँ प्राच के प्राच करते हैं एका क्षाने से हमा गाँ ने अं प्राच के प्राच करते हैं एका क्षान से का गाँ गाँ गाँ ने अं

भाग दूरा हाई में ते ते . जी भाग मान पान है सरके स्थान

र कर है। इस्ता क्यों का पूजा प्रवास दी में किया प्रवास कर की · tirel had, Martin and indiana, Had, in the action of the रवा दे। मै-।"

TOOL THE TOTAL TOT THE REP OF REAL PROPERTY AND STREET IN STREET FARTON PORTON AND STREET FAR हर के भारत है है कि अपने की करता की अ लिए की के के न । व्याप्त के भारत कार्य में बार र प्रथम पान प्राप्ता है है है ा प्रदेश के किया है समझा ६ तर है .

यजानी राज पीलकर रह वया।

रा ने प्रति का बाबा शह मीचा दिया ट्रेगर द्वापा एक का भारतान संकारक के दिसे जा ध्या सनान की कास में लोड़ा की तीव लहर उठी।

V 1 6.7 17.1 ारम र्जान नरें अन्दर हो । आपका गान्यामा वील्ड हुना रहम्मा समझा या आनवा जा हूं, असा हूं, अ**स** तेस ही र करते इ सद्ध के दूस रस्का हम एक कर में न का भाक्ष कर या रहा ही

- पर 1 सुन्य धान का स्वत पूर गत खराए। प्राप्त के र र र र र पान इसी जरा क्योंकि में अपने सबसे बादया भारण र र र पत सार्प स स हूं तो घोखवाजी नहीं कर सहर १ र र १ र र र र र र र र र र मेर माम का समामन राहुने की कालिश करूगा।"

न रह कर बटा हराम र ११ मन इ.मी. मही देखा । मन्त्रीय पणानी

की सगह दहाई उटा।

भादा न ना हा सार्भ हाना नुर्महाई कि माने से प्रति नु इति संस्था का विकास स्थापन के विकास समान स सार्थ अर्थ १०० " दूबा द्वान्द्रांधा प्रदान में मुरस्या ।

पर्क प्रशास के बाका ," हान भागक वा गा, मनाना ।

"शर भी बात ।"

न्या को अपन् रण्यों से जहीं स्थासका को मैं न्य हत्यत्र भी पूर्ण हे सह करे ." द्वार गहार साथ तहा दह नशास्त्र दूसके भाग माने के बाद तर कर दावारा तन्य गता

अहर अ नामार 302-216

(1.) [],]

27 17 1 physical ship H FIFT PERSONAL PROPERTY. T. F. T. T.

> +1 6 2 11 \$ 17.7 E

21 27' वी हमें है

51 115 3797 तव से

中于工

होगा ।" क्षान के साल ही बूग ने एक्सील मार्गर की और दूगर दवा दिया

मुच्य होत्र कादाबाता जगसाल्याचा दियो मे संवदाय थोरान और जनमहान ने मंतर का साग हान देखा और फिर वरा म हरकर एक साफ आर में ही गये। व दें भी जा सकता थें। अदादा देर रहते से रहता तोक नहीं द्या । भीतर ही आवाते सब रन नक नहीं आ रही थीं।

"कुण ता मलानी का मारन की देवारी में है " जगपालन काला , "हा ।" देवस व चौत्रान के होते फिल हा थे। "हनास न्यादा श्रा १ इ.स.ना टीक नहीं। बूग समानी के राय पात भी एट सहरा है। एस में हम मलानी का दूरलमात न के दूर पापन । ज रा चन अप यहां मी कुद सनमे राजा दिलाना बनाना श्रह कर दा बरना वो हमें देखते ही मृत देंगे।"

"लाईन हम दा, एक साध द्वन मन्यता का स्काबता कस

कर सकते हैं।"

र्णपक्र मत करो। में सब समान कृता " द्वाराज चीतान न कृतने हुए विक्रालार पर संस्थित हुए में और वेप्ता रहनकर जैव से एक गावी निकानी और खानी हार खान में यान हैं। यानार का एक ख़ाला ख़ाती या वा गाती रास्त्र में विचल काते गनमें । पर सर्व कर चुका था।

"रेमे सभानाम"

"भीतर तलकर मानुम हो जा ग्रेगा " देवगुत केरान ने गर्व नार ने गर की - "आजा।"

दाना दग्वाने की सफ बड़े।

पास पर्वकर, ध्रिमी में से परने हैं तरह भीतर जाया। भीतर के हालाती में कोई पक्त नहीं आया था। बूग सद्यो वाली श्वीन्या का इस्त्याल मलानी पर कर गहा था।

दा में ने एक दूसर को देखा। इकास कि गाफिर दर गाना खोलन

पूर तृष्टान की मानि भीतर प्रदेश हुए और फुर्नी के माद्य गनमैना को निज्ञाना बनाने लगे।

क्र पनां के लिए आई भी कुछ नहीं समझ पाया। तब तक पाच गनमैन खत्य हो चुक दै।

जहाज नम्बर 302-217

THE TIME AS AS ASSESSED.

্যালা বাল বালা। বৈধনৰ বীকাৰ চৰ্চাত্ম চৰ্ মান হ'বল

THE THE PERSON OF THE PERSON O

- प्राप्त - 'हा यम प्रोप्तय द्वीस - 'गा पर 'स्ता द्वा पर सम्माण गा गई

्राचित पार्टिस है हिसाब की त्या है है कि उस है है कि है कि है है कि है

नाव जातावार से इता राष्ट्रण सेवं गय है जाता है। इतार इ पाप पराक्षण राष्ट्र भी काल पर से हैं। पूजा का काल के प्राची से की जाता से की जाता है। इ पाप केंचकर कहाँ

हुत न एक एक एक शहर है है है। उन्होंने वैसा ही किया।

-क बनार का रास्त है तर नाजे हारा पर रूपाणा नाज भाषा है। देशनान धीनान न क्रामाधी साथ पा पा पा पा पा के क्रामा नाम हो देश

भारत सेने नहीं मार्ग

\*त्रात्री हुआर पर एसके नाम से गहरे "सर हुआर पर तो यान काइ हो नागरे। के शास तो संबाग "तृम लार भी राजेंसे अ दें

Water to the same and the same of the 117 F 7 25 " 14 dat - 1 100 E. H. 32 --- 2 2 2 2 2 2 2 1-11-17-17 W 2 21 7 1 4 " 2" (1) त गरा तक धर्य गाँ । ह । इ । इ । इ । इ । इ · । विकामी और फेंक टी — व न , प ३ र ३० त ना गता 🗥 हर हो 🧗 4 2 2 2 1 1 2 · DET GENERAL SERVICE 7 [7 [] 5 [] 1 \$ 61 L - Sill old & wall ittle to their ART R - 4524 F 107 117

TERMINET OF THE STRIPT STRIPT

द्वा है साल से प्रतास पाढ़ नारतन कार मीज़्द दूलने लाम भी चीकी। दूर्त का तराज साल का नाज हार नार

TZ 1/2 4 2 1 2 2

दूर ने जान सार्थ के अध्यक्ष क्रेस प्रमुख एक राज्य वर्ष कर्म समाज माग्य स्मृत एक संस्था क्रेस क्रेस भारत क्राव से प्रमुख क्राक

भाग है। दे हर है दोन सम शता है है अबन्द हिला के अप है। स्थान या दो संबद्ध स्थान पूर्य सहज है इस न है अपनी हो तम जो ने देने इस्पे असे सोया हो है नाम प्रजान है का प्रकार का उसके स्थान हो है से है नाम प्रजान स्थान का उसके कि जान हों है से है

्रेश र योगान गार भाद हुए हा आहे राजा है। भूग के देश पर समझान दा

ां असे तान नेन दारी बान गांगी जां । वादा हैंड यह देंद हर गं माद्या दा रामन दा जांगी । हम हा स्त्री हारी तो वे हेंद्री भा हाज में माद्रे हो। ने ता विकास स् मन क्रों में तदी जो ने स्पान हुए राम है। ने हम र देंद्र त

"अरो प्रशासना केला केला क्षेत्र ना

्रा प्रदो व्यक्ता ३ व ४ भूति ।

महाम नम्बर ३०३-- २२०

हुत का नेटरा ए। स से स इ रूप नगा

दे दूध कि के हरी का रह ," वू " ने कर से लाहा जाता " "त्नान कर स्थार " अपूर्ण न भीत्रान वे स्थान स्वार से इन धास्य पर्वार कृष्योष्ट्र र मान्धी हे का न रहते से सर ए ह करते पर विकासी की तेनक सा पद हो, हत में असा . " त अतंत्र भी पीत प्रमा गांगी हो। यह ति व ति हो हा र व व सन्देश को सुर्व को प्रशास बाह्य देश हो। जा

तम्पारत ने दूध काथ में लाग पहर हैं।

पार्थि अपर बचारे का प्रोहिश " धन ए न १ "

AMERICA E BIS BER A TOTAL SERVICES - C. T. T. T. P. "कार् अपना नगर में न 'वार "

तण्याहन भना में के नेतर है नेतर है जा देख शा तथी हैं। र्यात ररगत सी नगर में आह दी

"इति है यह " तण्यास्त ने भें हे दे दे विशे न ए हे से पाए "बुरा के ग्रासन है। त्यापन विश्वासाय " प्राप्त धान स्वर में हाउ पीचका वाना।

इस कार दुसरी आजात गृरी।

"तुम दान्। अधन अपन हाय उपर कर ना।"

जगमाहन व हास म द्वी मानुकार नमी भाग का क्षाप मन्त्री हा द्यमाई और बार उपर काने हर दूम गया। मन श न पापन पित्रीना पा हाथ स्तुतर द्वा हय अप इन नाद गत चिता, देश हारा बाचका खदा हो। दाना हाथां ह बीच द्वा विदेना का देख पाना आसान नहीं या।

इसके साथ दी दावार की तरफ प्रकास खड़ राज्यन कारन कारन तारह स्हिन अप अपने अपने हीचपुर र्याइर प्राप्तान ने जे सक्षण्य में हालानी ने प्रत्या न्या लाग ह्या ।

तुरा स्टइग्सा । प्रित्र हमा । तरणे से हली "अब द्वाग व त्य, इसस् मेग ए इन् नार्य व न भी प्राप्ती की केन्द्र बहुति, भी बेन की सभी केन कर करता । का पर की आन्द्रस्या हरद्याहि, अव प्रश्ति भाग का द्वास्था म मासम की यह रहे हैं। जान प्राप्ति प्राप्ति हैं। यह का साथ का स्व नाओं, आपनी रिप्तीन्स स्क्रिये श

भूग रा इत्या का विश्वास का विश्वास के विश्व

स राजा क्रणा रिकार में क्रा के वाहर कर

न्तर र प्रति मार कि का स्वास प्रति प्रति प्रति । स्वास प्रति स्वास स्वा

द्वान योगन रात धार्य प्राप्त भी गाँच गाँच दे । वा प्राप्त प्राप्त का प्राप्त

न्यो दरा के इसम्बन्ध स्थापन स्थापन

भागता रहता समामिता से गया। स्राप्ता रहता समामिता से गया। इससम् ने पान पा हो के साथ को स्राप्ता को स्राप्ता हो। भागता से पान पा हो के साथ को स्राप्ता को स्राप्ता हो।

गिरा नार नार गिरा दे " गायन गार र । भारती का शास ता गाउँ गाना नहीं दा । उसने गन नीचे भारती का गायन ने गार मारगार भारती पीछे किया और

-----..... 17 7 278: 10 2 - 12

THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH च्छ रह भाषाता सामा सामा मा तह तो हा किया । जन्म PERSONAL PROPERTY. FTOIT TO THE F 27 1 2 2 2 2 2 1 1 E 40 3 3 THE SECTION OF THE PARTY OF THE ATT TO UNITED THE PARTY OF THE इस क्ल वहा कोई वनमेन नहीं छ। THE RESERVE AND ADDRESS OF THE RESERVE AND ADDRE - \* The H 100 F 7 A 7 TH 1 A 25 THE STATE OF THE SECTION AND THE SECTION THE RESERVE OF THE PROPERTY OF THE PERSON OF 5- - 7 2 T + A 1"F F T T T T T T THE PERSON NAMED IN COLUMN To make the day described to ার দেব কা प्रेम पाना प्रति हो । And the state of the second se द्वार प्राप्त के साथ के इंड राज के व के प्रत्यक्ता हो समय क्यान त्या ए का हा भाव ना मा लगा हो गरी शोश दश्य हो सह ता । । । । । THE REST OF THE PARTY OF THE PA चीनर जाना है। कुर को बहुत सम्भा स गाउँ र हर है 十十二年 第二年 2月 1月 माइज इसे इसर हो सनस हर सा जहाज मध्यर 302-224

कि सिने देशित से प्रिकेट हैं। उन्तर उन्तर उन्तर साम हा हर्षिन केण को रोजार रूप गाना ने गा को साम देवका या नोग फोड़ का , प्रस्क को रेकेट ने का सम देवका पर सकता हा

परन्तु इत स्वा हा स्व प्राप्त म भा नहा ना सङ्ग् या

संद्यना र क्राप्ता र र र र र र र म न्या सन्हण नाम यो कि का स र भारत र क्रार ग र र र स स्वास्त्र निर्मे यो कि का स र भारत र क्रार ग र र र र र र र र र र र र र निर्मे यो क्राणा का क्राप्त र र र र र र र र र र र र र र र र निर्मे यो क्राणा का क्राप्त र र र र र र र र र र र र र र र र र र

सहित्याच प्राप्त अपने के स्व में प्रता

में ना राग रेग में इसर संबाद र है इस स्वाद र ता स्वाद र ता स्वाद स्वाद

एक प्रारं की महतन के एए इन् महत्तान ने तीन पीट चौड़ा तीन प्रारं नम्या और ए दूच गहरा खाना देगार में बनाए हर नगक नक्षतियों के एर डार पीन चित्रा पट्ट थे। इस काम में आयान ने के बगचर टी उपरों थीं राज के कन के आयान भा तेज ही थीं नाकन क्षित्र कर का कर्ड खनर समा न अपर काई केविन का दूधाना यहचाने नहीं आया।

यानि कि सब ठीक रहा या।

दूस सारे काम के दारान साहन्यान सिर स पाउ तक प्राप्त से भर तहा या जा गो बैंट के नीचे बेटील प्राप्ता तक को हाल से आने को है जा ने साहन्यान ने संपुन बेटी, केर गोफ या

मोती प्रापंदा भिग्नेट पीन के पाश्चिम सनगणका । में फमाइ प्राप्त दावार में रास्ता दनाने के दाम में गण गा।

इस बार पान घरता हो लगा। दीवार कृत बारह इच भादी थी। वाही की छ इच हाटन म

अहाज सम्बर 302-225

स्था । । । । चन् सीम नीम चीत्र चीत्रा सीन प्रेट । । 4" E " S " E नुसन अब म विश्वालया विश्वाली । वेदन मुझ साईनेसा मु A F T C P ME TO THE COLUMN are the state of t E7 1 म " रा मा भाग ५ " , " , " गुमक बाद रियोज्या साथ, जा Tit if it had feet by a to the break of NEL F AND MARKET MARKET AND A STATE OF A STA 至25年 17 17 年 17 月 18 18 18 19 2 र के द्वा हर है । जन्म म वा र रूप्तान हिल्ल हे साल देव प्रत्य से ने देव ही है है क्रम के त्राति ह प्रक्रण का यह कि शास्त्र नाले हा 2" " A A TEST 1" 7," MI ATT 12" TEST SIS EST 2,5-1 112 22 2. 21, 23 411 2, 2. 11 42 w ्र भी असे सी देंग की कि कि कि सी सी है। कि से कि for all to the total but the total to the there was नाइन द्रा र स च पर्यद्वा रा रेप रेप र्या। इ । व्हास अप्राप्त विकास के त्या अप्राप्त के लागा म्हा । नहा पुत्र विद्याली पुत्र ने १९ वृत्त महा हिए पुत्र होते । दिल मन्य व र म - १७६१ भाग म मा मा । महत्त्व हो सुम् र कुसन् सरक्ष सन्ह स्थार में हता. माहन्य प्रत्यात प्रत्या हो । इत्या महायुग्या । इत्या प्रत्या । 47 :511 महात कृष्या ३०१२ - २२६

ीक ही गास्त्र करण करण काल गामा विशेष्टर अंदरश अस्त्रों देवा व

"प्रदेश का का का कर भी भूग कर की साह "

- 11 -11 -

रोता के बार पूर्ण की बहा सहस्य का के कुल के स्वत्र के कहा की करता का कारण

सामानार ने तम बात इतको प्राप्त है। यह र 'हे हैं उसकान में नज़र आरम् ।

" । शब असे रोगे इस व

ंगे शांचा भाग का और जुल तला एक वा राज्य ता विकेश का

े न्यू की क्या सनाम मार मार का वा

सन पान गन नान गण समाम मगा।

्रिय राष्ट्र सदा बहुत की त्रीदन पक्ष ना है। स्रोति स्वर्थित स्वर्थिक स्टब्स

"साहब की बहन, जहाज पर--।"

"ता गर्ध। हम भी जहान पर है। तल्दी कर मुझे दूरा के पास ने व्यन ।"

तर क्ष समझा या नहीं समझा। लोकन सिर विजान नया। "मृह से नहीं पुरंगा कहा है बुरा "

"या तो गम्स होन में है।" कहने के माथ उसने माजनान है हाथ में पश्ची विशेचार को देखा "यह विशेच्यर आपने राथ में क्यों पश्च रखी है। यहां तो काई खनगं ।"

"बेरहुफ शादी में आया होता तो, या संशल ने करता। तब एने हो गई थे, मैन तब भी रिगॉल्वर पकड़ गंबी थी। सब तान श्री कि एक हाथ से खाना खाता हूं तो दूसरे हाथ में रिग्लंबर होती है। पालतू के संशल मन कर। बूग के पास चल ।"

"आईये-?"

व सव पात्र मिनर व नन और वहां की व ई जगते से म्हरने क बाद, सारन तान को निष् गनमैन एक देगर ने के संभन कि का और उसने सारन तान की देखा।

जहाज नम्बर 302-227

ाञ्चा है "साहदशाव व संपूता गारमेन के जान पर करीब से भाद राजा "भाप तो बसा पर कहें बार आ लड़ है " ल तोत्र में इस प्राप्त

निवास नाव बात काता है। वृत्त न का का का निवासना है क्या ' स्टब्स न सस्त स्वयं में बाता, सबसेन के होते (क्षेत्र है)

ारीन को भारत्ये सिक्त सारी पूरा है कि यह देखा से अला है. है क

"अप पर दिस्तान करके आपका में यहा तक में आफ अप पर दिस्तान करके आपका में यहा तक में आफ में आप में पहाने मैंने आपका कथी नहीं देखा। आपने क्या आप बूग सहस्र के तीता है। मैंने यान लिए। यह अपना किला के लिए, आपसे यह बात पूजे है कि कर्षी में किसी मनत्र अपनी की ती यहा नहीं ने आप " मनदन ने ज्ञान मनर में कहा

"गजत आदमी हैं -ब्रूश के जीना को यात्रों कि नू मह गनन आदमी समझता है।" साहनताल जैसे हेन्द्र से ख़बुर पण के समझ मी रहा दा कि मामला विगड़ने जा रहा है। "दश खब वा को बाला है।"

"तहा " सनमेन उत्तवन में पड़ा।

"ৰৰ বা নহী −্"

स्थाननान, गनमैन को उस दरजाओं से पन्द्रह करम दूर ने स्था।

° अब मृत औ मैं बाबता हू।" "तं ."

्ब्रिया कर में कल नहीं लगता। इस मान का तो मेंन गण्य कभी योजना भी नोर्न देखा।

"क्यार" गरमेन गोहर। प्रगत ही प्रत्यां स्राहत सीधी करनी वाधि।

तद तक माहन्राच के हाथ में देशी, मार्थिया लेगी एउँ। ए

जहाज नम्बर ५०३ - २२४

\* 4 ---

\*\*\*

-

. .

.

127

\* 1 1 1

T 4" "

F 19

\*\* \* 5

ः म

184 .

4

2 2 3 5 5 5

ear so 1

THE RESIDENCE OF THE PARTY OF

.

198

Me

इत क्षा है अर बंद्र छ।

THE STATE OF THE PARTY OF THE P

मार पाल को एक प्रेट का प्रति हो को ते को का ते कर प्रत्य होता । जब प्रत्य की की माला के को दी की ते की ते की वाप जब प्रत्य की की माला के को दी की ते की ते होता होता होता होता है।

दरक्त में पूरी आकृता गांका गांक मन देखा भी थी। हारी यो नहीं सेन के करण, यह कि ने को नियु में में ना सो पीर हरस के नियो भी ना देखा हुए शुरू का गांधी।

केशनार किया पर पर पर स्व देश वर्ग थी। वह का नहीं इ. मह ने था। सिन कम से इ.व. वर्ग था। कराकि का की दे सा महाने था। सिन कम से इ.व. वर्ग था। कराकि का की दें। सा महाना के मुख्येन इ. मी दूर था। बन्धे मनमेन को का न

से ... र धा । ज्या के क्ष्म ब्या थी। क्ष्म माने होते मनमैन थे। बाकी इंडा न क्ष्मिन ज्यासन्त के बनी और भारता मास्त्रामी थी। हालो

न्यान मन के राष्ट्र सन्ह विन्त्न शब्द शहे थे।

्रहार में उन्हार का प्राप्त का साम के निर्म की साम देखन स्थान के बाह का प्राप्त की साम के निर्म के साम में जात की साम में जा की साम में जात की साम में जा की साम में जात क

ातिहरू विश्व कार्य कार्य है । या साहित विश्व के बार्य कार्य के पूर्व के विश्व कार्य कार्य की की विश्व कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य

15 FF で サフ ルスチサヤイ オーターファ

ानुम्हण कान खाल है। जगभारत हर । उसे महार नहीं रिपा या हमने नक्षण रोम्सी हजून का गाया नाय कर ना नुम्ह, अपनी गाँद में ने रने को भा यह है पा या।

"पन्ता" कृत के तोर्ग संध्याभाग ना रि.

"अब मेरी बाल तर हा है सन्तर्भ के राजा है। हम कर "
प्राथमिक बन्दों से कह हुता "मैंसे तो राजा हो। हो हह हम बात 
क्रिन्सर मुम्में चन्त्रे। देखा है तमसे क्रिक्त माजा है। तिरापुर मूल बाराया। इस पर इस्तर का पा विकास हम स्थाप इस है। कि दिन्सी का माजा मीनार मूल जा राया।

ब्रुटा के चेहर पर काल भाव 🗇 र ।

"हा। इसका मननव तुमनं नहीं देखा। त्य इस संग्रह से नहीं पहुंच होता."

राजुका कार्ने से मारा आ रहा है। रहिदार को जेसासे में क्या होता है।

जहाज नम्बर 302 - 230

7 72

C F 7

1 3

- ×

9,0

7 11 -

मुख्य व

त्राह्म

FT :

वण

F.

मान

tin

4

Ţ

"सोम से लकर आहि ६**) ।** १ क्यांन ध र इ. १९०१ १ . शुर्म शत हो यो व श्रुष हो जाता है, और सूर्व कि 2 100 1100 उस कन्ब भीनार भी।

"देखा है।" जगभारत सक्यकाया - "क व

ray and the first वें कहा- तब रूप यिने भी हो।"

E 2 4 7 7 11 11 1 1 2 2 1 1 1 हिंस के हे हैं के इस र ए हैं य

बूरा के दान भिन्न गये।

That has suffered to the second of the second

है।" ब्रुटा गुर्गया।

भागिया ही नगहराहे कान रण व । र पामिताक्षमा बना राज है से मुख फोरन क्षा र

एकाएक हुरा हस पदा।

मर्गते हर हुन्सान हो पासलस्त्राते हो अस्तान र । जारकारन " जूरा न विदेश स्वर में कहर के से अंगा का अ को इपा "माने संपहन है गुलगुरुष है इस न हिन ावहत क्रा "देशपुत कीरान हा स्काला ध्रा

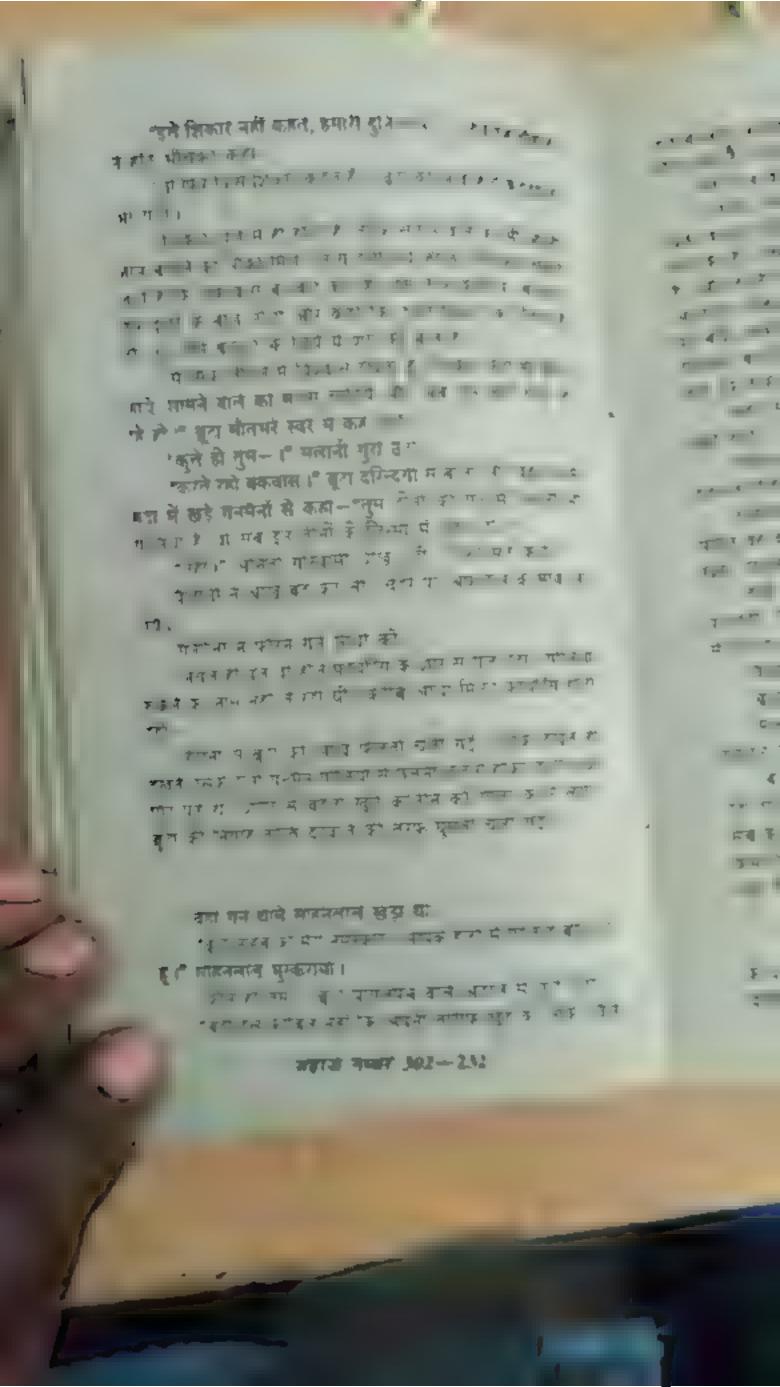
"मरना नी सब्हा ही बूग नगरा है यो र में "द्वार १ र "

बूदा हस पड़ा।

"में मीत से नहीं हर रहा कूण में गरंग है है न क चक्र वह में फस सकता हूं इसारियं राज के ती एवं वाद के स्थाराय नहीं। सिफो एक ही अफराम है। के इस न है के उस बांधकर मुझे मारा जा रहा है।" -

चारमा अपरा रणपूर्व हे "ब्रा रण रूप 🕡 🕡 🕬 🤫 ्ति का है, कार ताम विश्वकर करण है। स्केन ये प्रति प्रति । क्षित्रार क्रम्पा है। पहले हर भी गरन संप्रतार र ता १००० व बाधना है। सह बार संतपा गय के मा तर करा। तुष मरने जा रहे हो।"

नहाज नम्बर १०३ २ १६



इस काम है। राज्य नवान गरे प्रसन्द नहां -

ता उन कर रूप है है। राम संसार । इस रह रू - सम्बद्धा किया स्थाप प्राप्त स्थाप हा । मुख काल यांची या करा है सहा राहा से पढ़ प्रजा का अप्य क्राहे जिसमें की सुम्माहर का गाम मा भाव पा रख कर है। इन इनके दर में आपने सिक्षेत्र को दिया है एक है जा क्र कर्य दोवा है गाँकिए " कड़न के मान हो गाहन राज की गी प्रवाद प्रमान नाम क्या भीत्रका सन क्षी रही पर में नहीं रणारम् बाको है । साल परचेश्ने दो हेशान से तन हैं भी नि कर के देश स्था में मजाने कर जा

-पुरुष महा पुरुष प्राणीत को आराज संवक्षा तरा तरधन कारे हार पुन्द कामाचना जनारे हे <sup>प</sup>

प्राप्तासार दे होह कहार है प्रारं समारी को प्राप्ता देवगत चंद्रान ने कहा।

साहत्रनात संचानी है पास प्रस्कृत पस ई बाज द्वापन नाए परन्त् वह ब्रा के पीर पूर्ण नरह समझ द्या र कि अपना नगह पर खुरा दापन क्षेत्र की नवह गुग तहा दा

तथा दूरा के निकार देशारी की इसी के पाम यो निवीन्तर प्र प्रं दे जो सहसही आर्थ मिने वा बूग ने आहा ही अर्थ में असे द्वारण किया कि नियान्तर की प्राप्त नगफ टाइन मार दे वैक्षारी में निवीलर को देख किर दूरण माझ प्रावृत्ता गिया। बूग दाव प्रसम्ब रह न्या।

मनमी को मोजन के बार, मारनगत देशान रौरान मी

स्रोजन लगा।

बदन में धमा परि मर्श की वजह में महाता का हरीर अकड़ रहा था। यंता के कारण भिर चक्रा रहा था। परन्तु अगले हो पन, स्व क्ष भूनकर, वा मोहननान के हाथ में धमी गृन पर अपटा। कम में इस सादयनान को मतानी में ऐसी किसी हरकत की आशा न्हीं थीं.

गन मनानी के हाय में पहुंच गई। अगरे ही पर गन से जाने कितनी गोलिया निक्तीं और कूरा क शरीर के हिस्सों मं धमती चली गई जो, वैशाली की कुर्मी के पास पड़ी रिजॉल्बर को झपटकर, उठाने जा रहा था।

जहाज नम्बर 302—233

देशा विभागात्र स्था स उर राजि हो।

विष्युन में दूबा नाव तथायय पता था को उपन हा भो भो हा न ने पिता था। अपने दिहासमाह से वा महत दि हात

सब हा जिसाह बाप की नाज पर 10 ह थे ही थी

"पैने ना सम्बा या उप, तम पार्य तर रहे हो।" सार्य न ने प्रकार कर मनानी को देखा।

म ॥ तो के दार भिन्द रूप थे। चेटर पर श्वरण्यक भार थ "बरर भारतन थान थर ग्राहराय सदा " म ताना दान भी दुहर १९ उठा।

वैज्ञानी, भोनता गार्गामा वा हो साचन नक था।

रंशात चीहान और त्रापंटन के न्यान भी खुन गाउँ प्रत शांश में धुसी सुरंशा ने उनके जिल्म का अकणकर, नग्भग नाह य

तभी उनके कानां च कई दोनां कदमां की भावानं भी भित्र देखां की देखां गूने देखां ने से ए गनमना ने भीता प्राप्त हिया जो फापारंग की आपात स्नक्त आये थे, मानर का नजाग देखां ही उनके चंद्रग पर भविक्षास के भाव आये, उन्हें विकास नहीं भा गता था कि ब्राय पर गुपा है,

म्बाना अपनी पीट्य का भूतकर, यन धाम आग बंदा। याच वी क पान पट्या। असकी पून का रूख यनमेना की नरक ही या और चेहरे पर दृढ़ता के माव थे।

'रेग्ड स्था रहे हो।" मनानी सरक्ष स्वर में बाना "ब्राग मर भू हा है। मरे आदमी का संख्य, मर कर हो दिया ना सहता है लोकेन मय साथ सुम नोग जिन्दा रहकर भी दे सकते हो। बोनो क्या देगदे हैं "

ब्रेंग की मौत के साथ ही मार हावान बदन गये थे। "हम आप है सवानी सहब ।"

मानानी के चंहरे पर राहत के भाव उभरे उसने गन नाचे कर ली।

"मेर बदन से महेवा मिकानो ।" मलानी बाता ।

दो सनमेन मलानी के जिस्स में धर्मी सूर्या निकालने लग गये। देशाली और अभिता गोम्बापी, देवराज चौहान और जगपहन के जिस्सों में धर्मी सुरंधा निकालने लगी।

दस मिनर में ही उनके जिस्मा में धर्मी स्ट्या निकल एका

THE RESTRICT OF THE RESTRICT O

\*1 3 -0 . 2 \* 1 3 . . .

न्धी क्यार इ.स. १

क्षा के के क्षिय से " भवाता । इस "कि कि है। क्ष क्ष तो नहीं है।"

निका पूर्व प्राप्त काल गावा है। धारण है। १०

्त्रता वर्षाक्रम कृष्य के भगण गर् १३८३ १ ( स्वयंहर उत्तर्भ में कह उठा।

"वा का वर्षक पाकरणम को भेरी रहम वा राष्ट्र राहते की गुज का लाग कार्य । के को अभाक्ति कारों में दे हैं है । व नुस्स कर भा सामें है जा के वे किस में उन

भारती न रसमेन से रेस

ह के छ ग्रामन पोरन वारा निकार गरि। देवगार चीतान, जगमीत्र, साहनणान, माण्या भूगण भा अनिया गोस्वामी, दूरा के बाजम में पाई।

□□ टीबार के साथ करीने से तगा गई थे, अन्ती पाने पाप होत । भार धार विकास देने इस्त विकास है है है है के प्रति । करोड़ डॉलर थे।

"सह" जगमादन की न वा पश्चाक में भी कि प्य लुपका - "प्राप्त करण्य दोनार द्वारे नी तक्ष का ग्रांक के मज़ा आ गया! में तो —।"

पर शायद रोहार भी न पिर पाए ।

नभी देशा है जामानन के पान प्रकेत.

"हेन"," उसने रापाहन हो गोर पर पर

जगमोहन पतदा।

"प्रदान म्सं।" वैशारी म्राग्रे "मै रकाने त्रारे है।" "प्रदान म्सं।" वैशारी म्राग्रे विकास स्वान है।"

देग्वा ।

गहा, सा हदान में नमने अभी शाही नहीं की प

"नहीं— ।" । "में नेप्यत शाही के निया ।" सन् मी प्रश्नाम । मा

बैसी बीवी पाकरं--।" .

राष्ट्रकार से का दूरा। बात बने के पूर्ण किस हैं ।

न्में मृत्य नहीं हु कि दूर पर प्रांघर शर दिया । वी सर बनाइर बारी।

"मतरब कि मैं बोडंबा 'डू " १ "

गावदम हिर योग छप्र क्यो गाव रण १ पे दी नते हैं। स्मये बार्ट शाबुण और कोल-साहोगा।

"मोलो ते" जनसहस्य स्थाप के कहा गा है कि पूर्ण है है। महत्त्वार्त है

"का" मनाव "

मि अध्यक्त कर के बाम्बर हूं, एई गर्मा, इन्हर्न हूं हो है से शहर करके नाम मूथ बिगाद रहते हैं। हो एक पूर्व पर जाती हैं बात कान है तो कर तो मान उसकी पास भी नाम है। ते हैं। बात है कि एम जहान का बन्ह नहीं सिनना : नाम हार प्राप्त को प्रत्याग तब यह वो फाने पर भा नामगा। भर न्व कि स्वा हिस्त प्रतन हो। से भोड़न नहीं है। तम बुन नगा है है है से शिषाशिस विशियण। । भ नहीं कहा भिष्यक्र पर पत्र है । । । न्ति प्रज्याभाषि यस पेम व । "।"

वैशाली ने मुह बनाया।

निष्म म्झस मराक कर गई हो।

नभी साहनवाद पास पर श और इत। प्रात्मार वीता।

नाई मंदी तार्गिक कर रहा है। साहनजरन करते हैं पृति , मरे लायक काई सेशा हो हो वो गो। मुण हूम प्राथ मार्थ नाइन बड़ी से बड़ी मूंस को बाद्य गाइने जा इस गाइना है। 1म ना भंगे नवर्रों में कड़ा ही हो। यकीन मारो भार कार क्षीफ बता हु मैं। नाग भी शान में नारीकों के पूज खरे हर दे हैं, जैसे कि दोन्तीन पुल भूभी अभी तमसहत ने खड़ किए हैं।"

"रारे तप ।" वराती ग्राज्यका कह उठी।

"हो जाता हू " सोहनवात न तुरन्त दायें-बार्वे सिर हिलाया। देशाज चौहान ने मनानी को देखा।

"भूरा की मान के बाद तहाज पर अब तुम्हारी क्या पालिशन

- हे 🔻 देवराज चौहान ने पूछा।

"बूल जेशी ही है।" मलानी ने पक्टे स्वर में करा "जहात

घर मंति पूरी चनेगी।"

"तो इस जहाज का भीरन सकता तो ।" देवराज चीहान ने गुण्धार गार में कहा - "यह जहाज ममन्दर में रूपने जा रहा है। यात्रियों और तहान के कर्मचारियों को सफरी बोटों पर यहां से निकान दो ,"

"तहात को तवाह करने की तकरन है " मनामी गम्भीर हो गुरा। "बहत अरूरत है। जिस राध्ते से जहात में मात्र लाया और भाग बाता है। इसके बार में बूग के कई खाम गांदणी गांन रे हैं। हाई मी हमी गम्त का फाउड़ा उराकर, फिर से द्वा वाना काम कृष्क कर सकता है।"

ांक करने हो। मैं अभी घड़े मेंद, अतीन मह को कहता हू क दो पर दर्श को सुरक्षित पानी में उतार दे। ट्वन रूप में भी

संबद्धा समझाकर आता हूं।" मतानी बाता।

"त्रहा |" वैज्ञानी फारन कर भी । यसाथ यशी है। परीर भित्र को मरे बारे में स्थेजन बान देना कि सबसे पर्त या पह बार म ज़िराये।

"शादों नहीं कानी क्यां " नगमोहन अस्यू से कह छुता।

अहा म नम्बर ३०२ - 237

त्वो भाद की बात रें। 'क ' तर को इंड एश है का मलानी की तरफ बढ़ती 🐩 या ए । न्में तेयार हूं। मेरे व्या न्य बण नुम्ने पृथ् देन्ता ए नहीं रात्रा । भारता र प्रतिस वा गा। ' र ' 'हे से, बान से क्या है कि चिन कर मिला । 'रूप' व प्रमान में सहा। "र र प्रारू " प्रसार्क ते मारेन मा सा ताला।" ... । न न गरी सल गा। ' संस्थाता ।' १ त्यात नी गान वो स्थात की शास्त्र हिला ।" ध अभी भीर देशानी वालर विकास गरे। ारण स्वास्त्री, देशा र नाजन के प्रम प्रसी। ाम बर्ग प्या इन्सान हो। अपनी त्यान हे पहले हो।" क्षण मान्याया हरार ये क्षार हे भार थे। ार्य में देशाज कोशन हो ते से म्हहताया। व्या शापन करके न्यने देश का ही नहीं, जनता का भी क्षत म गा किया है। न पिता उस ह हा पे रिन्स् रीन में पीत की होययार, अने भग क्या तथा ने लाते। तुम महाद्रा के सन्ये दोस्त हो। अपनी गान पर राजारर, रूपने महादेश यी मीत का बदला निया।" अनिता गण्यामी का गार भग एग - "मनानी को भी बचा निया। मूझ भी वयाया नी तो बूग मुझे अपना थि तीना बना लेता। मैं-।" "भोगों इन बाबों की।" सहकर दबराज चाहान ने सियेट म राह्य है । तभी सोहनतान् दीता। "स्थान है। भोक्रे पर आकर मेन सारा भाषना सभाना और या करा नाम तह नहीं।" असम महिमाणी ने मानी भागा से साहनलाल को देखा। "एम सब एक ही तो हो। अतम् अतम तो नहीं -।" त्राव में मारवयान मुख्यान हम् सिर हिलाने लगा। ीर अगुधारन, या नी डोनरा शत्रे प्लास्टिक के बोरों के पास मार्ग क्या हो। 00 महत्त्र के के विकास है। रहर हे सार्यन बन सुरह या। अफ्रास नफ्री का माही न पैस **बहात नव्या ३०२ २३8** 

4 TS 2 " - E" - 1 - 1 at any article and article article and article and article article and article article article and article The state of the s 3779 61

THE PERSON AND THE REST OF THE PERSON AND PARTY. \* F 3 7 C 4 17 4 17 F 27 5

COLUMN TO STATE OF THE PARTY OF STATE AND NOTE AND ADDRESS OF THE PARTY. 

THE REPORT OF REPORT OF THE PARTY OF THE PAR

म्रोप्राप्ता वर्षा वर्षा द्वा । र देशम्य वर्षा व नाहर क्षा पर प्राप्त है। इस एक भी वर्ग गरा रहे , A TATE OF THE ATT AND A PARTY OF THE रे । पाराजा वर्षा ।

नाक निवा है। ये जान र स्थान को जादिया । देशन ने स्टान ने THE .

"इस म इस हाई पाण अतीता " द लाला व इना इंडान चीनान के लिया स्वामा कर केंद्र विकास 大田田下京 マラマ まま 山上 む」 は2 本山 大山! मतानी न प्रांचन नामहासी ही देवा । "प्रतितः कृता श्रम् रा गया है। यह हरात भी दूवने जा रहा -----रूटी करने । - - - --- 4. 2 ... प्रकार का का प्रकार के द्राप र प्रकार - रेश र रेश प्रत्य समझ से बर्गा कि कार प्रसी गार हो। क्षा कर न कार गर है । इसाय धार्म ने कहा और वहा नो क्रम प्रवास करा किए के करा करा प्रति तर प्रति के का काम थी। रतर १ " के पूर्ण के बार कर हैंगा। " द र र म महर्ग के हो में प्रश्ना गणह इन नामा प्रसं में से प्रसं है " रताक रह इ प्राप्त खुंग तारा होता रा रता ह से पार्त पद्ध सामा " प्रारक्तान में पूर्ण ( राजी । प्रकार ने भा कियाद प्रवासन एस राजने की चारव कुट अप केंग्रास पूरी से कुए बहोना है। पूरे का भार कीर श ला रहे का रिमा का इस राव से बनाया ग्या है कि दो प्या गार देनों ने कत हवा भी भीतर नहीं आ सकती। हराद है "दे राष्ट्रा सा एक करने से एत भी पुनर नहीं लगाया जा सकता कि के विभाग अपनी जनक से कर सकता है।" संचानी ग्राधीर की मैं करण गाला या एवं मन कार कर के लिए एए है। इस नीर् माबद्ध भव के इ.स. मा मा मा मा पाउन । बाहर से पान मा समा साथ काल काला से पड़ रहा धां। धनाले को बढ़ा भीर दी पर पर पर्नी चार प्रोप नी मी त्र क्यार राजी प्रतिस्था के प्रस्ति प्रतिस्था सूचा ने तहाज नम्बर 302 - 240

And done Eld . 40 2 A place hand had be a let of the state of 北京教育工作一个工工、作者了一个一 रेप्रेष्ट रेट रेपाई प्रार्थित हैं। 東下京\* マッチ・マッカスアスマース スポース マー・マー स कियारो प्रकृत स, ज पार्य की सिंग न न मा अन 和京山林寺上山山东京山东, 上江、东、江山、东江、江江、江 द्भी वहा प्रवण, गा न्या संसी ह पोपा वाए हा ए है जा इस महाकार के बार की है मीन्या कर हा ही ही। उन सबने गण बाहर देखा। स्मानं व (व्र की द्वार म गोगानत हैंग्यात कृत व प्रकृत न नेव परण प्य ह रिस पर कड़ बरन मना पारिस है। राष्ट्र बर्ग दवान हो गाला है असे बने किया य प्राप्त शहारी की गई गई जा की हर लीज मार्थ नग एवं नग रहा पा नारे की महत्र हा पण ह प्रार्थ में दे, बन नक ता तती हो बात कुन्या रहती में हिंदा ामको क्यान क्यान जाने क्रिया हो । इ राम महिला नेच्या व्यव नेच्या नाम हो। गांक बागों के देखन का जाते का लेखा जाते तथा का बाज के वर काले का है गए हैं गंबर रास्ता, करा प्रदान के प्रदे तक जाता है " सम्मानन ने पुष्टी ( A. क्ष बाइन बार्स प्रेमिक नहीं," ेक्ट मुख्यक <sup>क</sup> सामारय हो या है से हों 47 ं पर राष्ट्र में रोगिया के राम है, ज़रान है हमें है ने राजन 25 र ता क्रांच काच है ये होते । कहने के राज्य ही यो राज्य स that भाग का राह में द का किया है। एक बाम दका दिया - 7 F अन्दर्श पुर सब्द होता और महार होता । महा अने मा पह ल 77 11 भागे देशक कि राज्या असा का मा वा, को अपने जात TY XII त्र कार बार की ने देशका और किर खाएं जाके भरका 7 元元 ए प्राप्त स राप्त र सह पार पार पार काल काल वारण पार ने दे ाके और एक कहा काल कहा । धनक ने मन्द्र नंदर्भ पर जिल्हा पारी। "तर ना जना आप है। इ.स. है, यह उत्तान कर असली जना 17 62. 1 बहाज नम्बर 302 -241

है। जो नना पहले ननर वर तहा द्वा वी इसकी भार्ति हा। जा हर त ताने ह्या पहले है। पार्जी के ह्या हमसे से हवा भी नी क्या कि सही। जीवे इस राम विकर्ष सुद्धा और महाता है। पिय नह सही। जीवे इस राम विकर्ष सुद्धा है। पार्म सार नीचे हाम उपर क्षा ने से पपनी जात से हण है। पार्म सार नीचे हाम रा भी वपनी उद्धा से हर जाना है।"

न भ पर । भ व्यार समने नीच पाते त्यान को हराया ते जनात मे पानी का प्रदेशा पर इस जायेगा। देशाल चीतात ।

महार करते हैं। हिन एसा नहीं उसे हिन स्म है। सहस्में क्ष्मा करते हैं पह में स्म क्ष्में क्ष्मा करते हैं पह में सब बगा है। इन में स्था में

पानि कि स्पर वाचा तथा पूर्व पटन को तरह अपनी जगह पर आ गया।

सना ए ने रिक्ट क्टान से नगा जन्य वान द्यारा और सीधा एको हो गया। इस बार बटन दवाने पर उन्ने उस गररे हा में को भी, कोई भी हरकत होता नजर नहीं वर्ष्ट्र।

स्टिन एक ने सवानी को उपा ।

ो अब झीन सा नुमाशा दिखा हरे हो।" म एकी होएन राज हो देखहर स्ट्रायाः

' बाहु ने बहा ,"

दा भिना भी न बीत हागे कि मनानी ने पन वान देवागे।
एवं भी का नहीं हुना। करीब आधा पिनर हरा का मरानी ने
पन बान देवागा नो नन्य नान काला नता, पन परने की है। वाल

लग ने रा पान सब्द शहरों पर हेरानी उभागे।

सद देना है।

इत प्राण को को वह पत्ते हो पर बूद भी न बयो।

सर पत्ते को पत्र प्राण हो वहा सलस्य में चना गण है।

सर पत्ते को कर्मा के प्राण हो वहा सलस्य में चना गण है।

पत्र पत्ते के क्ष्मा के स्थान के स्थान हो।

हान पत्ते प्राण प्राण है है कि दे पार प्राण है में प्राण है के से स्थान प्राण है है।

हान पत्ति पर है है के स्थान के स्थान है।

महरी सांस ली।

जनमें में स्वरं र राजन से श्री।

- 1

. : .

. . .

न्या चे प्रवास रिक्सिया है ए, संसान की क्रिस्ट प्रवास के क्रिस्ट के क्रिस्ट के क्रिस्ट के साथ ही सामित की प्रवास के क्रिस्ट के क्रिस के क

देशात भारतम् दूर्ण रोगा पश्चार रोगो दे परी स्था। चुको सम्बद्धार हो रहे।

प्राप्त को राज्या , या दा वा ना निम्मा । या स्वाद्य का वा ना का स्वाद्य का वा ना ना का स्वाद्य का वा ना ना का वा स्वाद्य का स्वाद क

प्रकृत राज्य इत्र प्रयास्य व रूप्ते हरण प्रस्ता पूर्वराम गाउँ, इसमान हे क्यह मास् केल आपस् शेता है, हुकों में फला की यान लगह "

" "समझा ।" एका न भाग ने भाग पर गाए । पार्थ वार अव गद्भाग् सार्वा का गावता दृष्ट का के सम्माद्ध का प्रता निव्द नहीं मा अ सामान हर होगा म पत्रे स नाहा होता है " हेहता,

म्बार वं र रहा क्या से मुख्य रही भी एन पर नम् हार्ग मर प्राथमी कर दे में है पर यह प्राथमें प्रहार लगे हैं, हैं। दानु पास के सरपो जाय जाया है। यह के आत् के गृह को आये सामान में प्राप्त वियोग कर्न का बान रनाया जाये ने प्रती भाग स भारो सामान हो भी सिना भर में उपा होंचा जा है या हर मान ही पर के पूर्ण हमें हमी है तो भी यही ते में हुएत्या र किया जाता है।

देवगल चीरान के समझने वाले दग में भिर कि गया। क भाषा बनान पान ने, बहुत दिमान नगकर ये सिधाम बनाया है " देवगान चोजान बोना।

किएए का ही इंगेरिया था एक। इन सिम्बं में सार्व रिमाय को का निया है। निक्रन बब सारा कम हो ग्या तो एक दिन कुण ने उस खुन्य करता दिया कि कही वी जराज के रहस्त की र मृत्य है।" यताती ने धामे स्वर में करा -"बूग शैतान दियाग कः, बहत खुलानाकं दुन्सान था।"

90

63

रीत हो गुणर में, क्लात के सब या वी और कथेगारी तार्फ कर्ण में बेरकर सराव की प्राप्त नुक्रे थे। अब नहात में निक्री भूजाना कार्यु जागा हा ।

रंगात चीरान ने मनानी स कहा।

"रोपण के बाल कर भूगी जाहाक बाहात में बागी इस मन्द्र कि मूज ज अर्थ लड़ कारफ केर पुर लड़ माह्य है। प्रार्थ वह रहे हैं भागाम व अल्यान ये क्लिया ।

ार्था के विकास के का कार्य इतना साथ है । इंडाने स्वाहत है 75 L

ेब्राय ने भागन निर्ध नाकलना इजन वाली मानाबोट ग्रंभी हुई

जहरूज पासर 102 244

ह। जो कि हमाना ने गुरु गर रे हैं " बार पा पूर्ण

अधानी सं निक्त नकते हैं।" "सस पर ना च्या के ये पाली देन हैं मा रक्ते हैं।"

"हा। रूम पर बर्ग जगेंद्र है। यद स्पीत है र गर्जी र देवनात चौषान ने उसे देखा।

शक्त है।" पनानी ने धीरन र ना। लग्रहा चन्त्र गन पना धना का का का न धना। इन्हें

भोत्राक्षेत्र में गत्र ग्रांत ने चानने।"

उन पार्श थे तो का नाचे तक ने आने में घण्या भर लगा गरा। शाना मं रा भारी थ। अहं वाद मनानी ने भाग तर रेपार हो। पानी में रतारी गई। पाना नागे शे नो में गंदा गया। इं स्व भो वार म पन्ता बाट की थी। उसम अभी भी वीस पन्ति से ग आ महते ये।

इस्तज् चौगन न पलानी से करा।

"रिमोट कंट्रोल दो।"

"क्यां /" मनानी के ही ही में कि हना।

"तहात के वा रान दोनों तान छोनने है। तहात में पानी भर जायेगा। नाकि वो इब सके।"

मनाती ने स्मिट कड़ाच विशासक उस दिया ना देवराज रीहान जहां पर चला गया। दस भिनार बाद लीटा और बोर पर आ गया। सोरनताल स्टबारंग पर था।

दवराज चौहान के इशारे पर सोहनजान ने मी एकोट का दूजन स्यार्ट किया और आगे बढ़ा दी।

'दानां तल हटा दिए'" जयभावन ने पृष्टा।

"हा।" कहते हुए देवराज चौहान ने रिमाट के ग्राम समन्दर भ फैंक दिस "एक सवा घण्टे में तहाज दूव आवेगा।"

पोटरबार नेजी से समन्दर में भागने लगी।

दायहर का एक बन रहा था। सूर्य सिर चढ़ा हुआ था। पानो में पड़ने वाली उसकी चमक से अक्सर आखें चृचिया जारी थी। पांच मण्टों के बाद पानी के अवाश उन्हें जमीन विकार है। 7 T T T - स्व प्राप्त विष्या विष्या विष्या । का का ना र ना र नाम र नाम के म कर्त कर - ना इराज ३ इसे न्यानावा रहात क्षाव हो है है जा जा म्ल में इंट 🛅 ान्य स्वयं व्याप्त स्वयं व्याप्त व्याप्त स्वयं व्याप्त राष्ट्र का सुन्ने " राम्योगन ने देवलात सीगन न सार हैंद्राच क्षेत्रक के बाराचा हुए दे सरकीर से मा दिन हिंद "मारवराव" हावारव के करा — बिर पार्च पे पे पेट इन्द्रेत सार प्रस्ति से के केंग्रियों के फिला से सार ही संब रहा पर जार कार का रहत के सहार जिल्ला है पर्भ के देखा काले। सके मार्थ का दिए गा राष्ट्र सत्या ए कर - 'क्लावे हे हाराये ह बाबार दे देन पर बचन छ । इ.स. इ.स. इ.स. इ.स. "पराज" जायन नाम्बान बाज "प्राप्त पान ना पर है " िहें-च सत्र कुण पं स्वयान्त त्र अहत्वयुक्त के कुल विकृति त ेंड में देर पर के व बाइ, इ.जामा के साधा अकृत भारता हूँ के <sup>जाती</sup> हें छाए है समान दान बहुत द्वा गर। र्वात क्षेत्र व काक् मावलाह, "अवस असू पर असर बार अ दे हेला है। यूगा अस उन्हें - APRI BEAUTY न्त्र को अल अपन् रता रण व मानवता व प्रीति वीता । अकृत क्षाम 102 246

en africa. . There's a mile "मा" देवराज चौहान ? पू चार पा प्यास होते । वा १०० • जनसङ्ख्या व सह बन्दर 

न्तर क्षात साह में होते व कर्णा "

भार के किया किया कर के किया है से एक किया है से एक किया है से किया है से एक किया है से एक किया है से एक किया है

के स्वार म नव्य के भार ज नहीं।

न्द्रप्रकृति नम्म मन्त्राम् ।

"बरा । त्रम जाग् गार् हा प्रकृत त्या भाषी। में बीट ह एक री रहा, सबकी रुकड़ निये हार खान का जेने गया है है, इ वर्षे सारण । दुर्माचय दूस भी यहां रहते हो।"

काले कारणी मार्गे। या रो काहनकान - ।"

देवा व श्रीम आर मान्यनान आगे बढ़ गरे। "दर ने रिस्ट्रांग्ज किस्ती दूर है " लोजरा स्थानी ने त्रास्थात्रत में गुग्रा ।

जनवास्त्र व से देखा किर मुस्स्य सर्वा र .

रहम दक ता में सिर्फ इतना बरा सकता हू पदास के गेर तीया, मध्य किन्नी पूर्व है। कहते के साथ ही भाग बाद पर भौ हुई दुर्ग केल देशा पर निग्रह मारी।

"नुष्ये द्रीपन के अचावा और काउ नहीं सुद्धना "

"सूबरा है। लोक्स तब, जब दी रहे सामने ने ही।" जिगसीहरी। ानं देशहर हमा ।

"बाक्ष - ।" पालना गाम्बामी बरवरा गुरी।

03

63

रेशा व प्राप्त महत्त्वाल उन पदां के बीच काहा या ही त्रा गर रोते कि तथी गर भारमें यह में कूड़ा। इसके हाद्य में पार था, भार के दान इस नाम मध्ये हुए ये कि, तथा बा ने कर देर पर जन रहा या। कंपर पर पन बार रखे दे। शानी के टाईर साक्षर पर की सु रही हो।

"ये क्या-?" लोडनलाम १ - न झ विक्या । रमका हाथ रव की लाफ बड़ा

अहा अ नाम अंध्य - 247

रहार रोगत की पाइ निकार ग्रां की मान प्राप्त का गा।

गायनात की, निज की तरफ बद्धा हाय कर गया।

उस मिन ने अपना भानी, उन दाना की तरफ कर दिया। स्था

भारत सा भाषा में चीपा। उसके भाजान के साथ ही अप्याप्य
के भने पाये के बाद में उस तर्म ही बादमी अपने नाचे कृदने ना।

किसी के हाथ में भागा या किया ने करार हो। कोई चीन शाम

लिशी मी काई तीर कमान याम था। कुछ ने कमार पर कपनी लार

राजा था ना काइ न चर्च नई पत्ती हो जांगा है। या होरानों ने इमर

स अपर कड़ भी नहीं ने राजा था।

द्वाज भीत्रम भाग रगमाहन मनके हा चुक्र ये "ये राग्नी नाग है। इनके सामने कोई हरकत ( राज्याना " द्वाराज भीतान मनके स्वरं में बीला।

वो कुल घांदह थे।

उन्होंने उन दोनों को घर निया आर अपनी भाषा में हा कहा। जो उनहीं समझ में नहीं साथा। ये देखकर एक ने इजर में उन्हें आरों बदने का कहा।

देवराज चाहान और सोहनलान उनके घर में आगे बदने लगे। देशक साथ ही वा जगनी लोग खुशी से उछन क्द रहे थे। नाच रहे थे। करीब देश भिनट चलने के बाद वे जगनी उन्हें लेकर गंभी जगह पहचे जहां खुनी जगह में नीम चालीस आपिया बनी है थी। रहां भार भी जगनी नजर आ रहे थे, बन्ध छन रहे थे। उन देशी ही गर्न उसक्ता से भर उनके पास आकर उन्हें चेरकर पर होने गी।

"अब क्या होता?" सहितलाल अर्ताक से हवर ये वाला। "देखने हहा, अगर दुन्हाने हयारो जान लना होती ता उपने ही ने तेले " देवराज चीहान ने सुम्भीर स्वर में कहा।

गोरननात क्षेत्र नहीं बीता।

रेग की लोगों को शार बढ़ना ही जा रहा था।

नभा नगरे तरफ से धनानी भाग नजर जापा । इसे भी धार कार्यामती ने पर रसा गा।

"स नावा को भी इन ,गानी के पकर निया है ," इकान धीरान

रश्रक्ष बाद इन जी तो को श्वर में एफ तर र देश देश गरा। भगभग दस विजय के बाद भार जगभी व्यक्ति। विविधा एक जगभी

**WETT THEY 303-248** 

0 07 -- 1 1 1 -- 1 1 · · · · TITUTE TO THE TOTAL TOTA 7 2 F = 17 - 17 4 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 PRINTED TO A STATE OF THE PARTY OF THE SAME TT 10 10 FAX 10 0 1 1 1 1 1 1 A MANAGER DE SECTION DE MANAGEMENT DE LA COMPANSION DE LA As M. La. S. D. B. C. . S. Cas M. . Earl and Tale ALLE LANGE DE L'ANDRESSE DE LA SECTE DE LA SECTION DE LA S क्षांत्रण समझानी क्षाद सक्षण गाउँ सी हा , रणकी अवसा में एक सामी में कार करते की निवासी इसके साथ विकासिया गरा भी हम इस एका एक गाउँ " बिल्मार में मार्थ महा में हम पर उसकी बार हा जहात किया ने मां विद्या रेकान श्रीराम एक एक गमान्य में दारा "एव सान" में रूप कार्या के बाद की रह रहे हैं। र्णक्रमान अपनी-क्षती ." हा गड़ी मान लेक्ट सम्हणार

"हिन्द्रमान में, मेरी गात्र की जमीन पर कृष्ट गांग कबस कर रहे है। वे ताका पर थे। उन पारपूर्व था। मैं उनका मुकाव ग नहा कर पा रहा था। अर फिर एक दिन गुम्से में आहर मन बरारह नागा छा गरिया से भून दिया। जपीन पर कब्जा करने राजी को नी भार दिया मेन । लेकिन अब मेरे निए फासी के अस्या और काई सता नहीं बंधी थी। और मैं फामी वानी मीत नहीं चाहता था। दो पतीने छानून म बचकर भागता रहा। और दिर किसी तरह बन्दरगाल के जहाज पर छड़े जगाज पर छिप गया। यो जहाज यूरोप की यात्रा पर रवाना हो रहा था। वो अपनी यात्रा पर चल पड़ा। मैं जहाज में ही छिपा रहा। रताया पिया कुछ नहीं था। दूसरे दिन तंग होकर खाने की तजाश में में छिपी जगह से निकला तो पकड़ा गया। केंद्र कर लिया गया, नाकि भग ने बन्दरगाह पर जहाज रक तो मुझे वहां की पृचिस के हवाने कर रिया जाये। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर या। जहाज में छराबी आ गई। तो उस जहाज को इस करीबी टापू पर रुकना पा। यहां रकते ही इन लोगों ने जहाज पर अपना कबजा कर लिया और खाने-पीने का सामान और कपड़े लूटने लगे। मेरी तरफ से उन लोगों का ध्यान हट गया। मै किसी तरह जहाज से निकलकर टापू पर आ छिपा। दो दिन के बाद जहाज आगे बड़ गया। मैं टापू पर ही रहा। धीरे-धीरे इन नागों से घुन-मिन गया। फामी की मौत से बेहतर ये जिन्दगी। वक्त के साय-माय इनकी भाषा भी मुझे समझ आती चली गई। और अब पहां से जाने का मेग कोई दुरादा नहीं है।"

देवयज घीडान ने समझने वाल दग में सिर हिनाया। "तुष नाग आने खाने और पहनने का सामान इन्हें दो और

यह में मने जाओं।" रामसिह बोला।

"हथारे पास खाने का सामान नहीं है। साने की तनाश में री हम यहा आये थे।" देवस ह चीहान ने वाल स्वर में कहा - "कथारी में नाम पर हमारे पास सूरकेस भी नहीं है। हमारा अहा ह दूब रहा या। "से में पारस्वार पर शहकर हमने अपनी जान बचाई।"

रपार्याद ने तमशी भाषा भें सरदार को यह बात बचाई तो मरतार गुरंग से चिल्लाकर कुछ कहने लगा। रामसिह ने देवधर्ग

गोतान को देखा।

"सन्दर्भ करता है है। तुम शूत कातते हो।" "मैं सब कर रहा है। स्थार पास कोई साधान नहीं है।" देवस व गोरान काता। एक्सिंह ने पुनः जंगनी सादार से बात की। सादार ने गुसी
से गवान दिया।
"ये कदता है कन बोट की सताभी लेगे। तुम लोग पूर मेत
'ये कदता है कन बोट की सताभी लेगे। तुम लोग पूर मेत
'ये कदता है कन बोट की सताभी लेगे। तुम लोग पूर मेत
'ये कोई एक्सिंग नहीं।' देशक बीह्मन ने बात ठवा में कहा।
एमितंह ने यह बात जगनी खादार ने कह दी।
एमितंह ने यह बात जगनी खादार ने कह दी।
एमितंह ने पूर्त भे जावे मवा में बिल्लाकर, जंगनी लोगों ही
सुद्ध कहा तो व तारे खुशों से बिल्लान-नावते खाग गये। 'खाने ही
बुद्ध कहा तो व तारे खुशों से बिल्लान-नावते खाग गये। 'खाने ही
सुद्ध के बारों जगनी जादमी बही खहें ही।
"सह बंगरक टाईप के बारों जगनी जादमी बही खहें ही।
"सामें लीट आर्थेंगे!"
जगनीहर ने हहबदाकर कहा।
"सामें लीट आर्थेंगे!"

न्दों लोग सबसे मैसे को कोमत नहीं जाना । इन्हें खाने की साधान और पहलने को कपने वादिये। और किली थीज से इन साधान और पहलने को कपने वादिये। और किली थीज से इन नीमी को मतसब नहीं। गामां में करा — साज रखना कि ने मति यह सरवार मुस्से में जो जायंगा। और यह पुरान में कुछ भी किर मांकारों है। मेरा द्वारार पात की यहां से निकल जाने को करना। करा दें यहां कर सुंच लोगों को जान भी ने मांकारों है। ज्यादा दें यहां करों से दक्ष तुंच लोगों को जान भी ने मांकारों है। ज्यादा दें यहां करों से दक्ष तुंच लोगों को जान भी ने मांकारों है। मुंच लोगों के निकलने सक, मैं इसे लियान नमझावर रोज रखना। "

00

यो सारे जनारी आये गण्टे के बाद लीटे। मोटरबोट घर धुन न होने की खबर उन्होंन अपने सरदार को दी तो एरदार बदातन में भूरते से मा उटा।

ग्रम्बरिक ने सरदार को समझाने की कोज़िक की तो कभी सरदार दण्डा हो जाता तो कभी किर पर्व हो उठता। रापसिंह के जोर देने पर, सरदार ने उन लोगों को जाने की इन्छनत दी।

"तुम लोग जल्दी से, यहां से निकात जाओ।" रामसिंह बोला--"अभी यह तुम लोगों को यहां से चले जाने को कह रहा है। कुछ पता नहीं मिनट बाद यह दुम लोगों की भीत का फरमान जारी कर दे।"

देवराज चौक्षन ने मुस्कराकर रामसिंह को देखा। उसके बाद वे सब तेजी से उस तरफ बड़ गये जड़ां मोटरबोट

बहाब मध्यर 302—251

खड़ी थी। किसी ने उन्हें रोकने या साय आने की कोशिश नहीं की।

पीछे से उनके कानों में सरदार और रामसिंह की ऊंची-ऊंची आवाजें आती रहीं।

"जल्दी से निकत चलो।" सोहनलाल ने कहा—"उन दोनों वे बहस ह्ये रही है। कोई बड़ी बात नहीं, सरदार गुस्से में अपने आदमी, हमारी जान लेने के लिये दौड़ा दे।"

सबकी एफ्तार पहले से ही तेज थी।

समन्दर के किनारे पर पहुंचते ही सब हड़बड़ा उठे। उनकी आंखें जैसे फटकर फैसती चली गई। दो पत के तिये लगा, जैसे उनके जिस्म वहीं के वहीं खत्म हो गये थे। घड़कन रुक गई हो।

सबसे पहले देवराज चीहान के होंठों पर मुस्कान रेंगी। फिर वो खुलकर मुस्कराया और सिग्नेट सुलगाकर सब पर निगाह मारी। वो सब जैसे घीरे-घीरे बेहोशी के दौर से बाहर निकलने लगे थे। लेकिन शायद सांसों का चलना अभी भी शुरू नहीं हुआ था।

वहां नजारा ही ऐसा था।

हर तरफ डॉलर ही डॉलर नजर आ रहे थे। टापू की जमीन पर डॉलर, समन्दर के पानी के ऊपर दूर-दूर तक डॉलर बिछे हुए थे। पानी का बहाव डॉलरों को दूर ले जाये जा रहा था। समन्दर का पानी नजर नहीं आ रहा था। हर तरफ डॉलर ही डॉलर बिखरे नजर आ रहे थे। दो पल के लिए तो पही लगा कि जैसे वहां डॉलरों की बरसात हुई हो। और समन्दर डॉलरों का समन्दर बन गया हो। वह नजारा मीठा भी नग रहा था और कड़वा भी।

खाने का नामान और कपड़ों की तलाश में जंगली लोगों ने डॉनगें पाने भी खोल डाले ये और डॉलरों को बाहर फेंक-फेंककर, अपन काम के भी तलाश की होगी, यह उसी हरकत का अरिणाम था. इॉलर पानी में बह गये थें। कुछ टापू पर बिखरे हुए । तो पास कहने को कोई शब्द नहीं था।

हक्के एक वे सव।

लेकिन उचरान गौहान बराबर मुस्करा रहा था। डॉलरों वाले किस्ते से वे लोग पूरी तरह संभल भी नहीं पाये ये कि उनके कानों में पीछे से उठता शोर पड़ा। जंगली लोगों का शोर। यो अजीव-अजीव, ऊंची आयाजी में चिल्ला रहे हो। शोर हर पल करीव जाता जा रहा था।

"निकली यहाँ से।" देवराज चीहान चिल्लाया-"वो जंगली,

हमें मारने आ रहे हैं।"

सबको होश आया।

सोहनलाल जल्दी से जाये बड़ा और स्टेपरिंग सीट पर बैठकर मोटरबोट स्टार्ट करने लगा। मलानी और अनिता गोस्वामी भी जल्दी से बोट पर पहुंच गये।

जनमोहन बुत-सा बना पधास करोड़ डॉलर के समन्दर को

देख रहा या।

"जगमोहन!" देवराज चौहान ने उसे धकेला—"बोट में घलो।" "वो डॉलर-।" जगमोहन ने अजीव-से स्वर में कहना चाहा। "वो जंगली हमारी जान लेने आ रहे हैं। जल्दी से बोट में बैठो।" देवराज चौहान ने उसे पुनः धकेला।

"लेकिन ये डॉलर--।"

जंगली लोगों का शोर सिर पर आ पहुंचा या। अब वो नजर भी आने लगे थे। उनके हायों में तरह-तरह के हियार ये और चेहरों पर गुस्सा नजर आ रहा या। दूर से ही वो अपने हायों में थमे हथियारों को इस तरह हिला रहे ये जैसे उनका बस चले तो दूर से ही उन्हें मार दें।

देवराज चौहान ने होंठ भींचकर जगमोहन को उठाया और पांच कदम आगे बढ़कर बोट में डाला। मलानी ने उसे संभाला और देवराज चौहान भी बोट में आ चुका या। अगले ही पल सोहनलाल

ने जल्दी से मोटरबोट आगे बढ़ा दी।

देखते ही देखते मोटरबोट किनारे से दूर, डॉलरॉ के समन्दर को पार करती चली गई।

वो देरसारे जंगली किनारे पर पहुंच गये थे। मोटरबोट दूर . होती पाकर वो गुस्ते से चिल्लाने लगे। कुछ ने गुस्ते का इजहार अपने हियायारों को उनकी तरफ पानी में फैंक कर किया। लेकिन वोट उनकी जद से दूर पहुंच चुकी यी और दूर होती जा रही थी।

जगमोहन जल्दी से संमला और टापू की तरफ नजर मारी। डॉलरों का समन्दर अभी भी स्पष्ट नजर आ रहा या। वहां पानी की जगह दूर-दूर तक, उस पर जमी डॉलरों की तह नजर आ रही थी। उसके घेहरे पर ऐसे भाव ये जैसे, उसकी प्यारी दुनियां उजड़ गई हो।

"बना गये।" सोहनसाल ने टापू की तरफ देखा, नहां देएसारे बंगले कहर आ रहे थे। कि उसकी निगाह जगमोहन के तुरे-पिर्ट चेहरे पर पड़ी-"तेरे को क्या हो गया जगमोहन?"

"डीसर । प्रचास करोड डॉलर- ।" जगमोहन न अफसोसपरे

"कान बच गई। ये ही बहुत है।" सोहनलात ने गहरी सांत त्वा में कहा। सी-"इंग्लर फिर कभी मिल जायेंगे।"

"को पदास करोड़ डीसर थे-।"

"कोई बात नहीं। अपनी जान उन डॉलरों से ज्यादा कीपती

है।" सोहनसाल मुस्कग्रकर बोला।

जनपोहन की निगाह, उधर ही, रापू के किनारे पर ही रही। देवराज चौहान मोटरबोट की सीट पर सेटा क्षत भाग छ नियंट के फल से रहा था।

नुस्रे दुन्य नहीं से रहा।" जममोहन, एकाएक देवरान चौहान

"हिस बात का।" जगमोहन की देखका, देवंगन चीहान

"पपास करोड़ दोंसरों के बरबाद होने हा-।" "को हमारे नहीं थे। इससिये दुन्छ नहीं हो रहा।"

'तो कितके ये?' "दीलत किसी की भी नहीं होती।" मुस्कराकर देवराज चीहान

होता और जानी चंद कर ती।

ज्याभावन, देवरहर भोहान को देखता रहा । समझ नहीं या रहा का कि क्या जनाव है। देवराज चीठान में टीक ही वा काम था कि धैसत फिसी की समी नाम होती। अध्य वहां तो कत यहां । विना भावों की दीलत, के दीहने की रफ्तार का कोड मुकाबन, नहीं कर गवता। को कारे वान-कहां दिवा, किसके पाल पहुंच ताये, और कव श से चल दे। जेसे कि लगी पचान करोड़ के डॉलर के लाय हुआ मा। क्षा देर पहले उसके पास थे और अब वो उसके पास नहीं थे।

